THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 142 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.10 2083 शनिवार, 22 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान आज भारत आ रहे

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के भारत आने के लिए राजी होने के संकेत हैं। शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन सचिवालय से जारी एक विज्ञप्ति ने इस बात की ओर इशारा किया है। बांग्लादेश के पीएम के आधिकारिक स्वागत के लिए राष्ट्रपति भवन में शनिवार को फुल रिहर्सल का कार्यक्रम तय किया गया है। राष्ट्रपति भवन से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि 22 अगस्त, 2026 को राष्ट्रपति भवन में चेंज ऑफ गार्ड सेरेमनी नहीं होगी। इसके लिए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के औपचारिक स्वागत के लिए फुल रिहर्सल वजह बताई गई है।

राहुल के धरना के बाद एफआईआर

कोई नामजद नहीं, प्रदर्शनकारी बोला-आंख खराब हुई; राहुल छात्र के साथ थाने से रवाना

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर प्रदर्शनकारी छात्र साहिल की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है, लेकिन मामला अज्ञात पर दर्ज किया गया है। साहिल का आरोप है कि पैलेट छर्रे लगने से उसकी आंख की रोशनी चली गई।

एफआईआर दर्ज करवाने तक राहुल थाने के बाहर ही बैठे रहे। वे शुक्रवार दोपहर करीब 12.30 बजे से संसद मार्ग थाने पहुंचे थे। जब उनकी मांग नहीं मानी गई, तो वे डीसीपी से मिले। बातचीत का नतीजा न निकलने पर धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा था कि जब तक एफआईआर दर्ज नहीं होगी, वे हटेंगे नहीं। इसके बाद 5.30 बजे पुलिस ने प्रोसेस शुरू की।

इससे पहले राहुल ने साहिल को लगे छर्रे दिखाकर कहा था- 'पैलेट गन चलने के सबूत हैं। ये छर्रे साहिल के शरीर से निकले हैं।

अगर पुलिस ने गन नहीं चलाई तो किसने चलाई है। पुलिस कह रही है कि उन्हें एफआईआर नहीं करने के ऊपर से निर्देश हैं।' पहले मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन गए और एफआईआर दर्ज करने की मांग की। राहुल के साथ प्रियंका गांधी, अधीर रंजन चौधरी, सलमान खुर्शीद और जयराम रमेश भी मौजूद थे।

दिल्ली पुलिस ने साहिल की मां की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की है। इस एफआईआर के मुताबिक अज्ञात आरोपियों पर बीएनएस की धारा 118 और 125 के तहत आरोप लगाए गए हैं। धारा 118 जानबूझकर खतरनाक हथियारों या खतरनाक साधनों से किसी को चोट पहुंचाने पर लगती है। वहीं, धारा 125 किसी भी ऐसे लापरवाही या उतावलेपन भरे काम पर लागू होती है, जिससे दूसरों की जान या व्यक्तिगत सुरक्षा खतरे में पड़ जाए। >14

दिल्ली पुलिस के गले की फांस बनेगा पैलेट गन

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राहुल गांधी की मौजूदगी में दिल्ली पुलिस ने कई घंटे बाद केस दर्ज कर लिया। यह केस, दिल्ली पुलिस के लिए गले की फांस बन सकता है। वजह, केस की जांच के दौरान दिल्ली पुलिस के दो डीसीपी रडार पर रहेंगे। इन्होंने ही आरएएफ को पैलेट गन एवं दूसरे फायर आर्म्स चलाने का अधिकार दिया था।

जानकारों का कहना है कि जांच के लिहाज से यह एक जटिल केस बन सकता है, क्योंकि इसमें दिल्ली पुलिस के अलावा सीआरपीएफ की विशेष इकाई 'रैपिड एक्शन फोर्स' भी शामिल है। जांच करते समय यह बात भी ध्यान में रखनी है कि दिल्ली पुलिस जिस केंद्रीय बल को कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए बुलाती है, वह उसकी तैनाती और कार्रवाई के लिए भी जिम्मेदार होती है। दिल्ली पुलिस ने गृह मंत्रालय से आग्रह किया था कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीआरपीएफ व आरएएफ सहित दूसरे केंद्रीय बलों की कंपनियां जंतर मंतर और दूसरे इलाकों में तैनात की जाएं। >14

ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी पहुंचे सीएम

केंद्र ने रेवंत रेड्डी की अमेरिका यात्रा पर रोक लगाई
तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री के बिना ही आगे बढ़ेगा

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विदेश मंत्रालय द्वारा राजनीतिक मंजूरी न दिए जाने के बाद मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को अपनी विदेश यात्रा का अमेरिका चरण रद्द करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। 'तेलंगाना राइज़िंग' के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे मुख्यमंत्री को लंदन पहुंचने के बाद इस मंजूरी से इनकार की सूचना मिली। केंद्र सरकार के फैसले के बाद, रेवंत रेड्डी अपना कार्यक्रम छोटा करके बोस्टन जाने के बजाय 23 अगस्त को लंदन से हैदराबाद लौट आएंगे। हालांकि, उन्होंने राजकीय प्रतिनिधिमंडल को निर्धारित अमेरिकी दौरे को जारी रखने और प्रस्तावित समझौता ज्ञापनों और शैक्षणिक साझेदारियों को औपचारिक रूप देने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार ने नीति और प्रोटोकॉल के अनुसार ब्रिटेन और अमेरिका की यात्रा के लिए केंद्र से

अनुमति मांगी थी, लेकिन केवल ब्रिटेन की यात्रा को ही मंजूरी मिली। आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के ब्रिटेन पहुंचने के बाद केंद्र ने राज्य सरकार को अनुमति अस्वीकृत करने की सूचना दी। केंद्र के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा, इस यात्रा का एकमात्र उद्देश्य केंद्र की नई शिक्षा नीति के तहत दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों को भारत, तेलंगाना और हैदराबाद लाना था। ये संस्थान हमारे युवाओं की सर्वश्रेष्ठ आइवी लीग और शीर्ष वैश्विक संस्थानों से शिक्षा, कौशल और प्रशिक्षण प्राप्त करने की आकांक्षाओं को पूरा करते। उन्होंने कहा कि मेरा हमेशा से यह मानना रहा है कि राष्ट्र निर्माण और युवाओं के भविष्य की बात आने पर हम सभी को राजनीति और चुनावों से परे सोचना चाहिए। >14

रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में जांच जारी

ईडी ने कोर्ट में दाखिल की स्टेटस रिपोर्ट, मांगा और समय

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े शिकोहपुर जमीन सौदे में मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राउज एवेन्यू कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की है। ईडी ने कहा कि जांच पूरी करने के लिए उसे कुछ और समय की जरूरत है। ईडी ने अदालत को बताया कि शिकोहपुर जमीन सौदे में डीएलएफ की भूमिका से जुड़े मामले की जांच जारी है। इस बीच, जांच एजेंसी ने आरोपियों को संबंधित दस्तावेज उपलब्ध करा दिए हैं।

डेढ़ दशक पुराना है शिकोहपुर जमीन सौदे का मामला

ईडी ने दस्तावेजों की सूची उपलब्ध कराने के लिए अदालत से तीन सप्ताह का समय मांगा। एजेंसी ने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है। अदालत ने ईडी को समय देते हुए मामले की अगली सुनवाई के लिए 23 सितंबर की तारीख तय की है। रॉबर्ट वाड्रा से जुड़ा गुरुग्राम के शिकोहपुर जमीन सौदे का मामला करीब डेढ़ दशक पुराना है। अब यह मामला प्रवर्तन निदेशालय की मनी लॉन्ड्रिंग जांच और अदालत की कार्रवाई के कारण फिर चर्चा में है। अप्रैल 2026 में दिल्ली की एक अदालत ने ईडी की ओर से दाखिल अभियोजन शिकायत पर संज्ञान लेते हुए वाड्रा और अन्य आरोपियों के खिलाफ आगे की कार्यवाही के लिए पर्याप्त सामग्री होने की बात कही।

बंगाल में 45 दिन में एक्शन, बीएसएफ-एसएसबी को मिली 1,129 एकड़ जमीन

अमित शाह ने बताया कैसे मजबूत होगी सीमा सुरक्षा?

कोलकाता, 21 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने सीमा सुरक्षा बल के जवानों को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल में बीएसएफ और एसएसबी को 1,129 एकड़ जमीन दिए जाने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि

बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के 45 दिनों के भीतर यह कदम उठाया गया और इसकी वजह बीजेपी सरकार होना नहीं, बल्कि घुसपैठ के खतरे को समझना है। अमित शाह ने जोर देकर कहा कि घुसपैठ पर रोक लगाए बिना न तो पश्चिम बंगाल और न ही भारत को पूरी तरह सुरक्षित किया जा सकता है।

अमित शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सरकार बनने के महज 45 दिनों के भीतर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के लिए 1,129 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई है। उन्होंने इसे सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया। गृह मंत्री ने कहा कि इस काम में दिखाई जा रही तेजी की वजह केवल यह नहीं है कि राज्य में बीजेपी की सरकार है। उनके मुताबिक, इसके पीछे घुसपैठ के खतरे को लेकर गंभीर समझ और उसे रोकने की प्रतिबद्धता है। अमित शाह ने कहा कि जब तक घुसपैठ पर पूरी तरह रोक नहीं लगती, तब तक पश्चिम बंगाल की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती।

यूपी गैंगस्टर एक्ट पर अदालत की सख्त टिप्पणी

मनमानी कार्रवाई की इजाजत नहीं

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उत्तर प्रदेश गैंगस्टर और असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के दुरुपयोग की आशंका है। कोर्ट ने कहा कि 1986 का यह कानून शुरू से ही निष्प्रभावी (स्टिलबॉर्न) है, क्योंकि किसी व्यक्ति को सिर्फ गैंगस्टर का लेबल लगा देने के आधार पर सजा नहीं दी जा सकती। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि हिंसा और संगठित अपराध रोकने के लिए बनाया गया यह कानून अनजान नागरिकों के खिलाफ भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स एंड एंटी-सोशल एक्टिविटीज (प्रिवेंशन) एक्ट एक विशेष राज्य कानून है। इसे संगठित अपराध गिरोहों, आपराधिक गैंग और आदतन असामाजिक तत्वों को निशाना बनाने, नियंत्रित करने और सजा देने के लिए बनाया गया था। स्टिलबॉर्न एक कानूनी शब्द है। इसका इस्तेमाल ऐसे कानून के लिए किया जाता है, जिसे शुरुआत से ही अमान्य या कानूनी रूप से निष्प्रभावी माना जाता है, क्योंकि वह किसी वैध अपराध को स्पष्ट रूप से तय नहीं करता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह कानून हिंसा रोकने के नाम पर नागरिकों के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा देने की स्थिति पैदा कर सकता है। पीठ ने कहा, गैंग की परिभाषा तय करने के बाद, जिसमें उप-खंड (क) से (25वें) में सूचीबद्ध अपराधों को करना शामिल है, और गैंगस्टर को गैंग के सदस्य, नेता या आयोजक के रूप में परिभाषित करने के बाद, बिना किसी अपराध को कानून के तहत बनाए गैंगस्टर के लिए सजा तय की गई है। यही इस दंड कानून को शुरू से ही निष्प्रभावी बनाता है। शीर्ष अदालत ने अंग्रेजी लेखक जॉर्ज ऑरवेल को उद्धृत करते हुए कहा, जो लोग हिंसा से दूर रहते हैं, वे ऐसा केवल इसलिए कर सकते है।

हत्याकांड से मनी लॉन्ड्रिंग तक सांसद अविनाश रेड्डी के छह ठिकानों पर ईडी की रेड

करोड़ों के लेनदेन की जांच जारी

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय ने वाई.एस. विवेकानंद रेड्डी हत्याकांड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शुक्रवार को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में छह ठिकानों पर तलाशी ली। इनमें वाईएसआरसीपी सांसद वाई.एस. अविनाश रेड्डी और उनके पिता वाई.एस. भास्कर रेड्डी से जुड़े परिसर भी शामिल हैं। ईडी 4 करोड़ रुपये के कथित भुगतान समेत हत्या से पहले हुए वित्तीय लेनदेन और पैसों की आवाजाही की जांच कर रही है। यह कार्रवाई सीबीआई की जांच और चार्जशीट के आधार पर दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले के तहत की गई है।

हैदराबाद में दो और कडप्पा में चार जगहों पर तलाशी

ईडी के अधिकारियों ने शुक्रवार सुबह तलाशी अभियान शुरू किया। जांच एजेंसी की टीमों ने हैदराबाद में दो और कडप्पा जिले में चार ठिकानों पर एक साथ

कार्रवाई की। इन सभी स्थानों पर मामले से जुड़े दस्तावेजों और अन्य संभावित साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

अविनाश रेड्डी और उनके पिता के ठिकाने भी जांच के दायरे में

तलाशी कडप्पा के सांसद अविनाश रेड्डी, उनके पिता वाई.एस. भास्कर रेड्डी और हत्या मामले के अन्य आरोपियों से जुड़े परिसरों पर की गई। हैदराबाद के कोकापेट स्थित अविनाश रेड्डी के आवास पर ईडी की एक टीम तलाशी ले रही थी।

पुलिवेंदुला स्थित आवास मिला बंद

ईडी की एक अन्य टीम कडप्पा जिले के पुलिवेंदुला शहर स्थित अविनाश रेड्डी के आवास पर भी पहुंची। हालांकि, वहां परिसर बंद मिला। इसके बाद जांच टीम ने मामले से जुड़े अन्य ठिकानों पर अपनी कार्रवाई जारी रखी। ईडी की तलाशी उन परिसरों तक भी पहुंची, जो हत्या मामले के अन्य आरोपियों से जुड़े हैं। इनमें सुनील यादव, देवीरेड्डी शिवशंकर रेड्डी और एर्रा गंगिरेड्डी से जुड़े ठिकाने शामिल हैं।

सीबीआई की एफआईआर और चार्जशीट के आधार पर ईडी की जांच

केंद्रीय जांच एजेंसी ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज मामले और उसके बाद दाखिल की गई चार्जशीट के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की है। ईडी ने पिछले साल अगस्त में इस मामले में प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की थी।

हत्या से पहले हुए वित्तीय लेनदेन की पड़ताल

ईडी इस मामले में हत्या से पहले हुए वित्तीय लेनदेन की जांच कर रही है। आरोप है कि विवेकानंद रेड्डी की हत्या के लिए 4 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था।

'अगर आप शांति चाहते हैं तो युद्ध की तैयारी करें'

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने चीन को आने वाले वर्षों में भारत का मुख्य प्रतिस्पर्धी बताया है। उन्होंने कहा, बीजिंग के राजनीतिक, आर्थिक, व्यापारिक और सैन्य क्षेत्रों में नई दिल्ली को चुनौती देने की संभावना है। नरवणे ने कहा, भारत ने चीन और पाकिस्तान दोनों के साथ युद्ध लड़े हैं और दोनों के साथ सीमा विवाद भी हैं, इसलिए दोनों देश भारत के लिए चुनौती बने रहेंगे। हालांकि, उन्होंने चीन को दुश्मन कहने के बजाय प्रतिस्पर्धी शब्द का इस्तेमाल करने पर जोर दिया।

वहीं उन्होंने पड़ोसी देशों में हुई उथल-पुथल पर कहा, कि भारत को पड़ोसी देशों में स्थिरता बनाए रखने में मदद करनी चाहिए। साथ ही यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अपनी सेना के पास पर्याप्त प्रतिरोधक क्षमता बनी रहे। नरवणे ने कहा, 'यदि आप शांति चाहते हैं, तो युद्ध की तैयारी करें।' अपनी नई पुस्तक 'द क्यूरियस एंड द क्लासिफाइड : अनअर्थिंग मिलिट्री मिथ्स एंड मिस्ट्रीज' के विमोचन के अवसर पर बोलते हुए पूर्व सेना अध्यक्ष जनरल मनोज नरवणे ने गुरुवार को कहा कि आतंकवाद के लगातार खतरे के कारण भारत का ध्यान काफी हद तक पाकिस्तान पर केंद्रित रहा है, लेकिन दीर्घकाल में चीन कई क्षेत्रों में भारत का मुख्य प्रतिस्पर्धी बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच प्रतिस्पर्धा राजनीतिक, आर्थिक, व्यापारिक और सैन्य समेत कई क्षेत्रों में होगी। वहीं चीन के संदर्भ में शत्रु शब्द का इस्तेमाल करने से बचते हुए नरवणे ने कहा कि भारत को बीजिंग के साथ लंबे समय से चले आ रहे मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाने के साथ-साथ मजबूत सैन्य प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने की जरूरत है। पूर्व सेना प्रमुख ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान और चीन दोनों के साथ युद्ध लड़े हैं और दोनों के साथ सीमाओं का विवाद अभी अनसुलझा है।

किसकी बढ़ रही आबादी, किसकी घट रही?

बदलते आंकड़ों ने बढ़ाई चिंता

विशाखापत्तनम, 21 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तीन दिन तक चली 'अखिल भारतीय समन्वय बैठक' में आबादी के असंतुलन और उसके सामाजिक सद्भाव पर पड़ने वाले असर को लेकर गंभीर चर्चा हुई। आरएसएस नेता मुकुंद ने शुक्रवार को बैठक में हुई चर्चाओं की जानकारी देते हुए बताया कि कुछ इलाकों में अलग-अलग वर्गों और समुदायों की आबादी में तेजी से बदलाव का मुद्दा बैठक के प्रमुख विषयों में शामिल रहा।

कुछ समुदायों की आबादी में बढ़ोतरी पर चिंता

पत्रकारों से बातचीत में मुकुंद ने कहा कि कुछ वर्गों या समुदायों की आबादी में काफी बढ़ोतरी हो रही है, जबकि दूसरी ओर कुछ समुदायों की आबादी में कमी देखने को मिल रही है। बैठक में आबादी में इस तरह के बदलाव और उससे पैदा होने वाले असंतुलन को गंभीरता से लिया गया। आरएसएस नेता ने कहा कि देश में प्रजनन दर लगातार घट रही है। इसके साथ ही कुछ इलाकों में आबादी के असंतुलन का असर सामाजिक ताने-बाने और आपसी सद्भाव पर भी दिखाई दे रहा है। बैठक में इस विषय को सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानते हुए इसके संभावित प्रभावों पर विचार-विमर्श किया गया। जंतर-मंतर पर हाल में हुए विरोध प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए मुकुंद ने कहा कि बैठक में व्यवस्था और सिस्टम से जुड़ी कुछ कमियों पर भी चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि इन मुद्दों के समाधान और व्यवस्था को बेहतर बनाने की जरूरत पर विचार किया गया।

तीन दिवसीय बैठक में युवाओं से जुड़े मुद्दों को भी प्रमुखता दी गई। मुकुंद के मुताबिक, युवाओं की चिंताओं, उनके बेहतर भविष्य के लिए जरूरी कदमों और देश के विकास में उनके योगदान को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में इस बात पर विचार किया गया कि युवाओं की ऊर्जा और क्षमताओं का सकारात्मक तरीके से राष्ट्र निर्माण में कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है।

20 रुपये रिश्वत का 30 साल चला मुकदमा

सुप्रीम कोर्ट से हुए बरी, कभी एक साल हुई थी सजा

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। 20 रुपये की रिश्वत मामले में दो लोगों को ट्रायल कोर्ट ने एक साल की सजा सुनाई थी। हालांकि, करीब 30 साल अब सुप्रीम कोर्ट ने इस केस में अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट दोनों आरोपियों को बरी कर दिया। पूरा मामला इनकम सर्टिफिकेट जारी करने से जुड़ा है। आरोप है कि इसके लिए 20 रुपये रिश्वत ली गई थी। अब 30 साल बाद, सुप्रीम कोर्ट ने 1996 के इस मामले में दो सरकारी कर्मचारियों को बरी कर दिया है। ट्रायल कोर्ट ने उन्हें इस मामले में एक साल की जेल की सजा सुनाई थी।

रिश्वत के आरोप, नौकरी भी गंवाई

जस्टिस उज्ज्वल भुइयां और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की बेंच ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को गलत तरीके से दोषी ठहराया गया था क्योंकि इस बात का कोई सबूत नहीं था कि उन्होंने रिश्वत की मांग की थी। दोषी ठहराए जाने के बाद उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया था और अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए उन्हें तीन दशकों तक कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी। बेंच ने कहा, 'अभियोजन पक्ष की ओर से पेश किए गए सभी सबूतों पर गौर करने के बाद हम पाते हैं कि ये दोनों आरोपियों के खिलाफ आरोप को बिना किसी शक के साबित करने के लिए काफी नहीं हैं।' शीर्ष अदालत ने कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में किसी व्यक्ति को दोषी ठहराने के लिए रिश्वत की मांग एक जरूरी बात है, जो इस मामले में नहीं थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब रिश्वत की कोई मांग साबित नहीं हुई, जैसा कि दोनों अदालतों ने माना है। ऐसे में यह साफ था कि शिकायतकर्ता ने बिना किसी मांग के आरोपी नंबर 2 की जेब में 20 रुपये का नोट डाल दिया था।

'अमेरिका मत आना, भारत ज्यादा अच्छा'

एनआरआई कपल ने दी भारतीय युवाओं को बड़ी सलाह

वॉशिंगटन, 21 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका जाना हजारों भारतीयों का सपना होता है। अमेरिकी दूतावास के सामने लंबी-लंबी लाइनें आम बात हैं। वीजा हासिल करने के लिए वेटिंग भी बहुत लंबा होता है। अब अमेरिका में रह रहे एक एनआरआई कपल ने भारतीय युवाओं को यहां नहीं आने की अपील की है। इनका नाम है सुहास और प्रियंका। भारतीय कपल ने इंस्टाग्राम पर जारी किए गए वीडियो में कहा कि भारत अब कई ऐसे करियर के अवसर का ऑफर दे रहा है जो पहले केवल अमेरिका में मिलती थीं। सुहास और प्रियंका ने कहा कि ऐसा वह अपने अमेरिका में रहने के अनुभव से कह रहे हैं।

सुहास और प्रियंका का इंस्टाग्राम पर चैनल है। उन्होंने युवाओं को भारत में ही रहकर अवसर भुनाने की सलाह दी। भारतीय कपल से भारत के इंतजार कर रहे युवाओं को लेकर सवाल

पूछा गया था। सुहास और प्रियंका ने कहा, 'अमेरिका मत आओ।' उन्होंने कहा कि जब मैं अमेरिका आया था तब हालात अलग थे। सुहास ने कहा, 'हम यहां अमेरिका में इसलिए आए क्योंकि उस समय भारत में हमारे लिए काम करना बहुत मुश्किल था।'

'भारत पर फिदा हैं दुनिया के निवेशक'

सुहास ने आगे कहा, 'भारत में अच्छी जॉब नहीं थी और अच्छी जीवनशैली जीना भी बहुत मुश्किल था। अमेरिका हमारे लिए बहुत आसान दांव था। आप यहां आते थे और मास्टर्स की डिग्री लेते थे। इसके बाद आपकी जॉब लगती थी और आपकी लाइफ सेट हो जाती थी।' उन्होंने कहा कि भारत बदल गया है और वैसे ही जॉब के अवसर मुहैया करा रहा है जो पहले विदेश में मिलती थीं। भारतीय कपल ने कहा कि अब आप भारत में वही चीजें कर सकते हैं जो पहले केवल अमेरिका में की जा सकती थीं। >14

वन विभाग की टीम पर जेसीबी से हमला, एक फॉरेस्ट गार्ड घायल

नारनौल (हरियाणा), 21 अगस्त (एजेंसियां)। नांगल चौधरी के बायल पहाड़ी क्षेत्र में अवैध खनन माफियाओं ने एक बार फिर अपनी दबंगई दिखाई है। शुक्रवार सुबह, वन विभाग की एक टीम गश्त पर थी, तभी माफियाओं ने एक वनकर्मी की मोटरसाइकिल पर जेसीबी मशीन चढ़ा दी। इस हमले में वन विभाग के फॉरेस्ट गार्ड बाल-बाल बच गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी बायल पहाड़ी क्षेत्र में खनन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए गश्त पर निकले थे। इसी दौरान अवैध रूप से खनन करते हुए जब वन विभाग की टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, तो माफियाओं ने हिंसक रूप धारण कर लिया। माफियाओं ने वन विभाग के एक फॉरेस्ट गार्ड को निशाना बनाया, जो उन्हें रोकने के लिए आगे बढ़ा था। गार्ड की मोटरसाइकिल को देखते ही, माफियाओं ने तुरंत एक जेसीबी मशीन से उस पर हमला कर दिया। जेसीबी के वार से मोटरसाइकिल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और गार्ड ने जैसे-तैसे अपनी जान बचाई।

सुप्रीम कोर्ट ने एंट्री-लेवल ज्यूडिशियल परीक्षा के लिए ज़रूरी

तीन साल की कानूनी प्रैक्टिस की शर्त को घटाकर एक साल कर दिया

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अपने मई 2025 के फैसले में बदलाव करते हुए लॉ ग्रेजुएट के लिए एंट्री-लेवल ज्यूडिशियल सर्विस परीक्षा में शामिल होने के लिए पहले से ज़रूरी तीन साल की कानूनी प्रैक्टिस की शर्त को घटाकर एक साल कर दिया है। हालांकि, चुने गए उम्मीदवारों को ज्यूडिशियल एकेडमी में ट्रेनिंग और उसके बाद एक साल की क्लर्कशिप करनी होगी। चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस एजी मसीह और के। विनोद चंद्रन की बेंच ने 2:1 के बंटे हुए फैसले में रिव्यू पिटीशन को खारिज करते हुए यह बात कही। बेंच ने कहा कि 25 मई 2025 और 31 मार्च 2027 के बीच घोषित ज्यूडिशियल परीक्षाओं में शामिल होने वाले उम्मीदवार बिना किसी पिछले अनुभव के भी योग्य होंगे।

इसने कहा कि ऐसे उम्मीदवारों को चुने जाने पर केवल एक साल के लिए ट्रेनी ज्यूडिशियल ऑफिसर के तौर पर नियुक्त किया जाएगा और उन्हें एक साल की स्ट्रक्चर्ड

क्लर्कशिप भी करनी होगी।

पिछले साल 20 मई को, शीर्ष अदालत ने नए लॉ ग्रेजुएट को एंट्री-लेवल ज्यूडिशियल सर्विस परीक्षा में शामिल होने से रोक दिया था और कम से कम तीन साल की कानूनी प्रैक्टिस की शर्त तय की थी।शीर्ष अदालत ने माना कि बिना किसी ट्रांज़िशनल व्यवस्था के तीन साल की प्रैक्टिस के नियम को अचानक बहाल करने से युवा वकीलों और लॉ ग्रेजुएट को परेशानी हुई है और इसलिए, सीमित दखल की ज़रूरत थी।

इसने कहा कि 1 अप्रैल 2027 के बाद घोषित होने वाली परीक्षाओं के उम्मीदवारों के लिए नई व्यवस्था लागू होगी।शीर्ष अदालत ने मई 2025 के फैसले को चुनौती देने वाली रिव्यू पिटीशन के एक बैच पर फैसला सुनाया, जिसमें सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के तौर पर सीधी भर्ती के ज़रिए ज्यूडिशियल सर्विस में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए तीन साल की कानूनी प्रैक्टिस ज़रूरी थी।

सीजेआई कांत ने बहुमत का फैसला सुनाते हुए कहा कि बेंच को पिछले फैसले के उस बुनियादी तर्क में दखल देने का कोई कारण नहीं दिखा कि ज्यूडिशियरी में शामिल होने से पहले उम्मीदवार को कानूनी पेशे का अनुभव होना चाहिए।

हालांकि, इसने कहा कि पिछले अनुभव की शर्त का उचित संबंध होना चाहिए और युवा वकीलों को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए और स्पष्ट किया कि पिछले फैसले पर पिछले अनुभव की शर्त के पहलू पर पुनर्विचार की ज़रूरत नहीं है। शीर्ष अदालत ने 28 जुलाई को इस मामले में दायर रिव्यू पिटीशन और रिट पिटीशन के एक बैच पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

13 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाई कोर्ट से कहा कि वे सिविल जज (जूनियर डिवीज़न) के पदों के लिए आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख को 30 अप्रैल तक बढ़ा दें।कोर्ट ने एंट्री-लेवल ज्यूडिशियल सर्विस परीक्षा में शामिल होने के लिए तीन साल की शर्त पर सभी हाई कोर्ट, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी और दूसरे लॉ स्कूलों से राय मांगी थी।

गुजरात के पाटन में 14709 किलो मिलावटी तेल जब्त

अहमदाबाद, 21 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात के पाटन में बड़े पैमाने पर मिलावट के खेल का खुलासा हुआ है। एफडीए ने छापेमारी कर 14709 किलोग्राम मिलावटी तेल जब्त किया है। क्राइम ब्रांच और खाद्य विभाग ने संयुक्त कार्रवाई कर इस पूरे रैकेट का भंडाफोड़ किया है। फैक्ट्री में सोयाबिन में सस्ते तेल की मिलावट कर इसे धड़ल्ले से बाजार में बेचा जा रहा था। पाटन में रेड के दौरान एक ट्रक से खराब तेल के 210 डिब्बे भी बरामद हुए।

शुरुआती जांच में सामने आया कि इस फैक्ट्री में सोयाबीन तेल में वेस्टेज वाले तेल की मिलावट की जा रही थी, जो सेहत के लिए काफी खतरनाक है। मुनाफाखोर तेल में मिलावट करके इनको अलग-अलग ब्रांड का लेबल लगाकर बेचते थे। छापेमारी में बड़ी-बड़ी कंपनियों के लेबल बरामद हुए हैं, जिसकी डिब्बे पर लेवलिंग करके इसे मार्केट में बेचा जाना था। जांच टीम इस पूरे रैकेट का पता लगाने में जुटी है कि इस टीम के तार कहां-कहां जुड़े हैं।

कांग्रेस ने ई20 पॉलिसी की समीक्षा की मांग की

फ्यूल रोलआउट को 'जन-विरोधी' बताया

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस ने शुक्रवार को ई20 पेट्रोल पॉलिसी की तुरंत समीक्षा की मांग की। पार्टी ने मोदी सरकार पर जन-विरोधी फ्यूल पॉलिसी अपनाने का आरोप लगाया, जिससे घरों का खर्च बढ़ गया है और गाड़ियों के माइलेज और कम्पैटिबिलिटी (अनुकूलता) को लेकर चिंताएं पैदा हुई हैं। कांग्रेस के कम्युनिकेशन इंचार्ज और महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि इथेनॉल बनाने के लिए गन्ने और अनाज का इस्तेमाल करने से खाने-पीने की चीज़ों की कीमतें बढ़ी हैं। एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि तीन महीनों में चीनी की कीमतें 40% बढ़ी हैं, जबकि गुड़, चावल और मक्के के आटे की कीमतें क्रमशः 24%, 16% और 11% बढ़ी हैं। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मोदी सरकार की दूरदर्शिता की कमी वाली और जन-विरोधी ई20 पॉलिसी के कारण एक तरफ महंगाई बढ़ रही है, तो दूसरी तरफ गाड़ी मालिकों को कम माइलेज और गाड़ी के नुकसान का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिलाने के लिए गन्ने और अनाज का इस्तेमाल करने से कमी होना तय था, साथ ही उन गाड़ियों के लिए कम्पैटिबिलिटी का खतरा भी पैदा हो गया जो ई20 फ्यूल के लिए नहीं बनी थीं।

रमेश ने दावा किया कि इथेनॉल बनाने के लिए 25 लाख टन शुगर-ग्रेड गन्ने का इस्तेमाल किया गया, जिससे पिछले तीन महीनों में चीनी की कीमत 48 से बढ़कर 67 प्रति किलो और गुड़ की कीमत 50 से बढ़कर 65 प्रति किलो हो गई। उन्होंने चावल और मक्के के आटे की कीमतों में क्रमशः 16% और 11% की बढ़ोतरी का भी ज़िक्र किया और कहा कि पशु चारे की लागत 10.34% बढ़ गई है। रमेश ने कहा, इथेनॉल बनाने में शामिल करीबी लोगों का मुनाफा बढ़ाने की जल्दबाजी में गाड़ी मालिकों के लिए फ्यूल के विकल्प सीमित कर दिए गए हैं, फिर भी ई20 फ्यूल के साथ गाड़ी के माइलेज और कम्पैटिबिलिटी को लेकर गंभीर चिंताएं बनी हुई हैं।

कपिल सिब्बल ने शाह से पूछा सवाल

क्या मोदी और वाजपेयी ने पूरा 'वंदे मातरम' गाया था?

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर पलटवार किया जिसमें उन्होंने कांग्रेस के 'वंदे मातरम' के केवल दो पद गाने के फैसले को राष्ट्र-विरोधी बताया था। सिब्बल ने सवाल किया कि क्या बीजेपी नेताओं नरेंद्र मोदी और अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका पूरा संस्करण गाया था।

सिब्बल ने यह भी पूछा कि क्या जो बीजेपी नेता राष्ट्र गीत का पूरा संस्करण नहीं गाते थे, वे राष्ट्र-विरोधी थे? निर्दलीय सांसद ने एक्स पर एक पोस्ट में पूछा, अमित शाह ने सीडब्ल्यूसी के दो-पद वाले 'वंदे मातरम' के फैसले को 'राष्ट्र-विरोधी' कहा है। मेरा सवाल है: क्या 1950 के बाद से बीजेपी ने निजी या आधिकारिक कार्यक्रमों में सभी पद गाए हैं? क्या गुजरात के सीएम के तौर पर मोदीजी ने? या पीएम वाजपेयी ने? सिब्बल ने कहा, तो क्या आप राष्ट्र-विरोधी हैं?

आपकी वोट-बैंक की राजनीति का पर्दाफाश हो रहा है! यह बहस कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के अपनी बैठकों में 'वंदे मातरम' के केवल पहले दो पद गाने के फैसले पर बढ़ते राजनीतिक विवाद के बीच हुई है। शाह ने गुरुवार को कांग्रेस पर राष्ट्र-विरोधी रुख अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि यह फैसला वोट-बैंक को खुश करने के लिए लिया गया था और यह कानून का उल्लंघन है।

कांग्रेस ने पलटवार करते हुए वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बीजेपी नेताओं को धोखेबाज राष्ट्रवादी कहा। पार्टी के फैसले का बचाव करते हुए रमेश ने कहा कि 1937 के उस प्रस्ताव में, जिसमें राष्ट्रीय सभाओं में केवल पहले दो पद गाने की सिफारिश की गई थी, स्वतंत्रता आंदोलन के कई प्रमुख नेताओं की सोची-समझी राय झलकती थी।

मेयर आरती भंडारी की भाजपा में वापसी से बदले समीकरण, सियासी गलियारों में हलचल हुई तेज

श्रीनगर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। गढ़वाल नगर निगम चुनाव में भाजपा से बगावत, निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनावी मुकाबला और जीत के करीब डेढ़ साल बाद फिर उसी पार्टी में वापसी। श्रीनगर की मेयर आरती भंडारी और उनके पति लखपत भंडारी के बुधवार को भाजपा में शामिल होने के बाद शहर की राजनीति में एक बार फिर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

सोशल मीडिया पर पक्ष-विपक्ष में प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं तो भाजपा के भीतर भी इस राजनीतिक घटनाक्रम के बाद बनने वाले नए समीकरणों को लेकर चर्चा है। शहर के गली-मोहल्लों और चौक-चौराहों पर भी अब बात केवल नगर निगम तक सीमित नहीं है, बल्कि लोग इसके राजनीतिक मायने 2027 के विधानसभा चुनाव से भी जोड़कर देख रहे हैं। नगर निगम चुनाव से पहले लखपत भंडारी व आरती भंडारी भाजपा से जुड़े थे। मेयर पद महिला के लिए आरक्षित होने के बाद आरती भंडारी टिकट की दावेदार थीं, लेकिन पार्टी से टिकट नहीं मिलने पर दोनों ने अलग राह चुन ली। आरती भंडारी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरीं और चुनाव जीतकर मेयर बनीं। बगावत के बाद पार्टी की ओर से लखपत भंडारी के खिलाफ छह वर्ष के निष्कासन की कार्रवाई भी की गई थी।

अब राजनीतिक परिस्थितियां बदली हैं। आरती भंडारी, लखपत भंडारी और पार्षदों के भाजपा में शामिल होने के साथ ही नगर निगम में पार्टी की स्थिति मजबूत हुई है। इसके साथ ही चुनाव के समय आमने-सामने रहे नेताओं के एक मंच पर आने को लेकर सोशल मीडिया पर राजनीतिक समर्थकों के बीच सवाल-जवाब और आरोप-प्रत्यारोप भी शुरू हो गए हैं।

इस घटनाक्रम का दूसरा पहलू भाजपा की अंदरूनी राजनीति से जुड़ा माना जा रहा है। नगर निगम चुनाव में पार्टी के साथ खड़े रहे पुराने कार्यकर्ताओं और टिकट के दावेदारों के बीच नई एंट्री को लेकर क्या समीकरण बनेंगे, इस पर भी नजर रहेगी। हालांकि पार्टी स्तर पर इसे संगठन के विस्तार और मजबूती के रूप में देखा जा रहा है।सबसे अधिक चर्चा इस बात की है कि इस वापसी का असर केवल नगर निगम की राजनीति तक रहेगा या आने वाले समय में इसका दायरा और बढ़ेगा।

निर्माण सामग्री को लेकर केरल को राहत की उम्मीद, तमिलनाडु के सीएम ने दिया भरोसा

तिरुवनंतपुरम, 21 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन को भरोसा दिया है कि उनकी सरकार केरल को निर्माण सामग्री की आवाजाही पर लगी पाबंदियों से छूट देने पर विचार करेगी। इसमें मेटल यानी चूना पत्थर जैसी सामग्री भी शामिल है।

यह जानकारी केरल के मुख्यमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को दी। दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच यह मुलाकात महाबलीपुरम में साउथ जोनल काउंसिल की बैठक के दौरान हुई। इस दौरान केरल के उद्योग मंत्री पीके कुन्हालीकुट्टी भी मुख्यमंत्री सतीशन के साथ मौजूद थे। तमिलनाडु सरकार ने हाल ही में दूसरे राज्यों में निर्माण सामग्री, खासकर मेटल की आवाजाही पर रोक लगाई है।

इस फैसले के बाद केरल में चिंता बढ़ गई थी। मुख्यमंत्री सतीशन ने तमिलनाडु के सीएम के सामने केरल के लिए विशेष छूट की मांग रखी। उन्होंने कहा कि केरल की भौगोलिक और आर्थिक स्थिति अलग है और राज्य कई जरूरी निर्माण सामग्री के लिए

तमिलनाडु पर बहुत ज्यादा निर्भर है। अगर सामग्री आना बंद होती है तो इसका सीधा असर निर्माण लागत और सामग्री की उपलब्धता पर पड़ेगा। सीएम सतीशन ने पहले इस बारे में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को पत्र भी लिखा था और पाबंदियों पर दोबारा विचार करने की मांग की थी। मुलाकात के दौरान उन्होंने फिर से यही मांग दोहराई कि केरल को इन पाबंदियों से बाहर रखा जाए। केरल मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक दोनों राज्यों ने इस मुद्दे पर आगे बातचीत करने और जल्द ही कोई सही फैसला लेने पर सहमति जताई है। तमिलनाडु के सीएम के इस भरोसे के बाद उम्मीद है कि केरल जाने वाली सामग्री पर रोक नहीं लगेगी।

ड्रग्स पर शिकंजा : सीबीएन ने 2026 में 100 से अधिक बड़ी कार्रवाई की, 158 तस्करों को किया गिरफ्तार

नीमच, 21 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के 'नशा मुक्त भारत' के संकल्प को जमीन पर उतारते हुए सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स (सीबीएन) की मध्य प्रदेश यूनिट ने वर्ष 2026 में अब तक 100 से अधिक बड़ी कार्रवाई कर नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अपने अभियान को तेज किया है। सीबीएन के 2026 के उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, 101 मामले दर्ज किए गए और 158 गिरफ्तारियां की गईं। सीबीएन की कार्रवाई का फोकस केवल नशीले पदार्थों की जब्ती तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अवैध उत्पादन, ड्रग लैब, दवाओं के अवैध डायवर्जन, भंडारण और अंतरराज्यीय संगठित नेटवर्क तक कार्रवाई का दायरा पहुंचा है।

अभियान के तहत चार नशीले पदार्थ निर्माण लैब का भंडाफोड़ किया गया, जबकि एक करोड़ से अधिक साइकोट्रॉपिक दवाओं के अवैध डायवर्जन का पता लगाया गया। अवैध गोदामों पर छापेमारी कर बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ और रसायन जब्त किए गए तथा संगठित नेटवर्क के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। वहीं, 326.402 किलोग्राम अफीम, 31,535.634 किलोग्राम पोस्ता भूसी, 223.700 किलोग्राम गांजा, 1.419 किलोग्राम हेरोइन और 85.249 किलोग्राम मिफेड्रोन जब्त किए गए। इसके अलावा 214.06 किलोग्राम 2-ब्रोमो-4'-मिथाइलप्रोपियोफेनोन और 861.320 किलोग्राम मिफेड्रोन निर्माण में इस्तेमाल होने वाला रसायन भी जब्त किया गया। सीबीएन ने 1,736 वर्ग मीटर अवैध अफीम की खेती को भी कार्रवाई के दायरे में लिया है।

2026 की ये 100 से अधिक कार्रवाइयां बताती हैं कि भारत सरकार की नशे के खिलाफ रणनीति अब 'डिमांड रिडक्शन' के साथ ड्रग्स की पूरी सप्लाई चेन पर प्रहार करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उत्पादन से लेकर तस्करी और अवैध भंडारण तक नेटवर्क को तोड़ने की यह मुहिम नशा मुक्त भारत के लक्ष्य को मजबूत आधार दे रही है। उप नारकोटिक्स आयुक्त निखिल गांधी ने आईएएनएस को बताया कि नशामुक्त भारत अभियान के तहत केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने पूरे वर्ष निरंतर काम करते हुए 101 मामले दर्ज किए हैं। लगातार चौथे वर्ष हमने 100 केस का आंकड़ा पार किया है और इस बार यह आंकड़ा अगस्त में ही पार कर लिया है। इस दौरान हम लोगों ने 158 गिरफ्तारियां की हैं।

अरुणाचल में फटा बादल और बह गया समुद्र, रेस्क्यू में जुटी इंडियन आर्मी

इटानगर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के दिबांग वैली बादल फटा और अलवर का समुद्र उसके सैलाब में बह गया। 6 दिन बीत जाने के बाद भी सेना को कोई जानकारी हाथ नहीं लगी है। दरअसल,अलवर के केसरपुर गांव निवासी अग्निवीर समुद्र गुर्जर अरुणाचल प्रदेश के दिबांग वैली जिले में बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ की घटना में लापता हो गया। इस घटना में सात जवान लापता हुए थे। इनमें दो जवानों का रेस्क्यू कर लिया गया है, जबकि अलवर के केसरपुर गांव निवासी अग्निवीर अभी भी लापता है। घटना के 6 दिन बीत जाने के बाद भी जवान का कोई सुराग नहीं लगा है।

सेना की ओर से उसकी तलाश जारी है। अग्निवीर जवान समुद्र गुर्जर (24) केसरपुर गांव का निवासी था। वह दो बहनों का इकलौता भाई था। जवान की अभी शादी नहीं हुई थी। समुद्र के पिता किसान हैं। समुद्र रक्षाबंधन से पहले छुट्टी लेकर घर आने वाला था, लेकिन उससे पहले यह हादसा हो गया। समुद्र के पिता बदली गुर्जर ने बताया कि समुद्र से उनकी आखिरी बार 10 मई को बात हुई

थी। वह मई में छुट्टी पर घर आया था और करीब 10 दिन बाद ही ड्यूटी पर लौट गया। पिता ने बताया कि समुद्र ने कहा था कि वह कुछ दिन में छुट्टी लेकर घर आएगा और पिता के पैरों में दर्द का ऑपरेशन करवाएगा। इसके बाद सेना की ओर से परिवार को फोन कर बताया गया कि क्षेत्र में बादल फटने की घटना हुई है और समुद्र लापता है। सूचना के बाद परिवार के लोग अलवर के इटाराणा स्थित सेना कार्यालय भी पहुंचे और अधिकारियों से जानकारी ली, लेकिन अभी तक समुद्र का पता नहीं चल पाया है।

करोड़ों के घोटाले का पता चलते ही थाईलैंड भाग गया था निगम का अकाउंटेंट अनुभव मिश्रा, कोर्ट में किया सरेंडर

चंडीगढ़, 21 अगस्त (एजेंसियां)। स्मार्ट सिटी घोटाले में सात महीने से फरार नगर निगम के अकाउंटेंट अनुभव मिश्रा ने वीरवार को सीबीआई की विशेष अदालत में सरेंडर कर दिया। इस दौरान सीबीआई ने उसे हिरासत में ले लिया और कोर्ट से उसके रिमांड की मांग की। सीबीआई ने कहा कि आरोपित को जैसे ही इस घोटाले में पकड़े जाने की भनक लगी थी, वह थाईलैंड भाग गया था। उससे अब इस घोटाले और अन्य लोगों की भूमिका के बारे में पूछताछ की जानी है। इस पर सीबीआई कोर्ट ने उसका सात दिन का रिमांड मंजूर कर दिया। यह घोटाला 116।84 करोड़ रुपये का था।

सीबीआई के वकील नरेंद्र सिंह ने अदालत में कहा कि आरोपित मामले की जांच शुरू होते ही देश छोड़कर चला गया था। बार-बार नोटिस के बावजूद वह जांच में शामिल नहीं हुआ। पिछले हफ्ते कोर्ट ने उसके खिलाफ नान-बेलेबल वॉरंट भी जारी कर दिए थे। सीबीआई उसे लगातार ट्रैक कर रही थी। उसके विदेश भागने की भी सीबीआई को जानकारी मिल गई थी। मिश्रा के पास कहीं और भागने का विकल्प नहीं बचा तो उसने भारत लौटकर कोर्ट में सरेंडर कर दिया।

महिलाओं के खिलाफ अपराध में महाराष्ट्र दूसरे नंबर पर

शिवसेना (यूबीटी) ने 'सामना' में राज्य सरकार को घेरा

मुंबई, 21 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में महिलाओं और छोटी बच्चियों के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर शिवसेना (यूबीटी) ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। यूबीटी ने अपने मुखपत्र 'सामना' में शुक्रवार को प्रकाशित संपादकीय में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती हालत पर गंभीर चिंता जताई। संपादकीय में लिखा गया कि जो महाराष्ट्र कभी महिलाओं के लिए सुरक्षित माना जाता था, वह अब महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले में देश में दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। संपादकीय में सबसे पहले पुणे का जिक्र किया गया, जिसे महाराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी और शिक्षा का केंद्र कहा जाता है।

पार्टी ने कहा कि पुणे अब अपनी पहचान खो रहा है। शिवसेना (यूबीटी) के मुताबिक, राज्य अभी नसरापुर (भोर तालुका) में हुए यौन शोषण और हत्या की घटना से उबर भी नहीं पाया था कि जुन्नर तालुका के पिंपलवंडी गांव में वैसी ही खौफनाक वारदात हो गई। 25 साल के एक आरोपी ने 9 साल की बच्ची को साइकिल सिखाने के बहाने घर से ले गया और उसके

साथ दुष्कर्म किया, बेरहमी से पीटा और मार डाला। इसके बाद आरोपी ने बच्ची की लाश छिपा दी और खुद पुलिस और ग्रामीणों के साथ उसे ढूंढने के नाटक में शामिल हो गया। बाद में सीसीटीवी फुटेज में वह बच्ची के साथ साइकिल पर दिखा तो पकड़ा गया। हालांकि पुणे ग्रामीण पुलिस प्रमुख ने 15 दिन में चार्जशीट और फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई का वादा किया है लेकिन 'सामना' ने सवाल उठाया कि क्या सिर्फ भरोसे से ऐसे अपराध रुकेंगे। संपादकीय में कहा गया कि नसरापुर केस में 65 साल के अपराधी को 58 दिन में फांसी की सजा हुई थी, फिर भी पिंपलवंडी जैसी वारदात नहीं रुकी। 'सामना' संपादकीय में महाराष्ट्र के अन्य जिलों की घटनाओं का भी जिक्र है। शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि अपराध के बाद पुलिस गिरफ्तारी और कोर्ट की कार्रवाई तो होती है, लेकिन सरकार ऐसी रोक क्यों नहीं लगा पा रही कि अपराध हो ही नहीं। आरोप लगाया गया कि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के कारण उनका हौसला बढ़ा हुआ है।

संपादकीय में कहा गया कि राज्य में हाल के वर्षों में छोटे लड़के-लड़कियों के खिलाफ हिंसा और हत्या के 23,000 से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। महाराष्ट्र महिलाओं के खिलाफ अपराधों में देश में दूसरे नंबर पर है। मुख्यमंत्री ने खुद विधानसभा में माना था कि कुल अपराध के आंकड़ों में महाराष्ट्र देश में 8वें नंबर पर है। शिवसेना (यूबीटी) ने इसे शर्मनाक बताया। मौजूदा सरकार इस सुरक्षा व्यवस्था के टूटने की जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। मुख्यमंत्री और गृह विभाग जनता के गुस्से के बीच भी निष्क्रिय बने हुए हैं।

260 ग्राम गोल्ड मेटल पाउडर लेकर आ रहे थे दो यात्री

एयरपोर्ट पर पकड़े गए, कहां छुपा कर रखा था सामान?

बेंगलुरु, 21 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के एयरपोर्ट पर जवानों ने दो यात्रियों को पकड़ा है। जानकारी के अनुसार, इन यात्रियों के पास से करीब 260 ग्राम गोल्ड मेटल पाउडर जब्त किया गया है जिसे इन दोनों ने छिपाकर रखा था। दोनों यात्रियों को अधिकारियों ने फ्लाइट से उतार दिया और आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस को सौंप दिया है। यात्रियों ने गोल्ड मेटल पाउडर को बड़ी ही चालाकी के साथ छुपा रखा था लेकिन इन्हें फिर भी पकड़ा लिया गया है। सामने आई जानकारी के अनुसार, गुरुवार 20 अगस्त की सुबह करीब साढ़े 11 बजे, सीआईएसएफ के जवानों ने टर्मिनल-1 के डी-जोन में एसएचए-04 पर दो यात्रियों को रोका। शक था कि उन्होंने अपनी सिली हुई पैंट में कमर के पास सोने जैसा मेटल पाउडर छिपा रखा है।

पूछताछ करने पर पता चला कि ये दोनों यात्री-लक्ष्मण देवडिगा (पासपोर्ट नंबर सी5052937, सीट नंबर 32बी) और राघवेंद्र देवडिगा (पासपोर्ट नंबर यू6795715, सीट नंबर 32ए)- भारतीय नागरिक हैं। वे बैंकॉक से इंडिगो की फ्लाइट नंबर 6ई-1214 से टर्मिनल-2 पहुंचे थे (शेड्यूल के अनुसार आगमन समय 10:15 बजे) और उन्हें टर्मिनल-1 से इंडिगो की फ्लाइट नंबर 6E-6595 से अहमदाबाद जाना था (शेड्यूल के अनुसार प्रस्थान समय 13:55 बजे)।

दोनों यात्रियों की तलाशी एसआई/एक्जीक्यूटिव दीपक कुमार मिश्रा ने ली। 'वैल्यूएबल रूम' में बारीकी से जांच करने पर, उनकी पैंट में कमर के पास वाले हिस्से से दो पैकेट मिले जिनमें सोने जैसा मेटल पाउडर था। बरामद सामान का कुल वज़न लगभग 260 ग्राम था। शिफ्ट गो आईसी के निर्देश पर, दोनों यात्रियों को फ्लाइट से उतार दिया गया और बाद में आगे की जरूरी कानूनी कार्रवाई के लिए सीआईएसएफ ने उन्हें केंपेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (केआईए) पुलिस को सौंप दिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 22 अगस्त, 2026 3

सुविचार
क्रोध सभी को आता है उसे अपनी मंजिल का अरोडा नहीं, उसे सीढ़ी बनाओ।

अल नीनो की चुनौती को अवसर में बदलें : तुम्मला

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने एल नीनो के संभावित प्रभावों से निपटने के लिए पहले से तैयारी शुरू कर दी है। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने अधिकारियों से सभी विभागों के बीच समन्वय बनाकर किसानों को पानी की कमी से बचाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने को कहा। उन्होंने कहा कि अक्टूबर और नवंबर में फसल कटाई के समय पानी की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देना होगा।

राजेंद्रनगर स्थित टीजीआईआरडी में एल नीनो से निपटने और एकीकृत कृषि जलकुंडों की भूमिका पर आयोजित कार्यशाला में मंत्री तुम्मला, पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री सीतक्का, पशुपालन एवं मत्स्य मंत्री वाकिटी शीहरि, मुख्य सचिव संजय जाजू सहित वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। तुम्मला ने कहा कि वर्तमान में भूजल स्तर बढ़ाने के लिए पर्याप्त वर्षा नहीं हुई है और प्रमुख जलाशयों में भी अपेक्षित पानी नहीं पहुंचा है। अधिकारियों को भूजल उपलब्धता का नियमित आकलन कर किसानों को पानी के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक करना चाहिए। उन्होंने 44 हजार तालाबों के संरक्षण, वर्षाजल संचयन, नालों और नदियों में जरूरत के अनुसार रिचार्ज संरचनाएं बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एल नीनो को आपदा नहीं, अवसर के रूप में देखना चाहिए। फसल विविधीकरण, बागवानी और तेल पाम की खेती को बढ़ावा देने के साथ किसानों की आय बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। सरकार तेलंगाना को तेल पाम उत्पादन में अग्रणी राज्य बनाने के लिए काम कर रही है।

मंत्री वाकिटी शीहरि ने कहा कि भारत ने 1951 से अब तक 12 बार एल नीनो का सामना किया है। किसानों को फसल चक्र में बदलाव, पशुपालन और सूखे के दौरान पशुओं की देखभाल के बारे में जागरूक करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने पूर्व तैयारी के माध्यम से एल नीनो के प्रभावों का प्रभावी ढंग से सामना किया है।

एल्काथुर्थी में लावारिस कार में महिला का शव मिला

हनमकोंडा,21 अगस्त, (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िले के एल्काथुर्थी मंडल मुख्यालय में एक लावारिस कार की डिक्की में महिला का शव मिलने की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया।

स्थानीय लोगों ने कार से बदबू आने पर स्थानीय पुलिस को सूचना दी; यह कार पिछले कुछ दिनों से आरटीसी बस स्टैंड के पास खड़ी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू की।

मौके पर मिले आधार कार्ड के आधार पर, मृत महिला की पहचान पेड्डापल्ली ज़िले के गोदावरीखानी की सेंटेनरी कॉलोनी की रहने वाली अंकीति मनसा (33) के रूप में हुई। कार का पता करीमनगर के सॉफ्टवेयर कर्मचारी मिल्कुरी विनोद के नाम से है।

सूत्रों के अनुसार, विनोद ने पुलिस को बताया कि करीमनगर के एक कमरे में रहने के दौरान मनसा को दौरे पड़े और उसकी मौत हो गई, जिसके बाद डर के मारे उसने शव को कार में छोड़ दिया।

प्रतिबंधित इंजेक्शन की बिक्री का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है इंजेक्शन

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस की आयुक्त टास्क फोर्स, गोलकोंडा जोन टीम और गोशामहल पुलिस ने बिना वैध चिकित्सकीय पर्चे के मेफेंटर्माइन सल्फेट इंजेक्शन की अवैध खरीद-बिक्री और सेवन के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक मुख्य आपूर्तिकर्ता, एक सह-आपूर्तिकर्ता और दो उपभोक्ता शामिल हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गौतम सिंह (24), आर. अभिलाष (19), सिद्धेश औंडेकर (19) और दक्ष उपाध्याय (20) के रूप में हुई है। आरोपियों के कब्जे से मेफेंटर्माइन सल्फेट के 50 इंजेक्शन, पांच खाली शीशियां, पांच इंसुलिन इंजेक्शन, एक बर्गमैन दोपहिया वाहन और चार मोबाइल फोन बरामद किए गए। बरामद संपत्ति का कुल मूल्य करीब 1.85 लाख रुपये बताया गया है। जांच में सामने आया कि गौतम सिंह और अभिलाष जिम मित्र हैं। अभिलाष पहले मांसपेशियां बढ़ाने के लिए इन इंजेक्शनों का सेवन करता था। बाद में गौतम भी इसका सेवन करने लगा। आर्थिक परेशानी के बाद गौतम ने अवैध रूप से इंजेक्शन बेचने की योजना बनाई और उत्तर प्रदेश के मेरठ स्थित एक अज्ञात आपूर्तिकर्ता से मोबाइल संदेश सेवा के जरिए संपर्क कर इंजेक्शन मंगाए। पुलिस के मुताबिक इंजेक्शन करीब 160 रुपये प्रति शीशी में मंगाकर जरूरतमंद ग्राहकों को 900 रुपये प्रति शीशी तक में बेचे जाते थे। सूचना के आधार पर पुलिस ने बेगम बाजार स्थित एमजे पुल के पास कार्रवाई कर आरोपियों को पकड़ा। पुलिस ने बताया कि बिना चिकित्सकीय सलाह ऐसे इंजेक्शनों का इस्तेमाल गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। मामले में गोशामहल थाने में अपराध संख्या 298/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता और औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

विश्वसनीय समाचार लोकतंत्र को मजबूत करते हैं : राज्यपाल

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि डिजिटल युग में पत्रकारिता के लिए तथ्यपरकता, निष्पक्षता और विश्वसनीयता सर्वोच्च प्राथमिकताएं होनी चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से अपील की कि समाचार प्रसारित करने से पहले तथ्यों का सत्यापन अवश्य करें और खबरों की गति के लिए विश्वसनीयता से समझौता न करें।

राज्यपाल यहां एक होटल में हैदराबाद प्रेस क्लब की ओर से आयोजित फेडरेशन ऑफ प्रेस क्लबों के प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होने के साथ समाज की आंख, कान और जनता की आवाज भी है। उन्होंने देशभर के प्रेस क्लब प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाने की पहल की सराहना की।

शुक्ल ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आंकड़ा विश्लेषण से पत्रकारिता में नए अवसर पैदा हुए हैं, वहीं डीपफेक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार वीडियो और भ्रामक सूचनाएं गंभीर चुनौती बन रही हैं। उन्होंने पत्रकारों से सोशल मीडिया की प्रवृत्तियों और फर्जी खबरों से प्रभावित न होने तथा जनहित को केंद्र में रखकर समाचार देने का आह्वान किया। उन्होंने डिजिटल साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की समझ और तथ्य-जांच को बढ़ावा देने की जरूरत बताई। साथ ही नशामुक्त भारत और टीबी मुक्त भारत जैसे अभियानों को जनआंदोलन बनाने में मीडिया से सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। इस अवसर पर के. श्रीनिवास रेड्डी, एम. दाना किशोर, एस. विजय कुमार रेड्डी, वी. रमेश, एन. राम, गौतम लाहिड़ी सहित अन्य उपस्थित थे।

चावल मिल मालिकों पर नकेल कसने के लिए ग्रेहाउंड और ऑक्टोपस कर्मियों की तैनाती

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना नागरिक आपूर्ति विभाग ने चावल मिल मालिकों पर नकेल कसने के लिए अपने प्रवर्तन और सतर्कता विंग में ग्रेहाउंड और ऑक्टोपस इकाइयों से 28 कर्मियों को शामिल किया है। नागरिक आपूर्ति आयुक्त एम. स्टीफन रवींद्र ने शुक्रवार को नागरिक आपूर्ति भवन में कर्मचारियों को जानकारी दी। टीमों को विभागीय प्रक्रियाओं और आवश्यक वस्तुओं से संबंधित कानूनी प्रावधानों का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। इन कर्मियों को तेलंगाना भर में अचानक निरीक्षण और गहन जमीनी स्तर पर प्रवर्तन के लिए तैनात किया जाएगा। आयुक्त ने शून्य-सहिष्णुता नीति की चेतावनी देते हुए कहा कि सरकारी नियमों का उल्लंघन करने वाले मिल मालिकों के खिलाफ आपराधिक मामले और कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने केएमएस 2025-26 के दौरान खरीदी गई रिकॉर्ड 154 लाख मीट्रिक टन धान की मात्रा पर प्रकाश डाला, जिस पर राज्य ने खरीद पर लगभग 40,000 करोड़ रुपये खर्च किए।

रायदुर्ग में जमीन के दाम ने रचा नया इतिहास

264 करोड़ रुपये प्रति एकड़ में बिका भूखंड

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम की ओर से रायदुर्ग स्थित बहुउपयोगी भूखंड संख्या पी-1 की ई-नीलामी ने हैदराबाद के रियल एस्टेट बाजार में नया रिकॉर्ड कायम किया है। 5.25 एकड़ क्षेत्रफल वाले इस भूखंड से निगम को कुल 1,386 करोड़ रुपये की आय हुई। भूखंड 264 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की रिकॉर्ड कीमत पर बिका, जो हैदराबाद में अब तक की सबसे ऊंची दर बताई जा रही है। भूखंड पी-1 के लिए आरक्षित मूल्य 175 करोड़ रुपये प्रति एकड़ निर्धारित किया गया था। अंतिम बोली 264 करोड़ रुपये प्रति एकड़ तक पहुंची, जो आरक्षित मूल्य से 50.9 प्रतिशत अधिक है। इस परिणाम से हैदराबाद के प्रमुख व्यावसायिक गलियारों में निवेशकों और बड़े विकासकर्ताओं के बढ़ते विश्वास का संकेत मिला है। रायदुर्ग में जमीन की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी भी इस नीलामी से स्पष्ट हुई है। मई 2026 में तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम की पिछली नीलामी में 237 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की दर हासिल हुई थी। अगस्त में पी-1 भूखंड ने इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए 264 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की दर प्राप्त की है। इससे रायदुर्ग क्षेत्र में प्रीमियम भूखंडों की मांग और निवेशकों की बढ़ती रुचि का पता चलता है। नीलामी एमएसटीसी ई-नीलामी मंच के माध्यम से आयोजित की गई। जेएलएल ने विशेष लेन-देन सलाहकार के रूप में सेवाएं प्रदान कीं। प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखते हुए देश के प्रमुख विकासकर्ताओं को प्रतिस्पर्धात्मक बोली में भाग लेने का अवसर दिया गया। तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के. शशांक ने कहा कि पी-1 भूखंड की सफल नीलामी तेलंगाना के भविष्य में विकासकर्ता समुदाय के विश्वास और प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यह केवल मजबूत कीमत हासिल होने का मामला नहीं है, बल्कि पारदर्शिता, उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे और सभी हितधारकों के लिए वास्तविक मूल्य सृजन पर आधारित राज्य की विकास नीति को मिली स्पष्ट स्वीकृति है।

उन्होंने कहा कि नीलामी में जिस स्तर की भागीदारी और प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, उससे स्पष्ट है कि बाजार हैदराबाद के एक विश्वस्तरीय कारोबारी केंद्र के रूप में हो रहे परिवर्तन को पहचान रहा है।

नकली फ़र्टिलाइज़र फ्रैंचाइज़ी घोटाले में 3.78 लाख

रुपये ठगने के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार

आदिलाबाद,21 अगस्त, (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बिहार के एक अंतर-राज्यीय साइबर अपराध गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह नेशनल फ़र्टिलाइज़र्स प्राइवेट लिमिटेड की फ्रैंचाइज़ी देने के नाम पर लोगों को ठगता था। पुलिस ने इसके पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने 10 मोबाइल फ़ोन और 70,000 रुपये नकद ज़ब्त किए और 8 लाख रुपये मूल्य के स्टॉक मार्केट शेयर फ्रीज़ कर दिए।

शुक्रवार को यहां मीडियाकर्मियों को गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए एसपी अखिल महाजन ने बताया कि नवादा ज़िले के बाहरी-बिशु के रहने वाले अभिषेक कुमार उर्फ़ सौरभ, आशुतोष कुमार, रितेश कुमार और अविनाश कुमार, तथा नालंदा ज़िले (बिहार) के निशु कुमार को गिरफ्तार किया गया है। इन पर भोराज मंडल के एक व्यक्ति से 3.78 लाख रुपये ठगने का आरोप है।

पूछताछ के दौरान, इन पांचों ने कथित तौर पर एनएफपीएल की फ्रैंचाइज़ी देने के बहाने अपराध करने की बात कबूल की। पुलिस ने बताया कि ये पांचों देश भर में 500 अपराधों में शामिल रहे हैं और पीड़ितों से 3.50 करोड़ रुपये ठगे हैं। उन्होंने कहा कि इन पांचों के अकेले तेलंगाना में दर्ज 90 अपराधों में शामिल होने का संदेह है।

एसपी ने बताया कि ये ठग अपने गांवों में साधारण जीवन जीते थे, लेकिन नकली वेबसाइट बनाकर फ्रैंचाइज़ी देने का वादा करके लोगों को लुभाते थे। उन्होंने बताया कि ये पांचों फ्रैंचाइज़ी खरीदने के इच्छुक लोगों से अलग-अलग तरह के शुल्क वसूलते थे। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे साइबर धोखाधड़ी करने वालों के झांसे में न आएं और अपराधों की सूचना बिना किसी देरी के टोल-फ्री नंबर 1930 पर दें।

इस मौके पर आदिलाबाद के डीएसपी एल. जीवन रेड्डी, जैनथ के इंस्पेक्टर श्रवण, एसआईएस पीर सिंह, गौतम और विभाग के कर्मचारी मौजूद थे।

तेलंगाना के कराटे के चार खिलाड़ी एशियाई चैंपियनशिप के लिए चयनित

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के चार कराटे एथलीटों को 4 से 11 सितंबर तक जॉर्डन के अम्मान में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित 2026 एकेएफ कैडेट, जूनियर और अंडर-21 एशियाई कराटे चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है।तेलंगाना स्पोर्ट्स कराटे-डो एसोसिएशन के अध्यक्ष, टीपीसीसी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने शुक्रवार को हैदराबाद में विधायक क्वार्टर में चयनित खिलाड़ियों को सम्मानित और बधाई दी। चयनित एथलीट विशाल रेड्डी अमराडी (-61 किग्रा), सत्य तेजा ब्रह्मांदानी (+66 किग्रा), निष्ठा गंगीसेटी (-61 किग्रा) और शशांक सात्विक लंका (-52 किग्रा) हैं। महेश कुमार गौड़ ने एशियाई स्तर की प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की सफलता की कामना की और आशा व्यक्त की कि वे पदक जीतकर तेलंगाना और देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने उनके माता-पिता और कोचों को उनके समर्थन और प्रोत्साहन के लिए बधाई भी दी। इस कार्यक्रम में भारतीय मुख्य कोच और कराटे आयोग के संयुक्त सचिव कीर्तन, कराटे के राज्य महासचिव माल्याला रामास्वामी उपस्थित थे।

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Head Office # 15-2-391/392/1, Siddiamber Bazar, Hyderabad - 500012
E-mail: info@agrasenbank.bank.in Website: https://agrasenbank.bank.in
अग्रसेन बैंक Estd.1998
(T.A. No. 1439)

NOTICE

Notice is hereby given that the Twenty Eighth Annual General Body Meeting of the Shareholders of the Bank for the Financial Year 2025-2026 will be held on Sunday, 6th September 2026, at K.L.N. Prasad Auditorium, FTCCI House, Red Hills, Hyderabad-500 004, T.G. at 12:30 P.M. to transact the following items of the Agenda:

1. To consider and adopt the Twenty Eighth Annual Report along with Audited Statements of Accounts of the Bank for the financial year 2025-2026.
2. To approve appropriation of Net Profit and to declare dividend for the Financial Year ended 31-03-2026.
3. (i) To ratify the excess expenditure incurred over the budgeted during the financial year 2025-2026.
   (ii) To approve the revised Budget of Revenue & Capital Expenditure of the Bank for the financial year 2026-2027 and Revenue Budget for the financial year 2027-2028.
4. To authorize the Board to re-appoint Statutory Auditors and to hold office from the conclusion of this Annual General Meeting until conclusion of the next Annual General Meeting and to fix their remuneration.
5. To review the membership and attendance of the Committee Members for the period from 01-02-2026 to 31-07-2026.
6. To approve admission of members, allotment of additional shares, transfer of shares, withdrawal and refund of Share Capital made during the period from 01-02-2026 to 31-07-2026.
7. To approve investments / withdrawals made during the period from 01-02-2026 to 31-07-2026.
8. To review all overdue loans and loans covered under legal action as on 31-07-2026.
9. To consider any other matter with the permission of the Chair.

All the Shareholders are requested to attend the Annual General Body Meeting, on the date, time and place herein mentioned above.

By order of the Board of Directors
Sd/-
C. V. Rao
General Manager / CEO

Place : Hyderabad
Date : 20-08-2026

वृंदावन में मॉल की शटरिंग गिरने से 3 की मौत

मथुरा, 21 अगस्त (एजेंसियां)। मथुरा में वृंदावन के एक निर्माणाधीन मॉल में आज सुबह एक बड़ा और दर्दनाक हादसा हो गया। ओमेक्स कोर्टयार्ड मॉल में ढलाई कार्य के दौरान अचानक शटरिंग गिर जाने से मलबे में दबकर तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मॉल में सुबह के समय छत की ढलाई का काम चल रहा था। इसी दौरान तड़के करीब 6:00 बजे अचानक पूरी शटरिंग भरभराकर नीचे गिर गई। हादसे के वक्त वहां काम कर रहे मजदूर मलबे के नीचे दब गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग और सुरक्षाकर्मी मौके पर दौड़े। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस की गाड़ियां राहत और बचाव कार्य के लिए मौके पर पहुंच गईं। हादसे में जान गंवाने वाले एक मृतक की पहचान नेपाल निवासी 42 वर्षीय शिवराम के रूप में हुई है। मलबे से दो अन्य मजदूरों के शव भी बरामद किए गए हैं, जिनकी पहचान पश्चिम बंगाल निवासी 28 वर्षीय रफ्यूल और 30 वर्षीय आलम के रूप में हुई है।

'मैं पल-पल राय बदलने वालों में से नहीं'

रोहिणी आचार्य ने साफ किया जैसी टिप्पणी करोगे वैसा जवाब मिलेगा

पटना, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की पुत्री रोहिणी आचार्य एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। बीते दिनों केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को जवाब देने के बाद अब उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से अपने रुख को स्पष्ट किया है। रोहिणी ने कहा कि उनके माता-पिता लालू प्रसाद और राबड़ी देवी पर यदि कोई अभद्र या अमर्यादित टिप्पणी करेगा तो वह उसका जवाब उसी भाषा में देंगी। रोहिणी ने अपने पोस्ट में कहा कि उनके लिए माता-पिता से बढ़कर दुनिया में कोई नहीं है।

उन्होंने लिखा कि माता-पिता के खिलाफ अभद्र टिप्पणी होने पर उनकी ओर से जवाब उसी भाषा में दिया जाएगा, जिस भाषा में टिप्पणी की गई होगी। रोहिणी आचार्य ने अपने पोस्ट में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मांझी ने किसी अन्य व्यक्ति के बयान के संदर्भ में

लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के बारे में टिप्पणी की थी, जबकि उस बयान से उनके माता-पिता का कोई लेना-देना नहीं था। रोहिणी के अनुसार, मांझी ने विषय से हटकर लालू प्रसाद और राबड़ी देवी पर टिप्पणी की। उन्होंने इसे पूर्वाग्रह से ग्रसित और ओछी टिप्पणी बताया। रोहिणी ने कहा कि एक बेटी होने के नाते ऐसी टिप्पणी का जवाब देना उनके लिए स्वाभाविक था।

बोलीं- मर्यादा का ख्याल रखना जानती हूं

रोहिणी ने कहा कि वह भाषा की मर्यादा का ख्याल रखना बखूबी जानती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग अपनी बात मर्यादा के दायरे में रखते हैं, वह उनकी मर्यादा का भी सम्मान करती हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में उन मीडिया रिपोर्टों का भी जिक्र किया, जिनमें उनके किसी व्यक्ति के बचाव में खड़े होने या किसी का बचाव करने की बात कही जा रही है।

'पल-पल राय बदलने वालों में से नहीं'

रोहिणी ने इस तरह के नरेटिव को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वह पल-पल अपनी राय बदलने वालों में से नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो उनके अनुसार गलत था या है, वह गलत ही रहेगा, चाहे वह कोई भी व्यक्ति हो। उन्होंने कहा कि वह अपने स्टैंड, राय और विचार पर दृढ़ता से कायम रहने वालों में से हैं और आगे भी इसी तरह अपने विचारों पर कायम रहेंगी। रोहिणी के इस पोस्ट को हालिया राजनीतिक बयानबाजी के बीच उनके रुख को स्पष्ट करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। समझा जाता है कि तेजस्वी से बढ़ती नजदीकी को उन्होंने एक तरह से खारिज कर दिया है।

अदालत के अंदर कार्यवाही का वीडियो बनाना पड़ा महंगा गाजियाबाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ लिया एक्शन

गाजियाबाद, 21 अगस्त (एजेंसियां)। गाजियाबाद के कविनगर थाना क्षेत्र स्थित न्यायालय परिसर में न्यायिक कार्यवाही की वीडियो बनाने के मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोप है कि सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के न्यायालय कक्ष में न्यायिक कार्यवाही के दौरान एक व्यक्ति मोबाइल से वीडियो बना रहा था। लिपिक ने उसे वीडियो बनाते देख पुलिस को बुला लिया। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसका नाम अमित पता चला।

मोबाइल की जांच करने पर मोबाइल की गैलरी में कोर्ट के कई वीडियो पाए गए। जब उससे वीडियो बनाने के बारे में पूछा गया तो उसने बताया कि उसके एक मामले की तारीख अक्टूबर में है। आरोपी पर स्टाफ को भी धमकाने का आरोप है। कोर्ट पेशकार सतीश चंद ने आरोपी के खिलाफ कविनगर थाने में कोर्ट की सुरक्षा, गोपनीयता और न्यायिक अभिलेखों की संवेदनशीलता प्रभावित होने की आशंका जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।

एके–47 केस में एनआईए ने आरोपी भैरव त्रिपाठी को दबोचा, मामले में 6 गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर के एके 47 मामले में एनआईए ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर ब्रह्मपुरा स्थित संजय सिनेमा रोड से भैरव त्रिपाठी उर्फ मास्टर उर्फ गुरु को गिरफ्तार किया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एके-47 राइफल और जिंदा कारतूस बरामदगी से जुड़े मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। भैरव त्रिपाठी की गिरफ्तारी के लिए बीते चार दिनों से एनआईए की टीम मुजफ्फरपुर में तलाशी कर रही थी। एनआईए के सूचना पर एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने जिला पुलिस के अधिकारियों से जानकारी ली, इसके बाद पुलिस ने साहेबगंज में जाल बिछाया तो पता चला कि आरोपी भैरव त्रिपाठी साहेबगंज के अहियापुर का रहने वाला है। गिरफ्तार भैरव त्रिपाठी के खिलाफ आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज है।

एनआईए में 2024 में दर्ज मामले में उसकी तलाश चल रही थी। गिरफ्तारी से बचने के लिए भैरव लगातार ठिकाने बदल रहा था। इसी बीच गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर उसे पकड़ा गया। एके-47 में एनआईए की यह छठी गिरफ्तारी है। यह मामला एनआईए केस संख्या आरसी-11/2024/एनआईए/डीएलआई से जुड़ा है, जिसमें एके-47 राइफल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए थे। एनआईए के अनुसार, आरोपी भैरव त्रिपाठी ने दूसरे साथियों के साथ मिलकर नागालैंड से बिहार तक प्रतिबंधित बोर के अत्याधुनिक हथियार और राइफल की तस्करी की साजिश रची थी। इसका उद्देश्य सार्वजनिक शांति और सुरक्षा को प्रभावित करना और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करना था। बताया गया कि हथियार तस्करी के अंतराष्ट्रीय नेटवर्क से ये मामला जुड़ा हुआ है। उसके खिलाफ जिले के कई थानों में हत्या, आर्म्स एक्ट सहित आठ केस दर्ज हैं। यह मामला 5 अगस्त 2024 को दर्ज एनआईए केस का है, जो फकुली थाना कांड संख्या 19/2024, दिनांक 7 मई 2024 से संबंधित है। फकुली थाना पुलिस ने मुजफ्फरपुर के मुर्गटिया पुल के पास से एके 47 राइफल लेंस और जिंदा कारतूस बरामद किया था।

इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था। विकाश और सत्यम ने बताया था कि वह दीमापुर से हथियार के खेप लेकर बिहार में बेचते हैं। दीमापुर में पूर्वी चंपारण के मधुबन का अहमद अंसारी एके-47 और अन्य विदेशी हथियार की सप्लाई करता है। उन्होंने हाल ही में फकुली थाना के मनकौली के रहने वाले मुखिया के बेटे देवमणि कुमार को एके-47 बेची है। पुलिस ने देवमणि को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही एक एके-47, राइफल मैगजीन और पांच कारतूस बरामद किए थे। इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

झाड़ फूंक में गई जानः कॉमन करैत ने 10 साल के बच्चे को डसा

मेरठ, 21 अगस्त (एजेंसियां)। मेरठ के गंगानगर क्षेत्र के अम्हेड़ा गांव में शुक्रवार अलसुबह दर्दनाक घटना में कॉमन करैत सांप के डसने से 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। युग कनिष्का रात में बरामदे में माता-पिता के पास सो रहा था। सुबह करीब चार बजे सांप के डसने के बाद वह चिल्लाकर उठा। परिजनों ने बिस्तर पर सांप देखा। आरोप है कि अस्पताल ले जाने से पहले परिजन बच्चे को मवाना, खेड़की और शोभापुर में झाड़फूंक कराने के लिए ले गए। बाद में मेडिकल अस्पताल पहुंचने तक बच्चे की मौत हो चुकी थी। अम्हेड़ा गांव निवासी राहुल चालक हैं। उनके तीन बच्चों में सबसे छोटा 10 वर्षीय युग था।

वह रात में बरामदे में बेड पर माता-पिता के साथ सो रहा था। सुबह करीब चार बजे युग अचानक चिल्लाते हुए उठा और पिता को बताया कि उसकी गर्दन में तेज चुभन हो रही है। लाइट जलाने पर बेड पर सांप दिखाई दिया। परिजनों के अनुसार, सांप ने युग की गर्दन पर डसा था। युग की हालत बिगड़ने पर परिजन उसे कार से पहले मवाना, फिर खेड़की और इसके बाद शोभापुर में झाड़फूंक करने वाले व्यक्ति के पास ले गए। वहां से भी उन्हें वापस कर दिया गया। इसके बाद परिजन युग को मेडिकल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

'हार देख बौखला गई बीजेपी'

मेरठ में किसान नेता से मारपीट पर भड़के अखिलेश

मेरठ, 21 अगस्त (एजेंसियां)। मेरठ में किसान नेता दिग्विजय भाटी को कथित पुलिस हिरासत में लेकर मारपीट के मामले ने तूल पकड़ लिया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि बीजेपी हार के डर से इतनी बौखला गई है कि किसान नेताओं को थर्ड डिग्री की मारपीट कर प्रताड़ित करवा रही है। अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर निशाना साधते हुए दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने लिखा-'किसान का अपमान, देश का अपमान है! भाजपा ने किसान के मुंह पर लात मरवाकर पूरे देश के किसानों को धमकाने का जो कुकृत्य किया है वो अक्षम्य है। उप्र की भाजपा सरकार द्वारा किसान नेताओं पर थाने में थर्ड डिग्री की मार-पीट करके प्रताड़ना देना दर्शाता है कि हार के डर से वो कितनी बौखलाई है। जिन्हें भाजपा किसानों के आगे ढाल बनाकर साथ में खड़ा करना चाहती थी वो ढाल भी निम्नलिखित कारणों से, किसानों के आक्रोश की आग के कारण मोम की ढाल ही साबित हुई है। उस भाजपा सरकार से इससे अधिक उम्मीद क्या की जा सकती है कि वो किसानों के हित के नाम पर उनके तथाकथित हितैषियों से समझौता करके अपनी स्वार्थ सिद्धी में लगी रहकर 'किसान नेताओं' को थर्ड डिग्री देगी और कुछ नहीं। देश भर के किसान देख लें कि भाजपा और उसके सहयोगी किस तरह सत्ता सुख में लीन रहकर किसानों पर अत्याचार कर रहे हैं।

इस मामले की गहरी जाँच हो और हर दोषी के ख़िलाफ़ सख़्त दंडात्मक कार्रवाई हो और बर्ख़ास्तगी भी।' बता दें कि भारतीय किसान यूनियन बीयर अंबेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय भाटी ने मेरठ पुलिस और एसओजी की टीम पर उन्हें हिरासत में लेकर मारपीट और थर्ड डिग्री देने का आरोप लगाया था। उनकी तस्वीरें भी सामने आई हैं जिसमें उनके चेहरे पर गंभीर चोटें दिखाई दे रही हैं। वहीं मेरठ के तत्कालीन एसएसपी अविनाश पांडे इन आरोपों से इनकार किया है। इस बीच एसएसपी अविनाश पांडे का देर रात ट्रांसफ़र भी कर दिया गया है।

तेजस्वी यादव का एनडीए सरकार पर आरोप

कहा-बिहार की राजकोषीय स्थिति बेहद खराब, भारी कर्ज में डूबा राज्य

पटना, 21 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की वित्तीय स्थिति को लेकर एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर दावा किया कि बिहार की राजकोषीय स्थिति बेहद दयनीय और चिंताजनक हो गई है।

राज्य भारी कर्ज के बोझ तले दब चुका है और कुल सार्वजनिक ऋण में चार गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि बिहार को गंभीर आर्थिक संकट की ओर धकेला जा रहा है। उनके मुताबिक, राज्य की वित्तीय स्थिति इतनी खराब हो गई है कि सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारकों के भुगतान, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, ठेकेदारों के बकाये और विकास कार्यों के लिए समय पर पर्याप्त राशि उपलब्ध नहीं हो रही है।

उन्होंने यह भी दावा किया कि छात्रों को मिलने वाले स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड की राशि घटाई गई है और छात्रवृत्ति को समाप्त किया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और एनडीए सरकार की आर्थिक नीतियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार के पास व्यय प्रबंधन, ऋण प्रबंधन और राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने की कोई स्पष्ट समझ और दीर्घकालिक योजना नहीं है। तेजस्वी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा राज्य का राजस्व घाटा बढ़ रहा है और कर्ज उससे भी तेज गति से बढ़ रहा है। तेजस्वी ने अपने पोस्ट में दावा किया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में देश के प्रमुख राज्यों के बीच बिहार का राजकोषीय घाटा सबसे अधिक रहा और यह जीएसडीपी का 5.8 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि ऊंचे राजकोषीय घाटे के साथ भारी कर्ज का बोझ राज्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

राज्य की अपनी राजस्व प्राप्तियों और खर्च के बीच संतुलन नहीं होने का भी उन्होंने आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राजस्व सृजन और संग्रह बढ़ाने, बजटीय प्रबंधन सुधारने तथा राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने के लिए सरकार के पास कोई ठोस दीर्घकालिक योजना नहीं है। तेजस्वी ने एनडीए सरकार पर पिछले दो वर्षों में रिकॉर्ड कर्ज लेने के बावजूद सरकारी खजाना खाली होने का आरोप लगाते हुए सवाल किया कि आखिर बिहार का पैसा कहां जा रहा है।

तेजस्वी यादव ने सरकार पर भ्रष्टाचार और कथित संगठित लूट का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बिहार का वित्तीय संकट प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के लिए सामूहिक चिंता का विषय है। हालांकि, तेजस्वी के इन आरोपों पर सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

यूपी के अफसर की सरकारी गेस्ट हाउस में लाश मिली

बाराबंकी, 21 अगस्त (एजेंसियां)। बाराबंकी के रहने वाले सीनियर इनकम टैक्स ऑफिसर की मध्य प्रदेश में मौत हो गई। उनकी कटनी में बंद कमरे में लाश मिली है। वह आयकर विभाग के रेस्ट हाउस में ठहरे थे। बिस्तर पर शव पड़ा था। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शरीर पर चोट के निशान भी नहीं हैं। घटनास्थल माधवनगर के बरगवां में है। माधवनगर पुलिस सूचना पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर गई। वहां कमरे में बेड पर अधिकारी अचेत पड़े थे। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान वरिष्ठ आयकर अधिकारी मानवेंद्र प्रताप सिंह के रूप में की गई है। वह मूलरूप से बाराबंकी के निलालडिया असंदा के रहने वाले विजेंद्र प्रताप सिंह के बेटे थे। कटनी में उनकी पोस्टिंग थी। माधवनगर पुलिस के मुताबिक, सुबह सरकारी ड्राइवर मानवेंद्र प्रताप सिंह के कमरे पर कार की चाबी लेने पहुंचा था। अनहोनी की आशंका में कर्मचारियों ने फौरन पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही माधवनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कमरे का दरवाजा तोड़ा।

'यह कोई पहली बार नहीं', वंदे मातरम पर मायावती ने केंद्र सरकार और विपक्ष को सुना डाला

लखनऊ, 21 अगस्त (एजेंसियां)। वंदे मातरम को लेकर चल रहे विवाद पर बहुजन समाज पार्टी मायावती ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। मायावती ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। मायावती ने कहा कि देश में वंदे मातरम गायन को पूरा गाना है या शुरू के दो छंद (पैरा) गाना है या नहीं गाना है, इसको लेकर जो इस समय में देश में राजनीति चल रही है, यह ठीक नहीं है। इस मामले में हमारी पार्टी का यही कहना है कि वंदे मातरम गायन को लेकर अभी हाल ही में संसद में जो कानून पास किया गया है, यह कोई पहली बार ऐसा नहीं हो रहा है, क्योंकि केन्द्र व राज्यों में भी सत्ता परिवर्तन के दौरान सभी पार्टियां अपने राजनीतिक स्वार्थ और फायदे के हिसाब से या फिर अपनी कमियों पर से जनता का ध्यान बांटने के लिए यह सब करती रहती हैं। मायावती ने कहा कि एक-दूसरे के बने कानूनों को बदलती रहती हैं,

जबकि इस समय देश व जनहित के मुद्दों पर व ख़ासकर बेरोज़गार युवाओं व छात्र-छात्राओं 'जेन-जी' व स्कूली बच्चे-बच्चियों की 'जी-अल्फा' एवं इस समय देश के कुछ भागों में भयंकर आई बाढ़ से हो रही जान-माल की हानि आदि के अनेक और भी अति-महत्वपूर्ण मुद्दों पर केन्द्र और सभी राज्य सरकारों को व साथ ही सभी राजनीतिक पार्टियों को भी सही से समुचित ध्यान देना चाहिए, यही वर्तमान में देश और जनहित में समय की सबसे जरूरी मांग भी है।

मायावती ने स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर 'जेन अल्फा' छात्र-छात्राओं के प्रदर्शन पर अफसोस जताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि बच्चों को पढ़ाई के लिए जरूरी सुविधाओं की मांग को लेकर सड़कों पर उतरना पड़ रहा है, यह बेहद दुखद है। जेन-अल्फा यानी 2013 के बाद जन्मे बच्चे और उनके माता-पिता सुखी भविष्य एवं अच्छी शिक्षा को लेकर चिंतित हैं और इसके लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। यह दुखद है कि जिन बच्चों के हंसने-खेलने और पढ़ने-लिखने के दिन हैं, उन्हें प्रारंभिक शिक्षा की बुनियादी सुविधाओं के लिए भी सड़कों पर संघर्ष करना पड़ रहा है। बसपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि सरकारों ने स्कूल व्यवस्था सुधारने के बजाय इसकी अनदेखी की है।

रिश्वत नहीं दी तो निलंबन की धमकी! सीतापुर में होमगार्ड ने जिला कमांडेंट पर लगाए गंभीर आरोप

सीतापुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में तैनात एक होमगार्ड ने जिला कमांडेंट पर रिश्वत मांगने और पैसे नहीं देने पर निलंबित करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। होमगार्ड का कहना है कि पारिवारिक जमीन विवाद से जुड़ी शिकायत के मामले को सुलझाने के बदले उससे कथित तौर पर 20 हजार रुपये की मांग की गई। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद यह मामला चर्चा में है। जानकारी के मुताबिक, होमगार्ड रामप्रताप रावत और उनके भाई जगमोहन लाल के बीच खेत या बाग को लेकर विवाद चल रहा है। इसी विवाद को लेकर जगमोहन लाल ने आईजीआरएस के माध्यम से रामप्रताप के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

होमगार्ड का आरोप है कि इसी शिकायत के आधार पर जिला कमांडेंट की ओर से उसे लगातार परेशान किया जा रहा था। रामप्रताप का कहना है कि सामान्य ड्यूटी करने के बावजूद उस पर कार्रवाई का दबाव बनाया गया। रामप्रताप रावत ने आरोप लगाया कि मामले को खत्म कराने या सुलझाने के बदले उनसे कथित तौर पर 20 हजार रुपये की मांग की गई। उनका कहना है कि आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उन्होंने पैसे देने में असमर्थता जताई।

'धोखेबाज नेताजी

हम जो रूठ जाएंगे तो हाथ मलोगे', वाटर कैनन पर डांस के बाद छात्रों का एक और अनूठा प्रदर्शन

पटना, 21 अगस्त (एजेंसियां)। बीपीएससी टीआरई 4 की वैकेंसी निकालने के बाद भी बिहार सरकार की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। कई ऐसे विषय हैं जिनके लिए शिक्षकों की नियुक्ति का आदेश नहीं आया है। प्रदर्शनकारी छात्र और अभ्यर्थी क्लास 9 और 10 में संगीत शिक्षक की बहाली की मांग कर रहे हैं। कुछ ऐसी ही मांग उन अभ्यर्थियों की भी है जो फाइन आर्ट्स के टीचर के लिए परीक्षा देना चाहते थे। हालांकि इस प्रदर्शन में अब बॉलीवुड के कई गाने भी घुस गए हैं। भोजपुरी में हाल ही में एक गाना बड़ा चर्चित हुआ था। उस गाने के बोल थे कि 'छने छने बदले तोहरा मिजाज रजऊ, धोखेबाज रजऊ'। अभ्यर्थियों ने इस गाने की पैरोडी मंच से बनाकर गाया और कहा कि 'धोखेबाज नेताजी, धोखेबाज नेता जी।'

इस गाने के दौरान महिला और पुरुष अभ्यर्थियों ने मंच से माइक के जरिए सरकार को खूब सुनाया। इसी तरह का एक गाना जो फिल्म साजन चले ससुराल का है कि 'तुम तो धोखेबाज हो, वादा करके भूल जाते हो। रोज-रोज तुम जो सनम ऐसा करोगे, हम जो रूठ जाएंगे तो हाथ मलोगे।' इस गाने की पैरोडी भी टीआरई 4 अभ्यर्थियों ने बना डाली। मंच से अभ्यर्थियों ने गाया कि ' तुम तो धोखेबाज हो, वादा करके भूल जाते हो। रोज-रोज नेताजी तुम ऐसा करोगे, हम जो रूठ जाओगे तो हाथ मलोगे। धोखेबाज नेता जी।'

छात्र अभ्यर्थियों का कहना है कि कोई भी इंसान आंदोलन नहीं करना चाहता। अभ्यर्थियों के मुताबिक राज्य की बहन बेटियां सरकार की भी बहन बेटियां हैं। कम से कम सरकार को इनकी तरफ भी ध्यान देना चाहिए जो घर छोड़कर सड़क पर आंदोलन कर रही हैं। छात्र अभ्यर्थियों का कहना है कि जैसे टीआरई 1, टीआरई 2 और टीआरई 3 की परीक्षा ली गई। वैसे ही बीपीएससी टीआरई 4 की भी परीक्षा ले। एक यूजर ने इन गानों से जुड़ा एक पूरा वीडियो सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट किया है, जिसे आप नीचे देख सकते हैं।

'सरकारी धन में गड़बड़ी और मरीजों से वसूली', नोएडा में सीएचसी प्रभारी पर लगे गंभीर आरोप

नोएडा, 21 अगस्त (एजेंसियां)। सूरजपुर कोर्ट में एक अधिवक्ता ने बिसरख सीएचसी प्रभारी पर सरकारी धन में वित्तीय अनियमितता, मरीजों से वसूली, प्रयोगशाला जांच, प्रसव और रोगी कल्याण समिति की धनराशि का दुरुपयोग व वसूली का आरोप लगाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रभारी के खिलाफ शिकायती पत्र भेजकर जांच के आधार पर कार्रवाई की मांग की है। इसकी प्रति लिपि प्रमुख सचिव, महानिदेशक स्वास्थ्य विभाग, डीएम और सीएमओ को भेजी है। सीएमओ ने जांच के लिए शिकायतकर्ता से शपथ पत्र और आरोपों से संबंधित साक्ष्य मांगे हैं।

अधिवक्ता तरुण का आरोप है कि सीएचसी प्रभारी डॉ. सचिन्द्र कुमार मिश्रा के कार्यकाल में कई गंभीर मामले सामने आए हैं। वहीं, इसमें सरकारी धनराशि का दुरुपयोग, मरीजों से वसूली, वित्तीय अनियमितता, शासन की योजनाओं में गड़बड़ी, प्रयोगशाला जांच के नाम पर धन वसूली, प्रसव कक्ष में अवैध वसूली, रोगी कल्याण समिति की धनराशि का संदिग्ध उपयोग, कथित फर्जी मेडिको लीगल प्रकरणों और अनाधिकृत प्राइवेट चिकित्सा प्रतिष्ठानों से संबंधित शिकायत शामिल हैं। उन्होंने मामले में उच्चस्तरीय जांच कराकर वित्तीय ऑडिट की भी मांग की है। उन्होंने प्रभारी पर पूर्व में 10 हजार रुपये के कथित लेन-देन करते हुए स्टिंग ऑपरेशन होने की भी जानकारी दी है।

ओम प्रकाश राजभर बोले– जनता आपस में लड़ती है, नेता सब एक होते हैं मिलते हैं तो साथ बैठकर रसगुल्ला खाते हैं

लखनऊ, 21 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी और एनडीए के नेताओं के बीच बयानबाजी लगातार सुर्खियों में है। इसी बीच एक बातचीत के दौरान सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर से सपा सांसद राजीव राय की नाराजगी और दोनों नेताओं के बीच रिश्तों को लेकर सवाल किया गया। इस पर मंत्री ने कहा कि नेताओं के बीच राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि व्यक्तिगत बातचीत पूरी तरह खत्म हो जाए।

सांसद राजीव राय और मंत्री के बीच हुई कथित नोकझोंक को लेकर जब सवाल पूछा गया तो मंत्री ने हल्के अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा, यार, नेता जब मिलते हैं तो एक जगह बैठकर रसगुल्ला खाते हैं। मंत्री के इस बयान से साफ है कि वह राजनीतिक बयानबाजी और व्यक्तिगत संबंधों को अलग-अलग नजरिए से देखते हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि नेताओं के बीच मतभेद होने के बावजूद बातचीत के रास्ते पूरी तरह बंद नहीं होते।

बातचीत के दौरान नेताओं के आपसी संबंधों को लेकर भी सवाल उठा। इस पर कहा गया कि बड़े नेता एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं, जबकि छोटे स्तर के नेता जनता के बीच एक-दूसरे से लड़ते नजर आते हैं। मंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सदन के भीतर सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों के प्रति एक शिष्टाचार का पालन करना जरूरी है।

राजनीतिक विरोध अपनी जगह है, लेकिन संवैधानिक व्यवस्था के तहत सदन में निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ मर्यादा बनाए रखना जरूरी है।

पुलवामा आतंकी हमले के आरोपी को बड़ा झटका

जैश आतंकियों को पनाह देने के मामले में जमानत से इनकार

जम्मू, 21 अगस्त (एजेंसियां)। पुलवामा आतंकी हमले की साजिश में शामिल होने और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों को अपने घर में पनाह देने के आरोपी इंशा जान को जमानत से स्पेशल एनआईए कोर्ट ने इन्कार कर दिया। कोर्ट ने माना कि आरोपी इंशा जान उर्फ इंशा तारिक की रिहाई से अभियोजन के मुख्य गवाहों को प्रभावित करने का जोखिम हो सकता है। एनआईए मामलों के स्पेशल जज प्रेम सागर ने कहा कि मामले में गवाहों से पूछताछ की जा रही है।

अभियोजन पक्ष की ओर से पेश मटीरियल की पुष्टि अभी उन अन्य संबंधित गवाहों से होनी बाकी है। इंशा पर रणबीर दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम, यूएपीए और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत मुकदमा चल रहा है। 10 दिसंबर, 2022 को उसके खिलाफ आरोप तय किए गए थे और वह छह साल से अधिक समय जेल में बिता चुका है। कोर्ट के समक्ष पेश किए गए एनआईए के मामले के अनुसार इंशा जान ने अपने पिता पीर तारिक अहमद शाह के साथ मिलकर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों को अपने घर में न केवल पनाह दी, बल्कि उन्हें भोजन और आवाजाही में मदद भी की। बचाव पक्ष ने लंबे समय तक जेल में रहने से याचिकाकर्ता की सेहत पर बुरा असर पड़ने और खास मेडिकल इलाज की जरूरत का हवाला देते हुए जमानत मांगी थी। स्पेशल जज ने उसकी स्थिति को तुरंत रिहाई लायक नहीं माना। बारामुला जिला जेल के सुपरिटेंडेंट को इंशा के लिए सभी मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध कराने और हर दो सप्ताह में कोर्ट के सामने अनुपालन रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए।

पाकिस्तानी आतंकियों के भी उसके घर आने का आरोप

एनआईए ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी आतंकवादी मुहम्मद उमर फारूक और मोहम्मद कामरान अली भी जून, 2018 में इंशा जान के घर आए थे। इसके बाद से जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों का हथियार और गोला-बारूद के साथ नियमित रूप से उसके घर आना शुरू हो गया था।

इंशा के घर में फिदायीन आदिल अहमद डार का वीडियो किया रिकॉर्ड

अभियोजन पक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि जनवरी, 2019 में मुहम्मद उमर फारूक, आदिल अहमद डार और समीर अहमद डार इंशा के घर पर रुके थे। 28 तथा 29 जनवरी को फिदायीन आदिल अहमद डार का वीडियो वहीं रिकॉर्ड किया गया था, जो हमले के बाद वायरल हो गया था। एनआईए ने यह भी दावा किया कि तकनीकी विश्लेषण से संबंधित समय पर घर में इंशा जान की मौजूदगी साबित हुई है। उसने आरोपी के इस्तेमाल मोबाइल नंबर और मुहम्मद उमर फारूक के पाकिस्तानी नंबर के बीच हुई व्हाट्सएप कॉल के सबूत भी पेश किए।

साड़ी पहनकर आया, पानी पिलाकर हिप्नोटाइज किया; मुंबई में एयरहोस्टेस के साथ किन्नर के भेष में घुसे शख्स ने किया रेप

मुंबई, 21 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई के पवई इलाके में एक महिला के साथ रेप का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि एक व्यक्ति किन्नर होने का दिखावा कर और महिलाओं के कपड़े पहनकर एक महिला के घर में घुस गया। आरोपी ने महिला की नजर उतारने और आशीर्वाद देने के नाम पर अनुष्ठान करने का बहाना बनाया। आरोप है कि उसने महिला के साथ यौन उत्पीड़न किया और 2000 रुपये लेकर फरार हो गया। आरोपी की पहचान 30 वर्षीय अनिल शिंदे के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी। घटना वाली इमारत से जिस ऑटो रिक्शा का इस्तेमाल किया गया था, उसका पता लगाने के बाद पुलिस ने आरोपी को कलवा से गिरफ्तार कर लिया।

अनिल शिंदे साड़ी पहनकर और किन्नर (ट्रांसजेंडर) का रूप धारण कर पवई इलाके की एक सोसायटी में घुसा। किन्नर के भेष में उसने सिक्योरिटी गार्ड का विश्वास जीतकर बिल्डिंग में प्रवेश किया और कई दरवाजों पर दस्तक दी। इस दौरान एक महिला ने तीसरी मंजिल पर स्थित अपने फ्लैट का दरवाजा खोला। अनिल ने महिला के बीमार पति को ठीक करने और बुरी नजर उतारने का झांसा देकर घर में एंट्री ली। अंदर जाने के बाद उसने महिला को शारीरिक नुकसान पहुंचाने की धमकी दी और उसके साथ रेप किया।

वारदात के बाद वह 2000 रुपये लेकर फरार हो गया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसने अनिल को घर में आने की इजाजत इसलिए दी क्योंकि उसे विश्वास था कि वह उसके पति को ठीक करने में मदद कर सकता है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। महिला ने बताया कि शिंदे ने उस पर पानी छिड़का और यौन उत्पीड़न करने से पहले उसके सिर पर हाथ रखा। जब उसने शोर मचाया तो वह 2000 रुपये लेकर फ्लैट से चला गया। ने पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद एफआईआर दर्ज की गई। पीड़िता की शिकायत के बाद पवई पुलिस ने बिल्डिंग और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। एक फुटेज में आरोपी को साड़ी में एक ऑटो रिक्शा से ठाणे के खारेगांव की झुग्गियों की तरफ भागते देखा गया।

बुरका पहन गहने खरीदने आईं 4 महिलाओं ने चुराया 1.5 किलो सोना, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

छत्रपति संभाजीनगर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में ग्राहक बनकर आईं चार बुर्काधारी महिलाओं ने डेढ़ किलो सोना चुरा लिया। इस चोरी में दो पुरुष भी शामिल हैं। घटना शहर के शहागंज इलाके में स्थित विश्वास ज्वेलर्स में हुई।

यहां ग्राहक बनकर आए एक गिरोह द्वारा करीब डेढ़ किलो सोना चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक, दो पुरुष और चार बुर्काधारी महिलाएं ग्राहक बनकर अलग-अलग समय पर ज्वेलरी शोरूम में पहुंचीं। आरोप है कि गिरोह के सदस्यों ने पहले शोरूम की रेकी की और फिर मौका देखकर करीब डेढ़ किलो सोने से भरा डिब्बा लेकर फरार हो गए। इसे बुर्का स्टाइल की चोरी माना जा रहा है।

पुलिस जांच में जुटी है, लेकिन अब तक आरोपियों को लेकर कोई जानकारी हाथ नहीं लगी है। गिरोह के सदस्य एक के बाद एक ग्राहक बनकर शोरूम में पहुंचे, जिससे किसी को उन पर शक नहीं हुआ। पूरी घटना शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद होने की संभावना है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस उपायुक्त सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की टीम घटनास्थल पर जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और उनकी तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस गिरोह के सदस्यों के आने-जाने के रास्ते और संभावित ठिकानों की भी जांच कर रही है।

मामले में आगे की जानकारी पुलिस जांच के बाद सामने आएगी। इस घटना में कुल छह आरोपी शामिल हैं। इनमें चार महिलाएं और दो पुरुष हैं। सभी एक-एक कर शो रूम के अंदर घुसे।

इसके बाद महिलाओं ने गहने देखने के बहाने सेल्समैन का ध्यान भटकाया। मौका मिलते ही एक व्यक्ति ने काउंटर के नीचे से हाथ निकालकर 1.5 किलो सोने से भरा डिब्बा बाहर निकाल लिया। इसके बाद आरोपियों ने सोने के डिब्बे को छिपाया और साथ लेकर बाहर निकल गए। बाद में जब शो रूम के कर्मचारियों को चोरी का एहसास हुआ तो मामले की शिकायत पुलिस में की गई।

ऑटो-टैक्सी वालों पर चला पुलिस का डंडा, मराठी नहीं बोलने पर पहले दिन 1,268 ड्राइवरों को नोटिस

मुंबई, 21 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चलाने वाले व्यावसायिक चालकों के लिए व्यावहारिक मराठी भाषा का ज्ञान होना अनिवार्य कर दिया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य चालकों और यात्रियों के बीच संवाद को बेहतर और सुगम बनाना है। नियम के कड़ाई से क्रियान्वयन के लिए परिवहन विभाग की ओर से गुरुवार से पूरे राज्य में एक विशेष जांच अभियान शुरू किया गया है। अभियान के पहले ही चरण में कुल 1,268 चालकों को मराठी भाषा का पर्याप्त ज्ञान न होने के कारण नोटिस जारी किया गया है। मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में परिवहन विभाग की टीमों ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। केवल मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में कुल 3,995 वाहन चालकों की जांच की गई। इनमें से 604 चालक ऐसे पाए गए, जिन्हें दैनिक कामकाज के लायक व्यावहारिक मराठी का ज्ञान नहीं था। इन सभी को तुरंत नोटिस थमाया गया है।मुंबई महानगर क्षेत्र को छोड़कर राज्य के अन्य जिलों में 4,222 चालकों की जांच की गई,

500 का पिज्जा 10 हजार का पड़ा

10 इंच का पिज्जा ऑर्डर करने पर मिला 7 इंच का ; आयोग के फैसले से कंपनी को झटका

हरिद्वार, 21 अगस्त (एजेंसियां)। ऑनलाइन एप के माध्यम से 10 इंच का पिज्जा ऑर्डर करने के बाद सात इंच का पिज्जा डिलीवर करना और शिकायत के बावजूद रिफंड न देना ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफॉर्म और कैफे को भारी पड़ गया। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, हरिद्वार ने मामले में दोनों को सेवा में कमी का दोषी मानते हुए उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाया है। आयोग ने मैसर्स बण्डल टैक्नोलॉजिस प्रा। लि। और कैफे फोस्ट फैक्टरी को संयुक्त रूप से उपभोक्ता को 10,520 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है।

ज्वालापुर निवासी राजत्रेहन ने आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 10 मार्च 2020 को एप के माध्यम से कैफे फोस्ट फैक्ट्री, तपोवन से 505 रुपये में दो पिज्जा ऑर्डर किए थे। एप पर पिज्जा का आकार 10 इंच दर्शाया गया था, लेकिन डिलीवरी के बाद पिज्जा सात इंच का निकला। शिकायत करने पर कंपनी ने समस्या स्वीकार करने के बावजूद रिफंड देने से इन्कार कर दिया। उपभोक्ता ने राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन शिकायत के साथ कानूनी नोटिस भी भेजा, लेकिन राहत नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने आयोग की शरण ली। सुनवाई के दौरान ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने खुद को केवल मध्यस्थ बताया। आयोग के अध्यक्ष गगन कुमार गुप्ता, सदस्य डॉ। अमरेश रावत और रंजना गोयल की पीठ ने इस तर्क को खारिज कर दिया। आयोग ने दोनों पक्षों को 505 रुपये पिज्जा मूल्य, 15 रुपये डिलीवरी चार्ज, 5,000 रुपये मानसिक क्षतिपूर्ति और 5,000 रुपये वाद व्यय के रूप में 45 दिन में भुगतान करने का आदेश दिया। समय पर भुगतान न करने पर 10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

करोल बाग में 2 करोड़ की सनसनीखेज चोरी

कार का शीशा तोड़ उड़ाए सोने-हीरे से भरे 3 बैग, आरोपी फरार

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में चोरी की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। जानकारी अनुसार यहां के करोल बाग इलाके में दिनदिहाड़े एक ज्वेलरी कारोबारी की कार से शीशा तोड़कर 2 करोड़ से ज्यादा के कीमती गहने चोरी कर लिए गए। यह वारदात उस समय हुई जब कारोबारी अपने बेटे और कर्मचारी के साथ रेस्टोरेंट में खाना खाने के लिए गए थे। उस समय उनकी गाड़ी में तीन बैकपैक और एक सूटकेस था। तीनों बैग में सोने और हीरे की ज्वेलरी रखी थी। साथ में एक लैपटॉप और आधार कार्ड रखा हुआ था। जब वे खाना खाकर अपनी गाड़ी के पास आए तो उन्होंने देखा कि उनकी कार का शीशा टूटा हुआ है और उनका सारा कीमती सामान चोरी हो गया है। अब पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य सुरागों के जरिए आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी की कोशिश कर रही है।

कैथल कोर्ट से डेरा सच्चा सौदा के अनुयायियों को राहत

पुलिस पर फायरिंग के मामले में 27 आरोपी बरी

कैथल, 21 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के कैथल में वर्ष 2017 में पुलिस पार्टी पर हमला, फायरिंग और सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ के मामले में डेरा सच्चा सौदा के 27 अनुयायियों को अदालत से बड़ी राहत मिली है। कैथल की सेशन जज कंचन माही की अदालत ने सभी 27 आरोपियों को बरी कर दिया है। मामले में तीन आरोपियों महिपाल, राजेश और रामफल की सुनवाई के दौरान मौत हो चुकी है। मामले में बचाव पक्ष की ओर से 26 आरोपियों की पैरवी अधिवक्ता हरपाल सिंह दूहन ने की जबकि एक आरोपी की ओर से अधिवक्ता सुरेश मान अदालत में पेश हुए। अदालत ने मामले की सुनवाई के बाद 43 पन्नों का फैसला सुनाया। अभियोजन के अनुसार, 25 अगस्त 2017 को एएसआई सुखचेन को सूचना मिली थी कि राजौंद थाना क्षेत्र के गांव कोटड़ा में डेरा सच्चा सौदा के कुछ अनुयायी एकत्रित हुए हैं।

बताया गया था कि करीब 60 से 70 लोग मोटरसाइकिलों पर वहां मौजूद थे और उनके पास गंडासे, लाठी-डंडे, पेट्रोल की बोतलें और अन्य हथियार थे। सूचना मिलने के बाद एएसआई सुभाष चंद्र समेत पुलिस टीम निजी और सरकारी वाहनों से गांव कोटड़ा स्थित डेरे पर पहुंची। पुलिस का आरोप था कि वहां मौजूद भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। शिकायत के मुताबिक, भीड़ की ओर से फायरिंग की गई और पेट्रोल से भरी बोतलें पुलिस वाहनों पर फेंकी गईं। कुछ लोगों पर तलवार, गंडासी और डंडों से पुलिसकर्मियों पर हमला करने का भी आरोप लगाया गया। इस दौरान ईएएसआई सुरजीत सिंह और जसबीर सिंह समेत कई पुलिसकर्मियों के घायल होने की बात सामने आई थी। स्थिति बिगड़ने पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट के आदेश से पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया।

आरोप है कि इसके बाद भीड़ राजौंद गांव की ओर चली गई और राजौंद पावर हाउस में आगजनी की। बाद में ग्रामीणों के साथ भी विवाद हुआ। आरोपों के अनुसार, भीड़ खेतों की ओर चली गई, जहां ग्रामीणों पर फायरिंग की गई। इस दौरान राम निवास के पैर में गोली लगने की बात सामने आई थी। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपियों के खिलाफ अदालत में चालान पेश किया।

ऑटो चालक के घर से बरामद हुआ नोटों का पहाड़, कैश गिनते गिनते थकी पुलिस, जांच शुरू हुई

सागर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। सागर के गोपालगंज थाना क्षेत्र में ऑटो चालक के घर से तीन करोड़ रुपये से अधिक नकद राशि मिलने के मामले में अब लोकायुक्त ने जांच अपने हाथ में ले ली है। मामले की गंभीरता को देखते हुए 5 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है, जो पूरे मामले के हर पहलू की जांच कर रहा है। लोकायुक्त एसपी दुर्गेश राठौर ने बताया कि जांच के दौरान जिस पीडब्ल्यूडी इंजीनियर रमेश अहिरवार का नाम सामने आया है, उसकी संपत्ति और अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। साथ ही पुलिस द्वारा जब्त की गई करोड़ों रुपये की नकद राशि को भी जल्द ही लोकायुक्त की टीम अपने कब्जे में लेगी। गौरतलब है कि बीते 16 अगस्त को गोपालगंज थाना पुलिस ने ऑटो चालक सौरभ अहिरवार के घर पर कार्रवाई करते हुए 3 करोड़ 2 लाख रुपये से अधिक नकद राशि बरामद की थी। इतनी बड़ी रकम मिलने के बाद से ही इस मामले को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे थे। जांच एजेंसियों की कार्रवाई में हो रही देरी को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे थे। अब लोकायुक्त द्वारा जांच शुरू किए जाने के बाद मामले में नए खुलासे होने की संभावना बढ़ गई है।

इलेक्ट्रॉनिक सिटी में कार से 9 करोड़ रुपये नकद जब्त, सर्राफ हिरासत में

बेंगलुरु, 21 अगस्त (एजेंसियां)। इनकम टैक्स अधिकारियों ने शुक्रवार को बेंगलुरु की इलेक्ट्रॉनिक सिटी में वीरनसांद्रा सिग्नल के पास केरल में रजिस्टर्ड एक कार से करीब 9 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने इलेक्ट्रॉनिक सिटी पुलिस को गाड़ी में भारी मात्रा में कैश के गैर-कानूनी ट्रांसपोर्टेशन के बारे में जानकारी दी थी।

पुलिस ने कार को रोका और उसकी तलाशी ली, जिसके बाद कैश मिला और उसे जब्त कर लिया गया। यह कैश एक सोने के व्यापारी का था, जिसकी ज्वेलरी की दुकान है और बताया जाता है कि वह तमिलनाडु के थूथुकुडी का रहने वाला है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने सोने के व्यापारी के घर पर भी तलाशी ली थी, जहाँ अधिकारियों को कथित तौर पर 1.35 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कैश मिला।

पूछताछ के लिए सोने की दुकान के मालिक को हिरासत में लिया गया है। इनकम टैक्स अधिकारी पैसे के स्रोत और उसे किस मकसद से ले जाया जा रहा था, इसकी जांच कर रहे हैं। जब्त किया गया कैश केरल में रजिस्टर्ड एक कार में ले जाया जा रहा था, जिसे पुलिस ने रोक लिया। इस मामले से जुड़ी और जानकारी, जैसे कि पैसे कहां से आए थे और कहाँ ले जाए जा रहे थे, अभी सामने नहीं आई है। बता दें कि 27 जून को बेंगलुरु पुलिस ने बिना कागजात वाला 2.98 करोड़ रुपये का कैश जब्त किया था और दो कारोबारियों को गिरफ़्तार किया था। कैश जब्त करने की एक बड़ी कार्रवाई में, महालक्ष्मी लेआउट पुलिस ने कुरुबाराहल्ली में एक शेड से बिना कागज़ात वाला 2,98,00,900 रुपये का कैश बरामद किया। चार बैगों में भरा यह कैश बिना किसी वैध कागज़ात के रखा गया था। 2024 की एक पिछली घटना में बेलगावी की सिटी क्राइम ब्रांच पुलिस (सीसीबी) ने बिना कागज़ात के गैर-कानूनी तरीके से ले जाए जा रहे 2,73,27,500 रुपये नकद जब्त किए। यह कैश सांगली (महाराष्ट्र) से हुबली (कर्नाटक) ले जाया जा रहा था और पुणे-बेंगलुरु नेशनल हाईवे पर माल-मारुति पुलिस स्टेशन इलाके में एक माल ढोने वाले ट्रक के मॉडिफाइड केबिन में छिपाकर रखा गया था। पुलिस उपायुक्त (कानून-व्यवस्था) रोहन जगदीश ने तब बताया था कि कैश की गैर-कानूनी ढुलाई की पक्की जानकारी मिलने पर, इंस्पेक्टर नंदेश्वर कुंबर की अगुवाई में सीसीबी पुलिस की एक टीम बनाई गई, जिसने माल ढोने वाले वाहन को पकड़ा। वाहन में बदलाव किया गया था और जांच व मैकेनिकल मदद से केबिन में छिपाकर रखे गए 2,73,27,500 रुपये बरामद किए गए।

सीएसपी नेहा पच्चीसिया समेत तीन के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज

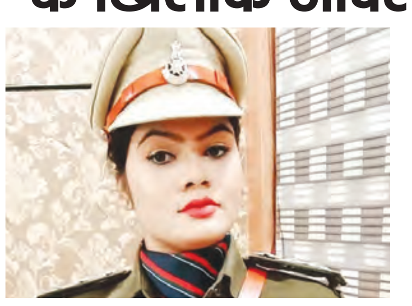

कटनी, 21 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कटनी में सीएसपी नेहा पच्चीसिया के खिलाफ पुलिस विभाग ने एक्शन लिया है। विभागीय जांच रिपोर्ट के बाद पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर कटनी के कुठला थाने में नेहा पच्चीसिया समेत तीन लोगों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार मामले में नेहा पच्चीसिया, क्षितिज राज और मारूफ अहमद को आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दरअसल, सीएसपी नेहा पच्चीसिया के खिलाफ मिली विभिन्न शिकायतों की जांच जबलपुर रेंज स्तर पर कराई गई थी। जबलपुर रेंज के आईजी प्रमोद कुमार वर्मा ने जांच की जिम्मेदारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आईपीएस अनु बेनीवाल को सौंपी थी। जांच अधिकारी ने शिकायतों से जुड़े लोगों के बयान दर्ज किए और अपनी रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपी। इसी रिपोर्ट के आधार पर अब आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार सीएसपी नेहा पच्चीसिया के खिलाफ मामला एक हत्या के प्रकरण की जांच से जुड़ी शिकायत के बाद गंभीर हुआ। आरोप है कि कुठला थाना क्षेत्र में दर्ज हत्या के मामले में निर्धारित समय सीमा के भीतर चालान पेश नहीं किया गया। इसके चलते आरोपी को जमानत मिल गई। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि बाद में आरोपी पक्ष पर दबाव बनाकर उनकी जमीन कम कीमत पर खरीदी गई।

इसके अलावा एक ट्रांसपोर्टर ने भी सीएसपी के खिलाफ शिकायत की थी। आरोप है कि हाइवा वाहन छोड़ने के एवज में 30 हजार रुपये की रिश्वत मांगी या ली गई। शिकायतों के सामने आने के बाद पुलिस विभाग ने विभागीय स्तर पर कार्रवाई करते हुए पहले दो और बाद में तीन थानों का प्रभाव सीएसपी से वापस ले लिया था। उनके सरकारी ड्राइवर केशव सिंह को भी निलंबित किया गया था। इसके साथ ही थानों का प्रभार वापस लिए जाने और सरकारी ड्राइवर के निलंबन के खिलाफ नेहा पच्चीसिया ने हाईकोर्ट का रुख किया था। मामले की सुनवाई के बाद एकल पीठ ने इसे पुलिस विभाग के आंतरिक प्रशासन और कार्य-विभाजन से जुड़ा विषय माना। कोर्ट ने विभागीय निर्णय में हस्तक्षेप से इनकार करते हुए याचिका खारिज कर दी थी।

जमुड़िया में अवैध हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद, 4 हथियार और 8 कारतूस मिले

कोलकाता, 21 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के जमुड़िया के पूर्व तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक हरेराम सिंह के बेटे प्रेमपाल सिंह से पूछताछ के बाद पुलिस को अवैध हथियारों के एक बड़े नेटवर्क का पता चला है। आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट की डीडी टीम और जमुड़िया थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए हथियारों का बड़ा जखीरा जब्त किया है। पुलिस टीम ने रात करीब 1:30 बजे जमुड़िया स्थित ईसीएल के नॉर्थ सियारसोल इलाके के एक परित्यक्त दो मंजिला क्वार्टर में अभियान चलाया।

इस छापेमारी के दौरान पुलिस ने वहां से भारी मात्रा में अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए। पुलिस द्वारा चलाए गए इस तलाशी अभियान के दौरान मौके से निम्नलिखित अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए गए इस बरामदगी के बाद पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी हुई है कि इन हथियारों को वहां किसने रखा था और इनका इस्तेमाल किन गतिविधियों में किया जाना था। पुलिस इस मामले में हथियारों के स्रोत और इससे जुड़े अन्य लोगों की भी जांच कर रही है। हथियारों की इस बड़ी बरामदगी के बाद जमुड़िया इलाके में एक बार फिर अवैध हथियारों के नेटवर्क को लेकर पुलिस की जांच तेज हो गई है। इधर, छह दिनों की पुलिस हिरासत पूरी होने के बाद प्रेमपाल सिंह को फिर से आसनसोल अदालत में पेश किया गया।

टीएमसी नेता सुजीत बोस की जमानत पर बड़ा ट्विस्ट !

जज ने खुद को केस से किया अलग

कोलकाता, 21 अगस्त (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता और पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री सुजीत बोस की जमानत याचिका के मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट से बड़ी खबर सामने आई है। मामले की सुनवाई कर रहीं जस्टिस सुव्र घोष ने खुद को इस केस से अलग कर लिया है। जज ने बताया कि सुजीत बोस की ओर से पेश एक वकील और उनकी निजी सचिव ने उनके चैंबर में जाकर केस की फाइल देखने की कोशिश की। कोर्ट के कर्मचारियों ने इसका विरोध किया। जस्टिस घोष ने इस घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इस पूरे मामले में किसी अप्रत्यक्ष मकसद की बू आती है। उन्होंने केस को आगे के निर्देश के लिए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के पास भेज दिया है।

जस्टिस सुव्र घोष ने 19 अगस्त को जारी अपने आदेश में कहा कि सुजीत बोस की जमानत याचिका पर फैसला 17 अगस्त को सुरक्षित रखा गया था। इसके अगले दिन यानी 18 अगस्त को जब जज कोर्ट में थीं, तब सुजीत बोस की ओर से पेश एक वकील उनकी निजी सचिव के साथ उनके चैंबर में पहुंचा। आदेश के मुताबिक, दोनों ने चैंबर के बाहर मौजूद कर्मचारियों से केस की फाइल लाने को कहा। कर्मचारियों ने फाइल देने से मना कर दिया। इसके बाद दोनों ने चैंबर के अंदर जाने और केस का रिकॉर्ड देखने की कोशिश की, लेकिन कर्मचारियों ने इसका भी विरोध किया। इस घटना पर जस्टिस घोष ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि केस का रिकॉर्ड देखने की इस कोशिश से ऐसा लगता है कि इसके पीछे कोई गलत या छिपा हुआ मकसद हो सकता है।

इसके बाद जस्टिस घोष ने सुजीत बोस की जमानत याचिका की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। उन्होंने निर्देश दिया कि अब यह मामला कलकत्ता हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के सामने रखा जाए, ताकि आगे की कार्रवाई को लेकर फैसला लिया जा सके। सुजीत बोस पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री रह चुके हैं और टीएमसी के प्रमुख नेताओं में शामिल हैं। उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नगरपालिका में भर्ती में कथित गड़बड़ी से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया था। ईडी के मुताबिक, सुजीत बोस ने दक्षिण दमदम नगरपालिका में अलग-अलग पदों पर करीब 150 लोगों की कथित तौर पर गलत तरीके से सिफारिश की थी। जांच एजेंसी का आरोप है कि नगरपालिका में नौकरी दिलाने के बदले अवैध तरीके से पैसे लिए गए। ईडी ने दावा किया था कि जांच के दौरान कुछ ऐसे फ्लैटों का पता चला, जिन्हें नगरपालिका में नौकरी दिलाने के बदले मिली कथित अवैध रकम से खरीदा गया था। जांच एजेंसी ने यह भी कहा था कि सुजीत बोस के नियंत्रण वाले बैंक खातों में बड़ी रकम जमा होने के सबूत मिले हैं।

ईडी की जांच के सिलसिले में सुजीत बोस को कई बार समन भी भेजा गया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें विशेष अदालत में पेश किया गया था। जांच के दौरान सुजीत बोस अपने बेटे समुद्र के साथ साल्ट लेक स्थित जीजीओ कॉम्प्लेक्स में ईडी के दफ्तर पहुंचे थे। अब जस्टिस सुव्र घोष के केस से अलग होने के बाद सुजीत बोस की जमानत याचिका पर अगली सुनवाई किस जज या पीठ के सामने होगी, इसका फैसला कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के निर्देश के बाद होगा।

इमरान खान अस्पताल से फिर जेल भेजे गए

डॉक्टर बोले– पूर्व पीएम को जेल में रखना सुरक्षित, देर रात हॉस्पिटल में भर्ती किया था

इस्लामाबाद, 21 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को मेडिकल जांच के बाद शुक्रवार को इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल हॉस्पिटल से वापस अडियाला जेल भेज दिया गया। अस्पताल पहुंचने के बाद 6 डॉक्टरों की टीम ने उनकी मेडिकल जांच की।

जांच के बाद डॉक्टरों ने कहा कि इमरान खान को अस्पताल में भर्ती रखने की जरूरत नहीं है और उन्हें जेल में ही रखा जा सकता है। इसके बाद इमरान खान को कड़ी सुरक्षा के बीच वापस रावलपिंडी की अडियाला जेल ले जाया गया। अस्पताल लाए जाने के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। गुरुवार देर रात उन्हें अडियाला जेल से शिफा इंटरनेशनल हॉस्पिटल लाया गया था। इमरान के अस्पताल पहुंचने के बाद सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी कर दी गई थी।

अस्पताल की सभी लाइटें बंद कर दी गईं। स्टाफ के मोबाइल फोन भी जमा करा लिए गए और

अस्पताल के बाहर मौजूद मीडिया को वहां से हटा दिया गया। मेडिकल जांच पूरी होने के बाद इमरान को वापस जेल भेज दिया गया। पाकिस्तान सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में दोबारा रिव्यू पिटीशन दाखिल की है। इसमें मांग की गई है कि इमरान खान को इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल भेजने के आदेश को बदला जाए।

इससे पहले भी सरकार ने इसी मांग को लेकर रिव्यू पिटीशन दाखिल की थी। कोर्ट के रजिस्ट्रार ऑफिस ने जरूरी दस्तावेज पूरे नहीं होने की वजह से इसे लौटा दिया था।

सुप्रीम कोर्ट की तय समय सीमा बीतने के बाद इमरान खान के वकील खालिद यूसुफ चौधरी ने कहा कि वे अडियाला जेल के बाहर मौजूद थे, लेकिन उन्हें इमरान से मिलने नहीं दिया गया। चौधरी के मुताबिक, उन्हें इमरान खान से अवमानना याचिका और पावर ऑफ अटॉर्नी पर उनके हस्ताक्षर कराने थे, लेकिन जेल प्रशासन ने उन्हें मिलने की अनुमति नहीं दी।

वकील ने आरोप लगाया कि उन्हें इमरान से मिलने से रोकने का मकसद सुप्रीम कोर्ट में उनके इलाज को लेकर अवमानना याचिका दाखिल करने से रोकना है। हम फिर भी सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल करेंगे। कोर्ट में पेश की गई मेडिकल रिपोर्ट में इमरान खान की सेहत को लेकर चिंता जताई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके ब्लड प्रेशर में उतार-चढ़ाव, दिल की धड़कन तेज होने और काफी मानसिक तनाव की समस्या सामने आई।

इमरान का हालिया ब्लड प्रेशर 140/80 दर्ज किया गया, जबकि उनकी नब्ज 54 बार प्रति मिनट थी। फरवरी में उनका ब्लड प्रेशर 120/80 था, जो सामान्य माना जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान की सेहत की जांच के लिए मेडिकल बोर्ड बनाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने इमरान की बहन डॉ. उजमा खान और उनके निजी डॉक्टर को भी मेडिकल बोर्ड में शामिल करने को कहा है। मेडिकल बोर्ड में कई विशेषज्ञ डॉक्टर होंगे। वे मिलकर इमरान की पूरी जांच करेंगे और पुरानी मेडिकल रिपोर्ट भी देखेंगे।

इसके बाद डॉक्टर पता लगाएंगे कि उन्हें क्या परेशानी है, ब्लड क्लॉट क्यों बन रहा है और आगे कोई खतरा तो नहीं है।

ट्रम्प बोले- होर्मुज पर जल्द अमेरिका का फुल कंट्रोल होगा

ईरान की नेवी और एयरफोर्स खत्म, उसके पास सिर्फ कुछ मिसाइल और ड्रोन बचे

वाशिंगटन, 21 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि अमेरिका जल्द ही होर्मुज स्ट्रेट पर पूरी तरह कंट्रोल कर लेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमलों में ईरान की नेवी, एयरफोर्स और सैन्य नेतृत्व को भारी नुकसान हुआ है।

ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका किसी भी हाल में ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देगा। ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए सैन्य कार्रवाई जरूरी थी।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर आगे भी ऐसा खतरा हुआ तो अमेरिका फिर से कड़ा कदम उठा सकता है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान के कई बड़े नेता अब नहीं रहे। इसके चलते नए समझौते पर बातचीत मुश्किल हो गई है। फिलहाल यह भी साफ नहीं है कि ईरान में फैसले कौन ले रहा है।

ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान आर्थिक संकट से जूझ रहा है। देश में महंगाई बहुत ज्यादा है। सेना को वेतन देने में भी दिक्कतें

आ रही हैं। अमेरिका ने ईरान के साथ कारोबार करने वाले देशों और कंपनियों को चेतावनी दी है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बैंसेट ने कहा कि जो लोग ईरान के साथ कारोबार जारी रखेंगे, उनके खिलाफ अमेरिका कड़े आर्थिक कदम उठा सकता है।

दरअसल, अमेरिका ने गुरुवार को ईरान पर नई आर्थिक कार्रवाई का ऐलान किया है। इसका मकसद ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाकर उसे परमाणु कार्यक्रम खत्म करने और होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए मजबूर करना है। अमेरिका पहले ही ईरान के तेल, बैंकिंग और ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर कई प्रतिबंध लगा चुका है। अब वह ईरान से जुड़े दूसरे देशों और कंपनियों पर भी दबाव बढ़ाने की तैयारी में है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिका जब बातचीत नहीं करना चाहता, तो प्रतिबंध लगाने लगता है। ईरान कई साल से ऐसे प्रतिबंध झेलता आया है और इससे उसकी नीति नहीं बदली है।

इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के ईरान डायरेक्टर अली वाएज के मुताबिक, अमेरिका अब प्रतिबंधों के साथ सैन्य दबाव भी बढ़ा रहा है। लेकिन इससे ईरान के पीछे हटने के बजाय उसका रुख और सख्त हो सकता है। उनके मुताबिक, ईरान के लिए अमेरिकी प्रतिबंध झेलना मुश्किल जरूर है, लेकिन अमेरिका की शर्तें मानना उसे इससे भी ज्यादा खतरनाक लगता है। इसलिए सिर्फ दबाव बढ़ाने से ईरान के झुकने की संभावना कम है।

दुनिया के तेल का अहम रास्ता- दुनिया की करीब 20% तेल और एलएनजी सप्लाई होर्मुज से गुजरती है। इस पर कंट्रोल का मतलब ऊर्जा सप्लाई पर पकड़। ईरान का दबाव कम करना- ईरान होर्मुज को दबाव बनाने के हथियार की तरह इस्तेमाल करता रहा है।

फोरलेन निर्माण स्थल पर फायरिंग

दो मजदूरों को गोली लगी

पलामू, 21 अगस्त (एजेंसियां)। पलामू जिले में गुरुवार देर रात फोरलेन निर्माण स्थल पर अपराधियों ने दो मजदूरों को गोली मार दी। सतबरवा थाना क्षेत्र के रजडेरवा में हुई इस घटना में गंभीर रूप से घायल दोनों मजदूरों को रांची रेफर किया गया है।

घायल मजदूरों की पहचान 26 वर्षीय अजय हांसदा और 20 वर्षीय संजय हांसदा के रूप में हुई है। ये दोनों पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के रहने वाले हैं। उन्हें तत्काल मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, घटना रात करीब 11 बजे की है। घायल मजदूरों ने बताया कि बाइक पर सवार कुछ अपराधी उनके पास आए और माचिस मांगी। माचिस न होने की बात कहने पर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई, जिसके बाद अपराधियों ने गोली चला दी। वारदात के बाद अपराधी बाइक से फरार हो गए। वहां मौजूद अन्य मजदूरों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सतबरवा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी कपिल चौधरी भी रात में ही मौके पर पहुंचे और अपराधियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। पुलिस अपराधियों की पहचान और घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है। हालांकि, चर्चा है कि अपराधियों ने रंगदारी वसूली के लिए दहशत फैलाने के उद्देश्य से इस वारदात को अंजाम दिया है। इस घटना के बाद एनएच पर काम कर रहे मजदूरों में भय का माहौल है।

21 भारतीयों वाले जहाज पर ईरानी हमले

होर्मुज में आईआरजीसी बोट्स ने फायरिंग की शीशे टूटे, सामान बिखरा, क्रू ने छिपकर जान बचाई

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। होर्मुज स्ट्रेट में 21 भारतीय नाविकों वाले एक कंटेनर जहाज पर ईरानी नौकाओं ने फायरिंग की थी। यह घटना 22 अप्रैल को हुई थी। भारतीय नाविकों के संगठन (एफएसयूआई) ने अब इस घटना का वीडियो जारी किया है। वीडियो में ईरानी रिवोल्यूशनरी गाड्र्स (आईआरजीसी) से जुड़ी नौकाओं को जहाज के आसपास देखा जा सकता है। जहाज पर फायरिंग के बाद शीशे टूटे और सामान बिखरा दिखाई देता है। एक जगह रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड दागे जाने का सीन भी दिखता है। हमले के दौरान जहाज का क्रू अपनी जान बचाने के लिए अंदर छिप गया। जहाज पर 21 भारतीय नाविक सवार थे और सभी सुरक्षित रहे।

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा खतरे के बीच भारत ने 16 जुलाई को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों की नई तैनाती पर रोक लगा दी थी। यह रोक अगले आदेश तक लागू है। यह फैसला ऐसे समय लिया गया था, जब होर्मुज स्ट्रेट और आसपास के इलाकों में हुए हमलों में भारतीय नाविकों की मौत हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 28 फरवरी से अब तक इस क्षेत्र में हुए हमलों में कम से कम 14 भारतीय नाविकों की जान जा चुकी है।

भारत ने जहाज मालिकों, जहाज मैनेजमेंट कंपनियों और नाविकों की भर्ती करने वाली आरपीएसएल कंपनियों को अरब की खाड़ी, होर्मुज स्ट्रेट और आसपास के समुद्री इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए थे। यह रोक भारतीय नाविकों की नई तैनाती पर है। भारत के बाहर से विदेशी शिपिंग कंपनियों द्वारा भर्ती किए गए नाविकों पर यह आदेश सीधे लागू नहीं होगा।

यमन और सोमालिया के पास समुद्री लुटेरों ने दो जहाजों को हाईजैक कर लिया है। दोनों जहाजों पर कुल 22 भारतीय नागरिक सवार हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सभी भारतीय फिलहाल सुरक्षित हैं।

यमन के पास 16 भारतीयः 20 अगस्त को यमन के तट से करीब 30 नॉटिकल मील दूर गल्फ ऑफ एडन में एमटी सिबू-1 को हथियारबंद समुद्री लुटेरों ने कब्जे में ले लिया। इरिट्रिया के झंडे वाले इस तेल टैंकर पर 20 क्रू मेंबर थे, जिनमें 16 भारतीय शामिल हैं।

सोमालिया के पास 6 भारतीयः 17 अगस्त को सोमालिया के पुंटलैंड तट के पास कैमरून के झंडे वाले एक कार्गो जहाज को हाईजैक किया गया। जहाज पर 10 क्रू मेंबर थे, जिनमें 6 भारतीय शामिल हैं।

हूती हमले में मारे गए 2 पाकिस्तानी नाविकों के शव गुरुवार को कराची पहुंच गए। हमले में घायल हुए 6 पाकिस्तानी नाविक भी सुरक्षित पाकिस्तान लौट आए हैं।

11 अगस्त को तंजानिया के झंडे वाले 'तिहामा' जहाज पर बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट में हूतियों ने हमला किया था। इसमें 3 पाकिस्तानी और 1 इंडोनेशियाई नाविक की मौत हुई थी।

दो घायल नाविक और दोनों मृत नाविकों के शव सऊदी एयरलाइंस की फ्लाइट से कराची पहुंचे, जबकि बाकी 4 घायल पीआईए की फ्लाइट से लौटे।

हाइवा की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम, मुआवजे और रोजगार की मांग

हजारीबाग, 21 अगस्त (एजेंसियां)। हजारीबाग के बड़कागांव थाना क्षेत्र के चेपाकला मार्ग पर शुक्रवार सुबह एक सड़क हादसे में 55 वर्षीय जयपाली महतो की मौत हो गई।

एनटीपीसी की ट्रांसपोर्टिंग गाड़ी की चपेट में आने से यह दुर्घटना हुई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने एनटीपीसी के चार नंबर गेट के पास सड़क जाम कर दिया।

जयपाली महतो मंझली डाडी से चेपाकला की ओर जा रहे थे, तभी एनटीपीसी की ट्रांसपोर्टिंग गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की सूचना पर डाड़ीकला सहायक थाना के एसआई चंद्रमोहन झा पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली।

पुलिस ने दुर्घटना के कारणों और शामिल वाहन की जांच शुरू कर दी है। वहीं, मृतक के परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए।

उन्होंने चार नंबर गेट के पास ट्रांसपोर्टिंग सड़क को जाम कर दिया। ग्रामीण मृतक के परिजनों के लिए उचित मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को रोजगार देने की मांग कर रहे हैं।

उनका आरोप है कि सार्वजनिक सड़कों से कोयले की ढुलाई के कारण आम लोगों को आवागमन में परेशानी और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

स्थानीय लोगों ने एनटीपीसी प्रबंधन से सार्वजनिक सड़क से कोयले की ट्रांसपोर्टिंग बंद करने और एक अलग ट्रांसपोर्टिंग सड़क बनाने की मांग की है।

जिन्ना की बीमारी छिपाने वाले डॉक्टरों को पाकिस्तान सम्मानित करेगा

मुंबई के दो डॉक्टरों ने 1946 में बताया था– जिन्ना को गंभीर टीबी

इस्लामाबाद, 21 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान अपने संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की गंभीर बीमारी की जानकारी गुप्त रखने वाले मुंबई के दो डॉक्टरों को देश के बड़े नागरिक सम्मानों में से एक निशान-ए-इम्तियाज देगा।

दोनों डॉक्टरों ने 1946 में जिन्ना के एक्स-रे की जांच कर उन्हें गंभीर टीबी होने की जानकारी दी थी।

पाकिस्तान के योजना मंत्री और अवॉड्र्स कमेटी के अध्यक्ष अहसन इकबाल ने सोशल मीडिया पर बताया कि दोनों डॉक्टरों को सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने जिन्ना की बीमारी की बात किसी को नहीं बताई और उस समय 'चुपचाप लेकिन बहुत बड़ी जिम्मेदारी निभाई।' जिन्ना की बीमारी छिपाने

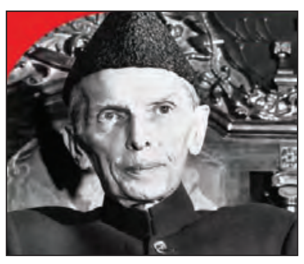

वाले दोनों डॉक्टर मुंबई के पारसी समुदाय से थे। डॉ. जेआर पटेल और डॉ. जेए धायभो-कू ने 1946 में जिन्ना के एक्स-रे की जांच की थी। इसमें पता चला कि जिन्ना को गंभीर टीबी है।

फ्रीडम एट मिडनाइट किताब के मुताबिक, डॉक्टरों को लगा था कि जिन्ना के पास सिर्फ 1 से 2 साल का समय बचा है। उनकी बीमारी के बारे में बहुत कम लोगों को पता था। इनमें उनकी बहन फातिमा जिन्ना और दोनों डॉक्टर शामिल थे। जिन्ना की बीमारी की बात छिपाए जाने को अक्सर भारत के बंटवारे और पाकिस्तान बनने से जोड़कर देखा जाता है।

पाकिस्तान के मंत्री अहसन इकबाल ने बताया कि पूर्व ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने कहा था कि अगर उन्हें उस समय पता होता कि जिन्ना गंभीर रूप से बीमार हैं, तो वे भारत की आजादी कुछ महीने टाल सकते थे। उनके मुताबिक, ऐसा होता तो शायद पाकिस्तान नहीं बनता।

हालांकि यह पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता कि जिन्ना की बीमारी सामने आने पर पाकिस्तान का बनना रुक ही जाता। पाकिस्तान बनने के करीब एक साल बाद जिन्ना की मौत 11 सितंबर 1948 को हुई थी ।

अब पाकिस्तान इन दोनों डॉक्टरों को मरणोपरांत सम्मान देने जा रहा है।

पेरू में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया

कई इलाकों में झटके महसूस हुए, नुकसान की खबर नहीं

पेरू, 21 अगस्त (एजेंसियां)। पेरू के दक्षिणी हिस्से में गुरुवार को 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से नुकसान की कोई खबर नहीं मिली। भूकंप स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 1 बजे (भारतीय समयानुसार रात 11:30 बजे) आया।

इसका केंद्र आयाकूचो क्षेत्र के पैरिनाकोचास प्रांत में उपाहुआचो शहर से 38 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था। भूकंप का केंद्र जमीन से 66.7 किलोमीटर गहराई में था। दक्षिणी पेरू के कई इलाकों में इसके झटके महसूस किए गए, जिनमें इंका और अरेकिपा भी शामिल हैं।

पेरू प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है। यह इलाका भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है, इसलिए यहां अक्सर भूकंप आते हैं। साल 2007 में इंका क्षेत्र के एक प्रांत में 7.9 तीव्रता का भूकंप आया था।

अरुणाचल में 27 जगहों के नाम बदलने पर तिलमिलाए चीन की नई चाल

दलाई लामा के जन्मस्थान पर मढ़े आरोप

बीजिंग, 21 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने पिछले दिनों अरुणाचल प्रदेश में 27 जगहों के नाम क्या बदले चीन अभी तक बौखलाया हुआ है। चीन 2017 से अरुणाचल पर अपने प्रोपेगेंडा को फैलाने के लिए नाम बदलने का तरीका आजमा रहा था। लेकिन पहली बार भारत ने उसी की भाषा में जवाब दिया है। अब स्थिति ये है कि चीन भारत के फैसले को पचा ही नहीं पा रहा है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के भोंपू ग्लोबल टाइम्स ने एक लेख लिखा है जिसमें तिब्बत के किसी संगठन के हवाले से कहा है कि भारत के नाम बदलने के फैसले को इस संगठन ने खारिज कर दिया है।

ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है 'हाल ही में ज़िज़ैंग (तिब्बत को चीन इस नाम से बुलाता है) स्थित एक सांस्कृतिक शोध संगठन ने चीन के ज़िज़ैंग क्षेत्र में 27 जगहों के नाम एकतरफा ढंग से बदलने के भारत के हालिया कदम को सख्ती से खारिज करते हुए एक बयान

जारी किया। संगठन ने कहा कि यह कदम इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने, भौगोलिक दावे गढ़ने और चीन की क्षेत्रीय संप्रभुता को कमजोर करने की कोशिश है।'

आपको बता दें कि चीन पूरे अरुणाचल को तिब्बत का हिस्सा मानता है जबकि भारत ने साफ कर चुका है कि ये भारत का अभिन्न हिस्सा है।

ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है 'हाल ही में भारत ने चीन के ज़ांगनान (अरुणाचल प्रदेश का नाम बदलकर चीन ने जांगनान कर दिया है) इलाके की 27 जगहों के लिए एकतरफा और गैर-कानूनी तरीके से तथाकथित मानक नाम घोषित किए। भारत ने जानबूझकर चीन द्वारा पहले से तय जगहों के नामों को बदला और उस इलाके पर अपने गैर-कानूनी कब्ज़े को मजबूत करने की कोशिश में झूठे भौगोलिक नाम गढ़े। इसके जवाब में ज़िज़ैंग त्सांगयांग ग्यात्सो कल्चर रिसर्च एसोसिएशन ने ऐतिहासिक दस्तावेजों और क्षेत्रीय सांस्कृतिक तथ्यों के आधार पर एक गंभीर बयान जारी किया।'

इसने लिखा है 'संगठन ने जोर देकर कहा कि ऐसी हरकतें गैर-कानूनी और अमान्य हैं ऐतिहासिक तथ्यों के खिलाफ हैं और इन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता।'

ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है 'जांगनान के मोन-युल, ल्होयु और ज़ायु इलाके प्राचीन काल से ही चीन के शिजियांग (तिब्बत) प्रशासन के अधीन रहे हैं। शिजियांग में समय-समय पर बनी केंद्रीय सरकारों और स्थानीय अधिकारियों ने इस क्षेत्र पर लगातार, प्रभावी और अच्छी तरह से दर्ज शासन बनाए रखा है। तथाकथित 'अरुणाचल प्रदेश' भारत द्वारा एकतरफा तौर पर बनाई गई एक गैर-कानूनी प्रशासनिक इकाई है जो गैर-कानूनी और अमान्य मैकमोहन रेखा पर आधारित है और जिसका कोई ऐतिहासिक, कानूनी या सांस्कृतिक आधार नहीं है। संगठन ने कहा कि चीन ने इसे मान्यता देने से हमेशा सख्ती से इनकार किया है।'

बांग्लादेश ने अब चीन–पाकिस्तान संग खेला 'मुस्लिम नाटो' का कार्ड

बढ़ेगी भारत की टेंशन, तारिक के मन में क्या?

ढाका, 21 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने गुरुवार को एक इंटरव्यू में कहा है कि बांग्लादेश 'अपने हितों और ग्लोबल इकॉनमी और व्यापार में हो रहे बदलावों को ध्यान में रखते हुए मक्का समझौते में शामिल होने पर विचार कर सकता है।' इस बयान ने ढाका और नई दिल्ली के बीच चल रहे तनाव में एक और पहलू जोड़ दिया है।

सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने इस महीने की 7 तारीख को मक्का में एक संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे जिसके तहत वे औपचारिक रूप से इस बात के लिए सहमत हुए कि 'तीनों देशों में से किसी एक पर भी होने वाले सशस्त्र हमले को वे सभी पर हमला मानेंगे'। हुमायूं कबीर ने इसके अलावा तारिक

रहमान के भारत दौरे को लेकर कहा कि अभी यात्रा करने का 'सही समय नहीं है।'

ढाका इस्लामाबाद के साथ भी संबंध मजबूत कर रहा है खासकर व्यापार और लोगों के बीच आपसी संपर्क के मामले में। कबीर ने इसे सामान्य राजनयिक जुड़ाव बताया। कबीर ने कहा कि चीन के साथ संबंध 'नई ऊंचाई' पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश भू-राजनीतिक दबाव से बचते हुए बीजिंग के साथ गहरे संबंध बनाना चाहता है। उन्होंने दोनों देशों के 'टू प्लस टू' मैकेनिज्म और व्यापक साझेदारी की ओर इशारा किया।

तारिक रहमान के भारत दौरे की संभावनाओं पर बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार ने कहा 'भारत की द्विपक्षीय यात्रा की संभावना कम है। राष्ट्रीय हित से हटकर किसी उच्च-स्तरीय यात्रा की जल्दबाजी करने का कोई औचित्य नहीं है।' ढाका में राजनीतिक सूत्रों के हवाले से दिप्रिंट ने बताहै कि आने वाले महीनों में रहमान की द्विपक्षीय यात्रा की संभावना कम है जब तक कि भारत उस कदम से आगे न बढ़े जिसे उन्होंने 'प्रतीकात्मक पहल' बताया था।

बांग्लादेशी अखबार 'द बिजनेस स्टैंडर्ड' को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा 'पड़ोसी देश को बांग्लादेश में जुलाई के जन-विद्रोह की वास्तविकता को ठीक से समझना चाहिए जो 1,500 से अधिक लोगों के बलिदान से हुआ था।' विवाद का एक मुख्य कारण हसीना बनी हुई हैं जो विद्रोह के बाद भारत भाग गई थीं।

नेपाल ने भारतीय जमीन पर किया कब्जा?

बालेन शाह के दावे से उठेगा पर्दा, ड्रोन से होगी बॉर्डर की मैपिंग

काठमांडू, 21 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और नेपाल ने सीमा विवाद से जुड़े एक मुद्दे पर अहम फैसला लिया है। भारत और नेपाल अपनी 1,880 किलोमीटर लंबी खुली सीमा के साथ दसगजा (10-गज चौड़ी नो-मैन्स-लैंड या खाली जमीन की पट्टी) पर कब्जों की मैपिंग के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करने पर सहमत हुए हैं। इससे इस क्षेत्र में दोनों पड़ोसी देशों के बीच विवादित मुद्दों पर चीजें साफ होने की उम्मीद है। इस विवाद ने खासतौर से नेपाली पीएम बालेन शाह के भारतीय जमीन पर कब्जे से जुड़े कमेंट के बाद जोर पकड़ा है।

टीओआई के मुताबिक, इस प्रक्रिया में 'सीमा-पार कब्जे' के मामलों का रिकॉर्ड रखा जाएगा। जहां एक देश के लोग ऐसी जमीन पर खेती करते हैं या रहते हैं, जो तकनीकी रूप से अंतरराष्ट्रीय सीमा के दूसरी तरफ है। यह फैसला पिछले हफ्ते लखनऊ में सर्वे अधिकारियों की समिति (एसओसी) की 13वीं बैठक में लिया गया।

इस समिति का नेतृत्व संयुक्त रूप से नेपाल के सर्वे विभाग और सर्वे ऑफ इंडिया के अधिकारी करते हैं। दोनों पक्षों में बनी सहमति के हिसाब से उन इलाकों की तस्वीरें लेने के लिए मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) का इस्तेमाल होगा, जहां सीमापार कब्जे या दसगजा पर कब्जे की सूचना मिली है। अधिकारी ऐसे कब्जे के दायरे का पता लगाने और एक साझा तकनीकी आकलन तैयार करने के लिए हवाई डेटा की संयुक्त रूप से जांच करेंगे। नेपाल

के सर्वे विभाग के सुशील डंगोल ने कहा है कि यूएवी का इस्तेमाल तीन साल के भीतर सीमा-पार कब्जे की मैपिंग पूरी करने के लिए किया जाएगा। यह संयुक्त सर्वे मॉनसून के बाद अक्टूबर में शुरू हो सकता है। इस मैपिंग का मकसद संयुक्त रूप से सत्यापित तकनीकी रिकॉर्ड बनाना है, जो बाद में दोनों देशों को कब्जे हटाने, जमीन वापस पाने या मुआवजे पर बातचीत करने में मदद कर सके। सीमा पार कब्जे से मतलब उन स्थितियों को बताता है, जहां एक देश के नागरिक ऐसी जमीन पर खेती करते हैं या रहते हैं, जो तकनीकी सीमा के अनुसार दूसरे देश के इलाके में आती है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने पहले कहा है कि यह मुद्दा आंशिक रूप से नेपाल-भारत सीमा के नदी वाले हिस्सों में 'फिक्स्ड बाउंड्री प्रिंसिपल' के इस्तेमाल से जुड़ा है। नदियों के रास्ते बदलने और स्थानीय स्तर पर जमीन के इस्तेमाल में बदलाव के कारण ऐसी स्थितियां बनी हैं, जहां एक तरफ के लोगों की ओर से इस्तेमाल की जा रही जमीन तकनीकी रूप से दूसरी तरफ आ सकती है।

पाताल लोक से हुई थी रक्षाबंधन की शुरुआत

एक अनोखे वादे के कारण कलाई पर बांधी गई थी पहली राखी

रक्षा बंधन एक प्राचीन भारतीय त्योहार है जिसकी शुरुआत को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। लेकिन आज हम जिस कथा के बारे में आपको बताने जा रहे हैं वो इस त्योहार की सबसे पौराणिक कथा मानी जाती है। कहते हैं यहीं से भाई के हाथ पर राखी बांधने की शुरुआत हुई थी।

रक्षाबंधन का त्योहार 28 अगस्त 2026, शुक्रवार को मनाया जाएगा। जब भी कोई पर्व आने को होता है, तो उस पर्व से जुड़ी कथाओं और कहानियों के बारे में इंटरनेट पर खूब सर्च होने लगता है। जैसा कि राखी का त्योहार आने वाला है तो ऐसे में स्वाभाविक है कि लोग इस बारे में ज्यादा से ज्यादा जानना चाहेंगे। इस त्योहार को लेकर एक बड़ा सवाल जो हर किसी के मन में रहता है कि आखिर इस पर्व की शुरुआत हुई कैसे थी और इतिहास में सबसे पहली राखी किसने किसको बांधी थी? तो आज हम अपने इस खास लेख में आपके इसी सवाल का सटीक जवाब देंगे। क्या आप जानते हैं कि राखी की शुरुआत धरती नहीं बल्कि पाताल लोक से हुई थी।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, रक्षाबंधन के त्योहार का प्रारंभ खुद माता लक्ष्मी ने किया था। माता ने एक अनोखे वादे के कारण राजा बलि के हाथ में पहली राखी बांधी थी। चलिए जानते हैं राखी की सबसे पौराणिक कथा।

रक्षाबंधन की सबसे पौराणिक कथा

श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार, असुरराज बलि बहुत पराक्रमी और दानवीर राजा थे। उन्होंने अपने तपोबल और पराक्रम से तीनों लोकों पर अपना अधिकार जमा लिया था। इससे भयभीत होकर देवराज इंद्र भगवान विष्णु की शरण में पहुंचे। तब देवताओं की रक्षा के लिए भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया और वे राजा बलि के यज्ञ में पहुंचे। बलि ने यज्ञ में आए वामन देव से मनचाहा दान मांगने को कहा। जिस पर वामन देव ने केवल तीन पग भूमि देने की मांग की। जब राजा बलि इतनी भूमि देने के लिए तैयार हो गए तब वामन देव ने अपना विशाल रूप धारण किया और उन्होंने दो पग में ही पूरी पृथ्वी, आकाश और स्वर्ग लोक नाप लिया। जब तीसरा पग रखने के लिए कुछ नहीं बचा तब राजा बलि ने अपना सिर ही वामन देव के चरणों में रख दिया। बलि की इस भक्ति और दानशीलता से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल लोक का राजा बना दिया। साथ ही भगवान विष्णु ने बलि से वरदान मांगने को कहा, तब राजा बलि ने एक अत्यंत अनोखा वादा मांग लिया। बलि ने कहा, 'हे प्रभु मुझे वरदान दीजिए कि जब भी मैं सुबह उठूं या रात को सोऊं, आप हमेशा मेरे सामने रहें। मेरी इच्छा है कि आप मेरे पाताल लोक के द्वारपाल बनकर रहें।' इसके बाद भगवान विष्णु बैकुंठ धाम छोड़कर पाताल लोक में राजा बलि के द्वारपाल बनकर रहने लगे।

माता लक्ष्मी ने भगवान विष्णु को वापस पाने के लिए बांधी पहली राखी

भगवान विष्णु के वैकुंठ धाम छोड़ने से माता लक्ष्मी अत्यंत दुखी रहने लगीं। तब उन्होंने प्रभु को वापस लाने की एक योजना बनाई। उस योजना के तहत माता लक्ष्मी एक साधारण स्त्री का रूप धारण करके पाताल लोक पहुंचीं। उन्होंने राजा बलि को अपना भाई माना और श्रावण पूर्णिमा के दिन राजा बलि की कलाई पर एक रक्षासूत्र बांध दिया। साथ ही उन्होंने राजा बलि के लंबे और सुखद जीवन की प्रार्थना की। यह देख राजा बलि का दिल स्नेह और करुणा से भर गया। जिसके बाद राजा बलि ने अपनी धर्म बहन से कुछ मांगने के लिए कहा। तब माता लक्ष्मी अपने वास्तविक रूप में प्रकट हुईं और बोलीं, 'हे राजन! मुझे धन-दौलत कुछ नहीं चाहिए, सिर्फ मेरे स्वामी मुझे लौटा दो।' राजा बलि ने माता लक्ष्मी द्वारा बांधे गए पवित्र धागे का मान रखा और तुरंत भगवान विष्णु को अपने उस अनोखे वादे से मुक्त कर दिया, जिसके तहत उन्होंने भगवान को अपना द्वारपाल बना लिया था। इसके बाद माता लक्ष्मी भगवान विष्णु को लेकर बैकुंठ धाम वापस आ गईं। कहते हैं इस घटना के बाद से ही राखी पर्व मनाया जाने लगा।

निजता को बनाए रखें और गोपनीयता पर सजग रहें

वैसे तो हर व्यक्ति रहस्यमयी है। वह क्या सोच रहा है और आपके साथ उसका क्या व्यवहार है, उम्र बीत जाती है और आप जान नहीं पाते हैं। गहन संबंधों में भी यह बात चलती है। दो शब्द हैं- निजता और गोपनीयता। सबसे निकट का संबंध है पति-पत्नी का। इन दोनों के बीच भी यह स्थिति बनती है। इस रिश्ते में गोपनीयता होनी भी नहीं चाहिए। लेकिन स्त्री और पुरुष की निजता बची रहनी चाहिए, क्योंकि हर मनुष्य स्थान और इंसान के मामले में निजता चाहता है। समझदार जोड़े एक-दूसरे के प्रति गोपनीयता नहीं रखते। 200% पारदर्शिता का रिश्ता है यह। लेकिन एक-दूसरे की निजता का अत्यधिक मान भी करते हैं, क्योंकि निजता का संबंध कहीं ना कहीं आत्मसम्मान से भी है। हम बुद्ध के उदाहरण से समझ सकते हैं। बुद्ध अत्यधिक रहस्यमयी थे, लेकिन डरावने नहीं थे। वे उतने ही दयालु थे। हम जब भी सार्वजनिक जीवन में हों, पारिवारिक जीवन में रहें, अपनी और दूसरों की निजता बनाए रखें और गोपनीयता कहां आवश्यक है और कहां नहीं, इसके प्रति भी जागरूक रहें।

पुत्रदा एकादशी का व्रत केवल बेटे के लिए क्यों? बेटी की कामना करने वाले क्या करें

सावन पुत्रदा एकादशी व्रत 23 अगस्त 2026 को रखा जाएगा, पुत्र के अलावा पुत्री प्राप्ति की कामना से इस दिन कैसे करें विष्णु जी की पूजा जान लें।

सावन में पुत्रदा एकादशी का व्रत 23 और 24 अगस्त दोनों दिन है. पंचांग के अनुसार जब एकादशी दोनों दिन उदयातिथि विद्यमान हो तो गृहस्थ जीवन वालों को पहले दिन एकादशी व्रत करना चाहिए. मूल रूप से ये व्रत संतान प्राप्ति के लिए किया जाता है लेकिन इसमें पुत्र का वर्णन है तो क्या बेटी की इच्छा रखने वालों को इस व्रत में क्या करना चाहिए।

पुत्रदा एकादशी व्रत क्या सिर्फ पुत्र प्राप्ति के लिए ?

पुत्रदा एकादशी की कथा में संतानहीन राजा सुकेतुमान और उनकी पत्नी का वर्णन मिलता है. पद्म पुराण में भगवान विष्णु इस एकादशी को पुत्रदा बताते हैं और राजा को पुत्र प्राप्ति के लिए ये व्रत करने की सलाह दी जाती है. कथा में भी राजा की इच्छा विशेष रूप से पुत्र प्राप्ति की है और व्रत के फलस्वरूप उन्हें तेजस्वी पुत्र प्राप्त होता है. इसलिए शास्त्रीय कथा के स्तर पर पुत्रदा एकादशी का मूल फल पुत्र प्राप्ति से जुड़ा हुआ है।

क्या बेटी की कामना करने वाले यह व्रत कर सकते हैं ?

भगवान विष्णु की उपासना और एकादशी व्रत करने में बेटी की कामना रखने वाले दंपती के लिए कोई धार्मिक निषेध नहीं है. बेटी की कामना करने वाले दंपती सं स्वस्थ एवं सद्गुणी संतान का संकल्प लेकर भगवान विष्णु की पूजा करें. विधिवत व्रत करें. पुत्री की इच्छा है तो संकल्प में अपनी मनोकामना भगवान के सामने प्रार्थना के रूप में रखें. मनुस्मृति 9.130 में कहा गया है पुत्रेण दुहिता समा, अर्थात बेटी पुत्र के समान मानी गई है।

बेटी की कामना हो तो क्या करें ?

दंपती पुत्रदा एकादशी पर भगवान विष्णु का पूजन, एकादशी व्रत, विष्णु मंत्र का जाप और दान-पुण्य कर सकते हैं. माता लक्ष्मी केवल धन की देवी नहीं हैं. वैदिक और पौराणिक परंपरा में लक्ष्मी को समृद्धि, सौभाग्य, ऐश्वर्य, उर्वरता और गृहस्थ सुख से जोड़ा जाता है. भगवान विष्णु की पत्नी होने के कारण उनकी पूजा विष्णु उपासना के साथ की जाती है।

माता लक्ष्मी को कमल या सफेद या लाल पुष्प अर्पित करें और भगवान विष्णु को तुलसी दल चढ़ाएं. ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः" मंत्र का जाप करें. ध्यान रखें संतान चाहे पुत्र हो या पुत्री, धार्मिक दृष्टि से उसका स्वस्थ, सद्गुणी और सुखी होना ही सबसे महत्वपूर्ण कामना मानी जानी चाहिए।

एकादशी पर संतान प्राप्ति के लिए तुलसी के उपाय

तुलसी दल चढ़ाएं - स्नान के बाद भगवान विष्णु को स्वच्छ तुलसी दल अर्पित करें. विष्णु पूजा में तुलसी का विशेष महत्व माना गया है. तुलसी दल अर्पित करते समय "ॐ नमो भगवते वासुदेवाय" का जाप कर सकते हैं.

तुलसी की परिक्रमा करें - एकादशी के दिन तुलसी माता की श्रद्धापूर्वक परिक्रमा करने की परंपरा है. परिक्रमा के दौरान अपनी मनोकामना के बजाय पहले भगवान विष्णु से स्वस्थ, सुखी और मंगलमय जीवन की प्रार्थना करना उचित माना जाता है।

तुलसी के पास विष्णु मंत्र का जाप करें - शाम के समय तुलसी के पास बैठकर ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करें. सामर्थ्य के अनुसार 108 बार जाप किया जा सकता है।

विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी का जयंती मेला

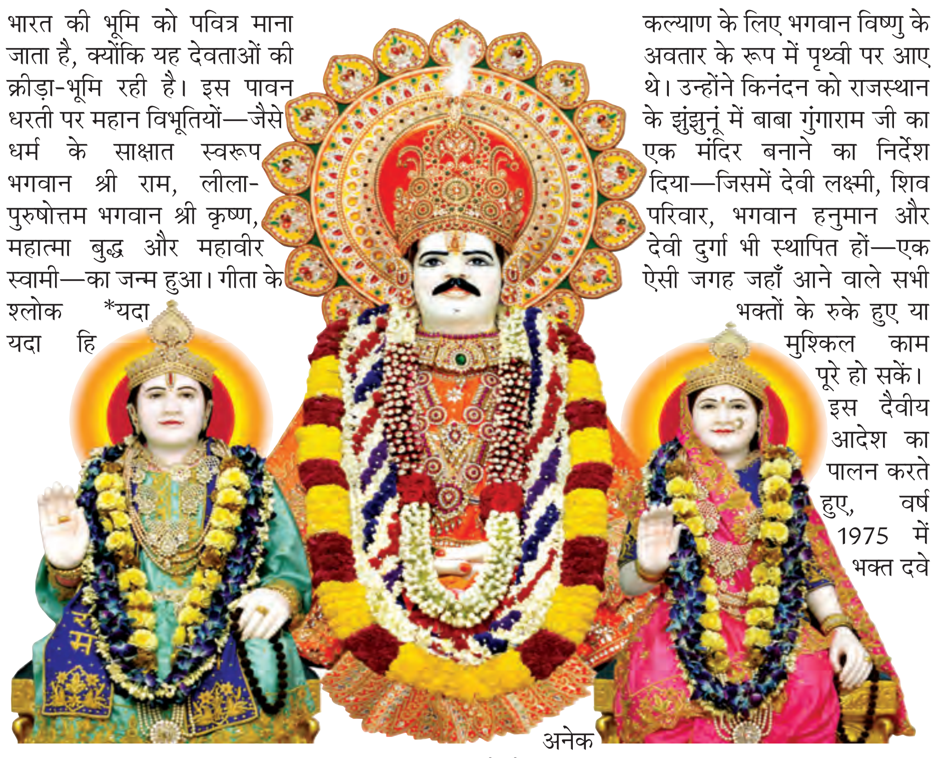

भारत की भूमि को पवित्र माना जाता है, क्योंकि यह देवताओं की क्रीड़ा-भूमि रही है। इस पावन धरती पर महान विभूतियों—जैसे धर्म के साक्षात स्वरूप भगवान श्री राम, लीला-पुरुषोत्तम भगवान श्री कृष्ण, महात्मा बुद्ध और महावीर स्वामी—का जन्म हुआ। गीता के श्लोक *यदा यदा हि धर्मस्य...* (जब-जब धर्म की हानि होती है...) के अनुसार, जब-जब धर्म पर संकट आता है, तब-तब भगवान पृथ्वी पर अवतार लेते हैं। ईश्वर ने स्वयं अनेक चमत्कारों के माध्यम से हर कदम पर मानवता का सही मार्ग पर मार्गदर्शन किया है।

इसी परंपरा में, राजस्थान के झुंझुनू शहर में वर्ष 1895 (श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को) श्री झूठा राम और लक्ष्मी देवी के घर एक दिव्य आत्मा का जन्म हुआ। आज हर घर में लोग उन्हें भगवान विष्णु के अवतार 'श्री बाबा गंगाराम जी' के रूप में पूजते हैं।

जन्म के बाद, बाबा गंगाराम जी ने झुंझुनू में अपने बचपन के दौरान कई दिव्य लीलाएं कीं। बाद में, उन्होंने उत्तर प्रदेश के बाराबंकी शहर को अपनी कर्मभूमि बनाया, जहाँ उन्होंने जन-कल्याणकारी चमत्कार किए। सूखे से ग्रस्त उस शहर में, बाबा गंगाराम जी ने चमत्कारिक रूप से पानी की एक पवित्र धारा प्रवाहित की—एक ऐसी धारा जिसे आज भी 'कल्याणी नदी' के नाम से जाना जाता है। बाबा गंगाराम जी कल्याणी नदी के पास एक बरगद के पेड़ के नीचे समाधि में लीन रहते थे, जहाँ उन्होंने अपने आराध्य देव भगवान शिव की मूर्ति भी स्थापित की थी। एक बार, कल्याणी नदी में स्नान करते समय, बाबा गंगाराम जी ने वहाँ मौजूद भक्तों को नदी के जल में भगवान श्री हरि विष्णु के दिव्य दर्शन कराए।

ऐसी अनेक दिव्य लीलाएं करने के बाद, बाबा गंगाराम जी मात्र 42 वर्ष की आयु में पृथ्वी लोक से अपने दिव्य धाम को प्रस्थान कर गए। कुछ समय बाद, बाबा गंगाराम जी ने अपने परम भक्त, दवे किनंदन को स्वप्न में दर्शन दिए और बताया कि वे संसार के कल्याण के लिए भगवान विष्णु के अवतार के रूप में पृथ्वी पर आए थे। उन्होंने किनंदन को राजस्थान के झुंझुनूं में बाबा गुंगाराम जी का एक मंदिर बनाने का निर्देश दिया—जिसमें देवी लक्ष्मी, शिव परिवार, भगवान हनुमान और देवी दुर्गा भी स्थापित हों—एक ऐसी जगह जहाँ आने वाले सभी भक्तों के रुके हुए या मुश्किल काम पूरे हो सकें। इस दैवीय आदेश का पालन करते हुए, वर्ष 1975 में भक्त दवे किनंदन ने अपनी पत्नी देवी गायत्री जी के साथ मिलकर झुंझुनूं में बाबा गुंगाराम जी का पवित्र मंदिर स्थापित किया, जिसे श्री पंचदेव मंदिर के नाम से जाना जाता है। आज भी, बाबा गुंगाराम जी के अनगिनत चमत्कारों का अनुभव उनके भक्त करते रहते हैं...

देवताओं की मदद के लिए शिव-पार्वती ने भेजा कार्तिकेय को

माता-पिता बच्चों को इतना सक्षम बनाएं कि वे कठिन परिस्थितियों का सामना स्वयं कर सकें

भगवान शिव, माता पार्वती, कार्तिकेय स्वामी और तारकासुर से जुड़ी पौराणिक कथा है। कार्तिकेय स्वामी का पालन-पोषण कृतिकाओं ने एक जंगल में किया था। इसी कारण उनका नाम कार्तिकेय पड़ा। वे अपने माता-पिता शिव और पार्वती से दूर रहे। जब शिव-पार्वती को अपने पुत्र और कृतिकाओं के बारे में पता चला, तो उन्होंने सेवकों को भेजकर कार्तिकेय को कैलाश बुला लिया।

पुत्र कार्तिकेय के कैलाश लौटने पर शिव और पार्वती प्रसन्न थे, लेकिन उसी समय कैलाश पर देवताओं का आगमन हुआ। सभी देवता तारकासुर के अत्याचार से परेशान थे। तारकासुर को वरदान प्राप्त था कि उसका वध केवल शिव-पुत्र ही कर सकता है। इसलिए देवताओं की आशा अब कार्तिकेय पर टिक गई थी।

देवताओं ने कार्तिकेय की क्षमता पहचानी। उन्हें विभिन्न विद्याएं, अस्त्र-शस्त्र और दिव्य शक्तियां प्रदान की गईं। देवी लक्ष्मी ने उन्हें दिव्य हार दिया और देवी सरस्वती ने सिद्ध विद्याएं प्रदान कीं। कार्तिकेय को देवताओं ने अपना सेनापति बनने योग्य माना।

इसके बाद देवताओं ने शिव-पार्वती से निवेदन किया कि कार्तिकेय को उनके साथ युद्ध में भेज दिया जाए। माता-पिता के लिए यह निर्णय आसान नहीं था। उनका पुत्र अभी-अभी उनके पास लौटा था। वे उसे अपने पास रखना चाहते थे। फिर भी शिव-पार्वती ने व्यक्तिगत भावनाओं से ऊपर उठकर लोककल्याण को प्राथमिकता दी।

कार्तिकेय देवताओं के साथ युद्धभूमि में पहुंचे और तारकासुर का सामना किया। उन्होंने अपने साहस, ज्ञान और शक्ति से तारकासुर का वध कर दिया। देवताओं को अत्याचार से मुक्ति मिली और शिव-पार्वती भी अपने पुत्र की सफलता से प्रसन्न हुए।

इस कथा का सबसे बड़ा संदेश यही है कि माता-पिता का सच्चा प्रेम केवल संतान को अपने पास रखने में नहीं, बल्कि उसे सही संस्कार देकर योग्य और जिम्मेदार बनाने में है। जब संतान अपनी योग्यता का उपयोग दूसरों के कल्याण के लिए करती है, तब उसका सम्मान पूरे परिवार तक पहुंचता है।

प्रसंग की सीख

पहला सूत्र है- संतान को केवल सुविधाएं नहीं, संस्कार दें। माता-पिता का उद्देश्य बच्चों को सिर्फ हर कठिनाई से बचाना नहीं होना चाहिए। उन्हें इतना सक्षम बनाना चाहिए कि वे कठिन परिस्थितियों का सामना स्वयं कर सकें। कार्तिकेय का पालन-पोषण विषम परिस्थितियों के बीच हुआ और इसी अनुभव ने उन्हें मजबूत बनाया।

दूसरा सूत्र है- योग्यता की पहचान करें। देवताओं ने कार्तिकेय में नेतृत्व की क्षमता देखी। हर व्यक्ति में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है। परिवार, शिक्षक और संस्थान की जिम्मेदारी है कि उस प्रतिभा को पहचानकर बच्चे को सही दिशा दें। सही व्यक्ति को सही जिम्मेदारी मिल जाए, तो असंभव दिखने वाला काम भी आसान हो सकता है।

तीसरा सूत्र है- जिम्मेदारी से भागें नहीं। कार्तिकेय चाहते, तो कैलाश पर माता-पिता के साथ सुखपूर्वक रह सकते थे, लेकिन उन्होंने समाज की जरूरत को समझा और जिम्मेदारी स्वीकार की। जीवन में भी जब कोई महत्वपूर्ण दायित्व सामने आए, तो केवल सुविधा देखकर निर्णय नहीं लेना चाहिए।

चौथा सूत्र है- व्यक्तिगत भावनाओं और व्यापक हित के बीच संतुलन रखें। शिव-पार्वती के लिए पुत्र से अलग होना कठिन था, फिर भी उन्होंने देवताओं और समाज की सुरक्षा को प्राथमिकता दी। इसका अर्थ यह नहीं कि भावनाओं को दबा देना चाहिए, बल्कि यह है कि बड़े निर्णय लेते समय व्यापक परिणामों को भी देखना चाहिए।

पांचवां सूत्र है- ज्ञान और शक्ति का सही उपयोग करें। कार्तिकेय को अस्त्र-शस्त्र, विद्या और शक्तियां मिलीं, लेकिन उनका उपयोग अहंकार के लिए नहीं, अत्याचार समाप्त करने के लिए हुआ। आज ज्ञान, धन, पद और तकनीक भी तभी सार्थक हैं, जब उनका उपयोग सकारात्मक उद्देश्य के लिए किया जाए।

छठा सूत्र है- नेतृत्व सेवा से पैदा होता है। केवल पद मिल जाने से कोई नेता नहीं बनता। सच्चा नेतृत्व तब दिखाई देता है जब व्यक्ति कठिन समय में दूसरों के लिए आगे आता है। कार्तिकेय को सेनापति इसलिए माना गया, क्योंकि वे संकट का सामना करने के लिए तैयार थे।

सातवां सूत्र है- परिवार की प्रतिष्ठा कर्मों से बनती है। संतान जब अच्छे कर्म करती है तो उसका लाभ केवल उसे नहीं मिलता। उसके आचरण से माता-पिता और पूरे परिवार का सम्मान बढ़ता है। इसलिए बच्चों को सफलता से अधिक चरित्र का महत्व समझाना चाहिए।

घर की इस दिशा में रखें मिट्टी का गुल्लक, बचत के साथ बढ़ेगी बरकत

गुल्लक किस दिशा में रखना चाहिए ?

उत्तर दिशा : वास्तुशास्त्र में उत्तर दिशा को देवता कुबेर की दिशा माना गया है। वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, गुल्लक को इस दिशा में रखना सबसे उत्तम होता है। क्योंकि, इस स्थान पर धन के देवता का वास माना गया है। इस दिशा में गुल्लक रखने से आय के नए स्रोत मिल सकते हैं और धन में वृद्धि होने के भी संयोग बनते हैं।

दक्षिण-पश्चिम दिशा : अगर अच्छी कमाई होने के बाद भी आपका पैसा नहीं टिकता है और खर्चे अधिक बढ़े हुए हैं, तो गुल्लक को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रख सकते हैं। इस दिशा को स्थिरता का स्थान माना गया है। ऐसे में यहां गुल्लक रखने से बचत किया हुआ धन सुरक्षित रहता है।

दक्षिण-पश्चिम की पश्चिम दिशा : इस स्थान को वास्तु शास्त्र में सीधा बचत और संचित धन से जुड़ा हुआ माना जाता है। मान्यता है कि दक्षिण-पश्चिम दिशा की पश्चिम दिशा में गुल्लक को रखने से बचत बढ़ने लगती है और बैंक बैलेंस भी संतुलित बना रह सकता है।

मिट्टी का ही लें गुल्लक- वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि हमेशा इस बात का प्रयास करें कि आप जब भी गुल्लक लें तो वह मिट्टी का ही बना हो। मान्यता है कि मिट्टी पृथ्वी तत्व को दर्शाती है जो धन को एक स्थान पर रोकने और स्थिर लक्ष्मी प्रदान करने में सहायक होती है। यही कारण है कि मिट्टी का गुल्लक घर में रखना शुभ माना जाता है। साथ ही, गुल्लक लेते समय प्लास्टिक का गुल्लक लेने से बचना चाहिए।

गुल्लक को न रखें खाली- कभी भी घर में रखे गुल्लक को खाली नहीं रखना चाहिए। उसमें हमेशा थोड़े सिक्के या नोट जरूर डालकर रखना चाहिए। मान्यता है कि गुल्लक को पूरा खाली रखने से आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में इस नियम का विशेष ख्याल जरूर रखना चाहिए।

इन स्थानों पर भूलकर भी न रखें गुल्लक- वास्तुशास्त्र के अनुसार, गुल्लक को कुछ स्थानों पर रखना बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता है। ऐसे में इसे कभी भी बाथरूम या टॉयलेट के पास और सीढ़ियों के नीचे नहीं रखना चाहिए। साथ ही, अंधेरे स्थान पर भी गुल्लक रखना अच्छा नहीं माना जाता है। इसे हमेशा ऐसे स्थान पर रखें जहां अच्छी रोशनी। ऐसा करने से पॉजिटिव एनर्जी बनी रहती है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 22 अगस्त - 2026

जवाबदेही की उम्मीद

नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक से लेकर संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा की घटनाएं लगातार सवाल खड़े कर रही हैं, जिनका जवाब केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से नहीं मिल सकता। संसद मार्च की हिंसा की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर से पांच सदस्यीय समिति का गठन इसलिए महत्वपूर्ण है कि निष्पक्ष जांच के बिना यह तय करना कठिन है कि हिंसा की वास्तविक जिम्मेदारी किसकी थी और पुलिस कार्रवाई कितनी जरूरी तथा अपेक्षित थी। समिति में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीशों तथा सेवानिवृत्त काबिल पुलिस अधिकारियों को शामिल किया गया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि समिति अपनी रिपोर्ट समयबद्ध तरीके से देगी। जांच का उद्देश्य किसी पक्ष को सही या गलत साबित करना नहीं, बल्कि घटनाओं का तथ्यात्मक सच सामने लाना होना चाहिए। खासकर यह स्पष्ट होना जरूरी है कि क्या भीड़ में हिंसा करने वाले तत्व शामिल थे, क्या पुलिस पर हमला हुआ, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और क्या पुलिस ने परिस्थितियों के अनुरूप बल प्रयोग किया। यहां पुलिस की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण सवाल बन जाती है। कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है, लेकिन बल प्रयोग भी नियमों और परिस्थितियों के अनुरूप होना चाहिए। यदि भीड़ संसद या विधानसभा की ओर बढ़ रही हो तो उसे रोकना पुलिस का दायित्व है। मगर रोकने के लिए कितना बल जरूरी है, यह मौके की स्थिति, भीड़ के व्यवहार और उपलब्ध विकल्पों के आधार पर तय होना चाहिए। किसी समिति के लिए पहले से बल प्रयोग की कोई निश्चित सीमा तय करना व्यावहारिक नहीं होगा। इसलिए घटनास्थल के साक्ष्य, वीडियो, पुलिस रिकॉर्ड और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान की निष्पक्ष जांच जरूरी है। संसद और विधानसभाएं लोकतंत्र के महत्वपूर्ण सार्वजनिक मंच हैं। इनके आसपास विरोध-प्रदर्शन का अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है, लेकिन यह अधिकार हिंसा, तोड़फोड़ या सुरक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करने का लाइसेंस नहीं हो सकता। दूसरी ओर, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ अनावश्यक कठोरता भी लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति असम्मान मानी जाएगी। दोनों सीमाओं के बीच संतुलन ही लोकतांत्रिक पुलिसिंग की असली कसौटी मानी जाती है। इस मामले में जांच का दायरा केवल प्रदर्शनकारियों की कथित हिंसा तक सीमित नहीं रहना चाहिए। पुलिस पर हमला, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान, बैरिकेडिंग तोड़ने और पुलिस द्वारा आंसू गैस, लाठीचार्ज या अन्य बल प्रयोग हर पहलू की पड़ताल होनी चाहिए। यदि भीड़ शांत थी, फिर भी उस पर जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग हुआ, तो उसकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इसी तरह यदि प्रदर्शन की आड़ में हिंसा की गई, तो जिम्मेदार लोगों की पहचान और कार्रवाई भी जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट की समिति इस विवाद को राजनीतिक नजरिए से देखे, यही अपेक्षा है। उसकी रिपोर्ट निष्पक्ष और समयबद्ध होगी तो आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला थम सकता है। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार भी जरूरी है और संस्थानों की सुरक्षा भी। मगर दोनों की रक्षा कानून, संयम और जवाबदेही से ही संभव है। जांच समिति का काम केवल घटना का विवरण देना नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों और निर्णयों की पहचान करना भी होना चाहिए, जिनसे हिंसा हुई। तभी भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए व्यवस्था बनाई जा सकेगी और जनता का भरोसा संस्थाओं पर और कायम रह सकेगा।

होम डिलीवरी : सुविधा में छिपा संकट

अनिल धर्मदेश

भारत में क्विक-कॉमर्स (क्विक होम डिलीवरी) का चलन तेजी से बढ़ रहा है। शुरुआती वर्षों में महानगरों तक सीमित इस व्यापार की पहुंच अब नगरों, उपनगरों और कस्बों तक हो गयी है। इस व्यापार मॉडल के तीव्र, अनियोजित और असीमित विस्तार के कारण उत्पाद और उसकी डिलीवरी से जुड़ी अनेक गंभीर चुनौतियाँ भी खड़ी होने लगी हैं। सुरक्षा और उपयोगिता जैसे मानकों की अनदेखी के कारण इससे जुड़ा संकट और गहरा रहा है। अलग-अलग शहरों में खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन नियामकों के औचक निरीक्षणों में इनके डार्क स्टोर्स (छिपे हुए गोदामों) के अंदर डरावने उल्लंघन सामने आने के बाद अब यह समाज की भी चिंता और जागरूकता का विषय बन गया है। मुंबई के मलाड वेस्ट, बेंगलुरु, पुणे और हैदराबाद सहित अनेक स्थानों पर सफाई, पेस्ट कंट्रोल, एक्पायरी, तापमान और कचरा प्रबंधन से जुड़ी गंभीर अनियमितताओं के कारण क्विक डिलीवरी कंपनियों के गोदाम सील करने पड़े हैं। हालांकि इससे भी कहीं अधिक गंभीर चुनौती उत्पाद की ग्राहक तक पहुंच से जुड़ी है और वो है डिलीवरी पार्टनर का सत्यापन।

क्विक डिलीवरी कंपनियां अपने फील्ड एजेंट्स को एक औपचारिक पहचान-पत्र और मोबाइल ऐप का एक्सेस देती हैं, जिसके कारण ग्राहक को सामान पहुँचाने वाले पर भरोसा रहता है कि कंपनी ने कर्मचारी की पूरी जाँच-पड़ताल की होगी जबकि धरातल की सच्चाई इसके ठीक उलट है। ये कंपनियां छोटे शहरों और कस्बों में फील्ड एजेंट्स की नियुक्ति करती हैं, जो कंपनी के कर्मचारी नहीं होते बल्कि यह एक संविदात्मक नियुक्ति होती है। सभी एजेंट्स का पुलिस सत्यापन तो दूर, कंपनियां स्वयं भी इनकी कोई विशेष जाँच नहीं करती और कर्मचारियों के रेफरल के आधार पर ही नियुक्तियाँ की जा रही हैं। धरातल पर स्थिति यह है कि छोटे शहरों में नाबालिग बच्चे स्कूटी पर सामान की डिलीवरी कर रहे हैं।स्टाफ ट्रेनिंग का अभाव, बिना मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट और बिना ग्लव्स व हेडगियर के डार्क स्टोर में काम की पकड़ी जा चुकी अनियमितताओं के साथ ही स्टाफ का सत्यापन भविष्य में शहरों की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित होने वाला है। ऐसी कम्पनियों से जुड़कर आपराधिक मानसिकता के लोग सामान पहुँचाने के बहाने मोहल्लों और घरों की रेकी बहुत आसानी से कर सकते हैं या कर भी रहे होंगे। बुजुर्गों व महिलाओं वाले घरों की खोज के साथ ही मोहल्ले में कैमरे और आने-जाने के सुरक्षित रास्ते का पता लगाकर चोरी आदि को अंजाम देना अत्यंत सरल है। कॉलोनियों के मुख्य द्वार पर बैठे गार्ड भी इन कंपनियों के डिलीवरी एजेंट को सहजता से प्रवेश की अनुमति देते हैं। अवयस्क डिलीवरी एजेंट्स के कारण परिवहन संबंधी सुरक्षा भी संकट में है। ऐसे में आवश्यकता है कि जिस प्रकार श्रम मंत्रालय ने कंपनियों को विज्ञापनों से 10-मिनट की गारंटी हटाने का निर्देश दिया ताकि राइडर्स ट्रैफिक नियम तोड़ने और दुर्घटनाओं का शिकार होने से बच सकें, ठीक उसी प्रकार एक-एक डिलीवरी एजेंट का न सिर्फ पुलिस सत्यापन अनिवार्य किया जाए बल्कि कंपनियां स्वयं भी अपने एजेंट्स की आधार कार्ड सहित पूर्ण सूची श्रम विभाग में मासिक रूप से जमा करें।

सर्जियो गोर की कश्मीर यात्रा ने चीनी-पाकिस्तानी चालों को किया दुरुस्त!

कमलेश पांडेय

जरा गौर कीजिए, जब चीन अरुणाचल प्रदेश में भारत को आंखें दिखा रहा हो, जब अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का जम्मू-कश्मीर/लद्दाख पहुंचना और जम्मू-कश्मीर को भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा बताना भारतीय कूटनीति की कितनी बड़ी सफलता है क्योंकि यह परोक्ष रूप से चीन को संदेश है कि भारत का साथ मिलते ही अमेरिका अन्य एशियाई 'बदमाशों' को रौंद डालेगा। उधर, पाकिस्तान को संदेश है कि इस्लामिक नाटो उसकी सुरक्षा की गारंटी नहीं बनेगा, यदि अमेरिका खुलकर भारत के साथ खड़ा रहेगा। जी हां, अमेरिकी राजदूत की 19–20 अगस्त 2026 की जम्मू-कश्मीर और लद्दाख यात्रा को केवल एक राजनयिक दौरा मानना पर्याप्त नहीं होगा।

खासकर श्रीनगर में उनका यह कहना कि जम्मू-कश्मीर "भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा" है और अमेरिकी यात्रा-परामर्श की समीक्षा के संकेत देना, वाशिंगटन के पुराने कश्मीर-संबंधी सार्वजनिक रुख की तुलना में महत्वपूर्ण राजनीतिक-सामरिक संकेत देता है। इससे कई सवाल उपजते हैं, जिनके निहितार्थ को समझना भी जरूरी है:-पहला सवाल है कि क्या वास्तव में अमेरिकी स्टैंड बदल गया है? तो जवाब होगा कि अपेक्षित सावधानी जरूरी है। अभी इसे अमेरिका की औपचारिक कश्मीर-नीति में पूर्ण परिवर्तन कहना जल्दबाजी होगी लेकिन राजनयिक भाषा और व्यवहार में बदलाव का संकेत स्पष्ट है। पहले अमेरिकी नीति का सार्वजनिक ढांचा मुख्यतः यह रहा कि कश्मीर भारत-पाकिस्तान के बीच विवादित विषय है और दोनों देशों को बातचीत के माध्यम से समाधान निकालना चाहिए। 2019 के बाद भी अमेरिकी अधिकारियों ने इस मूल स्थिति को बनाए रखा था। इसके विपरीत, गोर ने भारतीय प्रशासित जम्मू-कश्मीर में जाकर उसे "भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा" कहा। पाकिस्तान ने इसे अमेरिकी पारंपरिक रुख से विचलन मानते हुए अमेरिकी प्रभारी राजदूत को तलब कर औपचारिक विरोध दर्ज कराया। इसलिए फिलहाल इसे "नीति परिवर्तन" से अधिक "नीति-संकेत में परिवर्तन" कहना उचित होगा।

दूसरा सवाल है कि इस यात्रा का सबसे बड़ा संदेश क्या है?क्या कश्मीर को जमीन पर देखकर आकलन हुआ है? तो जवाब होगा कि गोर का दौरा छह साल से अधिक अंतराल के बाद किसी अमेरिकी राजदूत की कश्मीर यात्रा है। उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की और सुरक्षा व्यवस्था तथा बदलते माहौल का प्रत्यक्ष आकलन किया। यह महत्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि अमेरिका की कश्मीर संबंधी धारणा अब केवल इस्लामाबाद, नई दिल्ली या अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों पर निर्भर नहीं रह सकती। राजदूत का स्वयं श्रीनगर जाना और फिर सुरक्षा स्थिति पर सकारात्मक टिप्पणी करना वाशिंगटन के नीति-निर्माताओं को एक अलग जमीनी इनपुट देता है। तीसरा सवाल यह है कि यात्रा संबंधी सलाह में बदलाव—छोटा दिखने वाला बड़ा संकेत है? तो जवाब होगा कि गोर ने जम्मू-कश्मीर के लिए अमेरिकी यात्रा-परामर्श की समीक्षा के संकेत दिए हैं। अगर आगे अमेरिका अपने मौजूदा "यात्रा न करें" स्तर को नीचे करता है, तो इसका असर केवल अमेरिकी पर्यटकों पर नहीं पड़ेगा।

यह संदेश जाएगा कि सुरक्षा परिस्थितियों में सुधार हुआ है। सामान्य आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं। पर्यटन के लिए क्षेत्र अधिक खुल रहा है। अंतरराष्ट्रीय जोखिम-धारणा बदल रही है। यानी कश्मीर के लिए यह सुरक्षा से पर्यटन और पर्यटन से निवेश की दिशा में सकारात्मक कूटनीतिक संकेत बन सकता है।चौथा सवाल यह है कि क्या यह परिदृश्य पाकिस्तान के लिए बड़ा कूटनीतिक झटका है? तो कहना न होगा कि इस बयान की सबसे तीखी प्रतिक्रिया पाकिस्तान से आई है। इस्लामाबाद ने इसे अपनी दशकों पुरानी कश्मीर कूटनीति के प्रतिकूल माना और अमेरिकी राजनयिक को तलब किया। पाकिस्तान के लिए समस्या सिर्फ गोर का बयान नहीं है बल्कि समस्या यह है कि यदि अमेरिका जैसा प्रभावशाली देश धीरे-धीरे कश्मीर को "भारत-पाकिस्तान के विवाद" की भाषा से हटाकर "भारत के महत्वपूर्ण हिस्से" की भाषा में संबोधित करने लगे तो पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक रणनीति कमजोर हो सकती है। पांचवां सवाल यह है कि क्या चीन का कोण भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता? तो जवाब होगा कि गोर का कार्यक्रम केवल श्रीनगर तक सीमित नहीं रहा; वह लद्दाख भी गए। यह समय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि लद्दाख भारत-चीन सीमा-सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। इसलिए यात्रा का एक व्यापक संदेश यह भी हो सकता है कि अमेरिका भारत के पश्चिमी और उत्तरी दोनों रणनीतिक मोर्चों को अपने इंडो-पैसिफ़िक और दक्षिण/मध्य एशियादृष्टिकोण से देख रहा है। छठा सवाल यह है कि क्या भारत-अमेरिका संबंधों में कश्मीर की भूमिका बदल सकती है? तो कहना न होगा कि यह घटनाक्रम भारत-अमेरिका संबंधों के उस व्यापक पुनर्संतुलन का हिस्सा हो सकता है जिसमें आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग, चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला, हिंद-प्रशांत रणनीति, रक्षा एवं तकनीकी साझेदारी, ऊर्जा एवं व्यापार, और दक्षिण एशिया में भारत की बढ़ती रणनीतिक भूमिका एक-दूसरे से जुड़ रहे हैं। गोर स्वयं भारत में अमेरिकी राजदूत होने के साथ दक्षिण और मध्य एशियाई मामले के विशेष दूत भी हैं। इसलिए उनकी टिप्पणी का महत्व सामान्य राजदूत की टिप्पणी से अधिक माना जा सकता है।

सातवां सवाल यह है कि क्या भारत को अति-उत्साहित होने से भी बचना होगा? तो जवाब होगा कि यहां एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक सावधानी बरतनी जरूरी है क्योंकि एक राजदूत का बयान अमेरिकी सरकार की पूरी औपचारिक विदेश नीति का विकल्प नहीं होता। जब तक अमेरिकी विदेश विभाग या व्हाइट हाउस अपनी आधिकारिक नीति में स्पष्ट बदलाव घोषित नहीं करता, तब तक यह कहना कि "अमेरिका ने कश्मीर पर पाकिस्तान को छोड़कर भारत का पक्ष ले लिया है" अतिशयोक्ति होगी। लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि अमेरिकी सार्वजनिक कूटनीतिक भाषा में एक उल्लेखनीय बदलाव दिखाई दे रहा है।

आठवां सवाल यह है कि सबसे बड़ा रणनीतिक निहितार्थ क्या है? तो जवाब होगा कि मेरे आकलन में इस यात्रा का वास्तविक महत्व चार शब्दों में है: "नैरेटिव → ज़मीनी हकीकत → पॉलिसी।"" यदि अमेरिका को जमीनी स्तर पर कश्मीर में सुरक्षा, राजनीतिक प्रक्रिया, पर्यटन और आर्थिक सामान्यीकरण दिखाई देता है और उसके आधार पर उसकी यात्रा चेतावनी कम होती है, तो धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय नैरेटिव भी बदल सकता है। यही भारत के लिए सबसे बड़ा कूटनीतिक लाभ होगा।निष्कर्षतः, सर्जियो गोर की कश्मीर यात्रा को भारत की कूटनीतिक उपलब्धि के रूप में देखा जा सकता है, लेकिन इसे अभी अमेरिकी कश्मीर नीति का अंतिम परिवर्तन घोषित करना जल्दबाजी होगी। असली परीक्षा अगले चरण में होगी-क्या वाशिंगटन अपनी आधिकारिक भाषा बदलेगा, क्या यात्रा संबंधी सलाह घटेगी और क्या भविष्य में अमेरिकी अधिकारी कश्मीर को भारत के आंतरिक प्रशासनिक-सुरक्षा संदर्भ में अधिक स्पष्टता से देखेंगे? अगर इन तीनों प्रश्नों का उत्तर "हाँ" होता है, तो गोर की यह यात्रा दक्षिण एशिया की कूटनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ सिद्ध हो सकती है।

गूगल गुरु हो गए, बुजुर्गों के अनुभव से परहेज

संजय सक्सेना

मोहल्ले के नुक्कड़ पर बिछी वह लकड़ी की बेंच आज भी वहीं है, लेकिन उस पर बैठने वाले खादी के कुर्ते और सफेद धोती वाले वे बाबा अब कहीं दिखाई नहीं देते। वे बुजुर्ग, जिनकी आंखें पूरे मोहल्ले के लिए पहरेदार का काम करती थीं, आज आधुनिकता की चकाचौंध में कहीं खो गए हैं। दोपहर की चिलचिलाती धूप में जब मां-बाप घर के भीतर सो रहे होते थे, तब यही बुजुर्ग गली के मोड़ पर बैठकर हर आते-जाते बच्चे पर अपनी पैनी नजर रखते थे। किसी बच्चे का हाथ साइकिल के पैडल से फिसला नहीं कि उनकी तरफ से एक चीख गूंज उठती थी, संभलकर चल। स्कूल बंक करके कंचे खेलने वाले या किसी बाग से अमरूद चुराने वाले बच्चों के लिए वे साक्षात यमराज की तरह प्रकट हो जाते थे। गलती देखते ही वहीं डांट लगाना, कान उमठना और फिर शाम को सीधे उस बच्चे के घर पहुंचकर उसके मां-बाप को आगाह करना उनकी दिनचर्या का एक अनिवार्य हिस्सा था। वे इसे अपना अधिकार और सबसे बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी मानते थे। सबसे खूबसूरत बात यह थी कि जब वे घर पर शिकायत लेकर पहुंचते थे, तो कोई मां-बाप उनसे लड़ता नहीं था। समाज में एक अटूट विश्वास था कि अगर मोहल्ले के किसी बुजुर्ग ने बच्चे को टोका है, तो वह बच्चे के भले के लिए ही होगा। मां-बाप उनकी बातों को पूरे सम्मान के साथ सुनते, उनका आभार जताते और फिर अपने बच्चे को समझाते-बुझाते थे। पूरा मोहल्ला एक संयुक्त परिवार की तरह सांस लेता था, जहां हर बच्चा पूरे मोहल्ले का बच्चा होता था। लेकिन आज समय का पहिया ऐसा घूमा कि मोहल्ले तो दूर, खुद घर के भीतर भी बच्चों को कुछ समझाने या टोकने की हिमाकत कोई नहीं कर पाता। आधुनिकता के नाम पर हमने जिस नई दुनिया का निर्माण किया है, उसने हमारे रहने के ढंग के साथ-साथ हमारी सोच को भी पूरी तरह बदल दिया है। पुराने आत्मीय मोहल्लों का स्वरूप अब तेजी से सिकुड़ रहा है और उनकी जगह चमचमाती कंक्रीट की कॉलोनियों और गगनचुंबी अपार्टमेंट्स ने ले ली है। इन बड़े-बड़े अपार्टमेंट्स के बंद फ्लैटों में लोग खुद को कैद कर चुके हैं। आज की स्थिति यह है कि एक ही मंजिल पर रहने वाला पड़ोसी सालों-साल दूसरे पड़ोसी का नाम तक नहीं जानता। हर घर के दरवाजे पर एक अदृश्य बोर्ड टंगा है, जिस पर लिखा है कि कृपया हमारे निजी जीवन में दखल न दें। इस तथाकथित प्राइवेसी या निजता की संस्कृति ने समाज के उस ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर दिया है, जो कभी हमें एक सूत्र में बांधकर रखता था। जब पड़ोसी ही पड़ोसी से बेगाना हो गया, तो भला कोई किसी के बच्चे की गलती पर जुबान खोलने का जोखिम क्यों उठाएगा। आज अगर कोई बुजुर्ग किसी बच्चे को उसकी भलाई के लिए भी टोक दे, तो बच्चे के माता-पिता ही लाठी-डंडा लेकर या पुलिस की धमकी देते हुए बुजुर्ग के दरवाजे पर पहुंच जाते हैं कि आपने हमारे बच्चे को बोलने की हिम्मत कैसे की।

यह बदलाव किसी एक व्यक्ति, परिवार या मोहल्ले की निजी समस्या नहीं है, बल्कि यह एक गहरे सामाजिक पतन की शुरुआत है, जिसका खामियाजा आज देश और समाज दोनों को भुगतना पड़ रहा है। इसका सबसे जीवंत और डरावना प्रमाण हमें देश की राजधानी के जंतर-मंतर जैसे संवेदनशील स्थलों पर देखने को मिलता है। जंतर-मंतर पर जब युवा और बच्चे किसी आंदोलन या धरने के नाम पर इकट्ठा होते हैं, तो वहां से निकलने वाली गालियां और अमर्यादित भाषा सुनकर रूह कांप जाती है। वे धरने और प्रदर्शन चाहे समाज के जितने भी अच्छे और ऊंचे उद्देश्यों के लिए आयोजित किए गए हों, लेकिन वहां मौजूद युवाओं के मुंह से टपकती बदजुबानी और गाली-गलौज इस बात का साफ अहसास कराती है कि हमारी महान भारतीय संस्कृति किस तरह दूषित की जा रही है। जंतर-मंतर तो महज एक राष्ट्रीय मंच है, जो मीडिया की नजरों में आ जाता है, अन्यथा पूरे देश के हर शहर, हर गली और हर चौराहे पर आज ऐसा ही माहौल बन चुका है। स्कूल और कॉलेज की वर्दी पहने बच्चे सरेआम सिगरेट का धुआं उड़ाते हुए ऐसी गंदी भाषा का इस्तेमाल करते हैं कि वहां से किसी सभ्य राहगीर का गुजरना मुहाल हो जाता है। इस सांस्कृतिक और नैतिक पतन के पीछे पाश्चात्य सभ्यता की वह अंधी नकल है, जिसने हमारे युवाओं को पूरी तरह से 'जेन जी' यानी एक ऐसी नई पीढ़ी में बदल दिया है, जो जड़ों से कटी हुई है। पश्चिमी देशों की व्यक्तिवादी सोच को अपनाकर यह पीढ़ी मानती है कि वे पूरी दुनिया में सबसे अलग और सबसे होशियार हैं। इस पीढ़ी के व्यवहार में एक अजीब-सा उथलापन, अधीरता और अहंकार साफ देखा जा सकता है। खुद को अपने माता-पिता और दादा-दादी से ज्यादा बुद्धिमान समझना इन युवाओं की फितरत बन चुकी है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में गूगल को अपना गुरु मानने वाले इन युवाओं को लगता है कि जीवन का हर ज्ञान स्क्रीन स्क्रॉल करने से मिल सकता है। वे यह भूल जाते हैं कि ज्ञान और अनुभव में बहुत बड़ा फर्क होता है। जो अनुभव बुजुर्गों के माथे की झुर्रियों और सफेद बालों में छुपा होता है, उसे किसी सर्च इंजन से डाउनलोड नहीं किया जा सकता। बड़ों की सीख को 'ओल्ड स्कूल' या दकियानूसी कहकर खारिज कर देना इस पीढ़ी का फैशन बन गया है, जिसके कारण वे एक वैचारिक और नैतिक शून्य में जी रहे हैं।जब हम इस पूरे परिदृश्य का एक गंभीर और भावनात्मक अध्ययन करते हैं, तो इसके निष्कर्ष देश और समाज के भविष्य को लेकर गहरी चिंता पैदा करते हैं। एक ऐसा समाज, जहां बड़ों का सम्मान खत्म हो जाए और बच्चों को टोकने वाला कोई न बचे, वह समाज आत्मघाती रास्ते पर चल पड़ता है। जब बच्चों पर से बुजुर्गों की वह तीसरी आंख हट गई, तो युवा पीढ़ी पूरी तरह से निरंकुश हो गई। आज समाज में जो अपराध, नशाखोरी, मानसिक तनाव और डिप्रेशन की घटनाएं बढ़ रही हैं, उनके पीछे यही अकेलापन और मार्गदर्शन की कमी है। पुराने समय में जब कोई बच्चा रास्ता भटकता था, तो मोहल्ले का बुजुर्ग उसे डांटकर सही रास्ते पर ले आता था, जिससे वह बड़ी मुसीबतों से बच जाता था। आज का युवा अपनी गलतियों को सुधारने के लिए किसी टोकने वाले के न होने के कारण सीधे कानून की गिरफ्त में आता है या फिर खुद को तबाह कर लेता है।कुल मिलाकर, राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया सिर्फ ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और बड़ी कंपनियां बनाने से पूरी नहीं होती, बल्कि इसके लिए नागरिकों के भीतर नैतिक मूल्यों और चरित्र का होना अनिवार्य है। यदि देश की युवा शक्ति संस्कारविहीन, उच्छृंखल और अमर्यादित हो जाएगी, तो आर्थिक रूप से समृद्ध होने के बाद भी हम एक खोखले राष्ट्र के रूप में खड़े होंगे।

वह नल बहुत याद आता है

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

कसबे से सटे गाँव रामपुर की मुख्य चौपाल पर बरगद के प्राचीन पेड़ के ठीक नीचे लोहे का एक पुराना और जंग लगा नल गड़ा हुआ था जिसकी हत्थी सालों से एक ही जगह पर अचल पड़ी थी जैसे सरकारी दफ्तरों में प्रमोशन की फाइलें पड़ी रहती हैं। उस नल के चारों तरफ पक्की ईंटों से बना गोल चबूतरा वक्त की मार और भ्रष्टाचार की नमी से काला पड़ चुका था पर गाँव के लोगों के लिए वह कोई मामूली ढाँचा नहीं बल्कि लोकतंत्र के सूखे गले का प्रतीक था। हर रोज ढलती दोपहर के साथ पंडित देवकी नंदन जी अपनी धुंधली आँखों पर सरकारी आश्वासनों जैसा मोटा चश्मा चढ़ाकर उसी चबूतरे पर अपनी जर्जर लाठी के सहारे आकर बैठ जाते थे जो शायद व्यवस्था की हड्डी से बनी थी। सफेद खद्दर का धोती कुर्ता पहने और हाथों में पीतल का एक जग थामे पंडित जी घंटों उस खामोश नल की टोंटी को वैसे ही निहारते रहते थे जैसे कोई बेरोजगार युवक रोजगार समाचार के पन्नों को देखता है। गाँव का कोई भी इंसान जब चौपाल से गुजरता तो पंडित जी को उसी मुद्रा में बैठा देखकर चकित रह जाता था क्योंकि उस नल से बरसों से पानी की एक बूँद भी नहीं टपकी थी जैसे किसी ईमानदार आदमी के मुँह से गाली नहीं निकलती। पंचायत का नया सिपाही जब भी उधर से गुजरता तो अपनी वर्दी की नई अकड़ और पुरानी अक्ल के साथ पंडित जी से बड़े आदर से पूछता कि पंडित जी आप रोज इस सूखे लोहे के सामने अपना पीतल का बर्तन लेकर क्यों बैठ जाते हैं क्या आपको लगता है कि किसी दिन यह नल अचानक चुनावी वादों की तरह बहने लगेगा। देवकी नंदन जी बस अपने चश्मे को थोड़ा ऊपर खिसकाते एक हल्की सी कड़वी मुस्कान बिखेरते और अपनी कांपती आवाज में कहते कि बेटा पानी बहना तो एक भौतिक क्रिया है पर इस लोहे की खामोशी में इस पूरे गाँव के अभिमान और सच्चाई की वैसी ही गवाही बंद है जिसे सुनने के लिए कलेजा चाहिए और हमारे यहाँ कलेजे का इस्तेमाल सिर्फ दूसरों की बुराई सुनने के लिए होता है। पंचायत के नए बने युवा सरपंच धर्मपाल को अपनी पढ़ाई और आधुनिक सोच पर उतना ही भरोसा था जितना एक ठग को अपनी जुबान पर होता है जिन्हें लगता था कि गाँव के पिछड़ेपन की असली वजह ऐसे ही पुराने और निरर्थक अंधविश्वास हैं जबकि असली वजह तो उनकी फाइलें दबाने की कला थी। धर्मपाल जब भी अपनी मोटरसाइकिल से चौपाल के पास से गुजरते तो पंडित जी को उस सूखे नल के पास बैठा देखकर उनका माथा वैसे ही ठनक जाता था जैसे किसी चतुर राजनेता का माथा सच सुनकर ठनक जाता है। एक दिन दोपहर की कड़कती धूप में जब गाँव के कई किसान बरगद की छाँव में सुस्ता रहे थे तो सरपंच धर्मपाल से रहा नहीं गया और वे सीधे पंडित जी के पास जाकर वैसे ही खड़े हो गए जैसे कोई ठेकेदार बिल पास करवाने के लिए खड़ा होता है।

धर्मपाल ने अपने हाथों को कमर पर टिकाते हुए बेहद सख्त और रौबदार आवाज में कहा कि पंडित जी आप इस उम्र में रोज यहाँ आकर किस बात का तमाशा बनाते हैं अगर आपको पीने का साफ पानी चाहिए तो सरकार ने गाँव में नई जल टंकी बनवा दी है जिसका सीमेंट शायद किसी नेता के बंगले में लग गया है और हर घर में प्लास्टिक के नए नल लगवा दिए हैं जो पानी कम और हवा ज्यादा देते हैं इस बेकार पड़े लोहे के खंभे को ताकने से आपकी प्यास नहीं बुझने वाली।

खाद्य सुरक्षा और हमारा स्वास्थ्य

महेन्द्र तिवारी

भोजन केवल शरीर का पोषण नहीं करता, बल्कि यह मनुष्य की चेतना, विचार और आत्मा को भी दिशा देता है। प्राचीन काल से ही हमारे समाज में अन्न को देवता के समान माना गया है और उसे ग्रहण करने की प्रक्रिया को एक पवित्र अनुष्ठान की तरह देखा गया है। परंतु वर्तमान समय में जब हम अपनी थाली की ओर देखते हैं, तो एक गहरा संशय मन में उत्पन्न होता है। क्या जो अन्न हम खा रहे हैं, वह वास्तव में शुद्ध है? क्या हमारे रसोईघर तक पहुंचने वाला तेल, दूध, मसाले और अन्य खाद्य सामग्रियां सुरक्षित हैं? यह प्रश्न आज हर उस व्यक्ति के सामने खड़ा है जो अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित है। मुनाफाखोरी और लालच की अंधी दौड़ में कुछ लोगों ने भोजन जैसी जीवनदायी वस्तु को भी विष बना दिया है। मिलावट का यह व्यापार आज समाज की जड़ों को खोखला कर रहा है और इसी पृष्ठभूमि में महाराष्ट्र राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा उठाया गया हालिया कदम पूरे राष्ट्र के लिए एक बड़ा संदेश लेकर आया है।

बीते कुछ दिनों में महाराष्ट्र में जिस प्रकार का व्यापक जांच अभियान चलाया गया, उसने खाद्य सुरक्षा की वास्तविकता को पूरी तरह से उजागर कर दिया है। प्रशासन के उच्च अधिकारी तुकाराम मुंढे के नेतृत्व में जब जांच दलों ने विभिन्न आहार गृहों, राशन की दुकानों, भंडारण गृहों और खाद्य तेल विक्रेताओं के यहां औचक निरीक्षण किया, तो जो दृश्य सामने आए, वे किसी भी सामान्य नागरिक को भयभीत करने के लिए पर्याप्त थे। भोजन पकाने के स्थानों पर चूहों का निर्बाध घूमना, खाद्य सामग्रियों के बीच कीड़े मकोड़ों की उपस्थिति और अत्यंत अस्वच्छ वातावरण में कच्ची सामग्रियों का रखा जाना यह दर्शाता है कि आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ किस स्तर का खिलवाड़ किया जा रहा है। जांच में यह भी पाया गया कि बहुत से स्थानों पर वे सामग्रियां धड़ल्ले से बेची जा रही थीं, जिनकी उपयोग की अंतिम तिथि समाप्त हो चुकी थी। यह केवल लापरवाही का मामला नहीं है, बल्कि यह उपभोक्ताओं के भरोसे की खुलेआम हत्या है। इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक डराने वाली स्थिति खाद्य तेल की है। भारतीय रसोई में शायद ही कोई ऐसा दिन गुजरता हो, जब तेल का उपयोग न होता हो। हर घर में सुबह से लेकर रात तक किसी न किसी रूप में तेल खाया जाता है। इसी अत्यधिक मांग का लाभ उठाकर मिलावटखोरों ने खुले तेल का एक बड़ा अवैध बाजार खड़ा कर दिया है। जांच अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान भारी मात्रा में ऐसा खुला तेल मिला, जिस पर कोई विवरण पर्ची नहीं थी और जिसके स्रोत का कोई भी प्रामाणिक विवरण उपलब्ध नहीं था। बिना सील वाले ऐसे खुले उत्पादों में घटिया दर्जे के रसायनों और सस्ते विकल्पों की मिलावट करना बेहद आसान होता है। प्रशासन ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी है कि लोग केवल वही सामग्रियां खरीदें जो पूरी तरह से बंद हों और जिन पर निर्माता, निर्माण की तिथि और गुणवत्ता का पूरा विवरण दर्ज हो। मिलावट की यह समस्या केवल छोटी दुकानों या खुले बाजारों तक सीमित नहीं है। आज के इस तेज रफ्तार दौर में जब लोग घर बैठे कुछ ही मिनटों में अपनी जरूरत का सामान मंगाने के आदी हो चुके हैं, तब इन त्वरित वितरण सेवाओं के भंडारण गृहों की सच्चाई भी सामने आनी आवश्यक थी। महानगरों में स्थापित ऐसे अनेक भंडारण गृहों की जब जांच की गई, तो वहां सड़ी हुई सब्जियां, जंग लगी अलमारियां और तापमान को नियंत्रित रखने के साधनों का घोर अभाव पाया गया। कई जगह कर्मचारियों को स्वच्छता के सामान्य नियमों का भी ज्ञान नहीं था। जिन स्थानों से हजारों लोगों के घरों में रोजमर्रा का सामान पहुंचता है, वहां ऐसी घोर अव्यवस्था किसी भी सभ्य समाज के लिए गहरी चिंता का विषय है। इन अनियमितताओं को देखते हुए प्रशासन ने अनेक स्थानों की कार्य अनुमति को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया। आहार गृहों और विश्रामालयों की स्थिति ने भी इस बात की पुष्टि कर दी है कि बाहरी दिखावा हमेशा भीतरी सच्चाई को नहीं दर्शाता। बाहर से अत्यंत आकर्षक दिखने वाले कई आहार गृहों की रसोई के भीतर कच्चा मांस अत्यंत असुरक्षित तरीके से फर्श पर रखा हुआ मिला। दूध और उससे बने उत्पादों को जिस तापमान पर रखा जाना चाहिए था, उसकी पूरी तरह से अनदेखी की जा रही थी। कुछ स्थानों पर तो जीवित चूहे मिलने के बाद उनके संचालन पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई। इस अभियान के दौरान अधिकारियों ने लगभग 25 लाख रुपये की ऐसी खाद्य सामग्री को अपने कब्जे में लिया, जो मानव उपभोग के लिए पूरी तरह से असुरक्षित थी। यह कठोर कार्यवाही इस बात का प्रमाण है कि यदि प्रशासन अपनी पूरी इच्छाशक्ति के साथ काम करे, तो किसी भी प्रकार के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाया जा सकता है।

खाद्य सुरक्षा से जुड़े नियम और कानून हमारे देश में पहले से ही मौजूद हैं। ये कानून केवल मिलावट को रोकने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये उत्पादन से लेकर भंडारण, परिवहन और अंतिम बिक्री तक की पूरी प्रक्रिया को नियंत्रित करते हैं। इसके बावजूद कई व्यापारी बिना किसी वैध अनुमति के धड़ल्ले से अपना कारोबार चला रहे थे। पुराने और गंदे डिब्बों में दोबारा तेल भरकर बेचना या समाप्ति तिथि के निकट पहुंच चुके उत्पादों को नए सिरे से बंद करके बाजार में उतारना, ये सभी गतिविधियां कानून का खुला उल्लंघन हैं।

भारतीय टीम के साथ अपने सफर पर क्या बोले रवींद्र जडेजा? लंबे करियर के लिए मेहनत को बताया अहम

अनुभवी बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने भारतीय टीम के साथ अपने एक दशक से ज्यादा के सफर के लिए आभार व्यक्त किया है। जडेजा का मानना है कि शीर्ष स्तर पर लंबा करियर बनाए रखने के लिए बहुत ज्यादा मेहनत और लगन बेहद जरूरी है। भारत ने हाल ही में श्रीलंका के विरुद्ध टेस्ट सीरीज का पहला मैच 165 रन से अपने नाम किया था, जिसमें उन्होंने चार विकेट झटके। इसी के साथ मेहमान टीम दो मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से आगे हो गई है।

जडेजा 2017 में गॉल टेस्ट जीतने वाली टीम का थे हिस्सा

रवींद्र जडेजा को जब साल 2017 में गॉल टेस्ट जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा होने की एक तस्वीर दिखाई गई, तो वे पुरानी यादों में खो गए। उस मैच में जडेजा ने कुल छह विकेट अपने नाम किए थे। जडेजा ने बीसीसीआई के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, हां, यह यहीं की है। रंग बदलने के अलावा बाकी सब कुछ वैसा ही है। हमने यहां पिछली सीरीज 2017 में खेली थी। जाहिर है 10 साल तक भारत के लिए खेलना बहुत मायने रखता है, क्योंकि लंबे समय तक टिके रहने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है। मुझे लगता है कि मैं बहुत भाग्यशाली हूं और भगवान का शुक्रगुजार हूं कि मैं अभी भी भारत के लिए खेल रहा हूं और वही काम कर रहा हूं जो मैं इतने वर्षों से भारत के लिए करता आ रहा हूं।

भारत के 600वें टेस्ट मैच में युवा बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 10 विकेट हासिल किए। बाएं हाथ के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने चोटिल बी. साई सुदर्शन की जगह नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए 167 और 44 रन बनाए।

इन शानदार पारियों के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में भारत का प्वाइंट्स प्रतिशत 48.14 से बढ़कर 53.33 हो गया है। हालांकि वे अभी भी पांचवें स्थान पर हैं। भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा।

सचिन तेंदुलकर से बेहतर विराट कोहली? एबी डिविलियर्स के बयान ने छेड़ी नई बहस?

सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली को भारतीय क्रिकेट इतिहास के महानतम बल्लेबाजों में गिना जाता है। दोनों ने घरेलू परिस्थितियों के साथ-साथ इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी शानदार प्रदर्शन किया। अब दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने दोनों की तुलना करते हुए एक ऐसा बयान दिया है, जिसने नई बहस को जन्म दे दिया है।

डिविलियर्स ने सचिन की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने सबसे पहले भारतीय उपमहाद्वीप के बल्लेबाजों को यह भरोसा दिया कि उछाल और सीम वाली परिस्थितियों में भी सफलता हासिल की जा सकती है। हालांकि, उनके मुताबिक विराट कोहली ने इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इसे एक अलग स्तर तक पहुंचाया।

डिविलियर्स ने कहा, 'मैं सचिन तेंदुलकर जैसे खिलाड़ी के बारे में सोचता हूं, जिन्होंने काफी पहले भारत के लिए यह ट्रेंड शुरू किया। हालांकि, वह विराट कोहली जितने मजबूत नहीं थे, जो उनसे भी बेहतर थे। लेकिन सचिन पहले खिलाड़ी थे जिन्होंने दिखाया कि उपमहाद्वीप का बल्लेबाज उछाल और सीम वाली परिस्थितियों में भी अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। विराट ने इसे आगे बढ़ाया और स्तर को और ऊंचा कर दिया।'

डिविलियर्स के मुताबिक विदेशी परिस्थितियों में कोहली और सचिन की सफलता का असर मौजूदा भारतीय बल्लेबाजों पर भी पड़ा है। उन्होंने कहा कि दोनों दिग्गजों ने आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों को विदेशों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। डिविलियर्स ने कहा, 'इसी वजह से अब कई खिलाड़ी हैं, जैसे केएल राहुल और देवदत्त पडिक्कल, जिन्होंने इस ट्रेंड को आगे बढ़ाना शुरू किया है और विराट तथा सचिन के नक्शेकदम पर चल रहे हैं।'

कोहली की विदेशी परिस्थितियों में बल्लेबाजी की खासियत उनकी तकनीक, फिटनेस और तेज गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक रवैये को माना जाता रहा है। उन्होंने कई विदेशी दौरों पर भारत के लिए अहम पारियां खेलीं और टेस्ट क्रिकेट में टीम को एक मजबूत विदेशी इकाई बनाने में योगदान दिया।

केएल राहुल को लेकर भी दी बड़ी सलाह

डिविलियर्स ने केएल राहुल की तकनीक की तारीफ की, लेकिन साथ ही कहा कि विदेशी परिस्थितियों में उनसे और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है। उन्होंने बताया कि राहुल का विदेशों में टेस्ट औसत करीब 34 है, जो उनकी क्षमता के मुकाबले कम है। डिविलियर्स ने कहा, 'केएल एक ऐसे खिलाड़ी हैं जिनकी तकनीक बहुत अच्छी है और वह भारतीय लाइनअप के लिए बड़ी संपत्ति हैं। लेकिन विदेशों में उनका औसत केवल 34 है। इसलिए आप उनसे ज्यादा की उम्मीद करेंगे और यह एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर उन्हें काम करना होगा।' उन्होंने राहुल को बड़ी पारियों को और बड़ा बनाने की सलाह भी दी।डिविलियर्स ने कहा, 'जब वह क्रीज पर जम जाएं तो उन्हें बड़े स्कोर बनाने होंगे। सिर्फ शतक बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे 180 तक ले जाना होगा। क्योंकि पहली गेंद पर शून्य और नई गेंद से आउट होने का खतरा हमेशा बना रहता है। इसलिए उनके लिए सबसे जरूरी बात यही होगी कि बड़े स्कोर को और बड़ा बनाया जाए।'

सचिन ने 2013 में लिया था संन्यास

सचिन ने 2013 में संन्यास लिया था। 200 टेस्ट मैचों में उनके नाम 15,921 रन हैं, जो टेस्ट क्रिकेट का रिकॉर्ड है। तेंदुलकर के टेस्ट रनों में से लगभग 55 प्रतिशत (8705 रन) घर से बाहर आए। वह विदेशी हालात में टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं। वहीं, विराट कोहली ने 123 टेस्ट में 9,230 रन बनाए हैं।

इस दौरान कोहली ने भारत के बाहर 66 टेस्ट में 4,774 रन बनाए। विराट ने 2025 में टेस्ट को अलविदा कह दिया था। सचिन ने सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में 63 टेस्ट मैचों में 51.30 के एवरेज से 5,387 रन बनाए, जिसमें 17 सेंचुरी और 23 फिफ्टी शामिल हैं, जबकि कोहली ने 46 टेस्ट मैचों में 42.08 के औसत से 3,661 रन बनाए, जिसमें 12 सेंचुरी और 14 फिफ्टी शामिल हैं। आंकड़ों के मुताबिक, सचिन विदेशों में ज्यादा सफल हैं। डिविलियर्स ने कोहली के असर की बात कही है, जिसके मुताबिक भारत के घर से बाहर एक मजबूत टेस्ट टीम के तौर पर उभरने में कोहली के अहम योगदान का जिक्र है।

बांग्लादेश की उम्मीदों को लगेगा झटका! टलेगा भारतीय टीम का दौरा? बीसीबी ने दिए संकेत

बांग्लादेश को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) एक बार फिर तगड़ा झटका दे सकता है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष तमीम इकबाल ने इस बात के संकेत दिए हैं कि भारतीय टीम का बांग्लादेश दौरा एक बार फिर टल सकता है। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, तमीम का कहना है कि सीरीज को लेकर फिलहाल बीसीबी और बीसीसीआई के बीच बातचीत जारी है।

बीसीसीआई की ओर से आधिकारिक बयान का इंतजार

तय कार्यक्रम के अनुसार, भारत को पिछले साल अगस्त में बांग्लादेश का दौरा करना था, लेकिन इसे सितंबर 2026 तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। बीसीबी ने जनवरी में बताया था कि भारतीय टीम ढाका और चट्टोग्राम में तीन वनडे और इतने ही टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। हालांकि, इस दौरे को लेकर अब तक बीसीसीआई की ओर से आधिकारिक घोषणा नहीं की गई।

दौरे को लेकर आश्वस्त तमीम

रिपोर्ट के मुताबिक, पहला वनडे तीन सितंबर से होना है। लेकिन इससे दो सप्ताह पहले तक इस बात पर संशय बना हुआ है कि सीरीज होगी भी या नहीं। ढाका में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तमीम ने एक आयु ग्रुप टूर्नामेंट, द गेम डवलेपमेंट ट्रॉफी की घोषणा की। बोर्ड ने टूर्नामेंट का कार्यक्रम भी जारी किया जिसके अनुसार सभी मुकाबले शेर-ए बांग्ला नेशनल स्टेडियम में 28 अगस्त से नौ सितंबर के बीच खेले जाएंगे। जब यह पूछा गया कि क्या इस टूर्नामेंट का यह मतलब है कि भारत बांग्लादेश नहीं आएगा? इस पर तमीम ने कहा कि कार्यक्रम में थोड़ा बदलाव हो सकता है।

तमीम ने कहा, दोनों क्रिकेट बोर्ड इस सीरीज को लेकर चर्चा कर रहे हैं। इसकी तारीख में कुछ बदलाव हो सकता है। यह टूर्नामेंट मीरपुर में होना है, लेकिन इसे दो मिनट में बासुंधरा ग्राउंड में शिफ्ट किया जा सकता है। अगर भारत का दौरा फाइनल होता है तो हम उस हिसाब से शेड्यूल रखेंगे।

रिश्तों में आई थी खटास

भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्तों में उस समय खटास पैदा हो गई जब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने मुस्तफिज़ुर रहमान को आईपीएल से बाहर कर दिया।

जब करियर के सबसे मुश्किल दौर में थीं सिंधू, कोहली ने ऐसा क्या कहा कि बदल गया नजरिया?

भारतीय बैडमिंटन स्टार और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने खुलासा किया है कि भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली की एक छोटी-सी सलाह ने उनके करियर के मुश्किल दौर में उनकी सोच बदलने में अहम भूमिका निभाई। सिंधू ने बताया कि जब वह अपने करियर के सबसे कठिन दौर से गुजर रही थीं और उन्हें लग रहा था कि कुछ भी उनके पक्ष में नहीं हो रहा, तब कोहली ने उन्हें सिर्फ एक बात कही बस मैदान पर उतरिए। सिंधू ने यह किस्सा आरसीबी पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान साझा किया। उन्होंने बताया कि वह कोहली को अपने भाई जैसा मानती हैं और मुश्किल समय में उनसे हुई बातचीत आज भी उन्हें प्रेरित करती है।

जब सिंधू ने कहा- कुछ भी नहीं हो रहा

अपने मुश्किल दौर को याद करते हुए सिंधू ने बताया कि उन्होंने कोहली से मुलाकात के दौरान अपनी परेशानी साझा की थी। उस समय उन्हें लग रहा था कि उनकी मेहनत के बावजूद चीजें

सही दिशा में नहीं जा रही हैं। सिंधू के मुताबिक, कोहली ने उनकी बात सुनने के बाद बेहद सरल जवाब दिया। सिंधू ने कहा, 'वह मेरे भाई जैसे हैं। मुझे याद है जब मैं अपने सबसे निचले दौर में थी। मैंने उनसे कहा था कि कुछ भी नहीं हो रहा है। उन्होंने बस कहा, बस मैदान पर उतरिए, ठीक है। बाहर जाइए और बस अपना खेल खेलिए।'

'नतीजे की चिंता मत करो, बस अपना खेल खेलो'

सिंधू ने कहा कि कोहली की यह बात उन्हें भीतर तक छू गई। उन्होंने महसूस किया कि खिलाड़ी को हर समय नतीजे के बारे में सोचने के बजाय अपनी तैयारी और खेल पर भरोसा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोहली ने उन्हें समझाया कि उन्हें हर जगह और हर परिस्थिति में बस अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए मैदान पर उतरना चाहिए। सिंधू ने बताया, 'उन्होंने मुझसे कहा कि कहीं भी और किसी भी चीज के लिए बस मैदान पर उतरिए और अपना खेल खेलिए। इससे क्या होगा? आप कुछ खोने वाले नहीं हैं। आप जानते हैं कि आप कौन हैं, आपने कैसी ट्रेनिंग की है। बस मैदान पर उतरिए और दुनिया को दिखाइए कि आप क्या कर सकते हैं।' सिंधू ने कहा कि इस बातचीत ने उनकी सोच पूरी तरह बदल दी। पीवी सिंधू ने यह भी बताया कि वह आज भी विराट कोहली के संपर्क में हैं। जब भी वह कोई बड़ी उपलब्धि हासिल करती हैं, तो कोहली के साथ अपनी खुशी साझा करती हैं। उन्होंने कहा, 'जब भी मैं जीतती हूं, तो अपनी खुशी उनसे साझा करती हूं और बताती हूं कि मैंने यह या वह जीता है।'

जो रूट ने बल्लेबाजी के बाद फील्डिंग में भी किया कमाल, स्टीव स्मिथ को पछाड़ बने दुनिया के नंबर-1 फील्डर

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट में बल्ले के बाद फील्डिंग में भी जो रूट ने एक विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया है। पाकिस्तान की दूसरी पारी में अजान अवैस का कैच लेते ही वह स्टीव स्मिथ को पछाड़ दुनिया के सबसे ज्यादा कैच लेने वाले दुनिया के नंबर-1 फील्डर बन गए। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स में खेला जा रहा है। इस मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड काफी मजबूत स्थिति में पहुंच गई है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम अपनी पहली में सिर्फ 171 रनों पर ढेर हो गई। इसके जवाब में इंग्लिश टीम ने 409 रन बनाते हुए पहली पारी के आधार पर 238 रन की बढ़ हासिल की। फिलहाल तीसरे दिन लंच ब्रेक तक पाकिस्तानी टीम ने तीन विकेट के नुकसान पर 59 रन बनाए हैं। वह अभी भी 179 रन पीछे है। यहां से उस पर पारी से हार का खतरा भी मंडरा रहा है। वहीं, इंग्लैंड की ओर से पहली पारी में 66 रन की शानदार अर्धशतकीय पारी खेलने वाले जो रूट ने फील्डिंग में भी एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज किया है।

तोड़ा स्टीव स्मिथ का रिकॉर्ड

बता दें कि पाकिस्तान की दूसरी पारी से पहले जो रूट के नाम टेस्ट क्रिकेट में 218 कैच दर्ज थे और वह ऑस्ट्रेलिया के स्टार खिलाड़ी स्टीव स्मिथ 218 कैच के साथ बराबरी पर थे। पाकिस्तान की दूसरी पारी में अजान अवैस का कैच लेते ही वह सबसे ज्यादा टेस्ट कैच लेने वाले दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी बन गए।

बता दें कि टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले प्लेयर्स की सूची में राहुल द्रविड़ तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने अपने करियर में भारत के लिए 164 टेस्ट मैचों की 301 पारियों में 210 कैच लिए थे। शीर्ष 10 में सिर्फ द्रविड़ ही एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं।

क्या 90 मीटर का मार्क पार कर पाएंगे नीरज चोपड़ा

श्रीलंका के रुमेश पाथिरगे से मिलेगी चुनौती, जानें कब, कहां और कैसे देखें इवेंट

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में रजत पदक जीतने के बाद, दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा शुक्रवार को लुसाने डायमंड लीग में एक बार फिर से अपना दमदार प्रदर्शन दिखाने को तैयार हैं। लुसाने डायमंड लीग बेहद रोमांचक होगी। इस इवेंट में कई ओलंपिक, वर्ल्ड और यूरोपियन चैंपियन खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

श्रीलंका के रुमेश पाथिरगे से होगी टक्कर

पुरुषों की जैवलिन स्पर्धा में दक्षिण एशिया के दो सबसे बड़े स्टार भारत के नीरज चोपड़ा और श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिरगे, एक बार फिर आमने-सामने होंगे। नीरज चोपड़ा स्विट्जरलैंड के स्टेड ओलंपिक डे ला पोंटेस में होने वाली लुसाने डायमंड लीग 2026 में टॉप पर पहुंचने की कोशिश करेंगे। लुसाने में चोपड़ा चौथी बार उतरेंगे। यह लीग चोपड़ा का 2026 एथलेटिक्स सीजन का तीसरा प्रतियोगी इवेंट है।

श्रीलंका के पाथिरगे ने जून में रोम में 92.62 मीटर के साथ ब्रुसेल्स में होने वाले फाइनल में अपनी जगह बुक कर ली है। वहीं, पूर्व ओलंपिक और डायमंड लीग चैंपियन चोपड़ा स्टैंडिंग में पीछे हैं। उन्हें लुसाने में एक बड़े करिश्माई थ्रो की जरूरत है।

पीटर्स भी देंगे कड़ी टक्कर

नीरज कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 जैसे ही एक मजबूत फील्ड में यूरोपियन स्टार्स के साथ मुकाबला करेंगे। पिछले चार ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब जीतने वाले पांच जेवलिन सुपरस्टार्स 21 अगस्त को एक दूसरे को कड़ी टक्कर देंगे। इवेंट में नीरज चोपड़ा और पाथिरगे के अलावा त्रिनिदाद एंड टोबैगो के वालकॉट और ग्रेनाडा के पीटर्स हिस्सा ले रहे हैं।

पाकिस्तान के अरशद नदीम ने इवेंट से अपना नाम वापस ले लिया था। मैच भारतीय समयानुसार शुक्रवार रात 11:52 से शुरू होगा। लुसाने डायमंड लीग 2026 की भारत में डायमंड लीग की आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर लाइव प्रसारित होगी। लुसाने डायमंड लीग 2026 के लाइव टेलीकास्ट की जानकारी के बारे में कोई आधिकारिक अपडेट नहीं है।

गंभीर से आमने-सामने हुए कर्स्टन तो क्या हुई बात? श्रीलंकाई कोच ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया

भारत और श्रीलंका के बीच गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में दो ऐसे चेहरे आमने-सामने थे, जिनका भारतीय क्रिकेट से बेहद खास रिश्ता रहा है। एक तरफ भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर थे तो दूसरी ओर श्रीलंका के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन। दोनों ने एक समय भारतीय ड्रेसिंग रूम साझा किया था और 2011 में भारत को वनडे विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। अब दोनों अलग-अलग टीमों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। टेस्ट मैच के दौरान गंभीर और कर्स्टन की मुलाकात हुई। हालांकि, कर्स्टन ने बताया कि दोनों ने पुरानी यादों को ज्यादा ताजा करने के बजाय कोचिंग से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा की।

कर्स्टन ने कहा, 'हमने ज्यादा पुरानी यादें ताजा नहीं कीं। वास्तव में हमने कोचिंग और कोचिंग की चुनौतियों पर बात की। टेस्ट क्रिकेट को लेकर हम दोनों के मूल्य काफी मजबूत हैं। इसलिए हमारी अच्छी बातचीत हुई। जाहिर तौर पर दोनों देशों के खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने में मदद करने की कोशिश के बारे में भी बात हुई।'

हार के बावजूद श्रीलंका से खुश हैं कर्स्टन

भारत ने श्रीलंका को पहले टेस्ट में 165 रन से हराया, लेकिन हार के बावजूद कर्स्टन अपनी टीम के रवैये से प्रभावित नजर आए। श्रीलंका की टीम पहली पारी में 99 रन पर पांच विकेट गंवाकर मुश्किल में थी, लेकिन उसने मुकाबले को पांचवें दिन की दोपहर तक खींच दिया। कर्स्टन ने कहा, 'तीसरे दिन की शुरुआत में 99 रन पर पांच विकेट होने के बाद टेस्ट मैच को पांचवें दिन की दोपहर तक ले जाना विशेष रूप से खुशी की बात थी। टीम में संघर्ष करने का जज्बा था और हम टेस्ट मैच में बने रहने की कोशिश कर रहे थे।' उन्होंने आगे कहा, 'हमें विश्वास था कि हम कुछ कर सकते हैं, टेस्ट मैच जीत सकते हैं या कम से कम ड्रॉ करा सकते हैं। इसलिए मैं टीम की ऊर्जा और रवैये से बहुत खुश था।'

श्रीलंका की बल्लेबाजी बनी सबसे बड़ी चिंता

कर्स्टन ने माना कि श्रीलंका की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी बल्लेबाजी रही। खासकर दोनों पारियों में शीर्ष क्रम के बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सके। उन्होंने कहा, 'अगर आप पूरे टेस्ट मैच को देखें तो हमने बल्ले से संघर्ष किया, खासकर दोनों पारियों में हमारे शीर्ष क्रम ने। शायद यही हमारी हार की सबसे बड़ी वजह बनी।'

टीम को विकसित करने पर कर्स्टन का फोकस

कर्स्टन ने कहा कि वह श्रीलंकाई क्रिकेट से जुड़कर उत्साहित हैं। उनके मुताबिक टीम में प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट की लगातार कमी के कारण खिलाड़ियों को इस प्रारूप की जरूरतों को समझने में समय लग रहा है। उन्होंने कहा, 'यह पिछले कुछ महीनों में हमारा तीसरा टेस्ट मैच है और मैं पहले से ही टीम में विकास देख सकता हूं। हम टीम को एक आकार देना शुरू कर रहे हैं। अब हमें इसे किसी समय शानदार प्रदर्शन में बदलना होगा। हम उसी दिशा में टीम को विकसित कर रहे हैं।'

रजनीकांत की फिल्म के गाने पर क्यों छिड़ा विवाद? यूजर्स ने 'जेलर 2' के मेकर्स को दी ये सलाह

रजनीकांत की अपकमिंग फिल्म 'जेलर 2' के मेकर्स फिल्म के एक प्रमोशनल गाने के रिलीज होने के बाद भाषा से जुड़े विवाद में फंस गए हैं। मंगलवार को 'अला बोलेलो' नाम के पहले गाने का 32-सेकंड का टीजर जारी किया गया। मगर मलयालम बोलने वाले दर्शकों के एक वर्ग ने गाने में मलयालम शब्दों के गलत उच्चारण पर निराशा जताई और इसकी आलोचना की।

कौन हैं 'अला बोलेलो' के गायक?

'अला बोलेलो' के प्रमोशनल वीडियो में शमना कासिम केरल की पारंपरिक 'कासावु' पोशाक में डांस कर रही हैं।

इसमें रजनीकांत की एक छोटी सी झलक दिखाई देती है।

गाने को अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज किया है।

अरुणराजा कामराज की तरफ से लिखे गए गाने में तमिल और मलयालम भाषाओं का मिश्रण है।

गाने को निरंजना रमन, अपर्णा हरिकुमार और दीप्ति सुरेश ने आवाज दी है।

क्यों निराश हुए श्रोता?

फिल्म के संगीत रिलीज को लेकर शुरुआती उत्साह के बावजूद, क्लिप के लाइव होने के तुरंत बाद केरल के सुनने वालों में निराशा फैल गई। आलोचकों ने बताया कि मलयालम के मुख्य शब्दों और खास ध्वनियों का उच्चारण गलत था, जिससे गाने के बोल इतने बिगड़ गए कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो गया।

यूजर्स की क्या है अपील?

केरल के सोशल मीडिया यूजर्स ने कई प्लेटफॉर्म पर अपनी नाराजगी जाहिर की और फिल्म निर्माताओं से मुख्य गानों में क्षेत्रीय भाषाओं को शामिल करते समय ज्यादा सावधानी बरतने की अपील की। कई सुनने वालों ने खास तौर पर मलयालम व्यंजन ध्वनियों, खासकर 'ला' (la) अक्षर के अलग-अलग रूपों के गलत उच्चारण की ओर इशारा किया।

तमिल भाषी फैंस ने किया समर्थन

एक्स पर एक लोकप्रिय कमेंट में निर्माताओं से अनुरोध किया गया कि वे गानों या डायलॉग में मलयालम का इस्तेमाल तब तक न करें जब तक कि उसका सही उच्चारण न हो, क्योंकि भाषा से जुड़ी बड़ी गलतियां मूल भाषा बोलने वालों को बहुत अजीब लगती हैं।

अन्य यूजर्स ने सुझाव दिया कि प्रोडक्शन टीम को ऐसे गीतकार और गायक रखने चाहिए थे जो भाषा में माहिर हों ताकि सटीकता बनी रहे। दिलचस्प बात यह है कि कई तमिल भाषी फैंस ने भी इस फीडबैक का समर्थन किया और माना कि जब मुख्यधारा के सिनेमा में अलग-अलग संस्कृतियों के तत्वों को शामिल किया जाता है, तो उन्हें सही ढंग से पेश करना जरूरी होता है।

कब रिलीज होगी 'जेलर 2'?

'जेलर 2' डायरेक्टर नेल्सन दिलीप कुमार की 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'जेलर' का सीक्वल है। सन पिक्चर्स बैनर के तहत बनी इस फिल्म में रजनीकांत 'टाइगर मुथुवेल पांडियन' के अपने रोल में फिर से नजर आएंगे। फिल्म की स्टार कास्ट में राम्या कृष्णन, योगी बाबू, एसजे सूर्या, मिथुन चक्रवर्ती, विद्या बालन और सूरज वेंजारामूडु शामिल हैं, साथ ही मोहनलाल, शिवा राजकुमार और जैकी श्रॉफ की भी खास भूमिकाएं हैं। 'अला बोलेलो' का पूरा वर्जन 21 अगस्त को रिलीज़ होने वाला था, जबकि 'जेलर 2' दुनिया भर के सिनेमाघरों में 15 अक्टूबर, 2026 को रिलीज होगी।

क्या जल्द बनेगी 'भूल भुलैया 4'?

अनीस बज्मी ने दिया जवाब; अक्षय कुमार को लेकर कही ये बात

भले ही 'भूल भुलैया 4' की चर्चा हो रही हो, मगर अनीस बज्मी का कहना है कि इस फ्रेंचाइजी का अगला पार्ट तभी बनेगा जब टीम को ऐसी कहानी मिलेगी, जो पिछली फिल्मों के लेवल की हो। 'भूल भुलैया 2' और '3' का निर्देशन करने वाले बज्मी कहते हैं कि कार्तिक आर्यन के साथ उनकी अच्छी बॉन्डिंग है, लेकिन सिर्फ एक्टर के होने से ही फिल्म को मंजूरी नहीं मिल जाती।

क्या बनेगी 'भूल भुलैया 4'?

अनीस बज्मी के हवाले से लिखा कि एक और 'भूल भुलैया' बनाना मुश्किल है।

हमने तीसरी फिल्म में अपने लगभग सारे दांव खेल दिए थे।

कार्तिक और मेरी समझ बहुत अच्छी है।

वह बहुत मेहनती अभिनेता हैं। कहानी मायने रखती है।

अगर हमें कोई जबरदस्त कहानी मिलती है, तो हम जरूर फिल्म बनाएंगे।

फिल्म की सफलता का 70% हिस्सा कहानी पर निर्भर करता है।

अक्षय के साथ काम करने पर क्या बोले अनीस?

अनीस बज्मी विद्या बालन और अक्षय कुमार के साथ अपनी अगली बिना नाम वाली कॉमेडी फिल्म का भी इंतजार कर रहे हैं, जिनके साथ उन्होंने पहले 'वेलकम' फ्रेंचाइजी में काम किया था। वह बताते हैं, 'अक्षय और मैंने 'वेलकम' बनाई थी, जिसे लोग आज भी देखते हैं और पसंद करते हैं। हमारे बीच बहुत प्यार और सम्मान है। हमने साथ में एक और बहुत अच्छी कॉमेडी फिल्म बनाने की कोशिश की है।'

अनीस ने किया 'वेलकम टू द जंगल' का जिक्र

जब वह 'वेलकम' का जिक्र करते हैं, तो 'वेलकम टू द जंगल' का टॉपिक भी आता है, जिसे डायरेक्ट करने के लिए उनसे संपर्क किया गया था। हालांकि उन्होंने फिल्म का निर्देशन नहीं किया। उनका कहना है कि उन्हें टीम से कोई शिकायत नहीं है। वह कहते हैं, 'उस फिल्म से जुड़े सभी लोग मेरे दोस्त हैं, अहमद खान, अक्षय कुमार, परेश रावल और कई अन्य। इसलिए इसे देखते हुए मुझे सच में मजा आया। जब भी कोई मजबूत कहानी लेकर आता है, तो दर्शक उस पर प्यार बरसाते रहते हैं।'

कब रिलीज हुईं 'भूल भूलैया' फ्रेंचाइजी की फिल्में?

आपको बता दें कि 'भूल भुलैया' साल 2007 में रिलीज हुई थी। इसके निर्देशक प्रियदर्शन थे। 'भूल भुलैया 2' साल 2022 में रिलीज हुई थी। इसनके निर्देशक अनीस बज्मी थे। 'भूल भुलैया 3' साल 2024 में रिलीज हुई थी। इसके निर्देशक भी अनीस बज्मी थे। सभी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया था।

क्यों यूजर्स पर भड़कीं श्वेता तिवारी? राज ठाकरे से पूछा सवाल; मराठी संस्कृति को लेकर कही ये बात

टीवी की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी ने सोशल मीडिया पर महिलाओं के लिए अभद्र भाषा के आम इस्तेमाल के खिलाफ आवाज उठाई है। उन्होंने सवाल किया कि लोग उन महिलाओं को नीचा दिखाने का हक कैसे समझते हैं, जिन्हें वे जानते भी नहीं हैं। 'द ट्रेटर्स 2' की प्रतिभागी श्वेता ने शो के दूसरे कंटेस्टेंट्स के साथ बातचीत के दौरान अभद्र कमेंट्स देखे और फिर इस मुद्दे पर इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की।

श्वेता ने क्या सवाल पूछा?

श्वेता ने बताया कि हाल ही में वह 'द ट्रेटर्स 2' की अपनी को-कंटेस्टेंट पारुल गुलाटी के

साथ इंस्टाग्राम पर लाइव आई थीं और वहां देखे गए कमेंट्स से वह परेशान हो गईं।

उन्होंने लिखा कि आज मैं एक ऐसी बात पर बात करना चाहती हूं जो बहुत चिंताजनक है और दुर्भाग्य से सोशल मीडिया पर बहुत आम है। वह है किसी महिला को अपशब्द कहना।

कौन लोग करते हैं कमेंट?

अभिनेत्री ने यह भी कहा कि ऐसे कमेंट्स हमेशा अनपढ़ या मुश्किल बैकग्राउंड वाले लोग ही नहीं करते। उनके मुताबिक, ऐसी बातें कहने वाले कई लोग पढ़े-लिखे होते हैं, उनके परिवार और करीबी महिलाएं भी होती हैं, फिर भी वे दूसरी महिलाओं के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं।

अनजान महिला पर क्यों करते हैं कमेंट?

श्वेता ने खुद पर की गई अभद्र टिप्पणियों के बारे में भी बात की और कहा कि लोग कभी-कभी उनके बच्चों के बारे में भी परेशान करने वाली बातें कहते हैं। उन्होंने कहा कि जब वह ऐसे यूजर्स की प्रोफाइल देखती हैं, तो अक्सर उन्हें उनकी पत्नियों, बेटियों और परिवार के दूसरे सदस्यों की तस्वीरें दिखती हैं।

उन्होंने सवाल किया, 'तो फिर किसी ऐसी महिला का अपमान करना कैसे सही हो सकता है जिसका आपसे कोई लेना-देना ही नहीं है?'

मराठी संस्कृति को लेकर क्या बोलीं श्वेता?

अभिनेत्री ने उन कुछ यूजर्स की पहचान के बारे में भी बात की जो ऑनलाइन महिलाओं को निशाना बनाते हैं। उन्होंने उन लोगों का जिक्र किया जो गर्व से खुद को 'मराठी मानूस' कहते हैं और सवाल किया कि क्या ऐसा व्यवहार उस पहचान से जुड़े मूल्यों को दिखाता है।

श्वेता ने कहा कि वह अपनी पूरी जिंदगी महाराष्ट्र में रही हैं और राज्य व मराठी संस्कृति से उनका गहरा जुड़ाव है। उन्होंने लिखा कि वह इस सोच के साथ बड़ी हुई हैं कि मराठी संस्कृति महिलाओं, उनकी ताकत और सम्मान का आदर करती है।

श्वेता ने राज ठाकरे से क्या सवाल किया?

उन्होंने राज ठाकरे से भी सीधे सवाल किया, 'राज ठाकरे, अगर ऐसे लोग आपके समर्थक हैं, तो मैं सच में जानना चाहूंगी... क्या आपको लगता है कि यह सही व्यवहार है?'

फिल्म 'गांधारी' में दिखेगी मुश्किलों से लड़ती एक मां की कहानी : तापसी पन्नू

तापसी पन्नू की अदाकारी वाली फिल्म 'गांधारी' की रिलीज डेट सामने आ गई है। इश्वक सिंह, छाया कदम, स्वस्तिका मुखर्जी, मीता वशिष्ठ और जतिन सरना मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके निर्देशक देवाशीष मखीजा हैं। जबकि इसकी लेखिका और निर्माता कनिका ढिल्लों हैं।

अपकमिंग फिल्म 'गांधारी' 3 सितंबर, 2026 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। एक्शन-थ्रिलर फिल्म दिखाती है कि जब किसी महिला की प्यारी चीजें खतरे में हों, तो वह किस हद तक जा सकती है।इसमें यह भी दिखाया गया है कि

मां के प्यार से ज्यादा ताकतवर कोई चीज नहीं होती। वह अपने बच्चे की सुरक्षा के लिए जो सफर तय करती है, उससे ज्यादा मुश्किल कोई सफर नहीं होता।

क्या है फिल्म की कहानी?

एक काल्पनिक शहर 'जॉयपुरा' की पृष्ठभूमि पर आधारित, 'गांधारी' अटूट विश्वास, शांत सहनशक्ति और अदम्य साहस की कहानी है। कहानी के केंद्र में 'बानी' (तापसी पन्नू) है, एक ऐसी मां जिसकी ममता की परीक्षा हर मोड़ पर होती है। उसे पूरे यकीन और त्याग के साथ अकल्पनीय चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। तापसी पन्नू के अब तक के सबसे मुश्किल फिजिकल रोल्स में से एक मानी जाने वाली इस फिल्म में जबरदस्त एक्शन के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं का भी गहरा मेल है।

तापसी ने कनिका के साथ दोबारा किया काम

'फिर आई हसीन दिलरुबा' की सफलता के बाद, यह फिल्म नेटफ्लिक्स को कनिका ढिल्लों और तापसी पन्नू के साथ फिर से एक साथ लाती है। लेखिका और प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लों ने कहा, 'गांधारी' के जरिए हम एक ऐसी महिला की कहानी बताना चाहते थे, जो अपनी परिस्थितियों से अपनी पहचान तय नहीं होने देती। बानी का सफर बहुत ही सच्चा, कभी न रुकने वाला और बेहद निजी है। इसी बात ने मुझे शुरू से ही उसकी ओर खींचा। तापसी के साथ फिर से काम करना बहुत खास रहा है।'

तापसी पन्नू का वर्कफ्रंट

तापसी पन्नू को आखिरी बार फिल्म 'अस्सी' में देखा गया था। इस फिल्म के निर्देशक अनुभव सिन्हा हैं। यह बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर पाई थी। 30 करोड़ की लागत में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 13.43 करोड़ रुपये ही कमा सकी थी। आलोचकों से इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी।

राजपाल यादव बोले- जिनका पैसा बकाया है, घर पहुंचा दूंगा

कहा- 13 साल में 250 करोड़ का नुकसान हुआ; घर नीलाम कर रहा बैंक

बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव ने चेक बाउंस और कर्ज विवाद के बीच दावा किया है कि पिछले 13 साल में उन्हें 200 से 250 करोड़ रुपए का निजी नुकसान हुआ है। वे एक जिम्मेदार इंसान हैं और जिन लोगों का पैसा बकाया है, वे उसे चुका देंगे या उनके घर तक पहुंचा देंगे। यह बयान ऐसे समय आया है जब सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 16 करोड़ रुपए का कर्ज न चुकाने पर उनके पैतृक घर की नीलामी का नोटिस जारी किया है। राजपाल यादव ने बताया कि 2013 से 2016 के बीच उनका सबसे ज्यादा आर्थिक नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि इस दौरान विदेश में उनके कम से कम 50 टूर छूट गए और मिलने वाली फीस भी काफी कम हो गई। उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि जहां उन्हें 100 रुपए मिलने चाहिए थे, वहां सिर्फ 10 रुपए मिले। हालांकि, राजपाल ने कहा कि वे आर्ट के स्टूडेंट हैं और वे पैसों से ज्यादा अपनी कला में परफेक्शन को अहमियत देते हैं।

'जिनका पैसा बकाया है, घर पहुंचा दूंगा'

अपनी आर्थिक स्थिति और कर्ज पर बात करते हुए राजपाल यादव ने कहा कि उन्होंने जिनसे भी पैसा उधार लिया था, उसे चुका दिया है या जल्द चुका देंगे। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने 200 लोगों से भी उधार लिया है, तो वे पैसा वापस करेंगे।

राजपाल ने कहा कि कोई उन्हें 5 करोड़ या 250 करोड़ रुपए में खरीद नहीं सकता। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी आर्थिक मुश्किलें उनके पूरे करियर को तय नहीं करतीं और आज भी एयरपोर्ट पर 500 लोग उनके साथ सेल्फी लेते हैं।

राजपाल यादव पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का कर्ज न चुकाने के कारण कार्रवाई चल रही है। राजपाल यादव ने सेंट्रल बैंक की मुंबई ब्रांच से पत्नी राधा यादव और मां गोदावरी के नाम पर 16.61 करोड़ रुपए का लोन लिया था।

शाहजहांपुर में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने उनके पैतृक घर पर 16.61 करोड़ रुपए के बकाया लोन को लेकर कुर्की का नोटिस चस्पा किया है।

चेक बाउंस केस में जेल जा चुके राजपाल

राजपाल यादव का चेक बाउंस केस साल 2010 में शुरू हुआ था, जब उन्होंने अपनी फिल्म 'अता पता लापता' बनाने के लिए मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से 5 करोड़ का कर्ज लिया था। 2012 में रिलीज हुई यह फिल्म फ्लॉप हो गई। इसके बाद 2013 से चेक बाउंस का मामला अदालत में चल रहा है।

जुलाई में दिल्ली हाई कोर्ट ने कर्ज न चुकाने पर उनकी मंशा पर सवाल उठाते हुए सरेंडर का आदेश दिया था। इससे पहले फरवरी 2026 में भी उन्होंने तिहाड़ जेल में सरेंडर किया था, जिसके बाद वे 12 दिन तक जेल में रहे थे। फिलहाल वे अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'हैवान' और सलमान खान के साथ 'SVC 63' की तैयारी कर रहे हैं।

पैसा और प्यार में से किसको चुनेंगी निया शर्मा? टीवी अभिनेत्री ने दिया दो-टूक जवाब

निया शर्मा को टीवी सीरियल 'जमाई राजा' और 'नागिन 4' के जरिए घर-घर पहचान मिली थी। इसके अलावा वह कई रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं। हाल ही निया 'लाफ्टर शेफ' के सेट पर नजर आईं। यहां पैपराजी ने उनसे सवाल किया कि वह प्यार और पैसे में से किसे चुनेगी? इस पर क्या रहा अभिनेत्री का जवाब, जानिए?

पैसे और प्यार में से निया ने किसे दी अहमियत?

पैपराजी के सामने निया शर्मा नारंगी रंग के सूट-सलवार में आईं। वह 'लाफ्टर शेफ' का एपिसोड शूट करने आई थीं। इस सेट पर उन्होंने पैपराजी को कहा, 'वह प्यार और पैसे मे से पैसे को चुनेंगी।' वह आगे कहती हैं, 'वह हमेशा पैसे को ही चुनेंगी।'

फैंस ने अभिनेत्री के जवाब पर क्या प्रतिक्रिया दी?

जब फैंस ने निया शर्मा जवाब सुना तो कई सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें सही बताया। इसके अलावा कुछ फैंस ने निया के लुक को सराहा और हार्ट इमोजी शेयर किए। निया शर्मा की इंस्टाग्राम पर अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। उनके लगभग 8 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं।

क्या होगा निया शर्मा का अगला प्रोजेक्ट?

'नागिन 4' में निया शर्मा ने लीड रोल किया था। अब तक इस टीवी शो के सात सीजन आ चुके हैं, जिनमें मौनी रॉय के अलावा, सुरभि ज्योति, सुरभि चांदना, अदा खान, तेजस्वी प्रकाश और प्रियंका चाहर चौधरी ने लीड रोल किए थे।

बीते दिनों इस शो की प्रोड्यूसर एकता कपूर ने एक वीडियो में सभी अभिनेत्रियों की झलक दिखाई है। साथ ही बताया कि वह इसे टीवी से आगे लेकर जाना चाहती हैं। हालांकि, एकता कपूर ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि वह 'नागिन' पर कोई फिल्म बनाएंगी या वेब सीरीज।

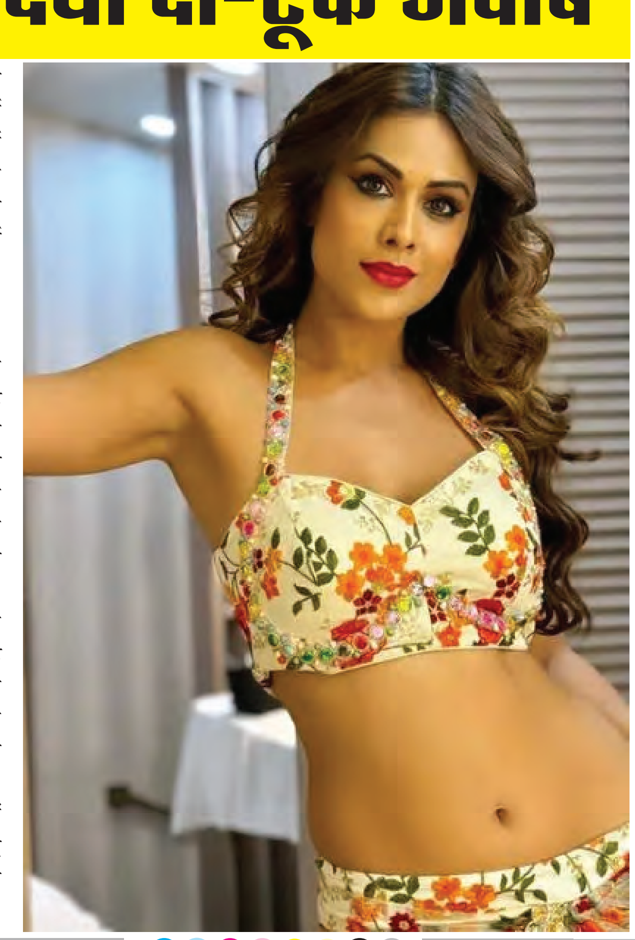

शर्मिला टैगोर से कंगना बोलीं- हिंदू-मुस्लिम सोच से बाहर आइए

शर्मिला ने कहा था- वंदे मातरम के 2 अंतरे अच्छे

एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर की वंदे मातरम पर टिप्पणी के बाद कंगना रनोट ने प्रतिक्रिया दी है। कंगना ने सोशल मीडिया पर कहा कि हिंदू-मुस्लिम सोच से बाहर आइए। एक कलाकार के तौर पर मैं हैरान हूं कि कला और कविता को लेकर उनकी सोच इतनी छोटी और बनावटी कैसे हो सकती है। शर्मिला टैगोर ने कहा था कि वंदे मातरम के कुछ हिस्से एक ईश्वर को मानने वाले लोगों की आस्था से मेल नहीं खा सकते। गीत में कई देवताओं का जिक्र है। इस गीत के दो अंतरे ही अच्छे हैं।

कंगना बोलीं- कलाकार असंभव लगने वाली समानताएं खींचता है

कंगना ने शर्मिला टैगोर के इंटरव्यू का वीडियो अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'मैं खुश हूं कि शर्मिला जी ने वंदे मातरम को लेकर अपनी आपत्ति के बारे में बात की। किसी भी कविता या गीत में शब्द रूपक होते हैं। कवि या कलाकार मनचाहा असर पैदा करने के लिए हर तरह की कल्पना करता है और असंभव लगने वाली समानताएं खींचता है। विवेकानंद ने कहा था कि मुझे ऐसे युवा चाहिए, जो लोहे जैसे बने हों, जिनकी हड्डियां फौलाद की हों और जिनकी नसों में बिजली दौड़ती हो। विवेकानंद मौसम का अनुमान नहीं बता रहे थे। वह केवल शक्ति को जगाने की मांग कर रहे थे। कृपया हिंदू-मुस्लिम सोच से बाहर आइए।

भले ही हम एक ईश्वर में विश्वास करते हों, डॉक्टर भी ताकत को शक्ति कहते हैं। आइए, एक-दूसरे को अपनों की तरह अपनाएं। मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं और उस जोरदार तरीके से गले मिलने से भी मुझे परेशानी नहीं है, जैसे आप हमेशा मिलती हैं।'

शर्मिला ने कहा था- एक ईश्वर को मानने वालों के लिए मुश्किल

शर्मिला टैगोर ने कहा, 'बहुत से धार्मिक लोग एक ही ईश्वर में विश्वास करते हैं, कई ईश्वरों में नहीं। वंदे मातरम में एक अंतरा है, जिसमें कई देवताओं का जिक्र है।जो लोग एक धर्म, एक ईश्वर में विश्वास करते हैं, उनके लिए 'वंदे काली, वंदे दुर्गा' कहना मुश्किल है। अगर हम भारत के सभी धार्मिक लोगों को साथ लेकर चलें तो वंदे मातरम पहले दो अंतरे बहुत अच्छे हैं।' हालांकि, शर्मिला टैगोर ने अब तक कंगना के कमेंट पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कुछ महिलाएं यौन संबंधों को आजादी बताती हैं- कंगना ने पोस्ट में लिखा था, 'पश्चिमी सोच से प्रभावित भारतीय महिलाओं की एक नई पीढ़ी सामने आई है। इनमें से कुछ के पास समाज को देने के लिए कुछ नहीं है। वे अच्छी गृहिणी बनने के लिए भी सक्षम नहीं हैं। इसके बावजूद वे अपनी आजादी का दिखावा करती हैं। नशा, शराब और अनगिनत यौन संबंधों को अपनी आजादी बताती हैं।'

लखनऊ हत्याकांड- मैनेजर पत्नी ने डेढ़ करोड़ मांगे थे

ननद के साथ नहीं रहना चाहती थी, एसबीआई अफसर ने 30 मिनट में पूरा परिवार खत्म किया

लखनऊ, 21 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ हत्याकांड- 2 दिन रेकी, 30 मिनट में 2 हत्याएं और सुसाइड। पुलिस की शुरुआती जांच में वारदात की 2 वजह सामने आई हैं। पहली- बैंक मैनेजर दिव्या मिश्रा ने तलाक के लिए एसबीआई अफसर पति मानस बाजपेयी से डेढ़ करोड़ रुपए गुजारा-भत्ता (एलिमनी) मांग रही थी। दूसरी- दिव्या, मानस की मानसिक बीमार बहन शीबा के साथ नहीं रहना चाहती थी।

18 अगस्त को फैमिली कोर्ट में तलाक मामले में सुनवाई थी। इस दौरान मानस और दिव्या के बीच एलिमनी को लेकर विवाद हुआ। पुलिस सूत्रों के मुताबिक इसके बाद मानस इतना परेशान हो गया कि उसने पत्नी और बहन की हत्या करके सुसाइड करने की प्लानिंग कर डाली। उसने 3 पिस्तौल खरीदी और 2 दिन तक पत्नी की रेकी की।

गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे मानस ऑटो से सीधे पत्नी दिव्या के आईसीआईसीआई बैंक पहुंचा। दिव्या को फोन करके बाहर बुलाया। दोनों के बीच पहले विवाद और मारपीट हुई, फिर मानस ने दिव्या के चेहरे पर सटाकर दो गोली मार दी। पूरी

दिव्या मानस शीबा

घटना बैंक के बाहर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई।

इसके बाद वह ऑटो से ही मौके से भाग गया। पसीने से तरबतर होकर 2 किमी दूर अपने घर पहुंचा। कमरे का दरवाजा बंद किया। टीवी पर तेज आवाज में हनुमान चालीसा चला दी। इसके बाद बहन शीबा के सिर में गोली मार दी। फिर खुद की कनपटी में गोली मारकर सुसाइड कर लिया।

मानस की पत्नी दिव्या, यूट्यूबर प्रज्ञा मिश्रा की बहन थीं। प्रज्ञा ने आरोप लगाए हैं कि उनका जीजा मानस साइको था। इसलिए वह उससे दूर रहती थी। मानस और दिव्या ने 9 साल पहले लव-मैरिज की थी। प्यार, नफरत में इस कदर बदला कि मानस ने पूरा परिवार ही खत्म कर दिया।

9 साल पहले लव मैरिज, 1 साल पहले पत्नी ने घर छोड़ा

परिजन के मुताबिक, मानस और दिव्या ने 2017 में लव मैरिज की थी। शादी के शुरुआती दिनों में दोनों के रिश्ते ठीक रहे। बाद में छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद होने लगा। धीरे-धीरे दोनों के बीच दूरी बढ़ती गई और दोनों अलग रहने लगे।

2018 में मानस की मां को कैंसर हुआ तो दिव्या दोबारा उसके साथ रहने लगीं। इसी दौरान मानस की बहन को साथ रखने को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद होने लगा। 2019 में मानस की मां की मौत के बाद दिव्या फिर अलग हो गईं। कुछ समय बाद दोनों के बीच बातचीत हुई और वे दोबारा साथ रहने लगे।

2025 में बहन को लेकर दोनों के बीच फिर विवाद बढ़ गया। दिव्या का कहना था कि वह मानस की बहन के साथ नहीं रहेगी। मानस इसके लिए तैयार नहीं था। इसके बाद नवंबर 2025 में दिव्या ने पूरी तरह घर छोड़ दिया।

मानस ने रिश्ता बचाने की कोशिश की और कई बार दिव्या से बातचीत की, लेकिन बात नहीं बनी। इसके बाद मामला लखनऊ फैमिली कोर्ट पहुंच गया। जनवरी 2026 में दिव्या ने फैमिली कोर्ट में मुकदमा दायर किया और तलाक की कानूनी प्रक्रिया शुरू हो गई।

मानस के एक दोस्त ने पुलिस को बताया कि वह करीब 3 महीने से बैंक के ऑडिट के काम से शहर से बाहर था। लौटने के बाद उसे 18 अगस्त को फैमिली कोर्ट में होने वाली सुनवाई की जानकारी मिली। वह कोर्ट पहुंचा। पुलिस के मुताबिक, यहीं उसे करीब डेढ़ करोड़ रुपए की एलिमनी की मांग के बारे में पता चला। इसके बाद वह तनाव में आ गया। पुलिस की जांच के मुताबिक 18 अगस्त की सुनवाई के बाद मानस ने पत्नी और बहन की हत्या कर खुदकुशी करने की योजना बनाई। इसके लिए, उसने 2 दिन में 3 हथियारों का इंतजाम किया। इनमें दो 9 एमएम पिस्टल और एक तमंचा बताया जा रहा है। पुलिस ने तीनों हथियार बरामद कर लिए हैं। तीनों लोडेड थे। हालांकि, मानस ने ये हथियार कहां से और किससे खरीदे, इसकी जांच की जा रही है।

दिव्या के ममेरे भाई मयंक दीक्षित ने बताया कि 20 अगस्त को दिव्या बैंक के काम से बाहर गई थीं। काम खत्म करने के बाद जब वह दोपहर में कार से ऑफिस पहुंचीं तो मानस वहां पहले से मौजूद था। उसने दिव्या को इशारा करके बुलाया और कहा कि कुछ बात करनी है।

दिव्या उसके पास पहुंचीं तो मानस ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। बैंक के गार्ड और कर्मचारी उन्हें बचाने के लिए दौड़े। इसी दौरान मानस ने दिव्या के माथे में गोली मार दी। गोली लगते ही दिव्या सड़क पर गिर गईं। इसके बाद मानस वहां से भाग निकला।

पीएम फसल बीमा योजना में बड़ा फर्जीवाड़ा

1 खेत, 1 फसल और 4 बार में उठा लिया, 31 लाख का क्लेम

जयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में लाखों का फर्जीवाड़ा सामने आया है। श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ में एक किसान ने एक ही खेत में एक ही फसल का 3 बार खराबा क्लेम उठा लिया।

चौंकाने वाली बात ये है जमीन बटाई (लीज) पर दी हुई थी। बटाईदार ने भी उसी फसल का खराबा दिखाकर 7 लाख से ज्यादा का क्लेम ले लिया। एक ही खेत पर क्लेम उठाने के लिए 7 बार आवेदन किए गए थे।

इनमें से 4 आवेदन मंजूर हो गए और कुल 31 लाख 15 हजार 514 रुपए का क्लेम खातों में पहुंच गया। इस मामले में कृषि विभाग ने बीमा कंपनी पर सवाल उठाए हैं। फर्जीवाड़ा करने वाले किसानों, सीएससी/ई-मित्र संचालकों के साथ बीमा कंपनी के कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच के आदेश दिए हैं। आखिर एक ही खेत की 4 पॉलिसियों क्लेम तक कैसे पहुंच गईं?

एक ही खेत पर 4 बार में उठा लाखों का क्लेम

श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ के गांव कालूसर में खसरा नंबर 281/91 का असली मालिक किसान बनवारी लाल है। कुल जमीन 10.37 हेक्टेयर (करीब 40 बीघा) है।

पहला बीमा : किसान बनवारी लाल ने मूंगफली की फसल बोई थी, जिसका उसने बतौर ऋणी किसान खरीफ जुलाई 2025 में बीमा करवाया।

दूसरा बीमा : बनवारी लाल ने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) यानी ई-मित्र संचालक विकास कुमार के जरिए से 10.37 हेक्टेयर जमीन पर ही दूसरा बीमा करवाया।

तीसरा बीमा : किसान बनवारी लाल ने एक दूसरे सीएससी संचालक विजेश के माध्यम से फिर 10.30 हेक्टेयर जमीन का तीसरा बीमा करवाया।

किसान बनवारी लाल ने तीनों आवेदनों में मूंगफली की फसल खराबा दिखाते हुए कुल 23,35,319 रुपये का बीमा क्लेम उठा लिया।

चौथा बीमा : जमीन के बटाईदार ने भी कराया बीमा

फर्जी तरीके से क्लेम उठाने का सिलसिला यहीं नहीं रुका। बनवारी लाल ने यह जमीन रिछपाल पुत्र गिरधारी को लीज (बंटाई) पर दी हुई थी।

रिछपाल ने भी 15 जून 2025 को मूंगफली की बुवाई दिखाते हुए पूरी 10.37 हेक्टेयर जमीन पर बतौर बटाईदार किसान फसल बीमा करवा लिया। खराबा होने पर रिछपाल ने भी 7 लाख 80 हजार 195 रुपए का क्लेम उठा लिया। इस तरह 4 अलग-अलग पॉलिसी के जरिए कुल 31 लाख 15 हजार 514 रुपए का क्लेम फर्जी तरीके से उठा लिया गया।

अखिलेश-मायावती को योगी सरकार ने दी बुलेट प्रूफ जैकेट

पहली बार 52 नेताओं को बांटी, इनमें राजभर, नंदी, अपर्णा यादव का भी नाम

लखनऊ, 21 अगस्त (एजेंसियां)। योगी सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव, मायावती समेत 52 नेताओं को बुलेट प्रूफ जैकेट दी। इनमें 11 कैबिनेट मंत्री भी शामिल हैं। मंत्री संजय निषाद, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', ओपी राजभर, अपर्णा यादव को जैकेट मिल गई है।

बुलेट प्रूफ जैकेट यूपी सरकार के सुरक्षा मुख्यालय ने खरीदी है। एक जैकेट की कीमत 1.5 लाख रुपए बताई जा रही है। मंत्री संजय निषाद ने कहा- मुझे बुलेट प्रूफ जैकेट पहनना ही नहीं आता। अब तक इसे पहनना नहीं सिखाया गया है। सूत्रों के मुताबिक, विधानसभा- 2027 को देखते हुए सरकार ने एहतियातन यह फैसला लिया है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब नेताओं को बुलेट प्रूफ जैकेट मुहैया कराई गई है। पहले चरण में 8, जबकि दूसरे चरण में अब 44 नेताओं को जैकेट बांटी गई है। सरकार ने आधिकारिक तौर पर बुलेट प्रूफ जैकेट बांटने की वजह का खुलासा नहीं किया। हालांकि, सुरक्षा मुख्यालय के एक अफसर ने बताया कि पहले बुलेट प्रूफ जैकेट सुरक्षा मानकों में शामिल नहीं थी। इसे अब शामिल किया गया है।

यूपी में 98 नेता ऐसे हैं, जिन्हें किसी न किसी कैटेगरी की सुरक्षा मिली है। सिर्फ मंत्रियों या विपक्ष के बड़े नेताओं को ही नहीं, बल्कि पश्चिम यूपी में भाजपा के फायरब्रांड नेता संगीत सोम और सुरेश राणा का नाम भी बुलेट प्रूफ जैकेट पाने वालों की लिस्ट में शामिल है।

यूपी में 98 लोगों को सुरक्षा दी गई है। इनमें सबसे ज्यादा 26 लोगों को वाई कैटेगरी की सुरक्षा मिली है। वहीं, 10 को वाई-प्लस, 10 को एस्कॉर्ट के साथ वाई कैटेगरी और एस्कॉर्ट के साथ वाई-प्लस कैटेगरी की सुरक्षा 13 लोगों को मिली हुई है।

जेड-प्लस की सुरक्षा जिन 12 लोगों को मिली है, उनमें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, सीएम योगी के साथ अखिलेश यादव और मायावती भी शामिल हैं।

एल एंड टी वेयरहाउस लूटकांड का खुलासा, दो गिरफ्तार

हजारीबाग, 21 अगस्त (एजेंसियां)। हजारीबाग पुलिस ने लूट की दो घटनाओं का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें चुरचू थाना क्षेत्र में एल एंड टी कंपनी के वेयरहाउस में हुई लूट और पेलावल ओपी क्षेत्र की एक अन्य घटना शामिल है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर लूटे गए सामान भी बरामद किए गए हैं। विष्णुगढ़ सीडीपीओ फैजान अहमद ने यह जानकारी दी।

18/19 जुलाई 2026 की रात चुरचू थाना क्षेत्र में एल एंड टी कंपनी के वेयरहाउस में लूट की वारदात हुई थी। अज्ञात अपराधियों ने वेयरहाउस के गार्ड को बंधक बनाकर इस घटना को अंजाम दिया था। इस संबंध में चुरचू थाना कांड संख्या 59/26, धारा 309(4) बीएनएस के तहत अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसी तरह, पेलावल ओपी क्षेत्र में भी लूट की एक घटना सामने आई थी।

विजय शर्मा बोले-जंगल से नक्सलवाद निकाला, दिमाग से भी निकालेंगे

कहा–तुष्टीकरण के कारण सीमित हुआ वंदे मातरम, भाजपा के विरोध में देश का विरोध न करें

दुर्ग-भिलाई, 21 अगस्त (एजेंसियां)। दुर्ग में गुरुवार को गृहमंत्री विजय शर्मा ने वंदे मातरम, नक्सलवाद और जेल में बंद नक्सल मामलों के आरोपियों समेत कई मुद्दों पर सरकार का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कांग्रेस की ओर से वंदे मातरम के दो पैरा गाने की बात पर कहा कि देश में जो व्यवस्था तय हुई है, उसका पूरा पालन होना चाहिए।

विजय शर्मा ने कहा कि पहले वंदे मातरम पूरा गाया जाता था, लेकिन बाद में तुष्टीकरण के कारण इसे सीमित कर दिया गया। अब देश अपने स्वाभिमान और मान-बिंदुओं के साथ खड़ा है, इसलिए वंदे मातरम को लेकर भी पहले की व्यवस्था बहाल होनी चाहिए।

गृहमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि किसी मुद्दे को राजनीतिक विवाद का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। भाजपा का विरोध करने के चक्कर में देश का विरोध नहीं होना चाहिए। वंदे मातरम और तिरंगा किसी

राजनीतिक दल के नहीं, बल्कि पूरे देश के हैं।

विजय शर्मा ने कहा कि तिरंगा यात्रा भाजपा की नहीं, बल्कि देश के नागरिकों की यात्रा है। सरकार ने जंगलों से नक्सलवाद को बाहर किया है, जिसके दिमाग में नक्सल होगा, उसे दिमाग से भी निकालेंगे।

दरअसल दुर्ग में 20 अगस्त को भाजपा कोर ग्रुप की बैठक थी, जिसमें शामिल होने उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा भी पहुंचे थे। इस दौरान दिमागी नक्सलवाद को लेकर कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम के बयान पर सवाल पूछा गया।

इस पर विजय शर्मा ने नक्सलवाद का मुद्दा उठाते हुए कहा कि नक्सल आखिर कहां होता है?

उन्होंने कहा कि नक्सलवाद सिर्फ जंगल में नहीं, बल्कि दिमाग में भी होता है। जब किसी व्यक्ति के दिमाग में नक्सली सोच पैदा होती है, तभी वह हथियार उठाता है।

उन्होंने बस्तर में नक्सली हिंसा से प्रभावित लोगों का जिक्र करते हुए कहा कि कई लोगों ने आईईडी विस्फोटों में अपने पैर गंवाए हैं, जबकि कई परिवारों ने अपने लोगों को खोया है। ऐसी हिंसा पर किसी को गर्व कैसे हो सकता है।

विजय शर्मा ने ताड़मेटला में 76 जवानों की मौत का भी जिक्र किया और नक्सलवाद को लेकर कांग्रेस के पुराने रुख पर सवाल उठाए। विजय शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार के खिलाफ बोलने और उसकी आलोचना करने की पूरी आजादी है। सरकार से सवाल करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, समाज में वैमनस्य फैलाना या देश में अराजक स्थिति पैदा करने की कोशिश स्वीकार नहीं की जाएगी।

जेल में बंद नक्सल आरोपियों के मामलों की समीक्षा

गृहमंत्री ने सालों से जेल में बंद नक्सल मामलों के आरोपियों को लेकर सरकार की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पुराने मामलों में करीब 1300 लोग जेल में बंद हैं। इन मामलों को अलग-अलग श्रेणियों में बांटकर समीक्षा की जा रही है।

भोजशाला के पास 500 नमाजियों ने अदा की नमाज

इलाका सफेद पर्दों से कवर, दोनों समुदायों की एंट्री–एग्जिट अलग, हिंदू संगठनों ने किया हनुमान चालीसा पाठ

धार, 21 अगस्त (एजेंसियां)। धार में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार भोजशाला से सटे खसरा नंबर 612 पर मुस्लिम समुदाय ने जुमे की नमाज अदा की। यह नई व्यवस्था के तहत चौथा शुक्रवार है। इस बार नमाजियों की संख्या पिछले शुक्रवारों से अधिक रही। करीब 400 से 500 नमाजी निर्धारित स्थान पर पहुंचे। मुख्य द्वार तक नमाजियों की भीड़ रही।

नमाज को लेकर प्रशासन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए थे। भोजशाला और नमाज स्थल, दोनों तरफ बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। नमाज स्थल के चारों तरफ बैरिकेडिंग की गई। पूरे इलाके को सफेद पर्दों से कवर कर दिया गया, ताकि कहीं

से भी कोई प्रवेश न कर सके। दोनों पक्षों के लिए अलग-अलग रास्ते बनाए गए थे।

जुमे की नमाज के दौरान भोजशाला में दोपहर को हनुमान चालीसा का पाठ और भजन-कीर्तन चलता रहा। श्रद्धालु पूजन-दर्शन करते रहे। घंटे-घड़ियाल, झांझ-मंजीरे और शंख की ध्वनि गूंजती रही। भोजशाला मामले में सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 29 अक्टूबर 2026 को तय की गई है। सभी पक्षों को जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

भोज उत्सव समिति के संरक्षक विश्वास पांडे ने कहा, हम तो प्रत्येक शुक्रवार को हनुमान चालीसा का पाठ करते आए हैं और करते रहेंगे। हमें सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा का जो अधिकार हिंदू समाज को मिला है, उसी के तहत हम पूजा-पाठ कर रहे हैं।

उन्होंने कहा- उससे (नमाज से) हमारा कोई लेना-देना नहीं है। हमें तो सिर्फ सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा का जो अधिकार मिला है, उसका हम माननीय न्यायालय के आदेश के तहत पालन कर रहे हैं और करते रहेंगे। भोजशाला हिंदुओं का मंदिर है। मां सरस्वती का स्थान है।

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड में 4 की जगह अब 2 लाख

पटना, 21 अगस्त (एजेंसियां)। नीतीश कुमार के 7 निश्चय योजना के तहत शुरू हुए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना में सम्राट सरकार ने बदलाव किया है। अब बिहार के छात्रों को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 4 लाख की जगह 2 लाख ही मिलेंगे। सरकार ने एक तरफ योजना को 2026 से 2031 तक जारी रखने और वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 950 करोड़ रुपए मंजूर किया है। वहीं स्टडी लोन आधा हो गया है। सरकार के फैसले पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने X पर पोस्ट किया- 'सरकार का खजाना खाली है। बिहार में उच्च घाटे के साथ-साथ भारी कर्ज का बोझ अत्यधिक चिंता का विषय है।

यूपी के 13 जिलों में बाढ़, बाजार में नावें चलीं

मंत्री बाढ़ प्रभावितों से मिलने ट्रैक्टर से पहुंचे, 65 जिलों में बारिश का अलर्ट

लखनऊ/वाराणसी, 21 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। गंगा, यमुना और घाघरा समेत 6 नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। 13 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। एक लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का पानी बाजार तक पहुंच गया है। सड़कों पर नावें चल रही हैं। गुप्त गोदावरी की दोनों गुफाएं पर्यटकों के लिए बंद कर दी गई हैं।

बहराइच के कई गांव जलमग्न हैं। गुरुवार को मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने ट्रैक्टर पर बैठकर बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। लोगों से मिलकर उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। प्रयागराज में गंगा-यमुना उफान पर हैं। रसूलाबाद से नागवासुकी मंदिर तक जाने वाली रिवर फ्रंट रोड डूब गई है। गंगा का पानी 'लेटे हुए' हनुमान मंदिर कॉरिडोर तक पहुंच गया है।

काशी में विश्वनाथ मंदिर का गंगा द्वार बंद कर दिया गया है। मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट के शवदाह स्थल जलमग्न हो गए हैं।

अब हरिश्चंद्र घाट पर गलियों और सीढ़ियों पर, जबकि मणिकर्णिका घाट पर छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है। दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती भी छत पर कराई जा रही है। नमो घाट जलमग्न हो गया है।

शुक्रवार तड़के प्रयागराज और कौशांबी समेत 5 जिलों में बारिश हुई। सुबह से काले घने बादल छाए हैं। प्रयागराज में 5 दिन से लगातार रुक-रुक बारिश हो रही है। दारागंज, करेली और सलोरी जैसे इलाकों में घरों में 3-3 फीट पानी भरा है। 2 हजार से ज्यादा छात्रों ने हॉस्टल छोड़ दिया है।

इधर, लखनऊ, कानपुर और वाराणसी समेत ज्यादातर शहरों में मौसम साफ है। बादलों की आवाजाही के बीच हल्की हवाएं चल रही हैं। आज मौसम विभाग ने 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

पिछले 72 घंटे की बात करें तो बारिश की वजह से मकान ढहने से 6 लोगों की मौत हुई है। मिर्जापुर में 3, जौनपुर में 2 और अमेठी में 1 की जान चली गई।

कॉमनवेल्थ मेडलिस्ट झंडु के भाई बख्तियारपुर स्टेशन से लापता

नालंदा, 21 अगस्त (एजेंसियां)। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले पैरा पावरलिफ्टर झंडु कुमार के बड़े भाई संतोष पासवान संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए हैं। गुरुवार देर रात वे हरनौत स्थित अपने घर से एक ऑटो के जरिए बख्तियारपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे। इसके बाद से उनका कोई सुराग नहीं मिल पा रहा है।

परिजन अनहोनी की आशंका से परेशान होकर स्टेशन और आसपास के इलाकों में उनकी तलाश कर रहे हैं, लेकिन संतोष का शुक्रवार दोपहर बाद तक कुछ पता नहीं चल पाया।

संतोष के भाई कुंदन कुमार ने बताया कि परिवार का आलू-प्याज और सब्जी का कारोबार है। संतोष पिछले चार-पांच दिनों से दुकान नहीं खोल रहे थे और दिनभर घर पर रहते थे। इसी बात को लेकर गुरुवार को घर में उनका पत्नी के साथ विवाद और कहासुनी हो गई थी। पारिवारिक तनातनी और गुस्से के माहौल में संतोष रात करीब 9 बजे घर से निकल गए। जल्दबाजी और गुस्से में वह अपना मोबाइल फोन भी घर पर ही छोड़ गए, जिसके चलते उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है।

परिवार के सदस्यों का कहना है कि घर में किसी प्रकार का कोई विवाद या कलह नहीं था और न ही उनकी किसी से कोई पुरानी रंजिश थी। मां-पिता हरनौत बाजार में सड़क किनारे आलू-प्याज बेचकर घर चलाते हैं। पूरा परिवार एक किराए के कमरे में रहता है।

भाई कुंदन कुमार ने बताया कि संतोष जब काफी देर तक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। तलाश के दौरान हरनौत के ही एक स्थानीय ऑटो ड्राइवर ने बताया कि संतोष उसी के ऑटो में बैठकर बख्तियारपुर गए थे। ड्राइवर ने उन्हें रात में बख्तियारपुर रेलवे स्टेशन के ठीक नीचे सड़क किनारे छोड़ा था। इसके बाद वे स्टेशन के भीतर गए या कहीं और निकल गए। शुक्रवार सुबह परिजन स्टेशन परिसर के सीसीटीवी कैमरों को खंगालना शुरू किया, लेकिन दोपहर बाद तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया। परिवार के कुछ लोग संतोष की तस्वीर लेकर मार्केट और अन्य इलाकों में उन्हें ढूंढने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

गुजरात में जहरीली शराब पीने वाला एक शख्स ब्रेन डेड

दो दिनों में 8 की मौत, 5 की हालत गंभीर, 25 लोगों का इलाज चल रहा

भावनगर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। शराबबंदी वाले गुजरात में नकली शराब से अब तक 9 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, शुक्रवार को सूरत में रहने वाले संजयसिंह डोडिया नाम के एक युवक को ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। इस युवक ने भी 16 अगस्त की रात को भावनगर में शराब पार्टी की थी।

शराब पीने के बाद संजय रात को ही सूरत लौट आया था। सुबह तक उसकी हालत बेहद नाजुक हो गई थी। उसे सूरत के आईएनएस अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। संजय पिछले तीन दिनों से वेंटिलेटर पर था। गुरुवार की रात संजय को हार्ट अटैक आया और आज सुबह उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। भावनगर में अब भी 25 लोग अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं, इनमें 5 की हालत गंभीर है। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। मामला 16 अगस्त की रात घोघा के खरकड़ी गांव से शुरू हुआ। यहां एक युवक ने पुलिस में भर्ती होने की खुशी में शराब पार्टी रखी थी। शराब घनश्याम नाम के एक तस्कर से ली गई थी। नकली शराब विदेशी बोतलों में भरी थी। पार्टी के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। कुछ लोगों की हालत इतनी तेजी से बिगड़ी कि उन्हें अस्पताल पहुंचाने का भी वक्त नहीं मिला।

सुसाइड करने पहुंचे बेटे को बचाने में मां-बाप की भी मौत

छत्रपति संभाजीनगर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में शुक्रवार को माता-पिता और बेटे समेत 3 लोगों की मौत हो गई। 18 साल का युवक सुसाइड करने के इरादे से पहाड़ी पर पहुंचा था।

पिता उसे चट्टान से पीछे खींचने की कोशिश कर रहे थे लेकिन दोनों पहाड़ी से नीचे गिर गए। पति और बेटे की मौत अपनी आंखों के सामने देखने के बाद मां ने भी पहाड़ी से छलांग लगा दी। तीनों की मौत हो गई। घटना तिसगांव इलाके के खावड्या पहाड़ की है। लड़का सुसाइड क्यों करने पहुंचा था इसकी वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि तिसगांव के पूर्व सरपंच का दावा है कि सुसाइड करने वाला लड़का आईफोन लेना चाहता था।

पुलिस ने बताया कि कुणाल चंदगुडे (19) सुबह करीब 10 बजे पहाड़ी पर चढ़ गया था। बताया जा रहा है कि मोबाइल फोन की मांग को लेकर माता-पिता से हुए झगड़े के बाद उसने आत्महत्या करने का इरादा किया था। छत्रपति संभाजीनगर के जल्दा फाटा इलाके में रहने वाले उसके माता-पिता, मुरलीधर (48) और संगीता चंदगुडे, उसे रोकने के लिए वहां पहुंचे। गांव के लोग भी उनके साथ पहुंचे। करीब तीन घंटे तक लोग उसे नीचे आने के लिए कहते रहे। उन्होंने कुणाल से कहा कि वह नीचे आ जाए, उसे मोबाइल फोन देने की बात भी कही।

पाकिस्तान और ईरान संकट ने एयर इंडिया और इंडिगो को दिया जोर का झटका, विदेशी एयरलाइंस की चांदी

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच पिछले कई महीनों से चल रहे युद्ध का असर अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा पर पड़ा है। लेकिन विदेशी एयरलाइन कंपनियों की तुलना में भारतीय एयरलाइंस पर इसका ज्यादा असर देखने को मिला है। एयरलाइन कंपनियों के लिए अप्रैल-जून पीक सीजन होता है। लेकिन इस दौरान भारतीय एयरलाइंस के इंटरनेशनल पैसेंजर ट्रैफिक में भारी गिरावट आई जबकि विदेशी एयरलाइंस ने बढ़ोतरी दर्ज की। टीओआई की एक रिपोर्ट में डीजीसीए के गुरुवार को जारी आंकड़ों के हवाले से यह बात सामने आई है।

अप्रैल-जून तिमाही के दौरान भारत आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या 10.5% घटकर 1.7 करोड़ रह गई। इस दौरान भारतीय एयरलाइंस के इंटरनेशनल पैसेंजर ट्रैफिक में 26% की भारी गिरावट आई। इस दौरान विदेशी एयरलाइंस के ट्रैफिक में तेजी आई।

विदेशी एयरलाइंस को फायदा

दुबई की बड़ी एयरलाइन एमिरेट्स को इस बात का फायदा मिला कि यूएई ने अप्रैल-जून तिमाही में लंबे समय तक विदेशी एयरलाइंस की उड़ानों को काफी सीमित कर दिया था। इससे एमिरेट्स का भारत से आने-जाने वाला ट्रैफिक 7% बढ़कर 14.8 लाख हो गया। पिछले साल इस अवधि में यह 13.8 लाख था। इसी तरह अबू धाबी की एतिहाद एयरवेज के भारत ट्रैफिक में पिछले साल अप्रैल-जून के 8.5 लाख के आंकड़े के मुकाबले सिर्फ 1,939 यात्रियों की कमी आई। लेकिन भारतीय एयरलाइंस के लिए ईरान युद्ध नई मुसीबत बनकर आया। पिछले साल अप्रैल से पाकिस्तान का एयरस्पेस बंद होने के कारण उन्हें लंबा रूट लेना पड़ रहा है। एयर इंडिया और इंडिगो के लिए दिल्ली सबसे बड़ा हब है। लेकिन दिल्ली से पश्चिमी देशों को जाने वाली उड़ानों को लंबा रास्ता लेना पड़ रहा है।जून 2025 में अहमदाबाद में हुए एयर क्रैश के बाद विदेशी उड़ानों में कटौती के कारण एयर इंडिया ग्रुप (एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस) के इंटरनेशनल पैसेंजर ट्रैफिक में 35% की गिरावट आई। इंडिगो का इंटरनेशनल पैसेंजर ट्रैफिक अप्रैल-जून 2025 में 39.5 लाख से 15.4% घटकर 33.4 लाख रह गया। दूसरी ओर, लुफ्थांसा, स्विस और ब्रिटिश एयरवेज जैसी कुछ पश्चिमी एयरलाइंस ने इस मौके का फायदा उठाते हुए भारत के लिए अपनी उड़ानें बढ़ा दी। लुफ्थांसा ने इस अप्रैल-जून में भारत से आने-जाने वाले 3.7 लाख यात्रियों को सेवा दी, जबकि एक साल पहले यह संख्या 3.5 लाख थी। ब्रिटिश एयरवेज ने अप्रैल-जून 2025 में 2.9 लाख से ज्यादा लोगों को यात्रा कराई।

सोना 3 दिन में 6,400 उछला, चांदी 14,000 महंगी

कहां पहुंच गया भाव और आगे कैसी रहेगी चाल?

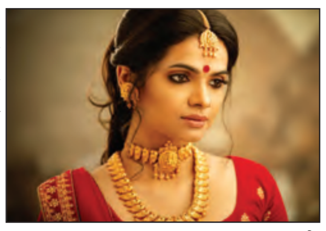

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमत में आज लगातार तीसरे दिन तेजी आई है। डॉलर के कमजोर होने और अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट की ओर से लॉन्ग टर्म यील्ड को कंट्रोल में रखने की कोशिशों से सोने और चांदी को सपोर्ट मिला।

अमेरिकी डॉलर में साप्ताहिक गिरावट देखी जा रही है। इससे दूसरी करेंसी रखने वालों के लिए डॉलर में कीमत वाली कमोडिटीज सस्ती हो गई हैं। एमसीएक्स पर सितंबर 2026 डिलीवरी के लिए सिल्वर फ्यूचर्स 2,986 बढ़कर 2,46,229 प्रति किलो तक पहुंच गया। पिछले सत्र में यह 2,43,243 पर बंद हुआ था। इसी तरह अक्टूबर 2026 डिलीवरी के लिए गोल्ड फ्यूचर्स 1,205 बढ़कर 1,60,630 प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। पिछले तीन सेशन में चांदी की कीमत में 14,000 का उछाल आया है जबकि सोने की कीमत में लगभग 6,500/10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई है।

सर्राफा कीमत

इस बीच सर्राफा मार्केट में भी सोने और चांदी की कीमत में तेजी आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 1,210 रुपये की तेजी के साथ 1,60,480 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इसी तरह 22 कैरेट वाला सोना भी 1,100 रुपये ऊपर 1,47,100 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। 18 कैरेट वाला सोना 900 रुपये ऊपर 1,20,360 रुपये पर है। चांदी भी 5,000 रुपये की तेजी के साथ 2,60,000 रुपये प्रति किलो पर ट्रेड कर रही है।

सोने और चांदी की इंटरनेशनल कीमतें

स्पॉट गोल्ड की कीमत पिछले सेशन में जून की शुरुआत के बाद से अपने उच्चतम स्तर को छूने के बाद $4,514.23 प्रति औंस पर स्थिर रही। इस हफ्ते इस मेटल की कीमत में 3.2% की बढ़ोतरी हुई। वहीं यूएस गोल्ड फ्यूचर्स $4,571.20 पर स्थिर रहे। इसी तरह स्पॉट सिल्वर की कीमत भी फ्लैट $68.03 प्रति औंस पर रही।

क्या करें निवेशक?

जानकारों का कहना है कि एमसीएक्स पर सोने के लिए सपोर्ट 1,58,000-1,56,650 रुपये और रेजिस्टेंस 1,60,600-1,61,800 रुपये है। इसी तरह चांदी के लिए सपोर्ट Rs 2,41,000-2,38,800 रुपये और रेजिस्टेंस Rs 2,46,600-2,50,000 रुपये है। 1,58,500-1,57,000 रुपये के आसपास गिरावट पर सोना खरीदा जा सकता है। इसमें स्टॉप लॉस 1,55,500 रुपये से नीचे और टारगेट 1,60,600-1,61,800 रुपये होगा।

रक्षाबंधन पर देश में लगभग 25 हजार करोड़ रुपये का हो सकता है व्यापार, उद्योग जगत का क्या अनुमान

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षाबंधन का पर्व केवल भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी उत्पादों के प्रति बढ़ते विश्वास और राष्ट्रभावना का भी उत्सव बन गया है। देशभर के बाजारों में स्वदेशी राखियों की अच्छी मांग देखी जा रही है और विभिन्न राज्यों में तैयार की गई विशिष्ट भारतीय राखियां उपभोक्ताओं का विशेष आकर्षण बनी हुई हैं। कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री शंकर ठक्कर ने कहा कि इस वर्ष रक्षाबंधन के अवसर पर देशभर में लगभग 25 हज़ार करोड़ रुपये का व्यापार का अनुमान है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 45 प्रतिशत अधिक है जबकि उपहार, मिठाई, वस्त्र एवं अन्य त्योहारी उत्पादों को मिलाकर कुल व्यापार 30 हज़ार करोड़ रुपये से अधिक तक पहुंच सकता है।पिछले वर्ष राखी का व्यापार देश भर में लगभग 17 हज़ार रुपए का हुआ था वहीं वर्ष 2023 में यह व्यापार 12 हज़ार करोड़ रुपये का हुआ था। कैट के अनुसार देशभर के बाजारों में इस वर्ष भी चीनी राखियों की कोई मांग नहीं है। व्यापारियों एवं उपभोक्ताओं ने पूरी तरह स्वदेशी राखियों को अपनाया है और बाजारों में केवल भारतीय निर्मित राखियां ही उपलब्ध हैं।

मामूली बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

पश्चिम एशिया की चिंताएं बाजार पर हावी

मुंबई, 21 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन उतार-चढ़ाव के बाद सपाट बंद हुए। पश्चिम एशिया में बनी अनिश्चितताओं के कारण प्रमुख सूचकांकों की तेजी सीमित रही। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 3 अंक से अधिक बढ़कर 77,541 के स्तर पर पहुंचा। वहीं, निफ्टी 50 में 20 अंकों की वृद्धि दर्ज की गई और यह 24,252 पर बंद हुआ। बाजार में शुक्रवार का दिन उतार-चढ़ाव भरा रहा। हालांकि, अंततः बाजार ने सकारात्मक रुख के साथ कारोबार समाप्त किया। मध्य पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस कारण बाजार में बड़ी तेजी देखने को नहीं मिली। व्यापक बाजारों ने प्रमुख सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। कुछ चुनिंदा शेयरों में अच्छी हलचल देखी गई। पावर ग्रिड के शेयरों में 3 फीसदी की वृद्धि हुई। इसके विपरीत, ट्रेंट के शेयरों में 2 फीसदी की गिरावट आई।

भारतीय बाजार में तेजी क्यों थमी?

भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को अपनी बढ़त को आगे बढ़ाया। परंतु मध्य पूर्व में बनी अनिश्चितताओं ने इस तेजी को रोक दिया। निवेशक वैश्विक घटनाक्रमों को लेकर सतर्क बने रहे। इस सतर्कता के चलते बेंचमार्क सूचकांकों में बड़ी उछाल नहीं आ सकी। बाजार में निवेशकों ने सावधानीपूर्वक कारोबार किया। यह स्थिति वैश्विक तनाव के कारण बनी हुई है।

वैश्विक बाजारों का क्या हाल रहा?

वैश्विक बाजारों में शुक्रवार को मिला-जुला रुख देखने को मिला। एसएंडपी 500 वायदा में लंदन समय अनुसार सुबह 6:54 बजे तक बहुत कम बदलाव आया। नैस्डैक 100 वायदा में 0.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। एमएससीआई एशिया प्रशांत सूचकांक 0.7 फीसदी ऊपर रहा। एमएससीआई उभरते बाजार सूचकांक में 0.9 फीसदी की वृद्धि हुई। जापान का टॉपिक्स सूचकांक लगभग अपरिवर्तित रहा।ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 सूचकांक 0.3 फीसदी गिर गया। हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 0.8 फीसदी ऊपर चढ़ा। शंघाई कंपोजिट सूचकांक में 0.2 फीसदी की गिरावट आई। यूरो स्टॉक्स 50 वायदा में भी बहुत कम बदलाव देखा गया।

हेलमेट बांटने में लोम्बार्ड ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। जनरल इंश्योरेंस कंपनी आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है। कंपनी ने 12 घंटे में सबसे ज्यादा हेलमेट बांटने का रिकॉर्ड बनाया है। 10 अगस्त 2026 को नई दिल्ली में 12 घंटे के दौरान कुल 25,468 हेलमेट बांटे गए। यह रिकॉर्ड कंपनी के प्रमुख रोड सेफ्टी सीएसआर अभियान 'राइड टु सेफ्टी' के तहत बनाया गया। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और हेलमेट पहनने को बढ़ावा देना है। कंपनी ने यह पहल खास तौर पर टू-व्हीलर चलाने वाले लोगों और पीछे बैठने वाले यात्रियों के बीच हेलमेट के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए की। यह उपलब्धि कंपनी के 25वें साल में हासिल हुई है और सड़क सुरक्षा को लेकर आईसीआईसीआई लोम्बार्ड की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता को दिखाती है। 10 अगस्त को यह अभियान 14 जगहों पर आयोजित किया गया, जिसमें 13 स्कूल शामिल थे। इस दौरान छात्रों और उनके माता-पिता को हेलमेट बांटे गए। साथ ही, सड़क सुरक्षा रैली को माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर आईसीआईसीआई लोम्बार्ड के वरिष्ठ अधिकारी और सरकार व पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। कंपनी की सिल्वर जुबली यानी 25वीं वर्षगांठ के मौके पर इस अभियान का आयोजन किया गया। यह सड़क पर जिम्मेदारी से व्यवहार करने और हेलमेट जैसे सुरक्षा उपकरणों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की कंपनी की पिछले 10 साल से चल रही कोशिशों का हिस्सा है। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड में हेड - मार्केटिंग, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस एंड सीएसआर, शीना कपूर ने कहा कि, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का खिताब हासिल करना हम सभी के लिए एक गर्व का पल है और हमारी 25 साल की यात्रा का एक खास मोड़ है। साल 2015 से ही सड़क सुरक्षा हमारी समाज सेवा की पहलों का मुख्य हिस्सा रही है, और 'राइड टू सेफ्टी' अभियान के जरिए हम इस वादे को पूरे भारत में लोगों तक पहुंचा पाए हैं। सिर्फ 12 घंटे में 25,000 से भी ज्यादा हेलमेट बांटना यह दिखाता है कि जब सब मिलकर काम करते हैं तो कितना बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

खाना पकाने वाले तेल की खुली बिक्री पर महाराष्ट्र में रोक लगी

कुछ को फायदा तो इन्हें नुकसान

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने कल ही खाना बनाने के तेल या खाने योग्य तेल पर बड़ा फैसला किया है। राज्य के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट या एफडीए ने राज्य में एडिबल ऑयल की खुली बिक्री पर रोक लगा दी है। इस फैसले से एडिबल ऑयल इंडस्ट्री खुश है। लेकिन अपने घर में ही तेल पेड़ने की मशीन लगा कर छोटे स्तर पर काम करने वाले कारोबारी परेशान हैं। जानते हैं पूरी बात।

महाराष्ट्र एफडीए ने कल यानी गुरुवार को एक आदेश निकाला। इसमं बताया गया है कि अब राज्य में सिर्फ सीलबंद, टैम्पर प्रूफ और पूरी तरह से लेबल्ड पैकेज्ड एडिबल ऑयल ही बिकेंगे। मतलब कि अब लूज या अनपैकेज्ड खाना बनाने का तेल बाजार या किसी दुकान में नहीं बिकेगा। जो भी इसका उल्लंघन करेंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होगी।एडिबल ऑयल सेक्टर का शीर्ष संगठन तेल उद्योग और व्यापार के लिए केंद्रीय संगठन (सीओओआईटी) के चेयरमैन सुरेश नागपाल कहते हैं कि यह कोई नया फैसला नहीं है। इस तरह का फैसला केंद्र सरकार की तरफ से 1998-99 में ही लिया जा चुका है। उस समय देश के कुछ इलाकों में ड्रॉप्सी का प्रकोप हुआ था। इसमें कई लोगों की जान भी चली गई थी। ड्रॉप्सी की वजह मिलावटी सरसों तेल थी। इसके बाद केंद्र सरकार की एक एजेंसी ने पूरे देश में खुले तेल की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। उनका कहना है कि महाराष्ट्र सरकार के नए आदेश के बाद फर्क यह पड़ेगा कि शिथिल पड़ गई एजेंसियां एक बार फिर से सक्रिय हो जाएंगी। इससे तेल की गुणवत्ता बनी रहेगी, मिलावटखोरों पर लगाम लगेगी और लोगों की सेहत पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। बैल कोल्हू ब्रांड से सरसों तेल एवं कुछ अन्य एडिबल ऑयल बेचने वाली कंपनी बीएल एग्रो के एमडी आशीष खंडेलवाल ने भी महाराष्ट्र एफडीए क इस कदम का स्वागत किया है। उनका कहना है कि साल 2014 में उत्तर प्रदेश सरकार ने भी कुछ इसी तरह का एक आदेश निकाला था।

इस प्रतिबंध के बाद लोगों को मिलावट रहित खाद्य तेल उपलब्ध होंगे। लोगों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य तेल मिलेगा और उनकी सेहत भी बनी रहेगी। सरकार के इस फैसले से वैसे छोटे कारोबारी नाराज हैं जो अपने घर में कोल्हू लगाए हुए हैं। ये अपने घरों में ही एक्सपेलर मशीन या कोल्हू लगाए हुए हैं और सरसों पेड़ कर लोगों को शुद्ध सरसों तेल की बिक्री करते हैं। अब इन्हें एफडीए से लाइसेंस लेना होगा और सीलबंद पैक में लेबल्ड प्रोडक्ट बेचना होगा। इस चक्कर में इन्हे सरकारी दफ्तरों का चक्कर लगाना होगा। खर्च तो बढ़ेगा, वह अलग है।

अनिल अग्रवाल की कंपनी हिंदुस्तान जिंक का शेयर दो दिन में 7% उछला, कहां से मिला बूस्ट?

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाले वेदांता ग्रुप की कंपनी हिंदुस्तान जिंक के शेयरों में शुक्रवार को 4 फीसदी से ज्यादा तेजी आई। कंपनी के शेयरों में लगातार दूसरे दिन तेजी आई। दो दिन में यह 7 फीसदी से अधिक उछल चुका है। हिंदुस्तान जिंक दुनिया में चांदी की सबसे बड़ी उत्पादक कंपनियों में शामिल है। चांदी की कीमत में आज लगातार तीसरे दिन तेजी रही जिसका असर हिंदुस्तान जिंक के शेयरों पर भी देखने को मिला। कंपनी का शेयर बीएसई पर पिछले सत्र में 573 रुपये पर बंद हुआ था और आज यह 580.90 रुपये पर खुला। कारोबार के दौरान यह 598.50 रुपये तक चढ़ा। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 2.50 लाख करोड़ रुपये के ऊपर पहुंच गया। हिंदुस्तान जिंक के शेयर का 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 732.60 रुपये है।

वेदांता एल्युमीनियम मेटल भी चढ़ा

इस बीच वेदांता ग्रुप की एक और कंपनी वेदांता एल्युमीनियम मेटल के शेयरों में 2% से ज्यादा तेजी आई। बीएसई पर पिछले सत्र में यह 435.80 रुपये पर बंद हुआ था और आज 438.50 रुपये पर खुला। कारोबार के दौरान यह 444.95 रुपये तक पहुंचा। एनएसई पर यह 2% से ज्यादा बढ़कर 444.65 रुपये तक गया। कंपनी ने अपनी प्राइमरी फाउंड्री अलॉय रेंज के तहत दो नए एडवांस्ड प्रोडक्ट लॉन्च करके अपने ऑटोमोटिव सॉल्यूशंस पोर्टफोलियो को बढ़ाने का ऐलान किया है।

चांदी की कीमत

एमसीएक्स पर चांदी की कीमत पिछले तीन दिन में करीब 14,000 रुपये प्रति किलो तक चढ़ी है। आज ट्रेडिंग के दौरान यह 2,47,699 रुपये किलो तक उछली। डॉलर के कमजोर होने और यूएस ट्रेजरी डिपार्टमेंट की ओर से लॉन्ग टर्म यील्ड को कंट्रोल में रखने की कोशिशों के कारण चांदी की कीमत में तेजी आई है।

अल-नीनो: घटते आयात व कम पैदावार के चलते महंगी हो सकती हैं दालें, कीमत वृद्धि रोकने के लिए सरकार ने कसी कमर

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। अल-नीनो के खतरे के कारण घरेलू उत्पादन में गिरावट की चिंताओं के बीच दालों के घटते आयात ने महंगाई बढ़ने का खतरा बढ़ा दिया है। इतना ही नहीं निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट ने 70 फीसदी सूखे की आशंका जताई है, जो व्यापारियों के साथ ही साथ उपभोक्ताओं के लिए भी चिंताजनक है। हालांकि सरकार का कहना है कि दालों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद होने के कारण घबराने की आवश्यकता नहीं है। कैलेंडर वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में भारत का दाल आयात घटकर 31.80 लाख टन रह गया, जो एक साल पहले के 32.27 लाख टन से 1.46 पीसदी कम है। इस अवधि के दौरान तुअर का आयात 5.05 लाख टन रहा। अधिकांश आपूर्ति मोजाम्बिक, तंजानिया और सूडान जैसे अफ्रीकी उत्पादक देशों से हुई। इस वर्ष जनवरी-जून के दौरान मोजाम्बिक 1.83 लाख टन से अधिक आपूर्ति के साथ तुअर का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता रहा। इसके बाद म्यांमार से 1.23 लाख टन, तंजानिया से 1.01 लाख टन और सूडान से लगभग 49,049 टन दाल का आयात हुआ। देश में प्रति वर्ष कुल दलहन उत्पादन 256.83 लाख टन है। इसमें सबसे ज्यादा हिस्सा चना दाल का करीब 40 फीसदी है। अरहर दाल का उत्पाद 15 से 20 फीसदी, जबकि उड़द व मूंग का 8 से 10 फीसदी हिस्सा है।

मुख्य चिंता पैदावार से जुड़ी

खरीफ दालों की बुवाई 108 लाख हेक्टेयर में हो चुकी है, जो अच्छी रिकवरी दर्शाती है। हालांकि, मुख्य चिंता प्रति हेक्टेयर पैदावार को लेकर है। दालों की फसल को बीच के चरण में अच्छी बारिश की जरूरत होती है। अगस्त के अंत से सितंबर तक अल नीनो के मजबूत होने के संकेत हैं, जिसका सीधा नकारात्मक असर दालों की उत्पादकता पर पड़ सकता है।

कीमतों पर पड़ रहा असर

कुंवर जी ग्रुप के डायरेक्टर व हेड ऑफ रिसर्च रवि देवड़ा का कहना है कि हाल के दिनों में चना 6,100 से बढ़कर 6,400 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गया था। उड़द और तुअर की कीमतें भी बढ़ी हैं, लेकिन ऊंचे आयात के कारण तुअर की कीमतों में एक सीमा तक ठहराव देखा गया। त्योहारी सीजन के दौरान मांग बढ़ेगी। जिससे कीमतें बढ़ सकती हैं।

महंगाई पर लगाम लगाने की तैयारी

केंद्र सरकार आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए दालों की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए पूरी तरह सतर्क है। सरकार ने लगभग 30 लाख टन दालों का बफर स्टॉक तैयार किया है। जरूरत पड़ने पर बफर स्टॉक से बाजार में दालों की आपूर्ति की जाएगी। इस बफर स्टॉक में अरहर, उड़द, मूंग, चना और मसूर शामिल हैं। सरकार बाजार की कीमतों पर लगातार नजर रखे हुए है। जैसे ही कीमतों में असामान्य तेजी दिखेगी, तय अंतराल और योजनाबद्ध तरीके से दालों को बाजार में उतारा जाएगा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	सिंह	मे
चंद्र	वृश्चिक	मे
मंगल	मिथुन	मे
बुध	कर्क	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	कन्या	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय		
सिंह---	05-44	बजे
कन्या---	07-50	बजे
तुला----	08-54	बजे
वृश्चिक---	12-05	बजे
धनु----	14-20	बजे
मकर--	16-24	बजे
कुंभ---	18-16	बजे
मीन---	19-53	बजे
मेष----	21-29	बजे
वृष-----	23-13	बजे
मिथुन--	01-16	बजे
कर्क----	03-32	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर **,** ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्योदय **06-01**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष, सूर्यास्त. **18-42**
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - श्रावण शुक्ल पक्ष शनिवार **22 August 2026**
तिथि - दशमीं **02-00** तक उपरान्त एकादशी
नक्षत्र - ज्येष्ठा **14-49** तक उपरान्त मूल
योग - विष्कुंभ **05-18** अहोरात्र तक
करण - तैतिल **12-48** तक उप गर
विशेष: मूल नक्षत्र शांति दिवस

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 09-10 से 10-45 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र **Ph 9247132654**

दिन का चौघड़िया		
काल	06-01 - 07-36	अशुभ
शुभ	07-36 - 09-10	शुभ
रोग।।	09-10 - 10-45	अशुभ
उत्पात	10-45 - 12-19	अशुभ
चंचल	12-19 - 13-53	शुभ
लाभ	13-53 - 15-28	शुभ
अमृत	15-28 - 17-02	शुभ
काल	17-02 - 18-42	अशुभ

रात का चौघड़िया		
लाभ	18-42 - 20-02	शुभ
उत्पात	20-02 - 21-28	अशुभ
शुभ	21-28 - 22-53	शुभ
अमृत	22-53 - 00-19	शुभ
चंचल	00-19 - 01-45	शुभ
रोग	01-45 - 03-10	अशुभ
काल	03-10 - 04-36	अशुभ
लाभ	04-36 - 06-01	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं और अपने सपनों का पीछा करने के साथ , आप सुनियोजित तरीके से अपनी चीजो को रखते है । दूसरे इस तरह नहीं है लेकिन दूसरों को ये न बताये और समय पर सब छोड़ दे । इस भावना को त्याग दे अन्यथा लोगों को ये गलतफहमी होगी की आप उनके जीवन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे है ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आज के दिन जो लोग सार्वजनिक क्षेत्र में कार्य करते है उन्हें आगे बढ़ने के अच्छे अवसर एवं पदोन्नति मिल सकती है । अगर आपने सार्वजनिक क्षेत्र में नौकरी के लिए आवदेन किया हुआ है तो आपको शुभ सन्देश मिल सकता है । ये समय किसी दूसरी नौकरी जैसे की प्रशासनिक कार्यो के आवेदन के लिए भी अछा है अगर आप अपनी वर्तमान नौकरी से खुश नहीं है ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
बड़े रोजगार के अवसर आप का इंतजार कर रहे हैं! ध्यान से इस बारे में सोचे और आपके पूर्ण संतुष्ट होने पर अपने करियर की दिशा परिवर्तित करे । आपका सहकर्मी नौकरी को त्याग सकता है और उसकी जगह आप किसी जरूरतमंद को अपने यहाँ काम पर लगवा सकते है ।

कर्क (ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
लघु लेकिन बार बार की बाधाओं से आपके काम काज की राह में रोड़ा पैदा होगा और आप समय सीमा के भीतर अपनी परियोजनाओं को पूरा करने में असमर्थ महसूस करेंगे । ये बाधा व्यर्थ की होगी लेकिन इन से पार पाना या इनकी गणना करना मुश्किल होगा , हालाँकि क्रोध और चिढ़ने से समस्या का हल नहीं निकलेगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आप काफी मेहनत के साथ भागदौड़ करेंगे परन्तु उतना संतोषजनक परिणाम मिलना मुश्किल होगा । दिल छोटा न करे । हर दिन एक जैसा नहीं होता और किसी किसी दिन मेहनत काम नहीं आती । आज की घटनायें आपके लिए सबक का काम करेंगी जो आपको कुछ करने के लिए प्रेरित करेंगी जिससे की आप योजना और संधि बनाकर आगे बढ़ सकते है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
चुनौतीपूर्ण समय खत्म हो गया हैं। आपने सफलतापूर्वक बाधाओं को पार कर लिया है , जो की भाग्य ने आप पर फेके थे , इसलिए ये बहुत आवश्यक है की आप अपने को शांत बनाए रखे । इसके अलावा, आप आराम करने की मुद्रा में आ सकते है , क्योंकि कार्य का दबाव आपके कार्यस्थल पर काफ़ी कम हो गया है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
काम करते हुए आप एक विस्तृत दृष्टिकोण को अपनाते है । यह आपका सकारात्मक पहलू है और इस सप्ताह के अंत में आपका दृष्टिकोण मौद्रिक लाभ में बदलेगा । जोड़-तोड़ से बचें और जो भी करे ईमानदारी से करे । आपके काम की गुणवत्ता आपके काम की मात्रा के बजाय ज्यादा महत्व रखेगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
कुछ परिवर्तन आपके कार्यस्थल में होने की संभावना है। वे पहली बार में हतोत्साहित लग सकते है, लेकिन जल्द ही वे आप के लिए नए अवसर को खोलेंगे , लेकिन इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आपको साहस और विश्वास की छलांग लगाने की आवश्यकता पड़ेगी । ये उद्यम आपको जोखिम भरा लग सकता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
यदि आपने नौकरी के लिए आवेदन किया है, तो कंपनी से इसकी जाँच करें। आपको नौकरी से संबध में एक अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। पदोन्नति या वेतन वृद्धि भी आपको आज मिल सकती है । यह निवेश के किसी भी प्रकार के लिए एक शुभ दिन है। अगर आप संपत्ति खरीदने के लिए योजना बना रहे है, तो आज का दिन सौदे के लिए अनुकूल है।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज का दिन अपने सभी लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए एकदम सही है। आप किन्ही बाहरी कारणों से समय पर अपना काम खत्म नहीं कर पाये , इसलिए आपको शीघ्रता दिखानी होगी , क्योंकि आपका काफी कार्य लंबित है । आज नयी प्रतिबद्धताओं का दबाव कम होगा।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
व्यावहारिक स्थिति आज आपको काफी तीव्रता से काम करने के लिए मजबूर कर रही हैं, पर आपका मन अपने परिवार के साथ समय बिताने में अधिक रुचिकर दिखेगा । इसलिए, आपको दक्षता से अपनी दोनों प्रतिबद्धताओं को निभाना होगा । आप अपने काम को नजरअंदाज न करें , हालाँकि आपका मन इधर उधर भागेगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
हालाँकि आप सावधान और व्यवस्थित है , पर किसी दूसरे के कार्यभार के लिए आप जवाबदेह होंगे । अपने और अपने काम के तरीको पर विश्वास रखे । एक बार में एक काम को सुव्यस्थित तरीके से करे और अगले सप्ताह तक आप चीजों को आकार में वापस पायेंगे । उस समय तक अपने सहकर्मियों के साथ किसी बहस में संलिप्त न हो।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

सीजेपी टीम पर ग्रामीणों का हमला

आशुतोष रांका बोले-शर्ट फाड़ी, मोबाइल तोड़ा, स्कूल की जांच करने पहुंची

सीजेपी का शिक्षा मंत्री को 48 घंटे का अल्टीमेटम

जयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर के बगरू क्षेत्र में स्कूल की जांच करने पहुंची कॉकरोच जनता पार्टी की टीम को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि ग्रामीणों ने उनके साथ मारपीट की, शर्ट फाड़ दी और मोबाइल तोड़ दिया। उन्होंने दावा किया कि टीम के वाहनों के शीशे भी तोड़े गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में ग्रामीण सीजेपी कार्यकर्ताओं को खदेड़ते और वाहनों पर हमला करते नजर आ रहे हैं। एक कार्यकर्ता के पीछे छूटने पर ग्रामीणों ने उसके साथ भी मारपीट की।

सीजेपी कार्यकर्ताओं के वहां पहुंचते ही ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ उनकी धक्का-मुक्की हो गई। ग्रामीणों का कहना था कि वे स्कूल को अपने स्तर पर ही ठीक करा लेंगे क्योंकि सरकार की तरफ से इसके लिए 12.50 लाख रुपए स्वीकृत हो चुके हैं। उन्होंने सीजेपी कार्यकर्ताओं को 'बाहरी व्यक्ति' बताते हुए गांव से धक्का देकर बाहर निकाल दिया।

स्कूल की बदहाल स्थिति को देखने के लिए था दौरा

सीजेपी की टीम का जयपुर में दो सरकारी स्कूलों- रामपुरा कंवरपुरा और वाटिका रोड स्थित भट्टा वाला राजकीय स्कूल का दौरा करने का कार्यक्रम था। पार्टी की मानें तो टीम का उद्देश्य वहां की शिक्षा व्यवस्था, बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं और स्कूल की इमारतों का जायजा लेना था। बताया जा रहा है कि रामपुरा कंवरपुरा का प्राथमिक स्कूल पूरी तरह जर्जर हो चुका है, जिसके कारण मुख्य स्कूल बिल्डिंग को बंद कर दिया गया है। स्कूल की छत की पट्टियां टूट चुकी हैं, जिन्हें सहारे के लिए नीचे से लोहे के एंगल लगाकर रोका गया है। इस जर्जर हालत के कारण स्कूल को 50 मीटर दूर एक बाड़े में शिफ्ट किया गया है, जहां बच्चे टीनशेड के नीचे बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। इस बाड़े के पास पशुओं का चारा भरा हुआ है और दीवार की ईंटें भी गिरी हुई हैं।

राजनीतिक विवाद और सीजेपी का रुख

यह पूरा विवाद तब और गहरा गया जब पिछले दिनों सीजेपी द्वारा किए गए स्कूलों के निरीक्षण के बाद, शिक्षा विभाग ने स्कूलों में मीडिया और आम जनता की बिना वजह एंट्री पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी। इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सीजेपी के को-कन्वीनर आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि राजस्थान के शिक्षा मंत्री राज्य की बदहाल शिक्षा व्यवस्था को छिपाने के लिए तानाशाही रवैया अपना रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वे इस पाबंदी से पीछे नहीं हटेंगे और जब तक प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों की स्थिति में सुधार नहीं हो जाता, उनका यह निरीक्षण अभियान लगातार जारी रहेगा।

'बच्चों को भैंसों के तबेले में पढ़ाया जा रहा'

रांका ने स्कूल की स्थिति को लेकर सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने लिखा, 'बच्चों को भैंसों के तबेले में पढ़ाया जा रहा है, और यह रोकने पर भाजपा अपने गुंडे भेज रही है।' इसके साथ ही उन्होंने इसे 'शर्मनाक स्थिति' बताया। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने गांव के स्कूल का दौरा करने पहुंचे सीजेपी कार्यकर्ताओं के विरोध के मामले पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि जनता, युवाओं और छात्रों में नाराजगी है, लेकिन सरकार इसे दबाने की कोशिश कर रही है। पायलट ने स्कूलों में पत्रकारों के प्रवेश, फोटो लेने और बिना अनुमति खबर प्रकाशित करने पर रोक के आदेश का विरोध किया।

रोम में वैश्विक मंच पर लोक प्रशासन और गवर्नेंस पर भारत का दृष्टिकोण रखेंगे मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास

जयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्य सचिव एवं इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव साइंसेज (आईआईएएस) के अध्यक्ष वी. श्रीनिवास अगले सप्ताह इटली के रोम में लोक प्रशासन और गवर्नेंस से जुड़े प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का दृष्टिकोण साझा करेंगे।

श्रीनिवास 25 अगस्त को सैपिएन्जा यूनिवर्सिटी ऑफ रोम में आयोजित 51वें यूरोपियन ग्रुप फॉर पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (ईजीपीए) वार्षिक सम्मेलन में अध्यक्षीय संबोधन देंगे। इस वर्ष 24 से 27 अगस्त तक आयोजित होने वाला ईजीपीए वार्षिक सम्मेलन लोक प्रशासन के क्षेत्र में संगठन का प्रमुख आयोजन है। प्रत्येक वर्ष अलग-अलग यूरोपीय देश में आयोजित होने वाला यह सम्मेलन दुनियाभर के शिक्षाविदों, लोक प्रशासन से जुड़े प्रैक्टिशनर्स और युवा शोधकर्ताओं को सार्वजनिक प्रशासन, गवर्नेंस और पब्लिक पॉलिसी के नवीनतम विषयों पर संवाद और ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए साझा मंच प्रदान करता है। ईजीपीए 2026 सम्मेलन में 600 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है, जबकि 70 से अधिक देशों से लगभग 900 शोध प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। सम्मेलन में ईजीपीए की अध्यक्ष प्रो. सबीने कुहलमान तथा ईजीपीए-2026 सम्मेलन की अध्यक्ष एवं सैपिएन्जा यूनिवर्सिटी ऑफ रोम की प्रो. नोएमी रॉसी सहित विभिन्न देशों के प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, विशेषज्ञ और लोक प्रशासन से जुड़े प्रतिनिधि भाग लेंगे।

सम्मेलन में ईजीपीए के परमानेंट स्टडी ग्रुप्स के विशेष सत्रों के साथ विभिन्न विषयों पर पैनल और कार्यशालाएं आयोजित होंगी। इनमें लोक प्रशासन और गवर्नेंस से जुड़ी समकालीन चुनौतियों, नवाचारों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर विचार-विमर्श किया जाएगा। 24 से 28 अगस्त तक अपने रोम प्रवास के दौरान श्रीनिवास ईजीपीए स्टीयरिंग कमेटी और परमानेंट स्टडी ग्रुप्स को भी संबोधित करेंगे। वे ट्रांसअटलांटिक डायलॉग और मेडिटेरेनियन डायलॉग में भी भाग लेंगे, जहां विभिन्न देशों के विशेषज्ञों के साथ लोक प्रशासन के भविष्य और वैश्विक सहयोग से जुड़े विषयों पर विमर्श होगा। उल्लेखनीय है कि जून 2025 में वी. श्रीनिवास इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव साइंसेज (आईआईएएस) के अध्यक्ष निर्वाचित होने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने इस दौरान संस्थान को प्रभावी नेतृत्व प्रदान करते हुए इसकी वैश्विक भूमिका को और सुदृढ़ किया तथा उत्कृष्टता के नए आयाम स्थापित किए। यह लगातार दूसरा अवसर होगा जब वी. श्रीनिवास ईजीपीए वार्षिक सम्मेलन में अध्यक्षीय संबोधन देंगे।

वंदे मातरम विवाद पर गहलोत का सरकार पर हमला

आदेश वापस लिया जाना चाहिए

जयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में स्कूलों से जुड़े शिक्षा विभाग के निर्देश और वंदे मातरम को लेकर चल रहे विवाद के बीच कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस तरह के नियम वापस लेने चाहिए और स्कूलों में मीडिया की पहुंच पर रोक नहीं लगनी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि स्कूलों से जुड़े आदेश को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी मीडियाकर्मी स्कूल के अंदर नहीं जा सकता, ऐसा नियम लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिहाज से उचित नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार से इस आदेश को वापस लेने की मांग की। 'वंदे मातरम' को लेकर अशोक गहलोत ने भाजपा पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम के नाम पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है।

गहलोत ने सवाल उठाया कि भाजपा का वंदे मातरम से क्या लेना-देना है। उन्होंने आरएसएस मुख्यालय पर लंबे समय तक तिरंगा नहीं फहराए जाने का भी जिक्र करते हुए भाजपा और संघ पर निशाना साधा। अशोक गहलोत ने कहा कि कांग्रेस लंबे समय से वंदे मातरम गाती रही है और वह स्वयं करीब 50 वर्षों से यह गीत गाते आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अब अचानक भाजपा को वंदे मातरम से प्रेम हो गया है। उनके मुताबिक, इस मुद्दे पर भाजपा के पास कोई ठोस जवाब नहीं है और वह लोगों को गुमराह कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर कोई कानून बना है तो उसका पालन होना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि कांग्रेस कानून का पालन नहीं करेगी तो फिर कौन करेगा। गहलोत ने कहा कि कानून का पालन सभी को करना चाहिए, लेकिन इसके नाम पर लोगों को भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए।

गहलोत ने राजस्थान विधानसभा के बाहर विपक्षी विधायकों के विरोध प्रदर्शन का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष के विधायकों के लिए विधानसभा के गेट ही नहीं खोले जा सकते तो इससे सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने विधानसभा में यह स्थिति देखी और इससे उन्हें काफी दुख हुआ। गहलोत ने कहा कि विपक्ष को अपनी बात रखने और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराने का अधिकार है। उन्होंने सरकार से राजनीतिक विरोध को दबाने के बजाय विपक्ष की आवाज सुनने की अपील की। साथ ही स्कूलों से संबंधित आदेश को वापस लेने और वंदे मातरम के मुद्दे पर राजनीति नहीं करने की मांग की।

राजस्थान के 2 आईएएस अफसरों पर कोर्ट का डंडा

सैलरी रोके जाने के आदेश, 1 आईएएस के खिलाफ एफआईआर

जयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान रोडवेज के एक कंडक्टर को साप्ताहिक अवकाश के दिन भी ड्यूटी करने पर ओवरटाइम का भुगतान नहीं करना दो आईएएस अफसरों को महंगा पड़ गया है। कंडक्टर ने कोर्ट की शरण ली तो कोर्ट ने निगम के अधिकारियों को दोषी मान लिया। लेबर कोर्ट ने दोनों आईएएस अधिकारियों की सैलरी रोकने के निर्देश दिए हैं। जब तक कंडक्टर की ब्याज सहित पूरा ओवरटाइम नहीं दिया जाता तब तक वेतन रोकने के आदेश दिए हैं। एक आईएएस के खिलाफ तो एफआईआर दर्ज करने के भी आदेश दिए हैं।

दरअसल राजस्थान रोडवेज के कंडक्टर सीताराम ने वर्ष 1996 से लेकर 2013 तक 124 साप्ताहिक अवकाश के दिनों में ड्यूटी की थी। अवकाश के बाद भी ड्यूटी करने पर सीताराम ने ओवरटाइम की मांग की जिसे निगम के अधिकारियों ने अनदेखा किया। न्याय पाने के लिए सीताराम ने वर्ष 2018 न्यायालय की शरण ली। कोर्ट ने 6 प्रतिशत ब्याज सहित बकाया भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही श्रम कानूनों की अवहेलने करने पर तत्कालीन सीएमडी संदीप वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। पूरा भुगतान नहीं होने तक आईएएस संदीप वर्मा और पुरुषोत्तम शर्मा के का वेतन रोकने के भी निर्देश दिए।

1 सितंबर तक पालना रिपोर्ट पेश करें पुलिस

रोडवेज बस के कंडक्टर सीताराम की याचिका पर लेबर कोर्ट के जज दिनेश गुप्ता ने रोडवेज के तत्कालीन सीएमडी संदीप वर्मा और एमडी पुरुषोत्तम शर्म के वेतन से ब्याज राशि वसूलने के निर्देश दिए हैं। जज ने कहा कि जब तक सीताराम को ब्याज सहित पूरा भुगतान नहीं किया जाता। तब तक दोनों आईएएस अधिकारियों को वेतन नहीं दिया जाए। आईएएस संदीप वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं और पुलिस से भी कहा है कि 1 सितंबर तक पालना रिपोर्ट पेश कर न्यायालय को बताएं। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की है कि किसी श्रमिक से निर्धारित मजदूरी का भुगतान किए बिना ओवरटाइम काम कराना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 23 के तहत बेगार और जबरन श्रम के समान है।

अफसरों ने आदेश को किया था अनदेखा

इसी केस में कोर्ट ने 30 जून 2026 को आदेश पारित किया था कि याचिकाकर्ता को 1 लाख 9 हजार 740 रुपए भुगतान किया जाए। इसमें ओवरटाइम, ब्याज और मुकदमे में खर्च हुई राशि को शामिल रखा गया था। रोडवेज की ओर से कंडक्टर सीताराम को केवल 31,076 रुपए का भुगतान किया। आदेश की अवहेलना होने पर कोर्ट ने नाराजगी जताई और बकाया 96 हजार 664 रुपए 18 प्रतिशत वार्षिक ब्याज, 25 हजार रुपए मुकदमा खर्च और 3 हजार रुपए क्षतिपूर्ति राशि के पेटे देने के निर्देश दिए। 6 प्रतिशत ब्याज की राशि दोनों आईएएस अधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से वसूले जाने के निर्देश दिए।

कौन हैं आईएएस संदीप वर्मा

आईएएस संदीप वर्मा वर्ष 1993 बैच के अधिकारी हैं। वे मूलरूप से लखनऊ यूपी के रहने वाले हैं। वर्तमान में वे कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत हैं। सीनियर आईएएस संदीप वर्मा कई विभागों में अहम पदों पर रहे। अगस्त 2020 से अक्टूबर 2021 तक वे राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक रहे थे।

प्रमोटी आईएएस हैं पुरुषोत्तम शर्मा

सवाई माधोपुर के रहने वाले पुरुषोत्तम शर्मा प्रमोटी आईएएस हैं। वर्ष 1997 में वे राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी के रूप में चयनित हुए थे। सितंबर 2024 में पदोन्नत होकर आईएएस बने थे। आईएएस बनने के बाद उनकी पहली पोस्टिंग राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम यानी रोडवेज में एमडी के रूप में हुई थी। सितंबर 2025 से नवंबर 2025 तक वे रोडवेज में एमडी रहे। वर्तमान में वे परिवहन विभाग के आयुक्त होने के साथ राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक हैं।

जीएसटी विभाग की बड़ी कार्रवाई

चार प्रतिष्ठानों पर सर्वे में 4.99 करोड़ रुपए से अधिक की कर अनियमितताएं उजागर

जयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राज्य वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग ने कर चोरी, फर्जी एवं रद्द फर्मों से गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) लेने, प्रतिबंधित श्रेणी की आईटीसी का अनुचित दावा करने तथा कारोबार से संबंधित कर अनियमितताओं के विरुद्ध व्यापक प्रवर्तन कार्रवाई की है।

विभाग द्वारा हाल में की गई चार अलग-अलग सर्वे कार्रवाइयों में कुल 4 करोड़ 99 लाख 07 हजार 626 रुपए से अधिक की संभावित कर देयता/अनियमितता सामने आई है। कार्रवाई के दौरान संबंधित करदाताओं द्वारा कुल 2 करोड़ 03 लाख 22 हजार 738 रुपए की राशि स्वेच्छा से जमा कराई गई। इन कार्रवाइयों में जयपुर, भिवाड़ी, संगरिया और श्रीगंगानगर स्थित प्रतिष्ठान शामिल हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी प्रकरणों में जांच जारी है तथा जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी। भिवाड़ी की विरगो में करीब 50 लाख रुपए की अमान्य आईटीसी जीएसटी विभाग की टीम ने आरआईआईसीओ औद्योगिक क्षेत्र, भिवाड़ी, अलवर में सर्वे कार्रवाई की। फर्म पेपर, पेपरबोर्ड एवं पैकेजिंग सामग्री के निर्माण से संबंधित व्यवसाय करती है। जांच के दौरान जीएसटी अधिनियम की धारा 17(5) के तहत प्रतिबंधित इनवर्ड सप्लाई पर गलत तरीके से लगभग 50 लाख रुपए की अमान्य आईटीसी का दावा किए जाने की अनियमितता सामने आई। कार्रवाई के दौरान फर्म की ओर से 74,15,112 रुपये की राशि स्वेच्छा से जमा कराई गई। विभागीय जांच में बोगस एवं रद्द कंपनियों से अमान्य आईटीसी का लाभ लेने के साथ ही जीएसटी अधिनियम की धारा 17(5) के तहत ब्लॉक आईटीसी का दावा किए जाने की अनियमितता सामने आई। टीम ने देर रात तक विस्तृत जांच करते हुए संबंधित रिकॉर्ड एवं सामान की जब्ती की कार्रवाई भी की। प्रारंभिक जांच में करीब 1.33 करोड़ रुपए की संभावित राशि सामने आई, जबकि फर्म द्वारा जांच के दौरान 1.04 करोड़ रुपए की राशि स्वेच्छा से जमा कराई गई।

संगरिया, हनुमानगढ़ स्थित मैसर्स वीर चंद एण्ड संस के यहां 100 प्रतिशत इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) क्लेम करने में अनियमितता पाए जाने पर सर्वे किया गया। प्रतिष्ठान फावड़े एवं कुदाली आदि के व्यापार से संबंधित है। कार्रवाई के दौरान दो स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में भौतिक स्टॉक का सत्यापन किया गया।

राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र

विपक्ष के हंगामे के बीच यूसीसी बिल पेश

कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

जयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में मानसून सत्र के दूसरे दिन जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष के हंगामे के बीच विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बिल विधानसभा में रखा गया। संसदीय कार्य और कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने यूसीसी बिल को सदन में रखा। इसके बाद सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है।

राजस्थान निकाय चुनाव : कोटा नगर निगम में दो चरणों में मतदान

> 8.24 लाख मतदाता चुनेंगे 100 पार्षद

कोटा, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राज्य निर्वाचन आयोग ने राजस्थान में नगर निकाय चुनाव का शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके तहत कोटा जिले में दो चरणों में चुनाव होंगे। पहले चरण में नगर पालिका रामगंजमंडी, सुकेत, सांगोद, इटावा और सुल्तानपुर में 9 सितंबर को मतदान होगा। वहीं, कोटा नगर निगम के 100 वार्डों के लिए 11 सितंबर को मतदान कराया जाएगा। सभी चुनावों के परिणाम 14 सितंबर को घोषित किए जाएंगे। इसके बाद मेयर, नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्ष का चुनाव 21 सितंबर को होगा। वहीं, नगर निकायों के उपाध्यक्ष और उपमहापौर का चुनाव 22 सितंबर को कराया जाएगा।

कोटा शहर में कितने वार्ड?

कोटा शहर में नगर निगम के 100 वार्डों के लिए 8 लाख 24 हजार 491 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें 4 लाख 18 हजार पुरुष और 4 लाख 50 हजार महिला मतदाता शामिल हैं। चुनाव के लिए 721 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। इस बार मेयर का पद ओबीसी महिला वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। कोटा नगर निगम के इतिहास में यह चौथी बार होगा, जब शहर की कमान किसी महिला के हाथ में होगी। हाल ही में कोटा उत्तर और कोटा दक्षिण नगर निगम का कार्यकाल समाप्त हुआ है। दोनों निगमों में कांग्रेस का बोर्ड था। कोटा उत्तर में महिला मेयर पद पर थी। परिसीमन के बाद अब कोटा उत्तर और कोटा दक्षिण नगर निगम को एक कर दिया गया है। नए कोटा नगर निगम में कुल 100 वार्ड होंगे।

आरक्षित सीटों का हाल?

आरक्षित सीटों की बात करें तो 100 वार्डों में 20 सीटें ओबीसी के लिए आरक्षित हैं। इनमें 13 ओबीसी ओपन और 7 ओबीसी महिला सीटें हैं। अनुसूचित जाति के लिए कुल 18 सीटें आरक्षित हैं, जिनमें 12 एससी ओपन और 6 एससी महिला सीटें शामिल हैं। अनुसूचित जनजाति के लिए 5 सीटें आरक्षित हैं। इनमें 3 एसटी ओपन और 2 एसटी महिला सीटें हैं। वहीं, 57 सीटें अनारक्षित रखी गई हैं। इनमें 38 अनारक्षित ओपन और 19 अनारक्षित महिला सीटें शामिल हैं।

पिछले नगर निगम चुनाव में कोटा उत्तर में भाजपा की अंदरूनी गुटबाजी का असर साफ दिखाई दिया था। 70 वार्डों में भाजपा सिर्फ 14 सीटें जीत सकी थी, जबकि कांग्रेस ने 47 सीटों पर कब्जा किया था। 8 वार्डों में निर्दलीय और एक वार्ड में अन्य प्रत्याशी विजयी रहा था। कांग्रेस ने बहुमत के साथ कोटा उत्तर में अपना बोर्ड बनाया था। वहीं, कोटा दक्षिण के 80 वार्डों में भाजपा और कांग्रेस दोनों को 36-36 सीटें मिली थीं, जबकि 8 निर्दलीय पार्षद चुने गए थे। क्रॉस वोटिंग के बाद कांग्रेस ने यहां भी अपना बोर्ड बना लिया था। नगर निकाय चुनाव में इस बार बीजेपी और कांग्रेस, दोनों के लिए ही मुकाबला आसान नहीं होगा। जहां एक ओर कोटा दक्षिण क्षेत्र बीजेपी का गढ़ माना जाता है, वहीं कोटा उत्तर में कांग्रेस अधिकतर सीटों पर जीत हासिल करती आई है।

स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने के लिए विद्या संबल योजना का प्रभावी क्रियान्वयन

मुख्य सचिव ने सभी जिला कलेक्टर्स को दिए निर्देश

जयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के राजकीय विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने 'विद्या संबल योजना' के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश जारी किए हैं। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर्स को परिपत्र जारी कर इस शैक्षणिक सत्र में योजना को पूरी पारदर्शिता के साथ लागू करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर व्यक्तिगत रूप से करेंगे योजना की समीक्षा

मुख्य सचिव द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, जिला कलेक्टर्स को योजना के क्रियान्वयन की व्यक्तिगत रूप से नियमित समीक्षा करने को कहा गया है। यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि विभागीय और विद्यालय स्तर के सभी अधिकारी व कार्मिक जारी गाइडलाइंस का अक्षरशः पालन करें तथा योजना की प्रगति और आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए।

चयन प्रक्रिया और मानदेय में पारदर्शिता के निर्देश

परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि पात्रता और चयनः वित्त विभाग द्वारा निर्धारित परिपत्र के अनुसार पात्रता, चयन प्रक्रिया, विद्यालयों में आवश्यकता के सटीक आकलन और मानदेय भुगतान की प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए।

विचलन पर रोक : किसी भी स्तर पर निर्धारित चयन प्रक्रिया और नियमों से विचलन नहीं होना चाहिए, ताकि योजना का वास्तविक लाभ जरूरतमंद विद्यालयों और विद्यार्थियों तक समय पर पहुंच सके।

समयबद्ध कार्रवाई : योजना से जुड़ी समस्त चयन और पदस्थापन की प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी की जाए और विद्यार्थियों के शैक्षणिक हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

कांग्रेस विधायकों ने कोंडा सुरेखा को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की

पार्टी से निष्कासित करने की भी जोरदार मांग

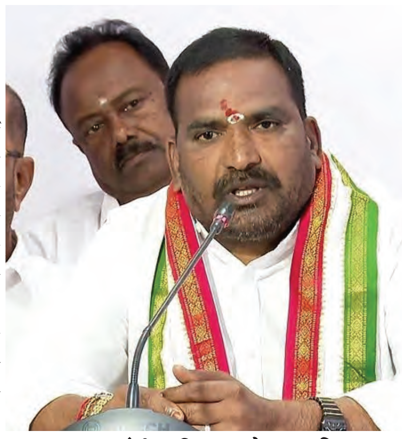

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की कांग्रेस मंत्री कोंडा सुरेखा और उनकी बेटी कोंडा सुष्मिता को लेकर विवाद गहरा गया है। शुक्रवार को 15 से अधिक कांग्रेस विधायकों और विधान परिषद सदस्यों ने कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) कार्यालय में आपातकालीन प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कोंडा सुरेखा को तत्काल राज्य मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने और कांग्रेस पार्टी से निष्कासित करने की मांग की। विधायकों ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ उनकी बेटी सुष्मिता की कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों की कोंडा सुरेखा ने न तो निंदा की और न ही उन्हें रोकने का प्रयास किया। विधायकों की ओर से सरकार के मुख्य सचेतक एवं अलेयर विधायक बीरला इलैया ने कहा कि जिम्मेदार पद पर रहते हुए किसी मंत्री का यह कहना कि उनकी बेटी की टिप्पणियों से उनका कोई लेना-देना नहीं है, बेहद हैरान करने वाला है। उन्होंने कहा कि पार्टी में मतभेद होने पर उन्हें सीएलपी या प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) की बैठकों में उठाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री और पार्टी के खिलाफ सार्वजनिक रूप से मनमाने बयान देना उचित नहीं है। नरकटपल्ली विधायक वेमुला वीरेशम ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ लगाए जा रहे कथित झूठे आरोपों पर पार्टी आलाकमान से कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि कोंडा सुरेखा पहले भी ऐसे बयान दे चुकी हैं, जिनसे पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा है। वीरेशम ने कहा कि रेवंत रेड्डी और उनके भाइयों ने राज्य में कांग्रेस को सत्ता में लाने के लिए दिन-रात मेहनत की। उन्होंने कोंडा परिवार से मुख्यमंत्री से तत्काल माफी मांगने की मांग करते हुए कहा कि सुरेखा को मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर पार्टी से निष्कासित किया जाना चाहिए। देवरकोंडा विधायक बालू नाइक ने भी कोंडा सुष्मिता द्वारा मुख्यमंत्री की आलोचना किए जाने की निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि कोंडा परिवार कांग्रेस में रहते हुए विपक्ष की साजिशों को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना में सरकार अच्छा प्रशासन दे रही है, जबकि कोंडा सुरेखा विपक्षी नेता की तरह व्यवहार कर रही हैं। विधायक नैनी राजेंद्र रेड्डी ने आरोप लगाया कि कोंडा सुरेखा के जिले के किसी भी विधायक के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध नहीं हैं। उन्होंने सुरेखा द्वारा पूर्व में चार बार दल बदलने का भी उल्लेख करते हुए सवाल उठाया कि मंत्री पद की जिम्मेदारी दिए जाने के बाद क्या पार्टी और मुख्यमंत्री के प्रति इसी तरह सम्मान व्यक्त किया जाना चाहिए। नैनी राजेंद्र रेड्डी ने आरोप लगाया कि बीआरएस और भाजपा कोंडा सुरेखा का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कोंडा सुरेखा को चुनौती दी कि यदि उनके पास कथित 200 करोड़ रुपये के घोटाले से संबंधित कोई ठोस सबूत है तो वह उसे सार्वजनिक करें।

केंद्रीय योजनाओं का लाभ हर नागरिक को मिलना चाहिए : शिव प्रताप शुक्ल

पीआईबी की अतिरिक्त महानिदेशक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने शुक्रवार को केंद्र सरकार की योजनाओं और कल्याणकारी कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने में प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। पीआईबी की अतिरिक्त महानिदेशक श्रुति पाटिल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल, जिसमें पीआईबी के संयुक्त निदेशक डॉ. मानस कृष्णकांत और केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) के सहायक निदेशक के. श्रीनिवास राव शामिल थे, ने लोक भवन में राज्यपाल से मुलाकात की। इस संवाद के दौरान, राज्यपाल ने लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने और उनका प्रभावी ढंग से उपयोग करने में सक्षम बनाने के लिए सूचनाओं के व्यापक प्रसार का आह्वान किया। श्रुति पाटिल ने राज्यपाल को तेलंगाना में पीआईबी और केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी, जिनमें मीडिया आउटरीच, पत्रकार प्रेस दौरे, वार्तापं और ग्रामीण क्षेत्रों में एकीकृत संचार एवं आउटरीच कार्यक्रम (आईसीओपी) शामिल हैं। उन्होंने राज्यपाल को पोषण माह के अंतर्गत सितंबर में आयोजित होने वाले पोषण अभियान पर एक आईसीओपी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को महात्मा गांधी और पिछले 12 वर्षों में भारत सरकार की उपलब्धियों पर आधारित प्रकाशन भी भेंट किए। इसी बीच, उत्तर प्रदेश के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी ललित वर्मा ने भी लोक भवन में राज्यपाल से मुलाकात की।

ज्वाला गुट्टा ने खेलो इंडिया को गेम चेंजर बताया

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । दो बार की ओलंपियन और पूर्व विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप पदक विजेता ज्वाला गुट्टा ने संशोधित खेलो इंडिया योजना का समर्थन करते हुए इसे एक "गेमचेंजर" बताया है जो "लंबे समय से प्रतीक्षित" था और भारत में खेलों का चेहरा बदलने में सक्षम है। शुक्रवार को हैदराबाद में एक मीडिया ब्रीफिंग में बोलते हुए, गुट्टा ने कहा कि जमीनी स्तर के विकास, स्थिरता और खिलाड़ियों के समर्थन पर केंद्रित नई योजना से माता-पिता को अपने बच्चों को खेल अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने में अधिक आत्मविश्वास मिलेगा। उन्होंने आगे कहा, मैं खुद सरकारी स्कूल की ही खिलाड़ी रही हूं और इसके समर्थन के बिना मैं एक खिलाड़ी के रूप में वह सब हासिल नहीं कर पाती जो मैंने किया है। अपने नए स्वरूप में, खेलो इंडिया योजना बेहद आशाजनक दिखती है। तेलंगाना खेल प्राधिकरण (एसएटी) की उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. ए. सोनीबाला देवी, भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), बेंगलुरु के क्षेत्रीय निदेशक श्री विष्णु सुधाकरन और दिल्ली स्थित एसएआई की उप निदेशक सुश्री एस. हिमा बिंदु भी उपस्थित थीं। 2026-31 की खेलो इंडिया योजना के लिए 29,054 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जो पिछले आवंटन से आठ गुना अधिक है, और इसका लक्ष्य समर्थित एथलीटों की संख्या में दस गुना वृद्धि करना है।एसएआई की उप निदेशक एस. हिमा बिंदु ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य जमीनी स्तर की भागीदारी से लेकर ओलंपिक उत्कृष्टता तक एक सुव्यवस्थित मार्ग तैयार करना है। इसमें खेलो इंडिया उत्कृष्ट विद्यालयों, फीडर स्कूलों और खेलो इंडिया केंद्रों के माध्यम से एक वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी-आधारित प्रतिभा पहचान प्रणाली के साथ-साथ एक मजबूत अकादमी और कोचिंग प्रणाली की परिकल्पना की गई है। तेलंगाना प्रमुख लाभार्थियों में से एक है। राज्य में 33 खेलो इंडिया केंद्र अधिसूचित किए गए हैं, जो पूर्व चैंपियन एथलीटों के अंतर्गत 601 से अधिक खिलाड़ियों को सहायता प्रदान कर रहे हैं। मेडचल-मलकाजगिरि में एक खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र भी कार्यरत है, जहां रोइंग, भारोत्तोलन और फेंसिंग में 254 खिलाड़ियों को सहायता दी जा रही है। एथलेटिक्स, जिम्नास्टिक्स, शूटिंग, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, साइकिलिंग, टेनिस और फुटबॉल सहित विभिन्न खेलों में उन्नीस खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त अकादमियों को अधिसूचित किया गया है। महिला खेल पहल के तहत, तेलंगाना में 127 अस्मिता लीग आयोजित की गई हैं, जिनमें 20,921 महिला एथलीटों ने भाग लिया है।तेलंगाना खेल प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. ए. सोनिबाला देवी ने कहा कि यह योजना तेलंगाना के लिए विशेष रूप से लाभदायक होगी, क्योंकि यहां विरासत नियोजन और खेलों को शिक्षा से जोड़ने पर जोर दिया जाता है। उन्होंने कहा, तेलंगाना जैसे राज्य के लिए यह बेहद फायदेमंद है। चूंकि खेल को शिक्षा नीति से जोड़ा जाएगा, इसलिए हमें बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण के बेंगलुरु स्थित क्षेत्रीय निदेशक विष्णु सुधाकरन ने कहा कि परिचालन संबंधी दिशा-निर्देशों को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने इस विस्तारित योजना को हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श का परिणाम बताया और कहा कि इससे खेलों के विकास में केंद्र-राज्य साझेदारी मजबूत होगी। तेलंगाना इस साल के अंत में खेलो इंडिया यूथ गेम्स की मेजबानी करने के लिए भी तैयार है, जिससे राष्ट्रीय खेल पारिस्थितिकी तंत्र में राज्य की भूमिका और मजबूत होगी। गुट्टा ने कहा कि इस योजना की व्यापक पहुंच और खिलाड़ियों के दीर्घकालिक विकास पर ध्यान केंद्रित करने से भारतीय खेल जगत पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा, सरकार हमेशा से खेलों को बढ़ावा देने के लिए गंभीर रही है, लेकिन इस योजना का दूरगामी प्रभाव होगा और इसकी पहुंच बहुत व्यापक होगी।

अधिकारियों की ओर से नोटिस मिलने पर घबराएं नहीं : सलाउद्दीन

एसआईआर में सक्रिय भूमिका निभाएं बीआरएस कार्यकर्ता

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। चारमीनार विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी सलाउद्दीन लोधी ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पार्टी प्रभारियों और नेताओं को गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि विधानसभा क्षेत्र प्रभारी बूथ स्तरीय अधिकारियों के साथ मिलकर घर-घर जाएं और मतदाताओं को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराते हुए उनके नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं। चारमीनार विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी सलाउद्दीन लोधी ने बताया कि एसआईआर के बाद क्षेत्र में नई मतदाता सूची जारी हुई है। कुल 2,35,287 मतदाताओं में से 1,40,184 यानी 56 प्रतिशत मतदाता पंजीकृत हुए हैं। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं के लिए प्रपत्र-6, दूसरे क्षेत्र में चले गए मतदाताओं के लिए प्रपत्र-6ए, आपत्ति के लिए प्रपत्र-7 तथा मतदाता सूची में त्रुटि सुधार के लिए प्रपत्र-8 का उपयोग किया जाएगा। इसी विधानसभा क्षेत्र में दूसरे मतदान केंद्र पर स्थानांतरण के लिए प्रपत्र-8ए में जानकारी दर्ज कर बूथ स्तरीय अधिकारी को दी जाएगी।

लोधी ने बताया कि केटीआर ने निर्देश दिया है कि आगामी नगर निगम चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवार एसआईआर प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लें और लोगों के नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए मेहनत करें। मेहनत करने वालों को ही टिकट के लिए प्राथमिकता देने तथा ऐसे कार्यकर्ताओं की अनुशंसा करने को कहा गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अधिकारियों की ओर से नोटिस मिलने पर घबराएं नहीं। पार्टी के बूथ स्तरीय अभिकर्ता और कानूनी दल सहायता के लिए उपलब्ध रहेंगे। समस्याओं के समाधान के लिए पुरानी हवेली स्थित पार्टी कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

माधापुर हादसा मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं

पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों का दिया हवाला

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। माधापुर पुलिस ने हाल ही में दर्ज सड़क हादसे के मामले में आरोपी की गिरफ्तारी नहीं किए जाने को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तारी नहीं करने का फैसला कानून के प्रावधानों और सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के अनुरूप लिया गया है तथा इस पर किसी बाहरी दबाव का कोई प्रभाव नहीं था। पुलिस के अनुसार, मामला 16 अगस्त को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 106(1) के तहत दर्ज किया गया था और फिलहाल इसकी जांच जारी है। घटना के बाद संबंधित वाहन चालक को तत्काल हिरासत में लेकर शराब और मादक पदार्थों की प्रारंभिक जांच कराई गई, जिसमें दोनों परीक्षण नकारात्मक पाए गए। इसके बाद चालक के रक्त के नमूने फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) भेजे गए हैं। दुर्घटना में शामिल वाहन को जब्त कर मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर (एमवीआई) से जांच कराई गई है, जिसकी रिपोर्ट अभी आना बाकी है। पुलिस ने बताया कि बीएनएस की धारा 106(1) में अधिकतम पांच वर्ष की सजा का प्रावधान है। ऐसे मामलों में गिरफ्तारी की आवश्यकता का आकलन बीएनएसएस की धारा 35 और सुप्रीम कोर्ट के अर्नेश कुमार बनाम बिहार राज्य मामले में दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाना आवश्यक है। जांच के इस चरण में उपलब्ध साक्ष्यों और परिस्थितियों का आकलन करने के बाद पुलिस को आरोपी की गिरफ्तारी की आवश्यकता महसूस नहीं हुई। इसलिए बीएनएसएस की धारा 35 के तहत आरोपी को नोटिस जारी कर जांच में उपस्थित होकर सहयोग करने का निर्देश दिया गया। पुलिस ने आरोपी को किसी बाहरी प्रभाव के कारण जानबूझकर बचाए जाने के आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें तथ्यात्मक रूप से गलत और कानूनी तौर पर निराधार बताया। पुलिस ने कहा कि जांच आगे भी जारी रहेगी और यदि बाद में सामने आने वाले साक्ष्यों के आधार पर गिरफ्तारी जरूरी हुई तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

सोमवंशी आर्य क्षत्रिय समाज उन्नति मंडल की बैठक संपन्न

हैदराबाद,21 अगस्त, (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवंशी आर्य क्षत्रिय समाज उन्नति मंडल की पद्मारावनगर हैदराबाद में बैठक आयोजित हुई।

इस बैठक का मुख्य एजेंडा मंडल के रजिस्ट्रार आफ सोसाइटीज के अभिलेखों में नियमितीकरण कराने हेतु एडवोकेट एम.भीष्माचारी को मध्यस्थ या आर्बिट्रेटर नियुक्त करना रहा। इस बैठक में समाज के सदस्यता को बडे स्तर पर विकसित करने तथा समाज को मजबूत बनाने के लक्ष्य से सदस्यता फार्म जारी किए गए। फलस्वरूप भविष्य में विविध कल्याणकारी कार्यक्रमों के आयोजन में सहायता प्राप्त होगी। साथ ही इस बैठक में धनराशि एकत्रीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत भविष्य में विकास कार्यों के लिए बैंक खातों का विवरण, आरटीजीएस/नेफ्ट संबंधी जानकारी तथा यूपीआई स्कैनर भी साझा किए गए। बैठक के समापन में समाज के कार्यकारी सदस्यों ने उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद किया एवं समाज की भविष्य की सभी गतिविधियों में तत्संबंधितों के सहयोग तथा सक्रिय सहभागिता का अनुरोध किया।

स्कूल के लिए तय एक एकड़ ज़मीन पर कब्ज़े की कोशिश

मंचेरियल,21 अगस्त, (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के व्यापारियों में शामिल माने जाने वाले कुछ लोगों ने हाई-टेक सिटी कॉलोनी में स्कूल बनाने के लिए तय ज़मीन के एक हिस्से पर कब्ज़ा करने की कोशिश की। कब्ज़ा की जा रही ज़मीन की कीमत लगभग 10 करोड़ रुपये है।

मंदिर के पास स्थित यह ज़मीन 2006 में कॉलोनी के विकास के समय स्कूल बनाने के लिए तय की गई थी। वर्तमान में, इस कॉलोनी में ज़मीन की कीमत लगभग 30,000 रुपये प्रति वर्ग गज है। ज़मीन को अवैध रूप से हड़पने की कोशिशों के सामने आने पर, नगर पालिका अधिकारियों ने ज़मीन में घुसपैठ करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी देने वाला एक बोर्ड लगाया।

इसके बावजूद, प्लॉट के चारों ओर लोहे की चादरों से बाड़ लगा दी गई, जिससे कॉलोनी के निवासी हैरान रह गए। आरोप है कि राजनेताओं के समर्थन वाले कुछ व्यापारी ज़मीन पर कब्ज़ा करने की कोशिश कर रहे थे। स्थानीय निवासियों ने नगर पालिका अधिकारियों से ज़मीन की सुरक्षा करने का आग्रह किया है। अधिकारियों ने कहा कि ज़मीन स्कूल के लिए थी और इस पर कब्ज़ा करने की किसी भी कोशिश पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सं. वाय/सी.14/एम-युटीएस सहायक्स/2026-27, दि.13-08-2026

PUB/588/26

हैदराबाद डिवीजन पर मोबाइल अनरिजर्व्ड टिकेटिंग सिस्टम (एम-युटीएस) सहायकों की भर्ती

हैदराबाद डिवीजन पर काचीगुडा, निजामाबाद व कर्नूल टाउन रेलवे स्टेशनों पर एम-युटीएस सहायकों की भर्ती के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के पात्र सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों तथा यदि योग्य सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों पर विचार करने के बाद भी पद रिक्त रह जाने पर, जनसाधारण के पात्र सदस्यों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

तत्संबंधित भर्ती एम-युटीएस पायलट प्राजेक्ट के तहत शुध्द रुप से संविदात्मक है। चयनित एम-युटीएस सहायकगण, सीआऱआईएस/रेलवे प्रशासन से निर्धारित पंजीकृत/व्यिनस्त उपकरण का उपयोग करते हुए एम-युटीएस सिस्टम के माध्यम से अनुमति प्राप्त अनारक्षित टिकेट्स जारी करेंगे। यह भर्ती रेलवे सेवा में किसी भी प्रकार की नियुक्ति, अवशोषण या नियमितीकरण का अधिकार कतई प्रदान नहीं करते।

1 —— स्टेशन के अनुसार आवश्यकता:

क्र.सं	रेलवे स्टेशन	स्टेशन कोड:	श्रेणी	एम-युटीएस सहायकों की संख्या:
1	काचीगुडा	केसीजी	एनएसजी-2	02
2	निजामाबाद	एनजेडबी	एनएसजी-3	01
3	कर्नूल टाउन	केआरएनटी	एनएसजी-3	01

2. महत्वपूर्ण तिथियां-

1	निविदा प्रपत्रों को जारी करने की अंतिम तिथि:	15-09-2026 के 10.00 बजे तक
2	निविदा पेटी बंद करने की तिथि व समय:	15-09-2026 के 12.00 बजे तक
3	निविदा पेटी खोलने की तिथि व समय:	15-09-2026 के 12.15 बजे

3. प्रेषित या प्रस्तुत करने की पध्दति-

निर्धारित आवेदन प्रपत्र यथावत रुप से पूरी तरह से भरकर एवम् सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित संलग्न कर तथा निविदा दस्तावेज में सूचित अग्रधन (इएमडी) युक्त होने चाहिए।

यथावत रुप से पूरे किए हुए आवेदन को मुहरबंद लिफाफे में डालकर, इस लिफाफे पर,

-----------रेलवे स्टेशन --------- श्रेणी के तहत एम-युटीएस सहायक के रुप में भर्ती हेतु आवेदन अंकित करना चाहिए।

तत्संबंधित आवेदनों को, टेन्डर हाल, डीआऱएम/एचवायबी कम्पाउंड, ओल्ड आरपीएफ आफिस, हैदराबाद भवन के समीप, सिकंदराबाद-500025 पर स्थित डिजिगनेटेड एप्लीकेशन बाक्स में डाल देना चाहिए।

निविदा अधिसूचना व निर्धारित आवेदन प्रपत्र, आफिशियल साउथ सेंट्रल रेलवे **वेबसाइट**:www.scr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

डाक/कोरियर द्वारा प्रेषित या दि.15-09-2026 के 12.00 बजे के बाद प्राप्त आवेदनों पर कतई विचार नही किया जायेगा तथा ऐसे आवेदनों को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधक/हैदराबाद

A680

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सं. सीड़सीड़565ड़एटीवीएमड़2026, दि.19-08-2026

PUB/587/26

अनुलग्नक 1 में उल्लेखित स्थानों पर स्वचालित या आटोमेटिक टिकेट वेन्डिंग मशीन (एटीवीएम) की भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा 2 वर्ष की अवधि हेतु 21 (इक्कीस) स्थानों पर आटोमेटिक टिकेट वेन्डिग्न मशीन (एटीवीएम) की भर्ती हेतु मुहरबंद आवेदन आमंत्रित हैं।

अनुलग्नक-1 में एटीवीएम संख्याक सहित स्थानों तथा फैसिलिटेटर्स की भर्ती के रिक्त पद का विवरण संलग्न है।

अनुलग्नक-2 & अनुलग्नक-3 में क्रमशः एटीवीएम फैसिलिटेटर्स सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों & साधारण जन की भर्ती के लिए आवेदन प्रपत्र संलग्न है। जिसमें सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों को प्रथम रुप से प्राधान्यता दी जायेगी।

आवेदन प्रपत्र, पात्रता मानदंड & अन्य विवरण वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

इच्छुक सेवानिवृत्त कर्मचारियोंड़सामान्य जनों को अपने अपने मुहरबंद आवेदनों को निर्धारित प्रपत्र के निम्न अनुसूची श्रेणी नुसार प्रस्तुत करना चाहिएः

श्रेणी	स्थान	प्रस्तुत करनेड़खोलने की तिथि
एनएसजी-1, 2, 3	(21)- एससी, एचवायबी, सीएचजेड, एमसीआय, आरसी & वायजी (6)	17-09-2026 (गुरुवार)
अन्य श्रेणी	आरडीएम, एसकेजेडआर, पीडीपीएल, टीडीयु, वीकेबी, डीकेजे, एलइआर, सीटी, एसएडीपी, केएसएन, एचटीसीवाय, सीडीएनआर, बीटीएनआर, एचएफजेड & बीआरबीडी (15)	दि. 18-09-2026 (शुक्रवार)

टिप्पणीः तत्संबंधित आवेदन, केवल निर्धारित तिथियों पर नामित स्टेशनों के लिए प्रस्तुत किये जाने चाहिए। नामित तिथियों के पहले या पश्चात् ड़नामित स्थानों के लिए प्रस्तुत आवेदनों को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

यदि तत्संबंधित तिथि को सरकारी अवकाश घोषित होता है तो, निविदाओं को उसके अगले कार्यदिवस में खोला जायेगा। निविदा विवरण & निविदा प्रपत्र **वेबसाइटः** www.scr.indianrailways.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते हैं।

तत्संबंधित आवेदनों को अनुसूचित तिथियों के 15.00 बजे तक या इसके पहले, टेंडर हाल, हैदराबाद डिवीजन कम्पाउंड, सिकंदराबाद (अनुराग क्रेचे के बाजू), सिकंदराबाद स्थित मुहरबंद निविदा पेटी में डाल देना चाहिए। अनुसूचित तिथियों के 15.00 बजे तक अर्थात् तत्संबंधित बंद करने की तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदनों को अस्वीकार किया जायेगा या उस पर विचार नही किया जायेगा। आवेदनों को प्रस्तुत करने की वही उक्त तिथि के 15.30 बजे खोला जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधकड़सिकंदराबाद

A681

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

राहुल के 6 घंटे...

राहुल गांधी बोले- ये न्याय की तरफ पहला कदम है

एफआईआर लिखे जाने के बाद साहिल के परिवार के साथ बाहर आए राहुल गांधी ने कहा कि हमने यहां आकर कुछ नया नहीं किया। लेकिन हमें यहां 8 घंटे लग गए, अपनी शिकायत दर्ज करवाने के लिए। ये न्याय की तरफ पहला कदम है। राहुल ने कहा- पुलिसवाले शिकायत दर्ज करना चाहते थे, लेकिन उन्हें ऊपर से रोककर रखा गया था।

राहुल गांधी जिस पीड़ित साहिल को लेकर थाने पहुंचे है, उसने 14 अगस्त को एक शिकायत लिखी थी, उसमें 7 अहम पॉइंट लिखे हैं&।

गंभीर चोट और आंख की रोशनी जाना: प्रदर्शन के दौरान 19 वर्षीय छात्र साहिल पर सुरक्षाबलों (दिल्ली पुलिस, आरएएफ / सीआरपीएफ) पर पैलेट गन से 5 से 6 बार फायरिंग की गई। इसके कारण साहिल की दाहिनी आंख की रोशनी 1% से भी कम बचने की संभावना डॉक्टर ने जताई है।

शरीर में 200 से अधिक छर्रे: एम्स में हुई सीटी स्कैन की जांच के अनुसार, साहिल के शरीर (गर्दन, चेहरे, जबड़े और दाहिनी आंख के गड्ढे) में 200 से अधिक छर्रे फंसे हुए हैं, जिन्हें नस के पास होने के कारण निकाला नहीं जा सकता।

डॉक्टरों का रिकॉर्ड: शिकायत में साफ लिखा है कि इलाज करने वाले एम्स के डॉक्टर ने अपनी पर्ची और मेडिकल रिकॉर्ड में यह स्पष्ट रूप से दर्ज किया है कि ये चोटें पैलेट गन लगने के कारण ही आई हैं।

भविष्य और करियर की बर्बादी: साहिल ने लिखा है कि उसका सपना दिल्ली पुलिस में भर्ती होने का था, लेकिन इस चोट के बाद अब उसे वह नौकरी कभी नहीं मिल सकती और उसकी पढ़ाई भी रुक गई है। उसके पिता विकलांग हैं और वह घर का सबसे बड़ा बेटा है।

पुलिस द्वारा शिकायत दर्ज करने से इनकार: जब साहिल की मां और वकील 14 अगस्त 2026 को कनॉट प्लेस थाने शिकायत देने गए, तो पुलिस अधिकारियों (इंस्पेक्टर बाबू लाल और एएसआई बलविंदर) ने मामला क्राइम ब्रांच में ट्रांसफर होने का हवाला देकर शिकायत लेने और रिसीविंग देने से मना कर दिया। उन्हें अलग-अलग थानों (संसद मार्ग और आर.के. पुरम क्राइम ब्रांच) के चक्कर कटवाए गए।

दिल्ली पुलिस के गले...

पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर नई दिल्ली जिला डीसीपी सचिन शर्मा ने बतौर एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट सीआरपीएफ/आरएएफ के सहायक कमांडेंट दिलावर सिंह को लिखित में यह अधिकार दिया था कि वे गैर-कानूनी तरीके से एकत्रित हुई भीड़ को तितर बितर करने के लिए गैस, लाठीचार्ज व फायर आर्म्स का प्रयोग कर सकते हैं। आरएएफ ने इसी अधिकार का पालन किया। प्रदर्शन के दौरान नाजुक स्थिति को संभालने के लिए पैलेट गन का इस्तेमाल किया था।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए विरोध प्रदर्शन में उग्र हुई भीड़ पर नियंत्रण पाने के लिए दिल्ली पुलिस के डीसीपी राजा बांठिया के आदेश पर पैलेट गन चलाई गई थी। आरएएफ ने उनके आदेश के बाद पैलेट गन के कई शेल दागे। पांच टीयर स्मोक ग्रेनेड, दंगारोधी गन (2 बीसी) और प्लास्टिक पैलेट का भी इस्तेमाल किया गया। यह खुलासा दिल्ली पुलिस के एक दस्तावेज में हुआ है। 20 जुलाई की घटना के समय आरएएफ के डिप्टी कमांडेंट सतीश सांगवान ड्यूटी पर थे। वे बी-208 यूनिट की कमान संभाल रहे थे। उन्होंने डीओ रूम में बताया कि वे जोन-1 में तत्कालीन नॉर्थ डीसीपी राजा बांठिया के साथ ड्यूटी पर थे। उनके आदेश पर भीड़ को तितर-बितर करने के लिए दंगारोधी उपायों का इस्तेमाल किया गया। अन्य उपकरणों के साथ एंटी-रायट गन (एआरजी) का भी प्रयोग किया गया। यह गन कम जानलेवा हथियारों की श्रेणी में आती है और सावधानीपूर्वक इस्तेमाल किए जाने पर इसे जानलेवा नहीं माना जाता।

ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी...

हम हैदराबाद को वैश्विक ज्ञान केंद्र बनाएंगे। उस्मानिया से लेकर एचसीयू और जेएनटीयू जैसे विश्वविद्यालयों की स्थापना ने हैदराबाद को सर्वश्रेष्ठ मानव संसाधन का केंद्र बना दिया है। हैदराबाद पब्लिक स्कूल ने यह साबित कर दिया है कि हम दुनिया का नेतृत्व कर सकते हैं और कुछ बेहतरीन तकनीकी नेताओं को तैयार कर सकते हैं। आईआईटी, आईएसबी, आईआईआईटी और नालसर की शुरुआत ने हैदराबाद को शीर्ष निगमों और उनके सहयोगी संगठनों को आकर्षित करने में मदद की है। अब, हम हैदराबाद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शिक्षा और कौशल संस्थानों का केंद्र बनाएंगे ताकि हम 21वीं सदी की अपनी यात्रा को गति दे सकें।

, निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, रेवंत रेड्डी ऑक्सफ़ोर्ड, कैम्ब्रिज, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, लंदन बिजनेस स्कूल, लंदन विश्वविद्यालय आदि के दौरे और उनसे बातचीत जारी रखेंगे। इसी क्रम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी दुनिया की सबसे पुरानी यूनिवर्सिटी, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी पहुँचे हैं, जो 900 साल पुरानी है। ऑक्सफ़ोर्ड के अंतर्गत आने वाले संस्थानों में 'ब्लावतनिक स्कूल ऑफ़ गवर्नमेंट' सबसे नए संस्थानों में से एक है। प्रोफ़ेसर माया ट्युडर और प्रोफ़ेसर फ़ैसल देवजी ने कैंपस में प्रतिनिधिमंडल से मुलाक़ात की, जिसमें के. रामकृष्ण राव और अन्य लोग शामिल थे। बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी भी ऑक्सफ़ोर्ड की छात्रा रही थीं। वह यूनाइटेड किंगडम के शीर्ष खेल संस्थानों और कुशल नेतृत्वकर्ताओं से भी मुलाकात करेंगे और तेलंगाना के साथ साझेदारी को औपचारिक रूप देने का प्रयास करेंगे। हैदराबाद को दुनिया के शीर्ष शहरों में से एक बनाने का मेरा संकल्प और प्रयास, जहां कोई भी आम भारतीय हार्वर्ड और ऑक्सफ़ोर्ड, या एमआईटी, एलबीएस या एलएसई से शिक्षा और प्रमाण पत्र प्राप्त कर सके, इसलिए है क्योंकि जहां अधिकांश नेता अपने बच्चों को विदेश भेजना चाहते हैं, वहीं मैं दुनिया के सर्वश्रेष्ठ को भारत लाना चाहता हूं।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

त्रीसा और गायत्री की जोड़ी ने विश्व चैंपियनशिप में पक्का किया पदक

सेमीफाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी ने बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में पदक पक्का कर लिया है। त्रीसा और गायत्री ने क्वार्टर फाइनल में चीन की जिया यी फान और झांग शू जियान की जोड़ी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। विश्व चैंपियनशिप में सेमीफाइनल में पहुंचते ही पदक पक्का हो जाता है। त्रीसा-गायत्री की जोड़ी ने जिया और जियान की जोड़ी को 16-21, 21-15, 21-13 से हराया।

2011 के बाद महिला युगल में भारत को मिलेगा पदक

त्रीसा और गायत्री का यह प्रदर्शन ऐतिहासिक है। 15 साल बाद ऐसा हो रहा है कि विश्व चैंपियनशिप में महिला युगल जोड़ी ने पदक पक्का किया है। इससे पहले 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने लंदन में खेले गए इस टूर्नामेंट में कांस्य पदक अपने नाम किया था।

पिछड़ने के बाद की वापसी

भारत की गैर-वरीयता प्राप्त जोड़ी शुरुआत में पिछड़ रही थी, लेकिन इन्होंने वापसी करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। त्रीसा ने चोट से वापसी करते हुए दमदार प्रदर्शन किया। त्रीसा और गायत्री की जोड़ी पहला गेम गंवा बैठी थी, लेकिन इस भारतीय जोड़ी ने घरेलू परिस्थिति का फायदा उठाया और भारत के लिए पदक पक्का किया। त्रीसा और गायत्री ने 2022 और 2023 में ऑल इंग्लैंड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक भी जीता था और पिछले साल की शुरुआत में शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रही थीं।

चोट के कारण परेशान रहीं त्रीसा इस साल एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप और उबर कप की तैयारियां करते वक्त त्रीसा के टखने में चोट लग गई थी। अभ्यास करते वक्त वह अपने पार्टनर के पैर पर चढ़ गईं जिससे उनका टखना मुढ़ गया था। इसके बाद उनकी एमआरआई हुई जिससे पता चला कि उनकी चोट गंभीर है। रिहैब के बाद त्रीसा और गायत्री ने इंडोनेशिया ओपन से वापसी की और फिर फिलिपिंस इंटरनेशनल चैलेंज में हिस्सा लेने से पहले यूएस ओपन में शिरकत की थी।

आर्थर फिल्स ने थियागो अगस्टिन टिरेंटे को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

सिनसिनाटी, 21 अगस्त (एजेंसियां)। आर्थर फिल्स ने सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। फिल्स ने 64 मिनट तक चले मुकाबले में थियागो अगस्टिन टिरेंटे को 6-3, 6-2 से हराया। फिल्स ने इस सीजन के तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में जगह बनाई है। 22 साल के फिल्स एक सीजन में तीन मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले फ्रांसीसी बन गए। उनसे पहले गाइ फॉरगेट ने 1991 में यह उपलब्धि हासिल की थी। फरवरी में आठ महीने की चोट के बाद वापसी करते हुए फिल्स का शानदार सीजन रहा है। एटीपी जीत/हार इंडेक्स के मुताबिक, इस साल फ्रेंचमैन का टूर-लेवल रिकॉर्ड 30-10 रहा है, जिसमें बार्सिलोना में एक खिताब और मियामी और मैड्रिड में मास्टर्स 1000 इवेंट्स के सेमीफाइनल में पहुंचना शामिल है।

डोपिंग को लेकर नाडा की बड़ी कार्रवाई

भारतीय भाला फेंक एथलीट पर लगाया 10 साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व एशियाई रजत पदक विजेता और ओलंपियन भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल सिंह पर दूसरे डोपिंग अपराध के लिए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अनुशासनात्मक पैनल ने 10 साल का प्रतिबंध लगाया है। शिवपाल प्रतिबंधित पदार्थ मेथाएंडिएनोन के सेवन के लिए पॉजिटिव पाए गए थे। 31 साल की उम्र में यह प्रतिबंध उनके खेल करियर का अंत कर सकता है। शिवपाल ने टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

एशियाई चैंपियनशिप में जीता था रजत

शिवपाल के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि 2019 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीतना है। दोहा में उन्होंने 86.23 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए यह पदक हासिल किया था। हालिया मामलों में कार्रवाई का सामना करने वाले शिवपाल अकेले भारतीय एथलीट नहीं हैं। धाविका एमवी जिल्ना को भी दूसरे डोपिंग उल्लघंन के लिए अस्थायी रूप से निलंबित किया गया और वह मेफेंटरमाइन के लिए पॉजिटिव मिलीं। इससे पहले 2021 में शिवपाल का डोप नमूना प्रतियोगिता से बाहर की गई जांच में एक स्टेरॉयड के लिए पॉजिटिव आया था।

पहले लगा था चार साल का प्रतिबंध

नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल ने अगस्त 2022 में उन्हें डोपिंग उल्लघंन का दोषी मानते हुए 2021 से चार साल का प्रतिबंध लगाया था। यह प्रतिबंध 2025 तक चलना था, लेकिन शिवपाल ने नाडा के अपील पैनल के सामने सफलतापूर्वक तर्क दिया कि उनकी डोप जांच में पॉजिटिव आने के पीछे दूषित सप्लीमेंट्स जिम्मेदार थे। जनवरी 2023 में अपील पैनल ने उनकी दलील स्वीकार करते हुए प्रतिबंध को चार साल से घटाकर सिर्फ एक साल कर दिया।

22 साल तक चली कानूनी लड़ाई खत्म

पूर्व भारतीय बल्लेबाज को कोर्ट से क्लीन चिट मिला

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर जैकब मार्टिन को 22 साल पुराने केस में बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया है। यह मामला 2004 में दर्ज एक एफआईआर से जुड़ा था। इसमें धोखाधड़ी, जालसाजी, फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल और आपराधिक साजिश जैसे आरोप लगाए गए थे। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जैकब मार्टिन के खिलाफ लगाए गए आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त और विश्वसनीय सबूत नहीं मिले।

कोर्ट के फैसले पर जैकब मार्टिन ने क्या कहा?

जैकब मार्टिन ने फैसले के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि यह मामला 2004 में इंग्लैंड दौरे पर गई उनकी टीम के एक खिलाड़ी से जुड़ा था। मार्टिन ने एएनआई से बात करते हुए कहा, 'साल 2004 में मेरी एक टीम खेलने के लिए यूके गई थी। उस टीम में शामिल सभी खिलाड़ी वापस आ गए, सिवाय एक लड़के के जो यूके में ही रुक गया। उसका वीजा 6 महीने के लिए वैलिड था, इसलिए वह 6 महीने तक वहां रह सकता था, लेकिन वह तय समय से ज्यादा समय तक वहां रुका रहा। उसने किसी के जरिए वहां फेक स्टैम्पिंग करवा ली। जब वह भारत लौटा, तो उसे यूके से डिपोर्ट कर दिया गया। उसे इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर पकड़ा गया और फिर उससे पूछताछ की गई।'

मार्टिन की रेलवे की नौकरी भी चली गई

उन्होंने दावा किया कि उनका नाम शुरुआती एफआईआर में नहीं था, लेकिन जांच के दौरान उन्हें मामले में शामिल कर लिया गया। मार्टिन का कहना है कि इंटरनेशनल क्रिकेटर होने और पहचान बड़ी होने की वजह से उनका नाम इस मामले से जोड़ा गया। जैकब मार्टिन ने आगे कहा, 'इन 22 सालों में मुझे बीसीसीआई से भी कोई जवाब नहीं मिल रहा था। मेरी रेलवे की नौकरी भी चली गई थी। इस वजह से मैं बहुत तनाव में था, लेकिन अब जो फैसला आया है। अब कोर्ट से क्लीन चिट मिलने के बाद मुझे बड़ी राहत मिली है।

श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया को हाई कमिश्नर का न्यौता

कोलंबो के इंडिया हाउस में हुआ भव्य स्वागत, दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से

कोलंबो, 21 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका में भारत के हाई कमिश्नर संतोष झा ने दूसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया की मेजबानी की। यह कार्यक्रम कोलंबो स्थित इंडिया हाउस में हुआ। बीसीसीआई ने इस मौके से जुड़ी पोस्ट में कोलंबो की शाम को यादगार बताया गया। पोस्ट में टीम इंडिया के साथ भारत का झंडा भी लगाया गया। भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच 23 अगस्त 2026 से शुरू होगा। यह मुकाबला कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में खेला जाएगा। भारतीय टीम ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को 165 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

कार्लोस अल्काराज यूएस ओपन से वापसी करेंगे

टूर्नामेंट के डिफेंडिंग चैंपियन, कलाई की चोट के कारण 4 महीने से टेनिस से दूर थे

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज चार महीने बाद कोर्ट पर वापसी करेंगे। दाहिनी कलाई की चोट के कारण वे अप्रैल से टेनिस से दूर हैं। अल्काराज ने 30 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होने वाले यूएस ओपन में खेलने की पुष्टि की है। वे टूर्नामेंट के डिफेंडिंग चैंपियन हैं। चोट के कारण अल्काराज फ्रेंच ओपन, विंबलडन, टोरंटो और सिनसिनाटी ओपन में नहीं खेल सके। वे यूएस ओपन से पहले किसी भी वार्म-अप टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे।

पोस्ट के जरिए दी वापसी की जानकारी

अल्काराज ने अपनी वापसी की जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। अल्काराज ने भी एक्स पर अमेरिकी झंडे और प्लेन की इमोजी के साथ पोस्ट किया।

अप्रैल में बार्सिलोना ओपन के दौरान लगी थी चोट

अल्काराज ने अप्रैल में बार्सिलोना ओपन से हटने के बाद कोई मैच नहीं खेला। दाहिनी कलाई की चोट के कारण उन्हें करीब चार महीने कोर्ट से दूर रहना पड़ा। इस दौरान उन्होंने फ्रेंच ओपन और विंबलडन जैसे दोनों बड़े ग्रैंड स्लैम मिस किए। वापसी से पहले उन्होंने स्पेन के मर्सिया में अभ्यास शुरू किया और हाल में डेनमार्क के होल्गर रूने के साथ भी ट्रेनिंग की। इसके बाद उन्होंने US ओपन में खेलने का फैसला किया।

2022 में यूएस ओपना में ही जीता था पहला ग्रैंड स्लैम

अल्काराज ने 2022 में यूएस ओपन जीतकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया था। 2025 में भी उन्होंने फाइनल में इटली के जैनिक सिनर को हराकर खिताब जीता था। अब वह 2026 में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर की थी 2026 की शानदार शुरुआत

अल्काराज ने 2026 की शुरुआत ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतकर की थी।

इस जीत के साथ उन्होंने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया और चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बने। इसके बाद कलाई की चोट ने उनके सीजन को रोक दिया।

स्वियातेक ने सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई

पुरुषों में आर्थर फिल्स अंतिम चार में

सिनसिनाटी, 21 अगस्त (एजेंसियां)। एलेना रायबाकिना के टखने की चोट के कारण पहले सेट से हट जाने से इगा स्वियातेक ने सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाई। जब दूसरे नंबर की खिलाड़ी रायबाकिना 1-4, 40-40 के स्कोर पर सर्व कर रही थीं, तब उन्होंने अपने बाएं टखने का इलाज कराने के लिए मेडिकल टाइमआउट लिया और कुछ ही क्षण बाद मैच से हट गईं।

अब जेसिका पेगुला से होगा सामना

मौजूदा चैंपियन स्वियातेक ने सिनसिनाटी में अपने पिछले चार मुकाबलों में से प्रत्येक में कम से कम सेमीफाइनल तक का सफर तय किया है। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला से होगा। पेगुला ने अपनी हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा को 6-4, 2-6, 7-6 (4) से हराकर इस सत्र की अपनी 44वीं जीत दर्ज की, जो टूर में सबसे अधिक जीत है। पुरुषों में आर्थर फिल्स ने सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। फिल्स ने 64 मिनट तक चले मुकाबले में थियागो अगस्टिन टिरेंटे को 6-3, 6-2 से हराया। फिल्स ने इस सीजन के तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में जगह बनाई है। 22 साल के फिल्स एक सीजन में तीन मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले फ्रांसीसी बन गए। उनसे पहले गाइ फॉरगेट ने 1991 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

सरफराज खान की वापसी, कुलदीप की जगह सारांश जैन का डेब्यू?

> कोलंबो टेस्ट से पहले टीम इंडिया के सामने 3 बड़े सवाल

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला गॉल में 165 रनों से अपने नाम किया था। अब 23 अगस्त से कोलंबो में होने वाले दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की नजरें होंगी 2-0 से सीरीज कब्जाने पर। इसके लिए यह देखने वाली बात होगी कि टीम में बदलाव क्या होते हैं? ऐसे में दूसरे टेस्ट से पहले भारतीय टीम मैनेजमेंट के सामने 3 बड़े सवाल जरूर होंगे।

सरफराज खान की वापसी प्लेइंग 11 में हो पाएगी या नहीं, सारांश जैन का डेब्यू होगा या नहीं, अगर डेब्यू हुआ तो किसकी जगह होगा? ऐसे कई बड़े चर्चा के विषय भारतीय दल में दूसरे टेस्ट से पहले जरूर उठेंगे। एक-एक करके विस्तार से जानते हैं ऐसे 3 बड़े सवालों के बारे में जो दूसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया के सामने होंगे।

सरफराज खान को चोटिल साई सुदर्शन की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया था। पहले मुकाबले में उन्हें मौका नहीं मिल पाया और ध्रुव जुरेल को प्लेइंग 11 में जगह मिली। अब एक मैच जुरेल ने खेला और गॉल टेस्ट की पहली पारी में अर्धशतक भी लगाया, मगर दूसरी पारी में वह फ्लाप रहे। ऐसे में सरफराज खान को कोलंबो टेस्ट में क्या मैनेजमेंट आजमा सकता है यह देखने वाली बात होगी।

सरफराज ने आखिरी मुकाबला 2024 में खेला था और अब तक वह भारत के लिए 6 टेस्ट मैच ही खेले हैं और 11 पारियों में 371 रन बना चुके हैं। उनको स्पिन का एक अच्छा खिलाड़ी भी बताया जाता है, गॉल टेस्ट की दूसरी पारी में जिस तरह मध्यक्रम लड़खड़ाया, उसको देखते हुए सरफराज नंबर 6 या नंबर 7 की पोजिशन पर कारगर भी साबित हो सकते हैं। अब मैनेजमेंट उनको जुरेल या किसकी जगह खिलाएगा या नहीं खिलाएगा यह 23 अगस्त को ही पता चलेगा।

गॉल टेस्ट में मानव सुतार और रविंद्र जडेजा ने पहली पारी में 20 से ज्यादा ओवर फेंके, जबकि कुलदीप ने केवल 14 ओवर गेंदबाजी की। वहीं दूसरी पारी में सुतार ने लगभग 24 और जडेजा 23 ओवर डाले, इस पारी में कुलदीप यादव को सिर्फ 11 ओवर गेंदबाजी दी गई। सबसे बड़ा सवाल यह है कि उन्हें गेंदबाजी 29वें ओवर में मिली। यह सवाल उठाता है कि या तो कुलदीप पूरी तरह फिट नहीं हैं, या फिर कप्तान को उन पर ज्यादा भरोसा नहीं है? यही कारण है कि कोलंबो टेस्ट में सारांश जैन के डेब्यू का मौका मिल सकता है।

सारांश एक अच्छे बल्लेबाज भी हैं और निचले क्रम पर उनकी बल्लेबाजी भी भारत के काम आ सकती है। इसके अलावा भारत ने गॉल में तीनों लेफ्ट आर्म स्पिनर खिलाए थे और यह प्लानिंग मध्य के ओवर्स में श्रीलंका के लिए फायदेमंद रही थी। ऐसे में सारांश एक दाएं हाथ के ऑफ स्पिन गेंदबाज हैं और यह भारतीय स्पिन अटैक को नई वैराएटी भी देगा। इसलिए उनको मैडेन टेस्ट कैप मिलने के काफी आसार हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट में एक बदलाव किया

रेनशॉ की 3 साल बाद वापसी, वेदराल्ड बाहर; बांग्लादेश के खिलाफ दूसरा मुकाबला आज से

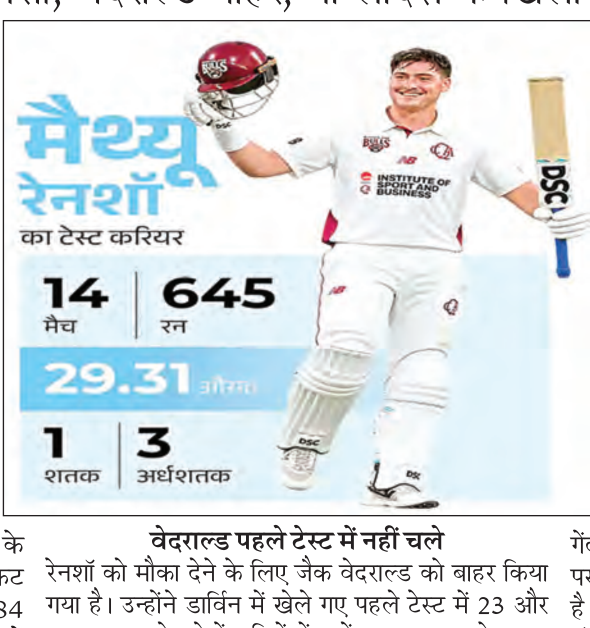

मेलबॉर्न, 21 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 में एक बदलाव किया है। जैक वेदराल्ड की जगह मैथ्यू रेनशॉ को टीम में शामिल किया गया है। रेनशॉ 3 साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करेंगे और ट्रैविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। दूसरा टेस्ट 22 अगस्त से मैके में खेला जाएगा। दो मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को बांग्लादेश ने 9 विकेट से हराया था। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम के सामने दूसरा टेस्ट जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर करने की चुनौती है।

रेनशॉ ने आखिरी टेस्ट भारत के खिलाफ खेला था

मैथ्यू रेनशॉ फरवरी 2023 के बाद पहली बार टेस्ट मैच खेलेंगे। यह उनका 15वां टेस्ट होगा। उन्होंने आखिरी टेस्ट भारत दौरे पर खेला था। उस मुकाबले में वह मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करने उतरे थे। इस बार रेनशॉ को ओपनिंग की जिम्मेदारी मिली है। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में इसी भूमिका में पाकिस्तान के खिलाफ 2016-17 में शतक लगाया था। टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत 29.31 है, जबकि बेस्ट स्कोर 184 रन है। पिछले सीजन में रेनशॉ ने शेफील्ड शील्ड में अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने 49.90 की औसत से रन बनाए और तीन शतक लगाए।

वेदराल्ड पहले टेस्ट में नहीं चले

रेनशॉ को मौका देने के लिए जैक वेदराल्ड को बाहर किया गया है। उन्होंने डार्विन में खेले गए पहले टेस्ट में 23 और 0 रन बनाए थे। दोनों पारियों में उन्हें हसन महमूद ने आउट किया था। कप्तान पैट कमिंस ने वेदराल्ड के प्रदर्शन पर कहा कि वह टीम के साथ अच्छे रहे, लेकिन 6 टेस्ट मैचों में उतने रन नहीं बना सके, जितने उनसे और टीम से उम्मीद थी। अब उन्हें घरेलू क्रिकेट में लौटकर शेफील्ड शील्ड में प्रदर्शन के जरिए टीम में वापसी करनी होगी। दूसरे टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया के सामने टीम कॉम्बिनेशन को लेकर बड़ा सवाल था। मैके की पिच को देखते हुए चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने पर विचार किया जा रहा था। ऐसी स्थिति में नाथन लायन की जगह स्कॉट बोलैंड को मौका मिल सकता था। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया ने लायन को टीम में बनाए रखा है। लायन ने दिसंबर में एशेज के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट के बाद डार्विन टेस्ट से वापसी की थी। वहां उन्होंने पहली पारी में 1/102 का प्रदर्शन किया।

मैके में पहली बार टेस्ट, शुरुआत में पेस को मदद की उम्मीद

ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में पहली बार टेस्ट मैच खेला जाएगा। क्यूरेटर पीटर कजाकोफ के मुताबिक पिच पर पेस और बाउंस मिलने की उम्मीद है। शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिल सकती है, जबकि मैच आगे बढ़ने पर पिच बल्लेबाजों और स्पिनर्स के लिए बेहतर हो सकती है। डेविड वॉर्नर के जनवरी 2024 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद ऑस्ट्रेलिया लगातार ओपनिंग कॉम्बिनेशन में बदलाव करता रहा है। वॉर्नर के बाद उस्मान ख्वाजा को छोड़कर सात खिलाड़ी ओपनिंग कर चुके हैं।

श्रीलंका ने कोलंबो टेस्ट के लिए 14 सदस्यीय टीम का किया ऐलान, अराचिगे और मिशारा को मौका

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने भारत के खिलाफ रविवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम की घोषणा कर दी है। 14 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर सहन अराचिगे और बल्लेबाज कामिल मिशारा को शामिल किया गया है।

पहले टेस्ट के दौरान चोटिल हुए दिनेश चांदीमल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनके रिप्लेसमेंट रहे पासिंदु सोरियाबंदारा को भी टीम से बाहर रखा गया है। दूसरे ओपनर निशान मदुश्का को जगह नहीं मिली, जबकि गेंदबाजी ऑलराउंडर रमेश मेंडिस और तेज गेंदबाज दिलशान मदुश्का भी टीम में जगह नहीं बना सके। अराचिगे को भारत ए के खिलाफ उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। अराचिगे ने भारत ए के खिलाफ हाल ही में श्रीलंका ए क्रिकेट टीम की कप्तानी की थी और बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। अराचिगे ने पहले मैच में 72 और दूसरे मैच में 127 रन की पारी खेली थी। दो अनाधिकारिक मैचों की सीरीज में भारतीय साई सुदर्शन के बाद अराचिगे दूसरे श्रेष्ठ स्कोरर रहे थे। अराचिगे को टेस्ट डेब्यू का इंतजार है। मिशारा लंका प्रीमियर लीग 2026 में शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने हाल के सीजन में नौ पारियों में 411 रन बनाए थे। उन्होंने गॉल गैलेंट्स के खिलाफ शतक भी बनाया था। वे मेजर क्लब्स टी20 कॉम्पिटिशन में शानदार फॉर्म में थे और महज 72 गेंदों पर 145 रन की पारी खेली थी। श्रीलंका पहला टेस्ट मैच हार चुकी है। सीरीज बचाने के लिए श्रीलंका को दूसरे टेस्ट में भारत के खिलाफ जीत दर्ज करनी होगी। पहला टेस्ट टीम इंडिया ने 165 रन से जीता था।

सिंचाई परियोजनाओं में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए अभियान चलाने का निर्देश

मंत्री उत्तम ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने शुक्रवार को तेलंगाना भर में प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं में देरी कर रही भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (आर एंड आर) संबंधी बाधाओं को दूर करने के लिए युद्धस्तर पर अभियान शुरू किया। उन्होंने जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया कि जहां भी दस्तावेजी कार्यवाही पूरी हो, वहां पहले से स्वीकृत या जारी किया गया मुआवजा एक या दो दिनों के भीतर किसानों और विस्थापित परिवारों तक पहुंच जाए। जिला कलेक्टरों, मुख्य अभियंताओं और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपातकालीन वीडियो कॉन्फ्रेंस करते हुए मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्निर्माण, वन भुगतान और सिंचाई परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए आवश्यक अन्य मुद्दों को हल करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। तदनुसार, मुख्यमंत्री ने इस उद्देश्य के लिए 5,000 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। उत्तम कुमार रेड्डी ने स्पष्ट किया कि स्वीकृत धनराशि विस्थापित किसानों और उनके परिवारों तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कलेक्टरों के निजी जमा (पीडी) खातों में धनराशि जमा करने से उद्देश्य पूरा नहीं होगा। उन्होंने कहा, पैसा अंततः किसान या विस्थापित परिवार तक पहुंचना चाहिए।

सरकार ने जिस उद्देश्य के लिए ये धनराशि उपलब्ध कराई है, उसे पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मंजूरी और अंतिम भुगतान के बीच की हर अनावश्यक प्रशासनिक कमी को दूर किया जाए। उत्तम कुमार रेड्डी ने लाभार्थियों को जारी की गई धनराशि और वास्तव में उनके खातों में जमा किए गए भुगतान के बीच के अंतर की दैनिक निगरानी का आह्वान किया। वसूलीकर्ताओं को निर्देश दिया गया कि वे प्रक्रियात्मक मुद्दों के कारण मुआवजे में देरी होने देने के बजाय, जहां भी आवश्यक हो, अतिरिक्त कर्मचारियों और विशेष टीमों को तैनात करें। उन्होंने कलेक्टरों को यह भी निर्देश दिया कि वे भूमि अधिग्रहण की औपचारिकताओं को पूरा करने से पहले अपने पीडी खातों में धनराशि पहुंचने का इंतजार न करें।

मुख्यमंत्री की विदेश यात्रा की मंजूरी को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने शुक्रवार को कांग्रेस पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की प्रस्तावित अमेरिकी यात्रा के लिए राजनीतिक मंजूरी से इनकार को अनावश्यक रूप से राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया। यहां राज्य भाजपा कार्यालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए राव ने कहा कि केंद्र के फैसले में कोई राजनीतिक पहलू नहीं है और उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के साथ आए अधिकारियों को निवेश बैठकों और समझौतों को आगे बढ़ाने की अनुमति पहले ही दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय राजनीतिक मंजूरी देने से पहले यात्रा के उद्देश्य, राजनयिक और सुरक्षा संबंधी विचार, प्रोटोकॉल और अन्य नियामक आवश्यकताओं सहित कई कारकों पर विचार करता है। राव ने यूपीए शासनकाल के दौरान के उन उदाहरणों का हवाला दिया जब असम के तत्कालीन मुख्यमंत्री तरुण गोगोई और झारखंड के मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा की विदेश यात्राओं को मंजूरी नहीं दी गई थी। उन्होंने कांग्रेस से इस मुद्दे का राजनीतिकरण न करने का आग्रह किया।

उन्होंने याद दिलाया कि कैसे कांग्रेस सांसदों और नेताओं ने साजिश रचकर तत्कालीन गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिका का वीजा देने से इनकार करने के लिए पत्र लिखे थे। उन्होंने बताया कि अतीत में जब रेवंत रेड्डी ने विदेश यात्रा की थी तब केंद्र ने कोई बाधा नहीं डाली थी, और वर्तमान निर्णय नियमों और प्रक्रियात्मक मानदंडों के अनुसार ही लिया गया है। इसी बीच, राव ने प्रख्यात डॉक्टरों डॉ. विजयेंद्र और डॉ. प्रमोद का भाजपा में स्वागत किया। डॉ. विजयेंद्र कैंसर के इलाज और तेलंगाना डॉक्टर्स फेडरेशन से जुड़े हैं, जबकि डॉ. प्रमोद एलबी नगर स्थित मेघना अस्पताल के अध्यक्ष हैं।

पॉलिटेक्निक के छात्रों की मौजूदा सुविधाओं में कोई बाधा नहीं आएगी : विवेक

मंत्री ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मुलाकात की

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शक्ति (श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण एवं कारखाना) और खान मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी ने शुक्रवार को पॉलिटेक्निक छात्रों को आश्वासन दिया कि पॉलिटेक्निक संस्थानों को शक्ति विभाग के अंतर्गत लाने के निर्णय के बाद भी उनके मौजूदा शैक्षणिक और वित्तीय लाभ जारी रहेंगे। मंत्री ने हैदराबाद के मसाब टैंक पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मुलाकात की और प्रस्तावित प्रशासनिक परिवर्तन को लेकर उनकी चिंताओं को व्यक्तिगत रूप से सुना। उन्होंने धैर्यपूर्वक छात्रों की शंकाओं और आशंकाओं का समाधान किया और उनके द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों को स्पष्ट किया। विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि सरकार पॉलिटेक्निक कॉलेजों में बुनियादी ढांचे में सुधार करने, आधुनिक तकनीकी शिक्षा शुरू करने, उद्योग संबंधों को मजबूत करने और छात्रों के लिए बेहतर रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने छात्रों को आश्वस्त किया कि उनकी शिक्षा बिना किसी रुकावट के जारी रहेगी। उन्होंने कहा, एआईसीटीई की मान्यता, परीक्षाएं और डिप्लोमा प्रमाण पत्र सब पहले की तरह ही जारी रहेंगे। आपको किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होगी। मंत्री ने स्पष्ट किया कि मौजूदा शुल्क संरचना में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा, वर्तमान शुल्क संरचना यथावत रहेगी। सरकार छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने पर भी विचार कर रही है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आप पर कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ न पड़े। उन्होंने छात्रों को यह भी आश्वासन दिया कि ईसीईटी परीक्षा मौजूदा प्रणाली के तहत जारी रहेगी, जिससे डिप्लोमा धारकों को बी.टेक कार्यक्रमों के दूसरे वर्ष में पार्श्व प्रवेश प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि मौजूदा डिप्लोमा की मान्यता और मूल्य बरकरार रहेगा। उन्होंने कहा, हमारी सरकार का उद्देश्य भविष्य में आपकी डिग्रियों का महत्व और बढ़ाना है। हम स्किल यूनिवर्सिटी को अंतरराष्ट्रीय मानकों तक ले जाना चाहते हैं और आपके लिए अधिक अवसर पैदा करना चाहते हैं। निजीकरण को लेकर जताई जा रही चिंताओं का जवाब देते हुए मंत्री ने इस तरह के किसी भी कदम से स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, पॉलीटेक्निक संस्थानों के निजीकरण का कोई सवाल ही नहीं है। पॉलीटेक्निक संस्थान सरकार के नियंत्रण में ही रहेंगे।

शिक्षा, परीक्षाएं, शुल्क और छात्र कल्याण सरकार की देखरेख में ही जारी रहेंगे। विवेक वेंकटस्वामी ने बताया कि उद्योगों की प्रस्तावित भागीदारी का उद्देश्य रोजगार के अवसरों में सुधार करना, तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करना और पॉलिटेक्निक संस्थानों के विकास के लिए सीएसआर फंड जुटाना है। मंत्री ने छात्रों को आश्वासन दिया कि मौजूदा शुल्क वापसी प्रणाली जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि पॉलिटेक्निक संस्थानों को एक सरकारी विभाग से दूसरे सरकारी विभाग में स्थानांतरित करने से छात्रों को वर्तमान में मिल रहे किसी भी लाभ में कोई कमी नहीं आएगी।

टीजीएसपीडीसीएल ने उद्योगों के लिए एकल-खिड़की सहायता प्रणाली स्थापित की

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसपीडीसीएल औद्योगिक उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति और सेवा संबंधी मुद्दों के लिए एक ही संपर्क बिंदु प्रदान करने के लिए एक ग्राहक संबंध प्रबंधक (सीआरएम) प्रणाली शुरू करेगा, सीएमडी जितेश वी. पाटिल, आईएएस ने यहां एफटीसीसीआई हितधारकों की बैठक में यह बात कही। सहायक मंडल इंजीनियरों को शिकायत प्रबंधन प्रतिनिधि (सीआरएम) के रूप में नियुक्त करने के लिए दिशानिर्देश एक महीने के भीतर जारी होने की उम्मीद है। टीजीएसपीडीसीएल उद्योगों को शिकायतें दर्ज करने और उन पर नज़र रखने के लिए एक समर्पित ईमेल सुविधा भी प्रदान करेगा। सीएमडी ने अधिकारियों को मल्लापुर, कीसारा, बालानगर, शादनगर और टूप्रान में उद्योगों द्वारा बार-बार बिजली कटौती की शिकायत को दूर करने का निर्देश दिया। बिजली कंपनी एफटीसीसीआई के साथ ग्रिड मानचित्र भी साझा करेगी ताकि उद्योग नए कनेक्शन लेते समय निकटतम सबस्टेशन की पहचान कर सकें। ओपन एक्सेस, सौर ऊर्जा, पीएम-कुसुम, व्हीलिंग और बैंकिंग शुल्क, टीओडी शुल्क और ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। टीजीएसपीडीसीएल ने पीएम-कुसुम पीपीए के तहत 19% सीयूएफ आवश्यकता के वार्षिक अनुप्रयोग और एबीटी मीटर सेटिंग्स से संबंधित चिंताओं सहित कई अभ्यावेदनों की जांच करने पर सहमति व्यक्त की। बैठक में लंबे समय से लंबित बकाया राशि के लिए प्रस्तावित एकमुश्त निपटान (ओटीएस) योजना की भी समीक्षा की गई, जो वर्तमान में मुख्य सचिव के विचाराधीन है। एफटीसीसीआई की ऊर्जा समिति द्वारा आयोजित 5वीं हितधारक बैठक में उद्योग प्रतिनिधियों और टीजीएसपीडीसीएल के अधिकारियों को औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को प्रभावित करने वाले परिचालन और नियामक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाया गया। एफटीसीसीआई के विनोद कुमार अग्रवाल, एफटीसीसीआई की ऊर्जा समिति के अध्यक्ष सुशील कुमार संचेती, ऊर्जा समिति के सह-अध्यक्ष, सलाहकार और सदस्य, टीजीएसपीडीसीएल के अधिकारी और उद्योग जगत के प्रतिनिधि बैठक में उपस्थित थे।

तेलंगाना ने प्राइवेट स्कूलों के लिए ऑनलाइन शिकायत सिस्टम शुरू किया

हैदराबाद,21 अगस्त, (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्राइवेट स्कूलों के लिए एक ऑनलाइन शिकायत मॉनिटरिंग सिस्टम शुरू करने की घोषणा की। इसका मकसद माता-पिता, छात्रों और लोगों को प्राइवेट स्कूलों से जुड़ी शिकायतें दर्ज करने में आसानी देना है।

इस नई सुविधा का इस्तेमाल https://schooledu.telangana.gov.in लिंक के ज़रिए किया जा सकता है। शिकायत करने वाले अपने मोबाइल नंबर और ओटीपी का इस्तेमाल करके लॉग-इन कर सकते हैं और अपनी समस्या दर्ज कर सकते हैं। इस सिस्टम में शिकायत को ट्रैक करने की सुविधा भी है, जिससे शिकायत करने वाले मोबाइल नंबर या शिकायत आईडी का इस्तेमाल करके अपनी शिकायत का स्टेटस देख सकते हैं।

मंचरियाल में पंचायत सचिव रिश्वत लेते हुए पकड़ी गई

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद के एसीबी अधिकारियों ने मंचरियाल जिले के जनाराम मंडल के लिंगायिपल्ली गांव की पंचायत सचिव श्रीमती जे. वरलक्ष्मी को घर बनाने की अनुमति देने और मकान का नंबर आवंटित करने के बदले में 13 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी अधिकारी ने पहले शिकायतकर्ता से 20,000 रुपये की मांग की थी, लेकिन बातचीत के बाद 13,000 रुपये लेने पर सहमत हो गई। नकद पैसे लेने के बजाय, उसने शिकायतकर्ता को निर्देश दिया कि वह फोन पे के माध्यम से राशि एक अन्य पंचायत सचिव, लावण्या के खाते में ट्रांसफर कर दे। उसके निर्देशों का पालन करते हुए, शिकायतकर्ता ने निर्दिष्ट फोन पे खाते में 13,000 रुपये स्थानांतरित कर दिए। मांग और भुगतान संबंधी निर्देशों को एसीबी द्वारा साक्ष्य के रूप में दर्ज किया गया। एसीबी ने वरलक्ष्मी को गिरफ्तार कर करीमनगर स्थित एसपीई एवं एसीबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया। मामले की जांच जारी है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी गई है।

दक्षिण भारतीय सिनेमा की चहेती स्टार सौकार जानकी का 94 वर्ष की आयु में निधन

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारतीय सिनेमा पर अमिट छाप छोड़ने वाली वयोवृद्ध अभिनेत्री सौकार जानकी, 94 वर्ष की आयु में, लंबी बीमारी के बाद कावेरी अस्पताल में इलाज के दौरान शुक्रवार को दुनिया से विदा हो गईं। सात दशकों से अधिक के करियर के साथ, जानकी ने मुख्य अभिनेत्री और चरित्र कलाकार दोनों के रूप में कई तरह की भूमिकाओं को जीवंत किया, जिससे उन्हें तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम फिल्म उद्योगों में एक विशेष स्थान प्राप्त हुआ।

उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 'सौकार' से की और 400 से अधिक फिल्मों में सैकड़ों किरदारों को निभाया। उनके निधन से फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। 12 दिसंबर, 1931 को आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले के राजामंड्री में जन्मीं जानकी का मूल नाम शंकरमंची जानकी था। उन्होंने कम उम्र में ही कला में रुचि विकसित कर ली थी और फिल्म उद्योग में प्रवेश करने से पहले रेडियो नाटकों के माध्यम से अपनी कलात्मक यात्रा शुरू की थी। जानकी ने निर्देशक एल.वी. प्रसाद की फिल्म 'सौकार' से 1950 में अपने करियर की शुरुआत की। फिल्म में उनके अभिनय ने उन्हें व्यापक पहचान दिलाई और उन्हें 'सौकार जानकी' का उपनाम मिला, जिससे वे लोकप्रिय हो गईं।

इसके बाद उन्होंने तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में सैकड़ों फिल्मों में अभिनय किया और खुद को दक्षिण भारतीय सिनेमा की सबसे बहुमुखी कलाकारों में से एक के रूप में स्थापित किया। तेलुगु सिनेमा में उन्होंने एनटी रामाराव और अक्किनेनी नागेश्वर राव जैसे दिग्गज सितारों के साथ स्क्रीन साझा की। तमिल में उन्होंने एमजी रामचंद्रन और शिवाजी गणेशन जैसे प्रसिद्ध अभिनेताओं के साथ अभिनय किया। उनकी उल्लेखनीय तेलुगु फिल्मों में रोजुलु मरायी, कन्यासुलकम, जयम मनदे, पांडुरंगा महत्यम, डॉक्टर चक्रवर्ती, अक्काचेलेलु, बदीपंतुलु और संसारम ओका चदरंगम शामिल हैं। अपने शानदार करियर के दौरान, जानकी को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए कई सम्मान प्राप्त हुए। उन्हें तमिलनाडु सरकार द्वारा कलाइमामणि पुरस्कार और आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा नंदी पुरस्कार से सम्मानित किया गया, साथ ही उन्हें कई आजीवन उपलब्धि सम्मान भी प्राप्त हुए। 2022 में, भारत सरकार ने कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया।

केवाईसी के नाम पर हो रही धोखाधड़ी, रहे सावधान

भारतीय रिज़र्व बैंक कर रहा है अलर्ट जारी

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सतर्क रहें। यदि आपको अपना केवाईसी अपडेट करें अन्यथा आपका खाता ब्लॉक कर दिया जाएगा जैसा संदेश मिला है, तो घबराएं नहीं। यह एक घोटाला है। क्लिक करने से पहले सोच-समझ लें। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) साइबर हमलों में दिन-प्रतिदिन हो रही वृद्धि को देखते हुए समय-समय पर अलर्ट जारी कर रहा है। अलर्ट में कहा गया है: जालसाज़ फर्जी आपातकालीन स्थितियां पैदा करते हैं। इन तीन नियमों का पालन करके उन्हें उन्हीं के जाल में फंसाएं: रुकें: जल्दबाजी में कोई कदम न उठाएं। सोचें: बैंक/एनबीएफसी कभी भी केवाईसी अपडेट के लिए लिंक नहीं भेजते। कार्रवाई करें: ऐसे लिंक पर कभी क्लिक न करें और न ही अपना ओटीपी, पिन और पासवर्ड साझा करें। अपने बैंक/एनबीएफसी से संपर्क करें।

झड़प के बाद इफ्लू ने 14 छात्रों को सस्पेंड किया

हैदराबाद,21 अगस्त, (स्वतंत्र वार्ता)। इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज यूनिवर्सिटी (इफ्लू) प्रशासन ने गुरुवार को दो छात्र संगठनों के बीच हुई हिंसक झड़प के सिलसिले में 14 छात्रों को सस्पेंड कर दिया, जिसमें कई छात्र घायल हो गए थे।

सूत्रों के अनुसार, यूनिवर्सिटी कैंपस में हिंसा फैलाने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में सस्पेंड किए गए छात्रों में एनएसयूआई और एबीवीपी के सात-सात छात्र शामिल हैं।

घटना की जांच करने और 10 दिनों में रिपोर्ट सौंपने के लिए चार सीनियर प्रोफेसरों की एक जांच कमेटी बनाई गई है। सूत्रों ने कहा, जब तक कमेटी अपनी रिपोर्ट नहीं सौंप देती, तब तक 14 छात्र सस्पेंशन के तहत रहेंगे। एनएसयूआई के एक छात्र को पहले ही कैंपस में कांग्रेस के एक एमएलसी को लाने के आरोप में हॉस्टल छोड़ने के लिए कहा जा चुका है।

इस बीच, इफ्लू छात्र संघ ने प्रशासन से सस्पेंशन को तुरंत रद्द करने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। वे चाहते थे कि घटना की जांच के लिए एक स्वतंत्र जांच कमेटी बनाई जाए। यह हिंसक झड़प 14 अगस्त को हुई थी। इससे एक दिन पहले एबीवीपी सदस्यों ने महिला हॉस्टल में विरोध प्रदर्शन किया था, जिसके दौरान एबीवीपी और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के बीच बहस हुई थी।

एनएसयूआई ने एबीवीपी सदस्यों पर एक छात्र के खिलाफ जातिसूचक टिप्पणी करने और इफ्लू छात्र संघ के उपाध्यक्ष के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एबीवीपी सदस्यों के एक समूह ने उनके सदस्यों पर लाठियों और कांच की बोतलों से हमला किया, जिससे कई छात्र घायल हो गए।

हालांकि, एबीवीपी इफ्लू यूनिट के अनुसार, 13 अगस्त को एक वार्डन ने दो छात्राओं के साथ बदतमीजी से बात की और कुछ टिप्पणियां कीं, जिन्होंने हॉस्टल में रहने का अनुरोध किया था। इसके बाद, एबीवीपी ने दावा किया कि उसके सदस्यों ने यह मुद्दा उठाया और छात्रों के समर्थन में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही, उन्होंने हॉस्टल की बुनियादी सुविधाओं, जैसे साफ़ वॉशरूम और पीने के सुरक्षित पानी से जुड़ी चिंताओं को भी सामने रखा।

एबीवीपी का आरोप है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान, एनएसयूआई के सदस्यों ने बहस और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करके शांतिपूर्ण प्रदर्शन में बाधा डालने की कोशिश की।

हालांकि बाद में छात्र वहां से चले गए, लेकिन एबीवीपी का आरोप है कि 14 अगस्त की रात करीब 3 बजे एनएसयूआई के कुछ सदस्य बीए के एक छात्र के कमरे में घुस गए और उसके साथ मारपीट की। इस दौरान दोनों गुटों के बीच झड़प हो गई। एबीवीपी के मुताबिक, उसके सात सदस्यों को गिरफ़्तार किया गया, लेकिन पुलिस ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को छोड़ दिया।

कागज़नगर में सब्जी बेचने वालों ने उत्पीड़न के विरोध में सड़क पर सब्जियां फेंकीं

कुमरम भीम आसिफाबाद,21 अगस्त, (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क किनारे सब्जी बेचने वालों ने नगर निगम अधिकारियों से कागज़नगर की सिरसिल्क कॉलोनी में सब्जी बाजार बनाने का आग्रह किया। उन्होंने शुक्रवार को कागज़नगर में सड़क पर सब्जियां फेंककर अधिकारियों द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न का विरोध किया; उनका आरोप था कि अधिकारी उन्हें सब्जियां बेचने से रोक रहे थे। सीपीआई पार्टी ने इस विरोध प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया।

आस-पास के कई गांवों के छोटे विक्रेताओं का दावा था कि वे 1946 से सिरसिल्क कंपनी के पास शेड के नीचे सब्जियां बेच रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि अब उस जगह पर कुछ लोगों और जन प्रतिनिधियों ने कब्जा कर लिया है और वहां अवैध निर्माण किए गए हैं, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि वे सब्जियां कहां बेचें।

विक्रेताओं ने बताया कि कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान उन्हें शेड छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की लापरवाही के कारण कुछ लोगों ने उस जगह पर कब्जा कर लिया। उन्होंने कहा कि वे कॉलोनी की सड़क पर सब्जियां बेचने के लिए मजबूर थे। उन्होंने अधिकारियों से कथित तौर पर उनके साथ दुर्व्यवहार करने के लिए माफी की मांग की।

सीपीआई नेताओं ने मांग की कि नगर निगम अधिकारी अवैध निर्माणों को हटाएं और सब्जी बाजार को तुरंत फिर से शुरू करें। उन्होंने अधिकारियों से 'रैथु बाजार' (किसान बाजार) बनाने की मांग की। उन्होंने विक्रेताओं के साथ खड़े रहने और अगर उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो नगर निगम अधिकारियों के खिलाफ आंदोलन तेज करने का वादा किया।

पावरग्रिड POWERGRID

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत एक महारत्न उद्यम, पात्र अभ्यर्थियों से शिक्षुता प्रशिक्षण (Apprenticeship Training) या प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम अवसरों हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।

(1) अप्रेंटिस अधिनियम, 1961 के अंतर्गत प्रशिक्षुओं की नियुक्ति

अप्रेंटिस अधिनियम, 1961 तथा उसके संशोधनों के प्रावधानों के अंतर्गत विभिन्न ट्रेडों में एक वर्षीय शिक्षुता प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। विस्तृत विज्ञापन/अधिसूचना पावरग्रिड की वेबसाइट www.powergrid.in के करियर अनुभाग में उपलब्ध है। NAPS/NATS अप्रेंटिसशिप पोर्टल पर पंजीकरण/आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को पावरग्रिड की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। केवल पावरग्रिड की वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे एवं नियुक्ति प्रक्रिया हेतु विचार किए जाएंगे।

ऑनलाइन आवेदन प्रारम्भ होने की तिथि	25 अगस्त 2026
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि	10 सितम्बर 2026

अप्रेंटिसशिप हेतु आवेदन करने के लिए QR कोड स्कैन करें।

(2) प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (PMIS) के अंतर्गत इंटर्नशिप अवसर

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (PMIS) के तहत 9 महीने की इंटर्नशिप के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। विस्तृत जानकारी और रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया https://pminternship.mca.gov.in/login/ पर उपलब्ध है। PMIS इंटर्नशिप अवसरों के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों को केवल PMIS पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा।

ऑनलाइन आवेदन प्रारम्भ होने की तिथि	22 अगस्त 2026
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि	5 सितम्बर 2026

PMIS इंटर्नशिप हेतु आवेदन करने के लिए QR कोड स्कैन करें।

महत्वपूर्ण सूचना: अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण अथवा PMIS इंटर्नशिप की अवधि पूर्ण होने के उपरांत अभ्यर्थियों का पावरग्रिड में किसी प्रकार की नियुक्ति/रोजगार पर कोई दावा या अधिकार नहीं होगा।

PG/APPRENTICESHIP/2026/NC1

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उद्यम)
पंजीकृत कार्यालय: बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016
सदर्न रीजन: RHQ, #6-6-8/32 एवं 395E, कवाडिगुडा मेन रोड, सिकंदराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना, 500080
वेबसाइट: www.powergrid.in
एक महारत्न पीएसयू

SBI
भारतीय स्टेट बैंक
केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई
फोन: 022-22820427
आवेदन के लिए क्यूआर स्कैन करें

नियमित/संविदा आधार पर विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारियों की भर्ती

नियमित/संविदा आधार पर निम्नलिखित पद के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2026-27/11 (संविदा पद)

पद का नाम	रिक्ति	आयु (31.07.2026 तक) न्यूनतम	आयु (31.07.2026 तक) अधिकतम
उप उपाध्यक्ष (डीवीपी) – साइबर इनोवेशन और सिमुलेशन लैब	1	35	45
उप उपाध्यक्ष (डीवीपी) – सिटिज़न सेंट्रिक इनिशिएटिव्स	1		
उप उपाध्यक्ष (डीवीपी) – सायबर सुरक्षा	2		

(नियमित पद)

पद का नाम	रिक्ति	श्रेणी	आयु (31.07.2026 तक) न्यूनतम	आयु (31.07.2026 तक) अधिकतम
उप प्रबंधक – एआई विशेषज्ञ	25	एमएमजीएस-II	25	35
उप प्रबंधक – साइबर सुरक्षा विश्लेषक	3			
उप प्रबंधक – आईटी सुरक्षा विशेषज्ञ	2			

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2026-27/12 (नियमित पद)

पद का नाम	रिक्ति	श्रेणी	आयु (31.07.2026 तक) न्यूनतम	आयु (31.07.2026 तक) अधिकतम
प्रबंधक (मैनपावर प्लानिंग और रिक्रूटमेंट)	1	एमएमजीएस-III	28	40
प्रबंधक (लर्निंग और डेवलपमेंट)	1	एमएमजीएस-III	28	40

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2026-27/13 (संविदा पद)

पद का नाम	रिक्ति	आयु न्यूनतम	आयु अधिकतम
उप-अध्यक्ष (एंटरप्राइज और टेक्नोलॉजी आर्किटेक्ट)	1	40	48
उप-मुख्य टेक्नोलॉजी अधिकारी (एंटरप्राइज आर्किटेक्चर)	1	42	50

पात्रता मानदंड (आयु, अनुभव, जॉब प्रोफाइल आदि), रिक्ति विवरण, आवश्यक शुल्क एवं अन्य विवरण के लिए बैंक की वेबसाइट https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings पर लॉग ऑन करें, जहाँ उपरोक्त विस्तृत विज्ञापन उपलब्ध हैं. इसके साथ आवेदन को ऑनलाइन जमा करने और साथ ही साथ आवेदन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने हेतु एक लिंक भी दी गई है. आवेदन करने और शुल्क भेजने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने एवं अन्य विवरणों के लिए विस्तृत विज्ञापन पढ़ें. कोई अन्य पूछताछ करने के लिए कृपया "CONTACT US"→"Post Your Query" लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो कि बैंक की वेबसाइट (https://sbi.bank.in/web/careers/post-your-query) पर उपलब्ध है.

- आवेदन ऑनलाइन जमा करने और शुल्क का भुगतान करने की तिथि : 07.08.2026 से 27.08.2026 तक.

स्थान: मुंबई
दिनांक: 07.08.2026
महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.